शानदार गेट्सबाई

एफ. स्कॉट फिट्ज़गेराल्ड

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

□□□□□□ □□□□□□□□
□□ □□□□□
4228/1, Ansari Road, Daryaganj
□□ □□□□□□ – 110002
□□□□: 011 – 23282971, 9911359970
□□□□: generalpressindia@gmail.com
© □□□□ □□□□□
□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□□□□□□□, □□□□ □□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ - □□□□□□□□□□□□□, □□□□□□□□□, □□□□□□□□□, □□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ - □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□
□□□□ □□□□□□□□: 2014
ISBN : 9789380914473
□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□:
www.flipkart.com, www.amazon.in
www.homeshop18.com
□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□□□□

अंतर्वस्तु
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9

एक बार फिर ज़ेल्डा को

फिर सोने की टोपी पहन लो, अगर इससे वह मान जाएगी;
अगर आप ऊंची छलांग लगा सकते हैं, तो उसके लिए भी ऊंची छलांग लगाएं।
जब तक वह रो न दे, “प्रेमी, सोने की टोपी वाला, ऊँची छलांग लगाने वाला प्रेमी,
मुझे तुम्हें पाना ही होगा!
— थॉमस पार्के डी'इनविलियर्स

अध्याय 1

जब मैं छोटा और अधिक संवेदनशील था, तब मेरे पिता ने मुझे कुछ सलाह दी थी, जिसे मैं तब से लगातार अपने मन में दोहराता रहता हूं।
उन्होंने मुझसे कहा, "जब भी आपको किसी की आलोचना करने का मन करे, तो बस याद रखें कि इस दुनिया में सभी लोगों को वे फायदे नहीं मिले हैं जो आपको मिले हैं।"
उन्होंने आगे कुछ नहीं कहा, लेकिन हम हमेशा से ही संयमित तरीके से असामान्य रूप से संवाद करते आए हैं, और मैं समझ गया कि उनका मतलब इससे कहीं अधिक था। परिणामस्वरूप, मैं सभी राय को सुरक्षित रखने की प्रवृत्ति रखता हूँ, एक ऐसी आदत जिसने मुझे कई जिज्ञासु स्वभावों से परिचित कराया है और मुझे कई अनुभवी उबाऊ लोगों का शिकार भी बनाया है। एक असामान्य मन इस गुण को एक सामान्य व्यक्ति में प्रकट होते ही तुरंत पहचान लेता है और उससे जुड़ जाता है, और इसी कारण कॉलेज में मुझ पर अन्यायपूर्ण ढंग से राजनेता होने का आरोप लगाया गया, क्योंकि मैं अनभिज्ञ, अनजान पुरुषों के गुप्त दुखों का वाकिफ था। अधिकांश बातें बिना माँगे ही बताई गई थीं - अक्सर जब मुझे किसी स्पष्ट संकेत से पता चलता था कि कोई अंतरंग रहस्य उजागर होने वाला है, तो मैं सोने, व्यस्त होने या शत्रुतापूर्ण हल्केपन का बहाना करता था; क्योंकि युवा पुरुषों के अंतरंग रहस्य, या कम से कम जिस तरह से वे उन्हें व्यक्त करते हैं, आमतौर पर नकल किए हुए और स्पष्ट दमन से दूषित होते हैं। राय को सुरक्षित रखना असीम आशा का विषय है। मुझे अब भी थोड़ा डर लगता है कि अगर मैं यह भूल जाऊं कि, जैसा कि मेरे पिता ने घमंडी ढंग से सुझाव दिया था, और मैं भी घमंडी ढंग

परिवार हैं, और हमारी यह परंपरा है कि हम बकल्यूच के ड्यूक्स के वंशज हैं, लेकिन मेरे वंश के वास्तविक संस्थापक मेरे दादा के भाई थे, जो 51 में यहाँ आए, गृहयुद्ध में अपना एक प्रतिनिधि भेजा, और थोक हार्डवेयर का व्यवसाय शुरू किया जिसे आज मेरे पिता चला रहे हैं।
मैंने अपने इस परदादा को कभी नहीं देखा, लेकिन माना जाता है कि मैं उन्हीं की तरह दिखता हूँ – खासकर पिताजी के दफ्तर में टंगी उस सख्त मिजाज वाली पेंटिंग को देखकर। मैंने 1915 में न्यू हेवन से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, अपने पिता के ठीक पच्चीस साल बाद, और कुछ समय बाद ही मैंने उस विलंबित जर्मन पलायन में भाग लिया जिसे प्रथम विश्व युद्ध के नाम से जाना जाता है। मुझे जवाबी हमले में इतना मजा आया कि मैं बेचैन होकर लौटा। दुनिया के गर्मजोशी भरे केंद्र के बजाय, मध्य पश्चिम अब ब्रह्मांड के उजाड़ किनारे जैसा लग रहा था – इसलिए मैंने पूर्व की ओर जाकर बॉन्ड का कारोबार सीखने का फैसला किया। मेरे सभी परिचित बॉन्ड के कारोबार में थे, इसलिए मैंने सोचा कि इससे एक और अविवाहित व्यक्ति का गुजारा हो सकता है। मेरे सभी चाचा-चाची और मामा-मामी ने इस बारे में ऐसे बात की जैसे वे मेरे लिए कोई तैयारी स्कूल चुन रहे हों, और अंत में बहुत गंभीर, झिझकते चेहरों के साथ कहा, "हाँ, बिल्कुल।" पिताजी एक साल के लिए मुझे आर्थिक सहायता देने के लिए राजी हो गए, और कई देरी के बाद, 22 वीं सदी की वसंत ऋतु में मैं स्थायी रूप से पूर्व की ओर आ गया, ऐसा मैंने सोचा था। व्यावहारिक तौर पर तो शहर में कमरे ढूंढना ही बेहतर था, लेकिन गर्मी का मौसम था और मैं अभी-अभी खुले मैदानों और हरे-भरे पेड़ों वाले देश से आया था। इसलिए जब दफ्तर में एक नौजवान ने सुझाव दिया कि हम किसी ऐसे कस्बे में साथ में घर ले लें जहाँ

आना-जाना आसान हो, तो यह मुझे बहुत अच्छा लगा। उसने घर ढूंढ लिया, एक जर्जर सा कार्डबोर्ड का बंगला, जिसका किराया अस्सी डॉलर प्रति माह था, लेकिन आखिरी समय में कंपनी ने उसे वाशिंगटन बुला लिया और मैं अकेला ही गाँव चला गया। मेरे पास एक कुत्ता था
– कम से कम कुछ दिनों के लिए तो था, जब तक कि वह भाग नहीं गया – और एक पुरानी डॉज कार और एक फिनिश महिला, जो मेरा बिस्तर लगाती, नाश्ता बनाती और बिजली के चूल्हे पर खुद से फिनिश भाषा में कुछ ज्ञान की बातें बुदबुदाती रहती थी।
एक-दो दिन तक तो सन्नाटा छाया रहा, फिर एक सुबह एक आदमी ने, जो मुझसे कुछ ही समय पहले वहाँ पहुँचा था, मुझे सड़क पर रोक लिया। “वेस्ट एग गांव कैसे पहुँचें?” उसने बेबसी से पूछा।
मैंने उसे बताया। और जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ता गया, मुझे अब अकेलापन महसूस नहीं हो रहा था। मैं एक मार्गदर्शक, एक पथप्रदर्शक, एक मूल निवासी बन गया था। उसने सहजता से मुझे पूरे मोहल्ले में घूमने की स्वतंत्रता प्रदान कर दी थी।
और इसलिए धूप और पेड़ों पर उगने वाली पत्तियों के बड़े-बड़े गुच्छों के साथ, ठीक वैसे ही जैसे फिल्मों में चीजें तेजी से बढ़ती हैं, मुझे वही परिचित विश्वास हुआ कि गर्मियों के साथ जीवन फिर से शुरू हो रहा है।
एक तो पढ़ने के लिए बहुत कुछ था, और दूसरा ताजगी भरी युवा हवा से भरपूर सेहत को भी भरपूर फायदा उठाना था। मैंने बैंकिंग, क्रेडिट और निवेश प्रतिभूतियों पर एक दर्जन किताबें खरीदीं, और वे मेरी अलमारी में लाल और सुनहरे रंग में ऐसे सजी थीं मानो टकसाल से निकले नए सिक्के हों, मानो उन चमकदार रहस्यों को उजागर करने का वादा कर रही हों जिन्हें केवल मिडास, मॉर्गन और मेकेनस ही जानते थे। और मेरा इरादा इनके अलावा भी कई किताबें पढ़ने का

मुझे नहीं पता कि वे पूरब क्यों आए। उन्होंने बिना किसी खास वजह के एक साल फ्रांस में बिताया था, और फिर बेचैनी से इधर-उधर भटकते रहे जहाँ भी पोलो खेलने वाले और अमीर लोग एक साथ रहते थे। डेज़ी ने फोन पर कहा कि यह एक स्थायी कदम था, लेकिन मुझे इस पर यकीन नहीं हुआ - मुझे डेज़ी के दिल की बात तो पता नहीं थी, लेकिन मुझे लगा कि टॉम हमेशा भटकता रहेगा, थोड़ी उदासी के साथ, किसी अपूरणीय फुटबॉल मैच के नाटकीय उथल-पुथल की तलाश में।
और फिर हुआ यूं कि एक गर्म, हवादार शाम को मैं अपने दो पुराने दोस्तों से मिलने ईस्ट एग गया, जिन्हें मैं लगभग जानता ही नहीं था। उनका घर मेरी उम्मीद से भी कहीं अधिक भव्य था, एक खुशनुमा लाल और सफेद रंग का जॉर्जियन कॉलोनियल हवेली, जो खाड़ी के नज़ारे पेश करती थी। लॉन समुद्र तट से शुरू होकर सामने के दरवाजे की ओर एक चौथाई मील तक फैला हुआ था, धूपघड़ियों, ईंटों से बने रास्तों और जलते हुए बगीचों को पार करते हुए - अंत में जब वह घर तक पहुंचा तो चमकीली लताओं के साथ किनारे पर ऊपर की ओर बढ़ता हुआ प्रतीत हुआ, मानो दौड़ की गति से। सामने की ओर फ्रेंच खिड़कियों की एक कतार थी, जो अब परावर्तित सुनहरे रंग से चमक रही थीं और गर्म, हवादार दोपहर में खुली हुई थीं, और टॉम बुकानन घुड़सवारी के कपड़ों में सामने के बरामदे पर पैर फैलाकर खड़े थे।
न्यू हेवन में बिताए दिनों से वह बदल चुका था। अब वह तीस साल का एक हट्टा-कट्टा, भूरे बालों वाला आदमी था, जिसकी ज़बान थोड़ी सख्त थी और व्यवहार घमंडी था। उसकी दो चमकती, अभिमानी आँखें उसके चेहरे पर हावी थीं और उसे हमेशा आक्रामक ढंग से आगे की ओर झुका हुआ दिखाती थीं। उसके दिखावटी घुड़सवारी के कपड़ों की शान-शौकत भी उसके शरीर की अपार शक्ति को छिपा नहीं सकती थी – ऐसा

लगता था मानो वह उन चमकदार बूटों में इतना भरा हुआ हो कि ऊपर की फीती भी खिंच जाए, और उसकी पतली जैकेट के नीचे जब उसका कंधा हिलता था तो मांसपेशियों का एक बड़ा हिस्सा हिलता हुआ दिखाई देता था। यह एक ऐसा शरीर था जो ज़बरदस्त ताकत पैदा करने में सक्षम था – एक क्रूर शरीर।
उनकी कर्कश, भारी आवाज़, उनके चिड़चिड़ेपन के भाव को और बढ़ा देती थी। उसमें एक तरह की पितृवत अवमानना झलकती थी, यहाँ तक कि उन लोगों के प्रति भी जिन्हें वे पसंद करते थे – और न्यू हेवन में ऐसे लोग भी थे जो उनसे बेहद नफरत करते थे।
“अब, यह मत सोचो कि इन मामलों पर मेरी राय अंतिम है,” वह मानो कह रहा था, “सिर्फ इसलिए कि मैं तुमसे ज़्यादा ताकतवर और मर्द हूँ।” हम दोनों एक ही वरिष्ठ मंडली में थे, और हालाँकि हमारे बीच कभी घनिष्ठ संबंध नहीं हुए, मुझे हमेशा यह आभास होता था कि वह मुझे पसंद करता है और चाहता है कि मैं भी उसे पसंद करूँ, और उसके मन में भी एक तरह की कठोर, विद्रोही उदासी थी।
हमने धूप से भरे बरामदे में कुछ मिनट तक बातें कीं।
“मेरे पास यहाँ एक अच्छी जगह है,” उसने बेचैनी से इधर-उधर देखती आँखों के साथ कहा।
मुझे एक हाथ से घुमाते हुए, उसने अपना चौड़ा सपाट हाथ सामने के दृश्य पर घुमाया, जिसमें एक डूबा हुआ इतालवी उद्यान, आधा एकड़ में फैले गहरे, तीखे गुलाब और एक चपटी नाक वाली मोटरबोट शामिल थी जो तट से दूर ज्वार से टकरा रही थी।
“यह तेल व्यापारी डेमेन का था।” उन्होंने मुझे फिर से विनम्रतापूर्वक और अचानक घुमाते हुए कहा, “हम अंदर चलते हैं।” हम एक ऊंचे गलियारे से गुज़रते हुए एक चमकीले गुलाबी रंग के कमरे में पहुँचे, जो दोनों सिरों पर बनी फ्रेंच खिड़कियों से घर

से नाजुक ढंग से जुड़ा हुआ था। खिड़कियाँ थोड़ी खुली थीं और बाहर उगी ताज़ी घास पर सफ़ेद चमक रही थीं, जो घर के अंदर तक फैली हुई प्रतीत हो रही थी। कमरे में एक हल्की हवा बह रही थी, जो पर्दों को एक सिरे से अंदर और दूसरे सिरे से बाहर हल्के झंडों की तरह उड़ा रही थी, उन्हें छत की ओर घुमा रही थी, जो मानो शादी के केक की तरह चमक रही थी, और फिर वाइन रंग के कालीन पर लहरा रही थी, उस पर ऐसी छाया बना रही थी जैसे हवा समुद्र पर बनाती है। कमरे में एकमात्र स्थिर वस्तु एक विशाल सोफा था, जिस पर दो युवतियाँ किसी लंगर वाले गुब्बारे की तरह हवा में तैर रही थीं। दोनों ने सफेद कपड़े पहने थे और उनकी पोशाकें लहरा रही थीं, मानो वे घर के चारों ओर थोड़ी देर उड़ने के बाद वापस लौटी हों। मैं कुछ क्षणों तक पर्दों की फड़फड़ाहट और दीवार पर लगी तस्वीर की चरमराहट सुनता रहा। फिर एक ज़ोरदार धमाका हुआ जब टॉम बुकानन ने पीछे की खिड़कियाँ बंद कर दीं और कमरे में भरी हवा शांत हो गई, और पर्दे, कालीन और दोनों युवतियाँ धीरे-धीरे गुब्बारे की तरह ज़मीन पर आ गिरीं।
उन दोनों में से छोटी वाली मेरे लिए अजनबी थी। वह सोफे के अपने छोर पर पूरी लंबाई में लेटी हुई थी, बिल्कुल स्थिर, और उसकी ठुड्डी थोड़ी ऊपर उठी हुई थी, मानो वह उस पर कुछ संतुलित कर रही हो जो कभी भी गिर सकता हो। अगर उसने मुझे तिरछी नजरों से देखा भी तो उसने इसका कोई संकेत नहीं दिया – वास्तव में, मैं लगभग आश्चर्यचकित होकर धीरे से माफी मांगने लगा कि मैंने अंदर आकर उसे परेशान किया है।
दूसरी लड़की, डेज़ी ने उठने की कोशिश की - वह सचेत भाव से थोड़ा आगे झुकी - फिर वह हंसी, एक बेतुकी, मनमोहक सी हंसी, और मैं भी हंस पड़ा और कमरे में आगे आ गया।

“मैं खुशी से स्तब्ध हूँ।” वह फिर हँसी, मानो उसने कोई बहुत ही चतुराई भरी बात कही हो, और एक पल के लिए मेरा हाथ थामे, मेरी ओर देखते हुए, वादा किया कि दुनिया में ऐसा कोई नहीं है जिसे वह इतना देखना चाहती हो। यही उसका स्वभाव था। उसने दबी आवाज़ में इशारा किया कि संतुलन बनाने वाली लड़की का उपनाम बेकर था। (मैंने सुना है कि डेज़ी का दबी आवाज़ में बोलना केवल लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए था; एक बेतुकी आलोचना, जो फिर भी उतनी ही आकर्षक थी।)
खैर, मिस बेकर के होंठ फड़फड़ाए, उन्होंने लगभग न के बराबर ही सिर हिलाकर मेरी ओर इशारा किया, और फिर झट से अपना सिर पीछे झुका लिया – जाहिर है, जिस चीज़ को वह संभाले हुए थीं, वह थोड़ी लड़खड़ा गई थी और उन्हें थोड़ा डर लग गया था। एक बार फिर मेरे होंठों पर माफी के भाव उभर आए। आत्मनिर्भरता का कोई भी प्रदर्शन मुझे अचंभित कर देता है।
मैंने अपनी चचेरी बहन की ओर देखा, जिसने अपनी धीमी, मोहक आवाज़ में मुझसे सवाल पूछना शुरू किया। उसकी आवाज़ ऐसी थी कि कान उसे ऊपर से नीचे तक सुनते थे, मानो हर शब्द सुरों का ऐसा संयोजन हो जो फिर कभी नहीं बजेगा। उसका चेहरा उदास और प्यारा था, जिसमें चमक थी - चमकीली आँखें और एक जोशीला होंठ, लेकिन उसकी आवाज़ में एक ऐसी उत्तेजना थी जिसे उसके चाहने वाले पुरुष भूल नहीं पाते थे: एक मधुर आवेग, फुसफुसाते हुए "सुनो," एक वादा कि उसने अभी कुछ देर पहले ही कुछ मज़ेदार और रोमांचक काम किए हैं और अगले घंटे में भी कुछ मज़ेदार और रोमांचक होने वाले हैं।
मैंने उसे बताया कि कैसे मैं पूर्व की ओर जाते समय एक दिन के लिए शिकागो में रुका था, और कैसे एक दर्जन लोगों ने मेरे माध्यम से अपना प्यार भेजा था।

“क्या वे मुझे याद करते हैं?” वह खुशी से चिल्लाई।
“पूरा शहर वीरान पड़ा है। सभी कारों के बाएं पिछले पहिये को शोक की माला की तरह काला रंग दिया गया है, और उत्तरी तट पर पूरी रात लगातार विलाप की आवाज गूंज रही है।”
“कितना सुंदर है! चलो वापस चलते हैं, टॉम। कल!” फिर उसने बेमतलब कहा: “तुम्हें बच्चे को देखना चाहिए।”
"मैं।"
“वह सो रही है। वह तीन साल की है। क्या आपने उसे कभी नहीं देखा?” "कभी नहीं।"
“अच्छा, तुम्हें उसे देखना चाहिए। वह तो...”
टॉम बुकानन, जो कमरे में बेचैनी से इधर-उधर घूम रहा था, रुक गया और उसने अपना हाथ मेरे कंधे पर रख दिया।
“निक, तुम क्या कर रहे हो?”
मैं एक बॉन्ड एजेंट हूँ।
"किसके साथ?"
मैंने उससे कहा।
उन्होंने दृढ़ता से कहा, "मैंने उनके बारे में कभी नहीं सुना।" इससे मुझे गुस्सा आया।
मैंने संक्षिप्त उत्तर दिया, "तुम ज़रूर करोगे। अगर तुम पूरब में रहोगे तो ज़रूर करोगे।"
“ओह, मैं पूरब में ही रहूंगा, आप चिंता न करें,” उसने डेज़ी की ओर देखते हुए और फिर मेरी ओर देखते हुए कहा, मानो वह किसी और बात पर ध्यान दे रहा हो। “कहीं और रहना मेरे लिए सरासर मूर्खता होगी।” इस पर मिस बेकर ने इतनी अचानक आवाज़ में कहा: “बिल्कुल!” कि मैं चौंक गया – कमरे में आने के बाद यह उनका पहला शब्द था। ज़ाहिर

है, उन्हें भी उतनी ही हैरानी हुई जितनी मुझे, क्योंकि उन्होंने जम्हाई ली और तेज़ी से, फुर्ती से कमरे में खड़ी हो गईं।
“मेरा शरीर अकड़ गया है,” उसने शिकायत की, “मुझे याद नहीं कि मैं कब से उस सोफे पर लेटी हुई हूँ।”
"मेरी तरफ मत देखो," डेज़ी ने पलटकर जवाब दिया, "मैं तुम्हें पूरी दोपहर से न्यूयॉर्क ले जाने की कोशिश कर रही हूँ।" पेंट्री से अभी-अभी आए चार कॉकटेलों से मिस बेकर ने कहा, "नहीं, धन्यवाद। मैं बिल्कुल ट्रेनिंग में हूँ।"
उसके मेजबान ने अविश्वास भरी नजरों से उसकी ओर देखा।
“तुम हो!” उसने अपना पेय ऐसे पी लिया मानो वह गिलास की तली में गिरी एक बूँद हो। “तुम कभी कोई काम कैसे कर लेते हो, यह मेरी समझ से परे है।”
मैंने मिस बेकर को देखा, यह सोचते हुए कि आखिर उन्होंने क्या काम किया है। मुझे उन्हें देखना अच्छा लग रहा था। वह दुबली- पतली, छोटे स्तनों वाली लड़की थीं, सीधी खड़ी थीं, जिसे वह युवा कैडेट की तरह कंधों से पीछे की ओर झुकाकर और भी आकर्षक बना रही थीं। धूप से झुलसी उनकी धूसर आँखें एक मुरझाए, आकर्षक, असंतुष्ट चेहरे से विनम्रतापूर्वक जिज्ञासा भरी निगाहों से मेरी ओर देख रही थीं। अब मुझे याद आया कि मैंने उन्हें, या उनकी तस्वीर, कहीं पहले देखी है।
“तुम वेस्ट एग में रहते हो,” उसने तिरस्कारपूर्वक कहा। “मैं वहाँ किसी को जानती हूँ।”
मुझे एक भी नहीं पता—
"तुम्हें गैट्सबी के बारे में जरूर पता होगा।"
“गैट्सबी?” डेज़ी ने पूछा। “कौन सा गैट्सबी?”

इससे पहले कि मैं जवाब दे पाता कि वह मेरा पड़ोसी है, खाने की घोषणा हो गई; टॉम बुकानन ने अपनी तनावपूर्ण बांह को मेरी बांह के नीचे जबरदस्ती फंसाते हुए मुझे कमरे से बाहर धकेल दिया, मानो वह किसी मोहरे को दूसरे खाने में ले जा रहा हो।
दुबली-पतली, सुस्त चाल से, अपने हाथों को हल्के से अपनी कमर पर रखे हुए, दोनों युवतियाँ हमसे पहले एक गुलाबी रंग के बरामदे में चली गईं, जो सूर्यास्त की ओर खुला था, जहाँ कम होती हवा में मेज पर चार मोमबत्तियाँ टिमटिमा रही थीं।
“मोमबत्तियाँ क्यों?” डेज़ी ने भौंहें चढ़ाते हुए आपत्ति जताई। उसने उंगलियों से मोमबत्तियाँ बुझा दीं। “दो हफ़्ते में साल का सबसे लंबा दिन होगा।” उसने हम सभी को चमकती आँखों से देखा। “क्या आप हमेशा साल के सबसे लंबे दिन का इंतज़ार करते हैं और फिर उसे चूक जाते हैं? मैं हमेशा साल के सबसे लंबे दिन का इंतज़ार करती हूँ और फिर उसे चूक जाती हूँ।”
"हमें कुछ योजना बनानी चाहिए," मिस बेकर ने जम्हाई लेते हुए कहा और मेज पर ऐसे बैठ गईं जैसे बिस्तर पर जा रही हों।
“ठीक है,” डेज़ी ने कहा। “हम क्या योजना बनाएंगे?” उसने असहाय होकर मेरी ओर देखा: “लोग योजनाएँ कैसे बनाते हैं?”
इससे पहले कि मैं कुछ जवाब दे पाती, उसकी निगाहें विस्मय भरी निगाहों से उसकी छोटी उंगली पर टिक गईं।
“देखो!” उसने शिकायत की; “मैंने इसे चोट पहुँचाई है।”
हम सबने देखा – उंगली का जोड़ काला और नीला पड़ गया था।
“तुमने ही किया है, टॉम,” उसने आरोप लगाते हुए कहा। “मुझे पता है तुम्हारा ऐसा करने का इरादा नहीं था, लेकिन तुमने ही किया है। एक क्रूर, विशालकाय, भारी-भरकम शरीर वाले आदमी से शादी करने का यही नतीजा है।”

“मुझे ‘हल्किंग’ शब्द से नफरत है,” टॉम ने चिढ़कर आपत्ति जताई, “मजाक में भी नहीं।”
"विशालकाय," डेज़ी ने ज़ोर देकर कहा।
कभी-कभी वो और मिस बेकर एक साथ बातें करती थीं, चुपचाप और हल्के- फुल्के अंदाज़ में, जो कभी पूरी तरह से गपशप नहीं होती थी, उनकी सफेद पोशाकों और उनकी भावहीन आँखों की तरह शांत, जिनमें किसी तरह की कोई इच्छा नहीं दिखती थी। वे यहाँ थीं, और उन्होंने टॉम और मुझे स्वीकार किया, बस विनम्रतापूर्वक हमारा मनोरंजन करने या खुद मनोरंजन पाने की कोशिश की। वे जानती थीं कि जल्द ही खाना खत्म हो जाएगा और थोड़ी देर बाद शाम भी खत्म हो जाएगी और सहजता से समाप्त हो जाएगी। यह पश्चिम से बिल्कुल अलग था, जहाँ शाम को एक चरण से दूसरे चरण में जल्दबाजी में खत्म किया जाता था, लगातार निराशा भरी उम्मीद में या फिर उस पल के डर से।
“डेज़ी, तुम मुझे असभ्य जैसा महसूस कराती हो,” मैंने अपने दूसरे गिलास क्लारेट (एक तरह की लेकिन काफी प्रभावशाली वाइन) का आनंद लेते हुए कहा। “क्या तुम फसलों या किसी और चीज़ के बारे में बात नहीं कर सकती?”
इस टिप्पणी से मेरा कोई विशेष इरादा नहीं था, लेकिन इसे अप्रत्याशित तरीके से लिया गया।
“सभ्यता बिखर रही है,” टॉम भड़क उठा। “मैं हर बात को लेकर बहुत निराशावादी हो गया हूँ। क्या तुमने गॉडार्ड की किताब ‘द राइज़ ऑफ़ द कलर्ड एम्पायर्स’ पढ़ी है?”
“नहीं,” मैंने उनके लहजे से थोड़ा आश्चर्यचकित होते हुए जवाब दिया।
“खैर, यह एक बेहतरीन किताब है और हर किसी को इसे पढ़ना चाहिए। इसका सार यह है कि अगर हम सतर्क नहीं रहे तो श्वेत नस्ल पूरी तरह

से लुप्त हो जाएगी। यह सब वैज्ञानिक तथ्य हैं; यह सिद्ध हो चुका है।”
“टॉम बहुत गंभीर होता जा रहा है,” डेज़ी ने बेपरवाह उदासी भरे भाव से कहा। “वह लंबे-लंबे शब्दों वाली गहरी किताबें पढ़ता है। वह कौन सा शब्द था जो हमने—”
“खैर, ये सारी किताबें वैज्ञानिक हैं,” टॉम ने अधीरता से उसकी ओर देखते हुए ज़ोर देकर कहा। “इस व्यक्ति ने तो सारा मामला सुलझा लिया है। अब हमारी ज़िम्मेदारी है, क्योंकि हम ही सबसे श्रेष्ठ जाति हैं, कि हम सावधान रहें वरना दूसरी जातियाँ सत्ता पर कब्ज़ा कर लेंगी।”
"हमें उन्हें हराना होगा," डेज़ी ने फुसफुसाते हुए कहा और चिलचिलाती धूप की ओर आँख मारते हुए गुस्से से कहा।
"तुम्हें कैलिफोर्निया में रहना चाहिए—" मिस बेकर ने कहना शुरू किया, लेकिन टॉम ने अपनी कुर्सी पर जोर से हिलकर उन्हें बीच में ही रोक दिया।
“यह विचार है कि हम नॉर्डिक हैं। मैं हूँ, तुम हो, तुम हो, और—” थोड़ी सी झिझक के बाद उन्होंने हल्के से सिर हिलाकर डेज़ी को भी शामिल कर लिया, और डेज़ी ने फिर से मेरी तरफ़ आँख मारी। “—और हमने वो सब चीज़ें पैदा की हैं जिनसे सभ्यता का निर्माण होता है — विज्ञान, कला, और ये सब। समझे?”
उसकी एकाग्रता में कुछ दयनीयता थी, मानो उसकी पहले से भी अधिक तीव्र आत्मसंतुष्टि अब उसके लिए पर्याप्त नहीं थी। तभी, लगभग तुरंत ही, अंदर टेलीफोन की घंटी बजी और नौकर बरामदे से चला गया, डेज़ी ने इस क्षणिक व्यवधान का फायदा उठाया और मेरी ओर झुक गई।

“मैं आपको एक पारिवारिक रहस्य बताऊंगी,” उसने उत्साह से फुसफुसाते हुए कहा। “यह बटलर की नाक के बारे में है। क्या आप बटलर की नाक के बारे में सुनना चाहेंगे?”
"इसीलिए मैं आज रात यहाँ आया हूँ।"
“खैर, वह हमेशा से बटलर नहीं था; वह न्यूयॉर्क में कुछ लोगों के लिए चांदी पॉलिश करने का काम करता था, जिनके पास दो सौ लोगों के लिए चांदी के बर्तनों का सेट था। उसे सुबह से शाम तक उसे पॉलिश करना पड़ता था, जब तक कि आखिरकार इसका असर उसकी नाक पर पड़ने लगा।”
"हालात बद से बदतर होते चले गए," मिस बेकर ने कहा।
“हां। हालात बद से बदतर होते चले गए, आखिरकार उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा।”
एक पल के लिए सूरज की आखिरी किरणें उसके दमकते चेहरे पर रोमांटिक स्नेह के साथ पड़ीं; उसकी आवाज़ ने मुझे सांस रोककर आगे बढ़ने के लिए मजबूर कर दिया, जैसे ही मैंने सुना - फिर वह चमक फीकी पड़ गई, हर रोशनी उसे एक लंबे समय तक रहने वाले अफसोस के साथ छोड़ती चली गई, जैसे बच्चे शाम ढलते समय एक सुहावनी सड़क को छोड़ देते हैं।
नौकर वापस आया और टॉम के कान के पास कुछ फुसफुसाया, जिस पर टॉम ने भौंहें चढ़ाईं, अपनी कुर्सी पीछे धकेली और बिना कुछ कहे अंदर चला गया। मानो उसकी अनुपस्थिति ने डेज़ी के भीतर कुछ हलचल पैदा कर दी हो, वह फिर से आगे झुकी, उसकी आवाज़ मधुर और सुरीली हो उठी। “निक, मुझे तुम्हें अपनी मेज पर देखकर बहुत खुशी होती है। तुम मुझे गुलाब की याद दिलाते हो, बिलकुल गुलाब की तरह। है ना?” उसने पुष्टि के लिए मिस बेकर की ओर देखा: “बिल्कुल गुलाब की तरह?”

यह बात सच नहीं थी। मैं ज़रा भी गुलाब जैसी नहीं हूँ। वह बस यूँ ही बोल रही थी, लेकिन उसके भावों में एक गहरी गर्माहट थी, मानो उसका दिल उन बेदम कर देने वाले, दिल को छू लेने वाले शब्दों में छुपकर आपसे बाहर आना चाहता हो। फिर अचानक उसने अपना नैपकिन मेज पर फेंक दिया और माफ़ी मांगते हुए घर के अंदर चली गई।
मिस बेकर और मैंने एक संक्षिप्त नज़रें मिलाईं, जिनमें कोई भाव नहीं था। मैं कुछ बोलने ही वाला था कि वह सजग होकर उठीं और चेतावनी भरे स्वर में बोलीं, "चुप रहो!" बगल वाले कमरे में दबी हुई भावुक फुसफुसाहट सुनाई दी, और मिस बेकर बिना किसी झिझक के आगे झुककर सुनने की कोशिश करने लगीं। फुसफुसाहट अस्पष्ट होने की कगार पर कांप रही थी, फिर धीमी पड़ गई, फिर उत्तेजित होकर तेज़ हुई, और फिर पूरी तरह बंद हो गई।
“आप जिस मिस्टर गैट्सबी की बात कर रहे थे, वह मेरे पड़ोसी हैं—” मैंने कहा।
“कुछ मत बोलो। मैं सुनना चाहता हूँ कि आगे क्या होता है।” “क्या कुछ हो रहा है?” मैंने मासूमियत से पूछा।
"क्या आपका मतलब है कि आपको नहीं पता?" मिस बेकर ने सचमुच आश्चर्यचकित होकर कहा। "मुझे लगा कि सबको पता है।"
"मैं नहीं।"
“क्यों—” उसने हिचकिचाते हुए कहा, “टॉम की न्यूयॉर्क में कोई प्रेमिका है।”
“क्या तुम्हारे पास कोई औरत है?” मैंने खालीपन से दोहराया। मिस बेकर ने सिर हिलाया।
“हो सकता है कि वह इतनी तो तमीज़ रखे कि रात के खाने के समय उसे फ़ोन न करे। क्या आपको ऐसा नहीं लगता?”

इससे पहले कि मैं उसकी बात समझ पाती, एक पोशाक के फड़फड़ाने और चमड़े के जूतों की चरमराहट की आवाज आई, और टॉम और डेज़ी वापस मेज पर आ गए।
“इसमें कुछ नहीं किया जा सकता था!” डेज़ी ने तनाव भरी खुशी के साथ चिल्लाकर कहा।
वह बैठ गई, मिस बेकर और फिर मेरी तरफ ध्यान से देखा और बोली: “मैंने एक मिनट के लिए बाहर देखा, और बाहर का नज़ारा बहुत ही रोमांटिक है। लॉन पर एक पक्षी है, मुझे लगता है कि वह बुलबुल है जो कनार्ड या व्हाइट स्टार लाइन के जहाज से यहाँ आया है। वह गा रहा है—” उसकी आवाज़ में एक अलग ही मिठास थी: “कितना रोमांटिक है ना, टॉम?”
"बहुत रोमांटिक," उसने कहा, और फिर उदास होकर मुझसे कहा: "अगर रात के खाने के बाद पर्याप्त रोशनी हो, तो मैं तुम्हें अस्तबल में ले जाना चाहता हूँ।"
अंदर अचानक टेलीफोन की घंटी बजी, और जैसे ही डेज़ी ने टॉम की ओर दृढ़ता से सिर हिलाया, अस्तबल का विषय, बल्कि सभी विषय, हवा में गायब हो गए। मेज पर बीते पांच मिनटों के टूटे-फूटे टुकड़ों के बीच मुझे याद है कि मोमबत्तियाँ फिर से जलाई गईं, व्यर्थ ही, और मैं हर किसी को सीधे देखना चाहता था, फिर भी सभी की निगाहों से बचना चाहता था। मैं अनुमान नहीं लगा सकता था कि डेज़ी और टॉम क्या सोच रहे थे, लेकिन मुझे संदेह है कि मिस बेकर भी, जिन्होंने एक प्रकार की दृढ़ संशयता में महारत हासिल कर ली थी, इस पाँचवें मेहमान की तीखी, धातु जैसी बेचैनी को पूरी तरह से भुला पाई होंगी। एक खास स्वभाव के व्यक्ति को यह स्थिति दिलचस्प लग सकती थी - मेरी अपनी सहज प्रवृत्ति पुलिस को तुरंत फोन करने की थी।

कहने की ज़रूरत नहीं, घोड़ों का ज़िक्र फिर नहीं हुआ। टॉम और मिस बेकर, उनके बीच कुछ फीट की धुंधली दूरी थी, वे पुस्तकालय में वापस चले गए, मानो किसी सजीव शरीर के पास बैठकर निगरानी कर रहे हों। वहीं, मैं सहजता से दिलचस्पी दिखाने और थोड़ा अनसुना करने की कोशिश करते हुए डेज़ी के पीछे-पीछे कई बरामदों से होते हुए सामने वाले पोर्च तक गया। उस गहरे अंधेरे में हम दोनों एक बेंत के सोफे पर अगल-बगल बैठ गए।
डेज़ी ने अपने चेहरे को हाथों में इस तरह थाम लिया मानो उसकी प्यारी आकृति को महसूस कर रही हो, और उसकी आँखें धीरे-धीरे मखमली धुंध में खो गईं। मैंने देखा कि वह उथल-पुथल भरी भावनाओं से घिरी हुई थी, इसलिए मैंने उससे उसकी छोटी बच्ची के बारे में कुछ ऐसे सवाल पूछे जो मुझे लगा कि उसे शांत कर देंगे।
“हम एक-दूसरे को अच्छी तरह से नहीं जानते, निक,” उसने अचानक कहा। “भले ही हम चचेरे भाई-बहन हों। तुम मेरी शादी में नहीं आए थे।” मैं युद्ध से वापस नहीं आया था।
“यह सच है।” वह हिचकिचाई। “खैर, निक, मेरा समय बहुत खराब चल रहा है, और मैं हर चीज के बारे में काफी निराशावादी हो गई हूँ।” जाहिर है, उसके पास चिंतित होने का कारण था। मैंने इंतजार किया लेकिन उसने कुछ और नहीं कहा, और कुछ देर बाद मैं बड़ी कमजोरी से उसकी बेटी के विषय पर लौट आया।
मुझे लगता है कि वह बोलती है, खाती है और सब कुछ करती है।
“ओह, हाँ।” उसने अनमने ढंग से मेरी ओर देखा। “सुनो, निक; मैं तुम्हें बताती हूँ कि उसके जन्म के समय मैंने क्या कहा था। क्या तुम सुनना चाहोगे?”
"बहुत ज्यादा।"

“इससे आपको पता चलेगा कि मैं चीजों के बारे में कैसा महसूस करने लगी हूँ। खैर, वो एक घंटे से भी कम समय की थी और टॉम न जाने कहाँ था। मैं बेहोशी की हालत से जागी तो मुझे एकदम अकेलापन महसूस हो रहा था, और मैंने तुरंत नर्स से पूछा कि लड़का है या लड़की। उसने बताया कि लड़की है, तो मैंने अपना सिर दूसरी तरफ घुमा लिया और रोने लगी। ‘ठीक है,’ मैंने कहा, ‘मुझे खुशी है कि लड़की है। और मुझे उम्मीद है कि वो थोड़ी नादान होगी – इस दुनिया में एक लड़की के लिए सबसे अच्छी बात यही हो सकती है, एक प्यारी सी नादान बच्ची।’”
“देखो, मुझे तो वैसे भी सब कुछ बुरा ही लगता है,” उसने पूरे यकीन के साथ कहा। “सब यही सोचते हैं – सबसे पढ़े-लिखे लोग भी। और मैं जानती हूँ। मैं हर जगह जा चुकी हूँ, सब कुछ देख चुकी हूँ और सब कुछ कर चुकी हूँ।” उसकी आँखें टॉम की तरह ही चुनौती भरे अंदाज़ में चारों ओर घूमीं और वह रोमांचकारी तिरस्कार के साथ हँसी। “अच्छी तरह से गढ़ी हुई – हे भगवान, मैं कितनी गढ़ी हुई हूँ!” जैसे ही उसकी आवाज़ रुकी, मेरा ध्यान और विश्वास भंग होने लगा, मुझे उसकी कही बातों में बुनियादी बेईमानी का एहसास हुआ। इससे मैं बेचैन हो गया, मानो पूरी शाम मुझसे कोई भावनाएँ निकलवाने की एक चाल थी। मैंने इंतज़ार किया, और निश्चित रूप से, एक पल में उसने अपने सुंदर चेहरे पर एक व्यंग्यात्मक मुस्कान लिए मेरी ओर देखा, मानो वह किसी प्रतिष्ठित गुप्त समाज की सदस्य होने का दावा कर रही हो, जिसके वह और टॉम सदस्य थे।

* * * * *

अंदर, लाल रंग का कमरा रोशनी से जगमगा रहा था। टॉम और मिस बेकर लंबे सोफे के दोनों सिरों पर बैठे थे और वह उन्हें सैटरडे इवनिंग पोस्ट से पढ़कर सुना रही थीं - शब्द, धीमी और बिना किसी

उतार-चढ़ाव के, एक मधुर धुन में घुलते जा रहे थे। लैंप की रोशनी, उनके बूटों पर तेज और उनके पतझड़ के पीले बालों पर हल्की पड़ रही थी, पन्ने पलटते समय कागज पर चमक रही थी, उनकी पतली बाहों की मांसपेशियां फड़फड़ा रही थीं।
जब हम अंदर आए तो उसने हाथ उठाकर हमें कुछ पल के लिए चुप करा दिया।
“जारी रहेगा,” उसने पत्रिका को मेज पर पटकते हुए कहा, “हमारे अगले अंक में।”
उसके शरीर ने घुटने की बेचैन हरकत से खुद को संभाला और वह खड़ी हो गई।
“दस बज गए,” उसने कहा, मानो छत पर समय देखकर। “अब इस अच्छी लड़की के सोने का समय हो गया है।”
डेज़ी ने बताया, "जॉर्डन कल वेस्टचेस्टर में होने वाले टूर्नामेंट में खेलने जा रहा है।"
“ओह – आप जॉर्डन बेकर हैं।”
अब मुझे समझ आ गया था कि उसका चेहरा जाना-पहचाना क्यों लग रहा था
– एशविले, हॉट स्प्रिंग्स और पाम बीच के खेल जगत की कई रोटोग्राव्योर तस्वीरों में उसका मनमोहक तिरस्कारपूर्ण भाव मुझे बार-बार दिखाई देता था। मैंने उसके बारे में कोई कहानी भी सुनी थी, एक आलोचनात्मक, अप्रिय कहानी, लेकिन वह क्या थी, यह मैं बहुत पहले भूल चुका था।
“शुभ रात्रि,” उसने धीरे से कहा। “मुझे आठ बजे जगा देना, ठीक है?”
अगर तुम उठ जाओगे।
“ठीक है। शुभ रात्रि, श्रीमान कैरेवे। जल्द ही मिलते हैं।”

“बिल्कुल, तुम करोगे,” डेज़ी ने पुष्टि की। “दरअसल, मुझे लगता है कि मैं शादी का इंतज़ाम कर दूँगी। निक, अक्सर आते रहना, और मैं तुम दोनों को एक साथ ला दूँगी। मतलब – तुम्हें गलती से कपड़ों की अलमारी में बंद कर दूँगी और नाव में बिठाकर समुद्र में धकेल दूँगी, और इस तरह की और भी चीज़ें।”
“शुभ रात्रि,” मिस बेकर ने सीढ़ियों से आवाज़ दी। “मैंने एक शब्द भी नहीं सुना।”
कुछ देर बाद टॉम ने कहा, "वह एक अच्छी लड़की है। उन्हें उसे इस तरह पूरे देश में घूमने नहीं देना चाहिए।"
“किसे नहीं करना चाहिए?” डेज़ी ने ठंडे स्वर में पूछा।
"उसकी परिवार।"
“उसके परिवार में एक चाची हैं जिनकी उम्र लगभग हज़ार साल है। वैसे भी, निक उसका ख्याल रखेगा, है ना निक? वह इस गर्मी में कई सप्ताहांत यहाँ बिताएगी। मुझे लगता है कि घर का माहौल उसके लिए बहुत अच्छा रहेगा।”
डेज़ी और टॉम कुछ पल चुपचाप एक-दूसरे को देखते रहे।
मैंने झट से पूछा, "क्या वह न्यूयॉर्क से है?"
“लुइसविले से। हमारी गोरी लड़कपन की लड़कियाँ वहीं साथ-साथ गुज़रीं। हमारी खूबसूरत गोरी—”
"क्या तुमने बरामदे में निक से थोड़ी दिल खोलकर बात की?" टॉम ने अचानक पूछा।
“क्या मैंने?” उसने मेरी तरफ देखा।
मुझे ठीक से याद नहीं आ रहा, लेकिन मुझे लगता है कि हमने नॉर्डिक रेस के बारे में बात की थी। हाँ, मुझे यकीन है कि हमने की थी। यह अचानक से हमारे सामने आ गई और देखते ही देखते...
“हर सुनी बात पर विश्वास मत करो, निक,” उन्होंने मुझे सलाह दी।

मैंने हल्के से कहा कि मुझे कुछ सुनाई ही नहीं दिया, और कुछ मिनट बाद मैं घर जाने के लिए उठ खड़ी हुई। वे मेरे साथ दरवाजे तक आए और एक खुशनुमा रोशनी के घेरे में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गए। जैसे ही मैंने अपनी गाड़ी स्टार्ट की, डेज़ी ने अचानक पुकारा: "रुको!"
“मैं आपसे एक बात पूछना भूल गया था, और यह महत्वपूर्ण है। हमने सुना है कि आपकी सगाई पश्चिम में रहने वाली एक लड़की से हो गई है।”
“जी हां,” टॉम ने विनम्रता से पुष्टि की। “हमने सुना था कि आपकी सगाई हो गई है।”
“यह मानहानि है। मैं बहुत गरीब हूँ।”
“लेकिन हमने सुना है,” डेज़ी ने ज़ोर देकर कहा, और मुझे आश्चर्यचकित करते हुए फिर से खिलखिला उठी। “हमने तीन लोगों से सुना है, इसलिए यह सच ही होगा।”
मुझे पता था कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन मेरी इसमें ज़रा भी दिलचस्पी नहीं थी। अफवाहों के फैलने की वजह से ही मैं पूरब की ओर आई थी। अफवाहों के चलते आप किसी पुराने दोस्त के साथ जाना नहीं छोड़ सकते, और दूसरी तरफ, मैं अफवाहों के चलते शादी करने का कोई इरादा नहीं रखती थी।
उनकी दिलचस्पी ने मुझे थोड़ा प्रभावित किया और उन्हें पहले से कम अमीर बना दिया – फिर भी, गाड़ी चलाते हुए मैं उलझन में था और थोड़ा निराश भी। मुझे लगा कि डेज़ी को बच्चे को गोद में लेकर घर से निकल जाना चाहिए था – लेकिन जाहिर तौर पर उसके मन में ऐसा कोई इरादा नहीं था। जहाँ तक टॉम की बात है, न्यूयॉर्क में उसकी किसी महिला के साथ संबंध होने की बात से कहीं ज़्यादा हैरानी की बात यह थी कि वह एक किताब से उदास हो गया था। कुछ तो उसे बासी

विचारों की ओर खींच रहा था, मानो उसका मजबूत शारीरिक अहंकार अब उसके कठोर हृदय को पोषण नहीं दे रहा था।
सड़क किनारे बने ढाबों की छतों और गैरेजों के सामने पहले से ही भीषण गर्मी थी, जहाँ नए लाल पेट्रोल पंप रोशनी के बीच चमक रहे थे। जब मैं वेस्ट एग स्थित अपनी जागीर पर पहुँचा, तो मैंने कार को शेड के नीचे खड़ा किया और आँगन में पड़े एक पुराने घास के रोलर पर थोड़ी देर बैठा रहा। हवा थम चुकी थी, जिससे एक तेज़, चमकदार रात छा गई थी, पेड़ों में पंख फड़फड़ा रहे थे और धरती की पूरी गर्जना से मेंढकों में जीवन का संचार हो रहा था, जिससे एक लगातार ऑर्गन जैसी ध्वनि सुनाई दे रही थी। चाँदनी में एक चलती हुई बिल्ली की परछाईं दिखाई दी, और उसे देखने के लिए मैंने अपना सिर घुमाया तो पाया कि मैं अकेला नहीं था – पचास फीट दूर मेरे पड़ोसी के बंगले की छाया से एक आकृति निकली थी और अपने हाथों को जेब में डाले तारों की चाँदीली चमक को निहार रही थी। उसकी धीमी चाल और लॉन पर उसके पैरों की स्थिर स्थिति से ऐसा लग रहा था मानो वह खुद मिस्टर गैट्सबी हों, जो यह तय करने आए हों कि हमारे स्थानीय आकाश में उनका क्या हिस्सा है।
मैंने उसे आवाज़ देने का फैसला किया। मिस बेकर ने रात के खाने पर उसका ज़िक्र किया था, और उससे परिचय हो जाता। लेकिन मैंने उसे आवाज़ नहीं दी, क्योंकि उसने अचानक संकेत दिया कि वह अकेले रहना चाहता है – उसने अजीब तरीके से अपनी बाहें अंधेरे पानी की ओर फैला दीं, और हालाँकि मैं उससे काफी दूर थी, मुझे लगा जैसे वह काँप रहा हो। अनजाने में ही मैंने समुद्र की ओर देखा – और मुझे दूर एक छोटी सी हरी रोशनी के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दिया, जो शायद किसी गोदी का किनारा हो सकती थी। जब मैंने गैट्सबी को फिर

[illegible]

अध्याय दो

वेस्ट एग और न्यूयॉर्क के लगभग आधे रास्ते में, मोटर रोड अचानक रेलमार्ग से मिल जाती है और एक चौथाई मील तक उसके समानांतर चलती है, ताकि एक सुनसान इलाके से दूर हट सके। यह राख की घाटी है – एक विचित्र खेत जहाँ राख गेहूँ की तरह टीलों, पहाड़ियों और विचित्र बगीचों में उगती है; जहाँ राख घरों, चिमनियों और उठते धुएँ का रूप ले लेती है और अंत में, एक असाधारण प्रयास से, उन आदमियों का रूप धारण कर लेती है जो धुंधली हवा में धीरे-धीरे चलते हैं और पहले से ही बिखर रहे हैं। कभी-कभी धूसर कारों की एक कतार एक अदृश्य पटरी पर रेंगती है, एक भयानक चरमराहट करती है और रुक जाती है, और तुरंत राख से सने आदमी सीसे के फावड़े लेकर उठते हैं और एक घना बादल बनाते हैं, जो उनके अस्पष्ट कार्यों को आपकी दृष्टि से छिपा देता है। लेकिन धूसर भूमि और उस पर लगातार उड़ती धूल के झटकों के ऊपर, एक क्षण के बाद, आपको डॉक्टर टी. जे. एकलबर्ग की आँखें दिखाई देती हैं। डॉक्टर टी. जे. एकलबर्ग की आँखें नीली और विशाल हैं – उनकी पुतलियाँ एक गज ऊँची हैं। वे किसी चेहरे से नहीं, बल्कि एक विशाल पीले चश्मे से झाँकती हैं, जो एक न के बराबर नाक पर टिका है। ज़ाहिर है, क्वींस नगर में किसी सनकी नेत्र चिकित्सक ने अपनी प्रैक्टिस बढ़ाने के लिए ये चश्मे लगाए होंगे और फिर या तो वह खुद अंधा हो गया होगा या उन्हें भूलकर कहीं और चला गया होगा। लेकिन धूप और बारिश में कई दिनों तक बिना रंग लगाए रहने के कारण उनकी आँखें थोड़ी धुंधली हो गई हैं, फिर भी वे उस सुनसान कूड़े के ढेर पर टकटकी लगाए बैठी हैं।

राख की घाटी एक तरफ एक छोटी सी गंदी नदी से घिरी हुई है, और जब नावों को निकलने देने के लिए पुल ऊपर उठाया जाता है, तो प्रतीक्षा कर रही ट्रेनों के यात्री आधे घंटे तक उस भयावह दृश्य को निहार सकते हैं। वहाँ हमेशा कम से कम एक मिनट का ठहराव होता है, और इसी वजह से मेरी पहली मुलाकात टॉम बुकानन की प्रेमिका से हुई थी।
जहां भी वह जाना जाता था, इस बात पर जोर दिया जाता था कि उसके पास एक है। उसके परिचित इस बात से नाराज़ थे कि वह उसके साथ लोकप्रिय रेस्तरां में जाता था और उसे मेज पर छोड़कर इधर-उधर घूमता रहता था और जिसे भी जानता था उससे बातें करता था। हालांकि मैं उसे देखने के लिए उत्सुक थी, लेकिन उससे मिलने की मेरी कोई इच्छा नहीं थी - फिर भी मैं मिली। एक दोपहर मैं टॉम के साथ ट्रेन से न्यूयॉर्क गई, और जब ट्रेन राख के ढेर के पास रुकी, तो वह उछल पड़ा और मेरी कोहनी पकड़कर मुझे जबरदस्ती डिब्बे से बाहर निकाल दिया।
“हम उतर रहे हैं,” उसने जोर देकर कहा। “मैं चाहता हूँ कि तुम मेरी लड़की से मिलो।”
मुझे लगता है कि उसने दोपहर के भोजन में काफी शराब पी ली थी, और मेरी संगति पाने की उसकी ज़िद हिंसा की हद तक पहुँच गई थी। उसका घमंडी रवैया यह था कि रविवार दोपहर को मेरे पास करने के लिए और कुछ नहीं था।
मैं उसके पीछे-पीछे सफ़ेद रंग की नीची रेल की बाड़ के ऊपर से गया, और हम डॉक्टर एकलबर्ग की लगातार घूरती निगाहों के बीच सड़क पर सौ गज पीछे चले। नज़र आने वाली एकमात्र इमारत पीले ईंटों का एक छोटा सा ढांचा था जो बंजर ज़मीन के किनारे पर बना था, मानो एक संकरी मुख्य सड़क की तरह, और उससे सटा हुआ कुछ भी नहीं था। उसमें

मौजूद तीन दुकानों में से एक किराए पर थी और दूसरी रात भर चलने वाला रेस्तरां था, जहाँ तक राख का एक रास्ता जाता था; तीसरी एक गैराज थी - मरम्मत। जॉर्ज बी. विल्सन। कारें खरीदी और बेची जाती थीं। - और मैं टॉम के पीछे-पीछे अंदर चला गया।
अंदर का हिस्सा बदहाल और खाली था; दिखाई देने वाली एकमात्र कार एक धुंधले कोने में धूल से ढकी एक जर्जर फोर्ड कार थी। मुझे लगा कि यह गैराज का साया शायद एक पर्दा है, और ऊपर आलीशान और रोमांटिक अपार्टमेंट छिपे हुए हैं, तभी मालिक खुद एक दफ्तर के दरवाजे पर दिखाई दिया, अपने हाथों को एक कपड़े से पोंछते हुए। वह सुनहरे बालों वाला, बेजान, कुपोषण से ग्रस्त और कुछ हद तक आकर्षक व्यक्ति था। जब उसने हमें देखा तो उसकी नीली आँखों में आशा की एक हल्की सी चमक दिखाई दी।
“हेलो, विल्सन, बूढ़े आदमी,” टॉम ने हंसते हुए उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहा। “काम कैसा चल रहा है?”
“मुझे कोई शिकायत नहीं है,” विल्सन ने अविश्वास भरे लहजे में जवाब दिया। “आप मुझे वह कार कब बेचेंगे?”
"अगले हफ्ते; मैंने अपना आदमी इस पर काम करने को लगा दिया है।" "काफी धीरे काम करता है, है ना?"
“नहीं, ऐसा नहीं है,” टॉम ने ठंडे लहजे में कहा। “और अगर आपको ऐसा लगता है, तो शायद मुझे इसे कहीं और बेच देना चाहिए।”
“मेरा मतलब वो नहीं था,” विल्सन ने तुरंत स्पष्ट किया। “मेरा मतलब बस इतना था कि…”
उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई और टॉम ने अधीरता से गैराज में चारों ओर देखा। तभी मुझे सीढ़ियों पर कदमों की आहट सुनाई दी, और पल भर में एक मोटी-सी महिला ने दफ्तर के दरवाजे से आती रोशनी को ढक लिया। वह लगभग पैंतीस साल की थी, और थोड़ी मोटी थी, लेकिन कुछ महिलाओं

की तरह वह अपने अतिरिक्त वजन को भी कामुकता से संभाले हुए थी। गहरे नीले रंग की धारीदार क्रेप-डे-चाइन ड्रेस के ऊपर उसके चेहरे पर सुंदरता की कोई झलक या चमक नहीं थी, लेकिन उसमें एक तात्कालिक जीवंतता थी, मानो उसके शरीर की नसें लगातार धधक रही हों। वह धीरे से मुस्कुराई और अपने पति के बीच से ऐसे गुज़री जैसे वह कोई भूत हो, और टॉम से हाथ मिलाया, उसकी आँखों में आँखें डालकर। फिर उसने अपने होंठ गीले किए, और बिना मुड़े अपने पति से धीमी, कर्कश आवाज़ में बोली:
"कुछ कुर्सियाँ क्यों नहीं लाते, ताकि कोई बैठ सके।"
“हाँ, ज़रूर,” विल्सन ने जल्दी से सहमति जताते हुए कहा और छोटे से दफ्तर की ओर चल पड़ा, जहाँ वह दीवारों के सीमेंट जैसे रंग में तुरंत घुलमिल गया। एक सफ़ेद राख जैसी धूल ने उसके गहरे रंग के सूट और उसके हल्के बालों को ढक लिया, जैसे कि आसपास की हर चीज़ को ढक लिया हो – सिवाय उसकी पत्नी के, जो टॉम के पास चली गई। “मैं तुमसे मिलना चाहता हूँ,” टॉम ने उत्सुकता से कहा। “अगली ट्रेन पकड़ो।”
"ठीक है।"
“मैं आपसे नीचे वाले तल पर न्यूज़स्टैंड के पास मिलूंगी।” उसने सिर हिलाया और उससे दूर चली गई, तभी जॉर्ज विल्सन अपने कार्यालय के दरवाजे से दो कुर्सियाँ लेकर बाहर आए।
हम सड़क के उस पार, हमारी नज़रों से ओझल होकर उसका इंतज़ार करते रहे। जुलाई के चौथे दिन से कुछ ही दिन पहले, एक दुबला-पतला, पीला सा दिखने वाला इतालवी बच्चा रेल की पटरी के किनारे एक कतार में टॉरपीडो बना रहा था।
"कितनी भयानक जगह है, है ना?" टॉम ने डॉक्टर एकलबर्ग के साथ भौंहें चढ़ाते हुए कहा।

"भयंकर।"
"दूर चले जाने से उसे अच्छा लगता है।"
क्या उसके पति को इस पर आपत्ति नहीं है?
“विल्सन? उसे लगता है कि वह न्यूयॉर्क में अपनी बहन से मिलने जाती है। वह इतना बेवकूफ है कि उसे खुद भी नहीं पता कि वह जिंदा है।”
तो टॉम बुकानन, उनकी प्रेमिका और मैं साथ-साथ न्यूयॉर्क गए – या यूँ कहें कि पूरी तरह साथ नहीं, क्योंकि श्रीमती विल्सन चुपचाप दूसरे डिब्बे में बैठी थीं। टॉम ने ट्रेन में सवार ईस्ट एग के लोगों की भावनाओं का इतना ख्याल रखा था।
न्यूयॉर्क में टॉम जब उसे प्लेटफार्म तक ले जा रहा था, तब उसने भूरे रंग की डिज़ाइनदार मलमल की पोशाक पहन ली थी, जो उसकी थोड़ी चौड़ी कमर पर कस गई थी। उसने अखबार की दुकान से टाउन टैटल की एक प्रति और एक फिल्म पत्रिका खरीदी, और स्टेशन के दवाखाने से कुछ सर्दी-जुकाम की क्रीम और इत्र की एक छोटी बोतल ली। ऊपर, शांत और गूंजती हुई ड्राइववे में, उसने चार टैक्सियों को जाने दिया, फिर उसने एक नई टैक्सी चुनी, जो लैवेंडर रंग की थी और उस पर ग्रे रंग की गद्दी लगी थी, और हम उसी में बैठकर स्टेशन की भीड़ से निकलकर चमकती धूप में आ गए। लेकिन तुरंत ही वह खिड़की से मुड़ी और आगे झुककर सामने के शीशे पर थपथपाया।
“मैं ऐसा एक कुत्ता लेना चाहती हूँ,” उसने उत्साह से कहा। “मैं अपने अपार्टमेंट के लिए एक कुत्ता लेना चाहती हूँ। कुत्ता पालना अच्छा लगता है।”
हम पीछे हटकर एक बूढ़े, भूरे बालों वाले व्यक्ति के पास पहुँचे, जो देखने में जॉन डी. रॉकफेलर से बेहद मिलता-जुलता था। उसकी

गर्दन से लटकी टोकरी में एक दर्जन नवजात पिल्ले दुबके हुए थे, जिनकी नस्ल का पता लगाना मुश्किल था।
"ये किस तरह के हैं?" श्रीमती विल्सन ने उत्सुकता से पूछा, जब वह टैक्सी की खिड़की के पास आईं।
“हर तरह की। आपको किस तरह की चाहिए, महोदया?”
मुझे एक पुलिस वाला कुत्ता चाहिए; मुझे नहीं लगता कि आपके पास उस तरह का कुत्ता होगा?
उस आदमी ने संदेह भरी निगाहों से टोकरी में झाँका, अपना हाथ अंदर डाला और गर्दन के पिछले हिस्से से एक मछली को पकड़कर बाहर खींच लिया, जो छटपटा रही थी।
टॉम ने कहा, "यह कोई पुलिस का कुत्ता नहीं है।"
“नहीं, ये कोई पुलिस कुत्ता नहीं है,” उस आदमी ने निराशा भरे स्वर में कहा। “ये तो एयरडेल नस्ल का कुत्ता है।” उसने कुत्ते की भूरी पीठ पर हाथ फेरा। “इसका फर देखो। कितना बढ़िया फर है! ये ऐसा कुत्ता है जिसे कभी सर्दी-जुकाम नहीं होगा।”
श्रीमती विल्सन ने उत्साह से कहा, "मुझे यह प्यारा लगा। इसकी कीमत कितनी है?"
“वो कुत्ता?” उसने प्रशंसा भरी निगाहों से कुत्ते को देखा। “वो कुत्ता तुम्हें दस डॉलर में मिलेगा।”
एयरडेल कुत्ता - निःसंदेह इसमें कहीं न कहीं एक एयरडेल कुत्ता शामिल था, हालांकि उसके पैर आश्चर्यजनक रूप से सफेद थे - एक मालिक से दूसरे मालिक के पास गया और श्रीमती विल्सन की गोद में बैठ गया, जहां उन्होंने उत्साह से उस मौसम-रोधी कोट को सहलाया। “लड़का है या लड़की?” उसने कोमल स्वर में पूछा।
“वो कुत्ता? वो तो नर कुत्ता है।”

“यह तो बहुत मुश्किल है,” टॉम ने दृढ़ता से कहा। “ये लो तुम्हारे पैसे। जाओ और इससे दस और कुत्ते खरीद लो।”
हम गाड़ी चलाकर फिफ्थ एवेन्यू की ओर गए, जो गर्मी के रविवार की दोपहर में इतना गर्म और सुहावना, लगभग देहाती जैसा था कि अगर मुझे कोने से सफेद भेड़ों का एक बड़ा झुंड मुड़ता हुआ दिखाई देता तो मुझे आश्चर्य नहीं होता।
मैंने कहा, "रुको, मुझे तुम्हें यहीं छोड़ना होगा।"
“नहीं, तुम्हें इसकी ज़रूरत नहीं है,” टॉम ने तुरंत बीच में टोकते हुए कहा।
“अगर तुम अपार्टमेंट में नहीं आओगी तो मर्टल को बुरा लगेगा। है ना, मर्टल?”
“चलो ना,” उसने आग्रह किया। “मैं अपनी बहन कैथरीन को फोन करती हूँ। जानकार लोगों का कहना है कि वह बहुत खूबसूरत है।”
“ठीक है, मैं ऐसा करना चाहूंगा, लेकिन—”
हम आगे बढ़े और पार्क के ऊपर से होते हुए वेस्ट हंड्रेड्स की ओर मुड़ गए। 158 वीं स्ट्रीट पर टैक्सी अपार्टमेंट-हाउसों की एक लंबी सफेद इमारत के बीच एक हिस्से के पास रुकी। पड़ोस पर शाही अंदाज़ में घर वापसी की नज़र डालते हुए, श्रीमती विल्सन ने अपने कुत्ते और अन्य खरीदे हुए सामान को समेटा और बड़े ही शान से अंदर चली गईं।
“मैं मैकी परिवार को ऊपर बुलाने वाली हूँ,” उसने लिफ्ट में ऊपर जाते हुए घोषणा की। “और हाँ, मुझे अपनी बहन को भी फोन करना है।” अपार्टमेंट सबसे ऊपरी मंजिल पर था – एक छोटा सा बैठक कक्ष, एक छोटा सा भोजन कक्ष, एक छोटा सा शयनकक्ष और एक स्नानघर। बैठक कक्ष में दरवाजे तक बहुत बड़े आकार के टेपेस्ट्री वाले फर्नीचर भरे पड़े थे, जिससे अंदर-बाहर घूमना मुश्किल था। हर जगह वर्साय

के बगीचों में झूलती महिलाओं के चित्र बने थे, जिन पर ठोकर लगती थी। कमरे में एकमात्र तस्वीर एक बहुत बड़ी तस्वीर थी, जिसमें धुंधली चट्टान पर बैठी मुर्गी दिखाई दे रही थी। दूर से देखने पर मुर्गी एक टोपी जैसी दिखती थी और कमरे में एक हष्ट-पुष्ट बूढ़ी औरत का मुस्कुराता हुआ चेहरा नज़र आता था। मेज पर टाउन टैटल की कई पुरानी प्रतियां, साइमन कॉल्ड पीटर की एक प्रति और ब्रॉडवे की कुछ छोटी-मोटी सनसनीखेज पत्रिकाएं पड़ी थीं। श्रीमती विल्सन सबसे पहले कुत्ते को लेकर चिंतित थीं। एक अनिच्छुक लिफ्ट-बॉय भूसे से भरा एक डिब्बा और कुछ दूध लेने गया, जिसमें उसने अपनी मर्जी से कुत्ते के बिस्कुट का एक बड़ा डिब्बा भी डाल दिया – जिनमें से एक बिस्कुट दोपहर भर दूध की कटोरी में पड़ा- पड़ा धीरे-धीरे गलता रहा। इसी बीच टॉम ने एक बंद दराज के दरवाजे से व्हिस्की की एक बोतल निकाली।
मैं अपनी पूरी ज़िंदगी में सिर्फ़ दो बार नशे में धुत हुआ हूँ, और दूसरी बार उसी दोपहर को; इसलिए जो कुछ भी हुआ वो धुंधला- धुंधला सा लग रहा है, हालाँकि आठ बजे तक अपार्टमेंट में धूप खिली हुई थी। टॉम की गोद में बैठी श्रीमती विल्सन ने कई लोगों को फ़ोन किया; फिर सिगरेटें खत्म हो गईं, तो मैं कोने वाली दवा की दुकान से कुछ खरीदने चला गया। जब मैं लौटा तो वो गायब हो चुकी थीं, इसलिए मैं चुपचाप बैठक में बैठ गया और 'साइमन कॉल्ड पीटर' का एक अध्याय पढ़ा - या तो वो बहुत ही घटिया किताब थी या फिर शराब के नशे ने सब कुछ बिगाड़ दिया था, क्योंकि मुझे कुछ समझ ही नहीं आया।
जैसे ही टॉम और मर्टल (पहले ड्रिंक के बाद श्रीमती विल्सन और मैं एक-दूसरे को उनके पहले नामों से पुकारने लगे थे) दोबारा

दिखाई दिए, अपार्टमेंट के दरवाजे पर मेहमानों का आना शुरू हो गया।
बहन, कैथरीन, लगभग तीस साल की दुबली-पतली, दुनियादारी जानने वाली लड़की थी, जिसके लाल बालों का एक घना, चिपचिपा बॉब कट था और रंग दूधिया सफेद था। उसकी भौहें पहले प्लक की गई थीं और फिर उन्हें एक अलग ही अंदाज़ में दोबारा बनाया गया था, लेकिन कुदरत के पुराने आकार को वापस लाने के प्रयासों से उसके चेहरे पर एक धुंधलापन आ गया था। जब वह चलती थी तो उसकी बाहों पर अनगिनत मिट्टी के कंगन खनकते हुए लगातार आवाज़ करते थे। वह इतनी जल्दबाज़ी में अंदर आई और फर्नीचर को इतनी अधिकार भरी निगाहों से देखने लगी कि मुझे लगा कि क्या वह यहीं रहती है। लेकिन जब मैंने उससे पूछा तो वह ज़ोर से हंसी, मेरा सवाल ज़ोर से दोहराया और बताया कि वह एक सहेली के साथ होटल में रहती है।
मिस्टर मैकी नीचे वाले फ्लैट में रहने वाले एक पीले, स्त्री जैसे दिखने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अभी-अभी शेव की थी, क्योंकि उनके गाल पर शेव के झाग का एक सफेद धब्बा था, और वे कमरे में मौजूद हर किसी का बड़े आदर से अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने मुझे बताया कि वे "कला के क्षेत्र" में हैं, और बाद में मुझे पता चला कि वे एक फोटोग्राफर थे और उन्होंने ही श्रीमती विल्सन की मां की धुंधली सी बड़ी तस्वीर खींची थी, जो दीवार पर किसी परछाई की तरह लटकी हुई थी। उनकी पत्नी कर्कश आवाज वाली, सुस्त, सुंदर और भयानक थीं। उन्होंने मुझे गर्व से बताया कि शादी के बाद से उनके पति ने उनकी एक सौ सत्ताईस बार तस्वीरें खींची हैं। श्रीमती विल्सन ने कुछ समय पहले ही अपना पहनावा बदल लिया था और अब उन्होंने क्रीम रंग के शिफॉन की एक भव्य दोपहर की पोशाक पहनी हुई थी, जो कमरे में इधर-उधर घूमते समय लगातार सरसराहट पैदा कर

रही थी। पोशाक के प्रभाव से उनके व्यक्तित्व में भी बदलाव आ गया था। गैराज में जो ज़बरदस्त जीवंतता झलकती थी, वह अब दिखावटी घमंड में बदल गई थी। उनकी हंसी, उनके हाव-भाव, उनके कथन पल-पल और अधिक बनावटी होते जा रहे थे, और जैसे-जैसे वह फैलती गईं, कमरा उनके चारों ओर छोटा होता गया, यहाँ तक कि ऐसा लगने लगा जैसे वह धुएँ से भरी हवा में एक शोर मचाते, चरमराते धुरी पर घूम रही हों। “मेरी प्यारी,” उसने अपनी बहन से ऊँची, नज़ाकत भरी आवाज़ में कहा, “इनमें से ज़्यादातर लोग तुम्हें हर बार धोखा देंगे। इन्हें सिर्फ़ पैसे की फ़िक्र होती है। पिछले हफ़्ते एक औरत मेरे पैरों की जाँच करने आई थी, और जब उसने मुझे बिल दिया तो ऐसा लगा जैसे उसने मेरा अपेंडिक्स का ऑपरेशन किया हो।”
"उस महिला का नाम क्या था?" श्रीमती मैकी ने पूछा।
"श्रीमती एबरहार्ड। वह लोगों के घरों में जाकर उनके पैरों को देखती फिरती हैं।"
श्रीमती मैकी ने कहा, "मुझे आपकी ड्रेस पसंद आई। मुझे लगता है यह बहुत प्यारी है।"
श्रीमती विल्सन ने तिरस्कारपूर्ण भाव से अपनी भौंहें उठाकर उस प्रशंसा को अस्वीकार कर दिया।
"ये तो बस एक अजीब सी पुरानी चीज़ है," उसने कहा। "मैं इसे कभी- कभी ऐसे ही पहन लेती हूँ जब मुझे इस बात की परवाह नहीं होती कि मैं कैसी दिख रही हूँ।"
"लेकिन ये आप पर बहुत अच्छा लग रहा है, अगर आप समझ रही हैं कि मेरा क्या मतलब है," श्रीमती मैकी ने आगे कहा। "अगर चेस्टर आपको इस पोज़ में ले आए तो मुझे लगता है कि वो कमाल कर सकता है।"
हम सब चुपचाप श्रीमती विल्सन को देखते रहे, जिन्होंने अपनी आंखों पर से बालों की एक लट हटाई और एक प्यारी सी मुस्कान के साथ

हमारी ओर देखा। श्री मैकी ने अपना सिर एक तरफ झुकाकर उन्हें ध्यान से देखा और फिर धीरे-धीरे अपने चेहरे के सामने अपना हाथ आगे-पीछे हिलाया।
कुछ देर बाद उन्होंने कहा, "मुझे रोशनी बदलनी चाहिए। मैं चेहरे की बनावट को उभारना चाहता हूँ। और मैं पीठ के सारे बालों को भी दिखाने की कोशिश करूँगा।"
“मैं लाइट बदलने के बारे में सोच भी नहीं सकती,” श्रीमती मैकी चिल्लाईं। “मुझे लगता है कि यह…”
उसके पति ने "श!" कहा और हम सभी ने फिर से उस विषय की ओर देखा, जिसके बाद टॉम बुकानन ने जोर से जम्हाई ली और अपने पैरों पर खड़ा हो गया।
“तुम मैकी लोग कुछ पी लो,” उसने कहा। “मर्टल, सोने से पहले थोड़ा और बर्फ और मिनरल वाटर ले आओ।”
“मैंने उस लड़के को बर्फ के बारे में बताया था।” निचले तबके के लोगों की लापरवाही देखकर मर्टल ने निराशा से अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। “ये लोग! इन्हें हर समय डांटते रहना पड़ता है।”
उसने मेरी तरफ देखा और बेमतलब हंस पड़ी। फिर वह उछलती-कूदती कुत्ते के पास गई, उसे प्यार से चूमा और रसोई में चली गई, मानो वहां एक दर्जन रसोइये उसके आदेश का इंतजार कर रहे हों।
श्री मैकी ने जोर देकर कहा, "मैंने लॉन्ग आइलैंड पर कुछ अच्छे काम किए हैं।"
टॉम ने उसे खाली निगाहों से देखा।
"उनमें से दो को हमने नीचे फ्रेम करवाकर रखा है।"
“दो क्या?” टॉम ने पूछा।

“दो अध्यायन। उनमें से एक को मैं मोंटॉक पॉइंट – द गल (समुद्री पक्षी) कहता हूं, और दूसरे को मैं मोंटॉक पॉइंट – द सी (समुद्र) कहता हूं।”
मेरी बहन कैथरीन सोफे पर मेरे बगल में बैठ गई।
"क्या आप भी लॉन्ग आइलैंड पर ही रहते हैं?" उसने पूछा।
मैं वेस्ट एग में रहता हूँ।
“सच में? मैं लगभग एक महीने पहले एक पार्टी में गया था। गैट्सबी नाम के एक आदमी की पार्टी में। क्या आप उसे जानते हैं?”
मैं उसके पड़ोस में रहता हूँ।
"लोग कहते हैं कि वह कैसर विल्हेम का भतीजा या चचेरा भाई है। उसकी सारी दौलत वहीं से आती है।"
"वास्तव में?"
उसने सिर हिलाया।
मुझे उससे डर लगता है। मैं नहीं चाहता कि उसे मेरे बारे में कुछ भी पता चले।
मेरी पड़ोसी के बारे में यह रोचक जानकारी श्रीमती मैकी द्वारा अचानक कैथरीन की ओर इशारा करने से बाधित हो गई:
"चेस्टर, मुझे लगता है कि तुम उसके साथ कुछ कर सकते हो," वह अचानक बोल पड़ी, लेकिन मिस्टर मैकी ने केवल ऊबे हुए अंदाज में सिर हिलाया और अपना ध्यान टॉम की ओर मोड़ दिया।
"अगर मुझे मौका मिले तो मैं लॉन्ग आइलैंड पर और काम करना चाहूंगा। मेरी बस यही गुजारिश है कि मुझे एक मौका दिया जाए।" श्रीमती विल्सन के ट्रे लेकर अंदर आते ही टॉम ने हंसते हुए कहा, "मर्टल से पूछो। वह तुम्हें परिचय पत्र दे देगी, है ना मर्टल?" “क्या?” उसने चौंककर पूछा।

“आप मैकी को अपने पति के लिए एक परिचय पत्र दे दीजिए, ताकि वह उनके बारे में कुछ अध्यायन कर सकें।” कुछ पल के लिए उनके होंठ चुपचाप हिले, जैसे कोई नया नाम सोच रहे हों। “जॉर्ज बी. विल्सन एट द गैसोलीन पंप, या कुछ ऐसा ही।”
कैथरीन मेरे करीब झुकी और मेरे कान में फुसफुसाते हुए बोली: "उनमें से कोई भी उस व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं कर सकता जिससे उन्होंने शादी की है।"
क्या वे ऐसा नहीं कर सकते?
“मुझे वे बिल्कुल पसंद नहीं।” उसने मर्टल और फिर टॉम की तरफ देखा। “मेरा कहना यह है कि अगर उन्हें वे पसंद नहीं हैं तो उनके साथ क्यों रहें? अगर मैं उनकी जगह होती तो तलाक लेकर तुरंत शादी कर लेती।”
क्या उसे भी विल्सन पसंद नहीं है?
इसका जवाब अप्रत्याशित था। यह मर्टल की ओर से आया, जिसने सवाल सुन लिया था, और यह हिंसक और अश्लील था।
“देखो,” कैथरीन विजयी स्वर में बोली। उसने अपनी आवाज़ फिर धीमी कर ली। “असल में उनकी पत्नी ही उन्हें अलग कर रही है। वह कैथोलिक है, और वे तलाक में विश्वास नहीं करते।”
डेज़ी कैथोलिक नहीं थी, और झूठ की जटिलता देखकर मैं थोड़ा हैरान रह गया।
कैथरीन ने आगे कहा, "जब उनकी शादी होगी, तो वे कुछ समय के लिए पश्चिम में रहने चले जाएंगे, जब तक कि मामला शांत नहीं हो जाता।" "यूरोप जाना ज्यादा समझदारी भरा कदम होगा।"
“ओह, क्या आपको यूरोप पसंद है?” उसने हैरानी से कहा। “मैं अभी- अभी मोंटे कार्लो से लौटी हूँ।”
"वास्तव में।"

“बस पिछले साल। मैं एक और लड़की के साथ वहाँ गया था।”
“क्या आप लंबे समय तक रुकेंगे?”
नहीं, हम बस मोंटे कार्लो गए और वापस आ गए। हम मार्सिले होते हुए गए थे। जब हमने शुरुआत की थी तब हमारे पास बारह सौ डॉलर से ज़्यादा थे, लेकिन निजी कमरों में दो दिनों में ही सब कुछ खत्म हो गया। सच कहूँ तो, वापस आने में हमें बहुत परेशानी हुई। भगवान कसम, मुझे वह शहर कितना बुरा लगा!
ढलती दोपहर का आसमान खिड़की से एक पल के लिए भूमध्य सागर के नीले शहद की तरह खिल उठा - तभी श्रीमती मैकी की तीखी आवाज ने मुझे वापस कमरे में बुला लिया।
“मैं भी लगभग एक गलती करने वाली थी,” उसने जोश से कहा। “मैं लगभग एक ऐसे यहूदी से शादी करने वाली थी जो सालों से मेरे पीछे पड़ा था। मुझे पता था कि वह मेरे स्तर से नीचे है। हर कोई मुझसे कहता था: ‘लुसिले, वह आदमी तुम्हारे स्तर से बहुत नीचे है!’ लेकिन अगर मैं चेस्टर से नहीं मिली होती, तो वह मुझे ज़रूर पटा लेता।” "हां, लेकिन सुनो," मर्टल विल्सन ने सिर हिलाते हुए कहा, "कम से कम तुमने उससे शादी तो नहीं की।"
मुझे पता है मैंने ऐसा नहीं किया।
“खैर, मैंने उससे शादी कर ली,” मर्टल ने अस्पष्ट लहजे में कहा। “और यही आपके और मेरे मामले में अंतर है।”
“तुमने ऐसा क्यों किया, मर्टल?” कैथरीन ने पूछा। “किसी ने तुम्हें मजबूर नहीं किया था।”
मर्टल ने विचार किया।
अंत में उसने कहा, "मैंने उससे शादी इसलिए की क्योंकि मुझे लगा कि वह एक सज्जन व्यक्ति है। मुझे लगा कि उसे शिष्टाचार की कुछ समझ होगी, लेकिन वह मेरे जूते की चाटने लायक भी नहीं था।"

"कुछ समय के लिए तुम उसके लिए दीवानी थीं," कैथरीन ने कहा। “उसके लिए पागल!” मर्टल अविश्वास से चिल्लाई। “किसने कहा कि मैं उसके लिए पागल थी? मैं कभी भी उस आदमी से ज़्यादा उसके लिए पागल नहीं थी।”
उसने अचानक मेरी ओर इशारा किया, और सब लोग मुझे इल्ज़ाम भरी नज़रों से देखने लगे। मैंने अपने हाव-भाव से यह जताने की कोशिश की कि उसके अतीत में मेरा कोई हाथ नहीं था।
“मेरी एकमात्र गलती तब हुई जब मैंने उससे शादी की। मुझे तुरंत एहसास हो गया कि मैंने गलती की है। उसने शादी के लिए किसी का सबसे अच्छा सूट उधार लिया था और मुझे इसके बारे में बताया तक नहीं था। एक दिन जब वो आदमी बाहर गया तो वो सूट लेने आया। मैंने कहा, ‘ओह, क्या ये आपका सूट है?’ ‘मैंने इसके बारे में पहली बार सुना है।’ लेकिन मैंने उसे सूट दे दिया और फिर मैं लेट गई और पूरी दोपहर खूब रोई।”
“उसे उससे दूर हो जाना चाहिए,” कैथरीन ने मुझसे कहा। “वे ग्यारह साल से उस गैराज के ऊपर रह रहे हैं। और टॉम उसका पहला प्रेमी था।”
व्हिस्की की बोतल – दूसरी – अब वहाँ मौजूद सभी लोगों की लगातार माँग में थी, सिवाय कैथरीन के, जिसे “बिना कुछ पिए भी उतना ही अच्छा लग रहा था।” टॉम ने चौकीदार को बुलाया और उसे कुछ मशहूर सैंडविच लाने को कहा, जो अपने आप में ही एक पूरा भोजन थे। मैं बाहर निकलकर हल्की धुंध में पार्क की ओर दक्षिण दिशा में चलना चाहता था, लेकिन हर बार जब मैंने जाने की कोशिश की, तो मैं किसी तीखी बहस में उलझ गया, जो मुझे रस्सियों से बाँधकर वापस मेरी कुर्सी पर खींच लाती थी। फिर भी शहर के ऊपर, हमारी पीली खिड़कियों की कतार अँधेरी गलियों में राहगीर को अपनी मानवीय

गोपनीयता का एहसास करा रही थी, और मैं भी वही था, ऊपर देख रहा था और सोच रहा था। मैं अंदर भी था और बाहर भी, जीवन की अथाह विविधता से एक साथ मोहित और विचलित।
मर्टल ने अपनी कुर्सी मेरी कुर्सी के पास खींच ली, और अचानक उसकी गर्म सांसों ने मुझ पर टॉम के साथ उसकी पहली मुलाकात की कहानी बिखेर दी।
“ट्रेन में आमने-सामने वाली दो छोटी सीटें हमेशा सबसे आखिर में बचती हैं। मैं अपनी बहन से मिलने और रात बिताने के लिए न्यूयॉर्क जा रही थी। उसने फॉर्मल सूट और पेटेंट लेदर के जूते पहने थे, और मैं उससे नज़रें नहीं हटा पा रही थी, लेकिन जब भी वह मेरी तरफ देखता, मुझे ऐसा दिखाना पड़ता कि मैं उसके सिर के ऊपर लगे विज्ञापन को देख रही हूँ। जब हम स्टेशन पहुँचे तो वह मेरे बगल में था, और उसकी सफेद कमीज़ का सामने का हिस्सा मेरी बांह से दब रहा था, इसलिए मैंने उससे कहा कि मुझे पुलिसवाले को बुलाना पड़ेगा, लेकिन वह समझ गया कि मैं झूठ बोल रही हूँ। मैं इतनी उत्साहित थी कि जब मैं उसके साथ टैक्सी में बैठी तो मुझे पता ही नहीं चला कि मैं मेट्रो ट्रेन में नहीं बैठ रही हूँ। मैं बस यही सोचती रही, बार-बार, 'हमेशा के लिए कोई नहीं जी सकता; हमेशा के लिए कोई नहीं जी सकता।'”
वह श्रीमती मैकी की ओर मुड़ी और कमरा उसकी बनावटी हंसी से गूंज उठा।
“मेरी प्यारी,” वह रोते हुए बोली, “मैं इस ड्रेस को पहनते ही तुम्हें दे दूंगी। मुझे कल दूसरी लेनी है। मैं उन सभी चीजों की सूची बना रही हूँ जो मुझे खरीदनी हैं। मसाज, हाथ-पैर हिलाना, कुत्ते के लिए एक कॉलर, वो प्यारी सी छोटी ऐशट्रे जिसमें स्प्रिंग को छूकर पानी निकलता है, और माँ की कब्र पर रेशमी रिबन

वाला एक फूलों का हार जो पूरी गर्मी तक चले। मुझे सूची लिखनी होगी ताकि मैं उन सभी चीजों को न भूलूँ जो मुझे करनी हैं।”
नौ बज रहे थे – और लगभग तुरंत बाद मैंने अपनी घड़ी देखी तो दस बज चुके थे। श्री मैकी कुर्सी पर मुट्ठी बांधे सो रहे थे, मानो किसी कर्मठ व्यक्ति की तस्वीर हो। मैंने अपना रुमाल निकालकर उनके गाल से साबुन के सूखे झाग का वह धब्बा पोंछा, जिसने मुझे पूरी दोपहर परेशान कर रखा था।
छोटा कुत्ता मेज पर बैठा धुएं के बीच से धुंधली आँखों से देख रहा था और बीच-बीच में धीमी-धीमी आवाज़ में कराह रहा था। लोग गायब होते, फिर प्रकट होते, कहीं जाने की योजना बनाते, फिर एक-दूसरे से बिछड़ जाते, एक-दूसरे को ढूंढते, और कुछ ही कदमों की दूरी पर फिर मिल जाते। आधी रात के करीब टॉम बुकानन और श्रीमती विल्सन आमने-सामने खड़े होकर गरमागरम बहस कर रहे थे कि क्या श्रीमती विल्सन को डेज़ी का नाम लेने का कोई अधिकार है। “डेज़ी! डेज़ी! डेज़ी!” श्रीमती विल्सन चिल्लाईं। “मैं जब चाहूँगी तब कहूँगी! डेज़ी! डेज़ी!”
एक छोटी सी फुर्तीली हरकत करते हुए, टॉम बुकानन ने अपने खुले हाथ से उसकी नाक तोड़ दी।
फिर बाथरूम के फर्श पर खून से सने तौलिए पड़े थे, और महिलाओं की डांट-फटकार की आवाज़ें गूँज रही थीं, और उस शोरगुल के बीच दर्द से भरी एक लंबी, टूटी हुई चीख सुनाई दे रही थी। श्री मैकी अपनी नींद से जागे और हड़बड़ी में दरवाजे की ओर बढ़े। आधा रास्ता तय करके वे मुड़े और सामने का नज़ारा देखा – उनकी पत्नी और कैथरीन डांट-फटकार और दिलासा देती हुई इधर-उधर बिखरे फर्नीचर के बीच सहायता सामग्री लिए भटक रही थीं, और सोफे पर एक हताश व्यक्ति खून से लथपथ पड़ा था, जो वर्साय के दृश्यों वाली टेपेस्ट्री पर

'टाउन टैटल' की एक प्रति फैलाने की कोशिश कर रहा था। फिर श्री मैकी मुड़े और दरवाजे से बाहर निकल गए। मैंने झूमर से अपनी टोपी उतारी और उनके पीछे-पीछे चल दिया।
"किसी दिन दोपहर के भोजन पर आइएगा," उसने सुझाव दिया, जब हम लिफ्ट में नीचे उतरते हुए आहें भर रहे थे।
"कहाँ?"
"कहीं भी।"
“लीवर से हाथ हटाओ,” लिफ्ट बॉय ने गुस्से से कहा।
श्री मैकी ने गरिमापूर्ण लहजे में कहा, "क्षमा करें, मुझे पता ही नहीं था कि मैं इसे छू रहा था।"
“ठीक है,” मैंने सहमति जताते हुए कहा, “मुझे खुशी होगी।”
...मैं उसके बिस्तर के बगल में खड़ा था और वह चादरों के बीच बैठा था, केवल अंडरवियर पहने हुए, उसके हाथों में एक बड़ा सा पोर्टफोलियो था।
“ब्यूटी एंड द बीस्ट…अकेलापन…पुराना किराना घोड़ा…ब्रुकन ब्रिज…”
फिर मैं पेनसिल्वेनिया स्टेशन के ठंडे निचले तल पर अधमरी नींद में लेटा हुआ था, सुबह के ट्रिब्यून अखबार को घूर रहा था और चार बजे की ट्रेन का इंतजार कर रहा था।

अध्याय 3

गर्मियों की रातों में मेरे पड़ोसी के घर से संगीत की आवाज़ आती रहती थी। उसके नीले बगीचों में पुरुष और महिलाएं फुसफुसाहट, शैम्पेन और तारों के बीच पतंगों की तरह आते-जाते रहते थे। दोपहर में जब ज्वार चरम पर होता था, मैं उसके मेहमानों को उसकी नाव के टावर से गोता लगाते या उसके समुद्र तट की गर्म रेत पर धूप सेंकते देखता था, जबकि उसकी दो मोटरबोटें समुद्र के पानी को चीरती हुई झागदार लहरों पर पानी के विमान खींचती थीं। सप्ताहांत में उसकी रोल्स-रॉयस एक बस बन जाती थी, जो सुबह नौ बजे से आधी रात के बाद तक शहर से लोगों को लाती-ले जाती थी, जबकि उसकी स्टेशन वैगन एक फुर्तीले पीले कीड़े की तरह सभी ट्रेनों का इंतज़ार करती थी। और सोमवार को आठ नौकर, जिनमें एक अतिरिक्त माली भी शामिल था, रात भर पोछे, स्क्रबिंग ब्रश, हथौड़े और कैंची से पिछली रात की तबाही की मरम्मत करते हुए दिनभर काम करते थे। हर शुक्रवार न्यूयॉर्क के एक फल विक्रेता से संतरे और नींबू के पाँच क्रेट आते थे - और हर सोमवार को वही संतरे और नींबू उसके पिछले दरवाजे से गूदे रहित आधे टुकड़ों के ढेर के रूप में निकलते थे। रसोई में एक मशीन थी जो एक छोटे से बटन को नौकर के अंगूठे से दो सौ बार दबाने पर आधे घंटे में दो सौ संतरों का रस निकाल सकती थी।
हर पखवाड़े में कम से कम एक बार, खानपान विशेषज्ञों की एक टीम सैकड़ों फीट कैनवास और इतनी रंगीन बत्तियाँ लेकर आती थी कि गैट्सबी के विशाल बगीचे को क्रिसमस ट्री की तरह सजाया जा सके। बुफे टेबलों पर, चमकदार ऐपेटाइज़र से सजे, मसालेदार बेक्ड हैम,

रोशनी में चेहरों, आवाज़ों और रंगों के बदलते सागर में आगे बढ़ जाती हैं।
अचानक, कांपते हुए ओपल रंग के वस्त्र पहने एक जिप्सी ने हवा में से एक कॉकटेल को पकड़ा, हिम्मत जुटाने के लिए उसे पी डाला और फ्रिस्को की तरह अपने हाथों को हिलाते हुए, अकेले ही कैनवास के चबूतरे पर नाचने लगी। एक पल के लिए सन्नाटा छा गया; ऑर्केस्ट्रा लीडर ने उसके लिए ताल बदल दी, और जैसे ही यह गलत खबर फैली कि वह फॉलीज में गिल्डा ग्रे की सहायक कलाकार है, वैसे ही कानाफूसी शुरू हो गई। पार्टी शुरू हो चुकी थी।
मुझे लगता है कि जिस पहली रात मैं गैट्सबी के घर गया था, मैं उन कुछ मेहमानों में से एक था जिन्हें वास्तव में आमंत्रित किया गया था। लोगों को आमंत्रित नहीं किया जाता था - वे खुद वहाँ जाते थे। वे गाड़ियों में बैठकर लॉन्ग आइलैंड जाते थे और किसी तरह गैट्सबी के दरवाजे पर पहुँच जाते थे। वहाँ पहुँचकर उनका परिचय गैट्सबी को जानने वाले किसी व्यक्ति द्वारा कराया जाता था, और उसके बाद वे मनोरंजन पार्कों से जुड़े व्यवहार के नियमों का पालन करते थे। कभी-कभी वे गैट्सबी से मिले बिना ही आते-जाते थे; वे पार्टी में इतनी सादगी से आते थे कि वही सादगी उनके प्रवेश का टिकट बन जाती थी।
मुझे वास्तव में आमंत्रित किया गया था। उस शनिवार की सुबह तड़के, रॉबिन के अंडे के नीले रंग की वर्दी पहने एक ड्राइवर मेरे लॉन से गुजरा और अपने मालिक का एक औपचारिक नोट लेकर आया: उसमें लिखा था कि अगर मैं उस रात गैट्सबी की "छोटी सी पार्टी" में शामिल हो जाऊँ, तो यह सम्मान पूरी तरह से गैट्सबी का होगा। उसने मुझे कई बार देखा था और बहुत पहले मुझसे मिलने का इरादा किया था, लेकिन कुछ अजीब परिस्थितियों के कारण ऐसा नहीं हो पाया

था - उस नोट पर जय गैट्सबी के हस्ताक्षर थे, एक शानदार लिखावट में।
सफेद फलालैन के कपड़े पहने मैं सात बजकर कुछ देर बाद उसके लॉन में गया और अनजान लोगों की भीड़ में थोड़ा असहज महसूस करते हुए इधर-उधर घूमने लगा – हालाँकि कहीं-कहीं मुझे वो चेहरा भी दिख गया जो मैंने ट्रेन में देखा था। वहाँ मौजूद कई नौजवान अंग्रेज़ों को देखकर मैं तुरंत चौंक गया; सभी अच्छे कपड़े पहने हुए थे, सभी थोड़े भूखे लग रहे थे और सभी संभ्रांत और समृद्ध अमेरिकियों से धीमी, गंभीर आवाज़ में बात कर रहे थे। मुझे यकीन था कि वे कुछ बेच रहे थे: बॉन्ड, बीमा या गाड़ियाँ। वे आस-पास मौजूद आसानी से मिलने वाले पैसे से अच्छी तरह वाकिफ थे और आश्वस्त थे कि कुछ सही शब्दों में पैसा कमाना उनका काम है। जैसे ही मैं पहुंचा, मैंने अपने मेज़बान को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन जिन दो-तीन लोगों से मैंने उसके बारे में पूछा, वे मुझे इतने आश्चर्य से घूरने लगे और उसके आने-जाने के बारे में किसी भी जानकारी से इतनी सख्ती से इनकार करने लगे कि मैं चुपके से कॉकटेल टेबल की ओर चला गया - बगीचे में एकमात्र ऐसी जगह जहां एक अकेला आदमी बिना उद्देश्यहीन और अकेला दिखे कुछ देर रुक सकता था।
मैं शर्मिंदगी के मारे बुरी तरह नशे में धुत होने ही वाला था कि तभी जॉर्डन बेकर घर से बाहर आया और संगमरमर की सीढ़ियों के शीर्ष पर खड़ा हो गया, थोड़ा पीछे की ओर झुककर तिरस्कारपूर्ण रुचि के साथ बगीचे की ओर देखने लगा।
स्वागत हो या न हो, मुझे राहगीरों से सौहार्दपूर्ण टिप्पणी करने से पहले किसी से जुड़ना आवश्यक लगा।

“हेलो!” मैं दहाड़ते हुए उसकी ओर बढ़ा। बगीचे में मेरी आवाज़ असामान्य रूप से तेज़ सुनाई दी।
“मुझे लगा था कि आप यहीं होंगे,” मेरे पास आते ही उसने अनमने ढंग से जवाब दिया। “मुझे याद आया कि आप बगल वाले घर में रहते हैं—” उसने मेरा हाथ बेपरवाही से पकड़ लिया, मानो वादा कर रही हो कि वह एक मिनट में मेरा ख्याल रखेगी, और सीढ़ियों के नीचे रुकी दो पीली पोशाक पहने लड़कियों की बातों में खो गई।
“हेलो!” वे दोनों एक साथ चिल्लाए। “माफ़ कीजिए, आप नहीं जीते।” यह गोल्फ टूर्नामेंट के लिए था। वह एक हफ्ते पहले फाइनल में हार गई थी।
पीले रंग की पोशाक पहने लड़कियों में से एक ने कहा, "आप नहीं जानते कि हम कौन हैं, लेकिन हम आपसे लगभग एक महीने पहले यहीं मिले थे।"
“तब से तुमने अपने बाल रंगवा लिए हैं,” जॉर्डन ने कहा, और मैं चौंक गई, लेकिन लड़कियाँ बेफिक्री से आगे बढ़ चुकी थीं और उसकी टिप्पणी उस असमय चाँद की ओर थी, जो मानो किसी कैटरर की टोकरी से रात के खाने की तरह निकला हो। जॉर्डन की पतली सुनहरी बांह मेरी बांह में थी, हम सीढ़ियों से नीचे उतरे और बगीचे में टहलने लगे। शाम के धुंधलके में कॉकटेल की एक ट्रे हमारी ओर आई, और हम पीले कपड़े पहनी दो लड़कियों और तीन आदमियों के साथ एक मेज पर बैठ गए, जिनमें से हर एक का परिचय हमें मिस्टर मंबल के रूप में कराया गया।
"क्या तुम अक्सर इन पार्टियों में आती हो?" जॉर्डन ने अपने बगल में बैठी लड़की से पूछा।

“आखिरी वाला वही था जहाँ मैं तुमसे मिली थी,” लड़की ने सतर्क और आत्मविश्वास भरी आवाज़ में जवाब दिया। उसने अपनी सहेली की ओर मुड़कर कहा, “क्या वह तुम्हारे लिए नहीं था, ल्यूसिल?”
यह ल्यूसिल के लिए भी था।
“मुझे यहाँ आना अच्छा लगता है,” ल्यूसिल ने कहा। “मुझे इस बात की परवाह नहीं होती कि मैं क्या कर रही हूँ, इसलिए मेरा हमेशा अच्छा समय बीतता है। पिछली बार जब मैं यहाँ आई थी तो मेरी गाउन कुर्सी पर फट गई थी, और उन्होंने मुझसे मेरा नाम और पता पूछा – एक हफ्ते के अंदर ही मुझे क्रोइरियर से एक पैकेज मिला जिसमें एक नई शाम की गाउन थी।”
“क्या तुमने इसे रखा?” जॉर्डन ने पूछा।
“हाँ, बिल्कुल। मैं इसे आज रात पहनने वाली थी, लेकिन यह छाती के पास बहुत बड़ी थी और इसे ठीक करवाना पड़ा। यह गैस ब्लू रंग की थी और इस पर लैवेंडर रंग के मोती लगे थे। इसकी कीमत दो सौ पैंसठ डॉलर थी।”
“ऐसा काम करने वाले आदमी में कुछ अजीब बात तो है ही,” दूसरी लड़की ने उत्सुकता से कहा। “वो किसी से कोई झगड़ा नहीं करना चाहता।”
मैंने पूछा, "कौन नहीं चाहता?"
“गैट्सबी। किसी ने मुझे बताया था—”
दोनों लड़कियां और जॉर्डन एक दूसरे के करीब झुककर विश्वास से बातें करने लगे।
"किसी ने मुझे बताया कि उन्हें लगता है कि उसने एक बार एक आदमी की हत्या कर दी थी।"
हम सभी में रोमांच की लहर दौड़ गई। तीनों श्री मम्बल्स आगे झुके और उत्सुकता से सुनने लगे।

"मुझे नहीं लगता कि बात इतनी बड़ी है," ल्यूसिल ने संशयपूर्वक तर्क दिया; "बात यह है कि वह युद्ध के दौरान एक जर्मन जासूस था।" उनमें से एक व्यक्ति ने सहमति में सिर हिलाया।
उन्होंने हमें विश्वास दिलाते हुए कहा, "मैंने यह बात एक ऐसे व्यक्ति से सुनी है जो उनके बारे में सब कुछ जानता था, जर्मनी में उनके साथ पला-बढ़ा था।"
“अरे नहीं,” पहली लड़की ने कहा, “ऐसा हो ही नहीं सकता, क्योंकि वो युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना में था।” जैसे ही हमारा विश्वास उसकी बात पर वापस लौटा, वो उत्साह से आगे झुकी। “कभी-कभी उसे देखो जब उसे लगता है कि कोई उसे नहीं देख रहा है। मुझे पक्का यकीन है कि उसने किसी आदमी को मार डाला होगा।”
उसने अपनी आँखें सिकोड़ीं और काँप उठी। ल्यूसिल भी काँप उठी। हम सब मुड़कर गैट्सबी को ढूंढने लगे। उसके बारे में जो रोमांटिक अटकलें लगाई जाती थीं, उसका प्रमाण यह था कि उसके बारे में उन लोगों के बीच कानाफूसी हो रही थी जिन्हें इस दुनिया में कानाफूसी करने लायक कुछ खास नहीं लगता था।
पहला भोजन परोसा जा रहा था – आधी रात के बाद एक और भोजन होना था – और जॉर्डन ने मुझे अपने समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, जो बगीचे के दूसरी ओर एक मेज के चारों ओर फैले हुए थे। वहाँ तीन विवाहित जोड़े और जॉर्डन का साथी था, एक ज़िद्दी स्नातक छात्र जो हिंसक व्यंग्य करने में माहिर था, और स्पष्ट रूप से इस भ्रम में था कि देर-सवेर जॉर्डन उसे कम या ज़्यादा हद तक अपने वश में कर लेगी। इस समूह ने बेतरतीब होने के बजाय एक गरिमापूर्ण एकरूपता बनाए रखी थी, और स्वयं को ग्रामीण इलाकों के गंभीर कुलीन वर्ग का प्रतिनिधित्व करने का दायित्व सौंपा था

– ईस्ट एग वेस्ट एग को नीचा दिखा रहा था, और उसकी रंगीन चहल-पहल से सावधानीपूर्वक सावधान था।
कुछ हद तक व्यर्थ और अनुचित आधे घंटे के बाद जॉर्डन ने फुसफुसाते हुए कहा, "चलो चलते हैं। यह मेरे लिए बहुत ज्यादा शिष्टाचारपूर्ण है।"
हम उठे, और उसने समझाया कि हम मेज़बान को ढूंढने जा रहे हैं: उसने कहा, मैं उससे कभी नहीं मिली थी, और इसी वजह से मुझे बेचैनी हो रही थी। स्नातक छात्रा ने व्यंग्यपूर्ण और उदास भाव से सिर हिलाया।
जिस बार पर हमने सबसे पहले नज़र डाली, वह खचाखच भरा था, लेकिन गैट्सबी वहाँ नहीं था। सीढ़ियों के ऊपर से भी वह उसे नहीं ढूंढ पाई, और वह बरामदे पर भी नहीं था। संयोगवश हमने एक महत्वपूर्ण दिखने वाले दरवाजे को आज़माया और एक भव्य गोथिक पुस्तकालय में प्रवेश किया, जो नक्काशीदार अंग्रेजी ओक की लकड़ी से बना था, और संभवतः किसी विदेशी खंडहर से यहाँ लाकर रखा गया था।
बड़े-बड़े चश्मे पहने एक हट्टे-कट्टे, अधेड़ उम्र के व्यक्ति को एक बड़ी मेज के किनारे पर बैठा हुआ देखा जा सकता था। वह कुछ नशे में था और किताबों की अलमारियों को बड़ी अस्थिर निगाहों से घूर रहा था। जैसे ही हम अंदर आए, वह उत्तेजित होकर घूमा और जॉर्डन को सिर से पैर तक निहारने लगा।
“आप क्या सोचते हैं?” उसने उतावली भाव से पूछा।
“किस बारे में?” उसने किताबों की अलमारियों की ओर हाथ हिलाया। “उस बारे में। दरअसल, आपको पता लगाने की ज़रूरत नहीं है। मैंने पता लगा लिया है। वे असली हैं।”
“किताबें?”
उसने सहमति में सिर हिलाया।

“बिल्कुल असली – पन्ने वगैरह सब कुछ है। मुझे लगा था कि ये अच्छे टिकाऊ गत्ते के बने होंगे। असल में, ये बिल्कुल असली हैं। पन्ने वगैरह – लीजिए! मैं आपको दिखाता हूँ।”
हमारी शंका को स्वाभाविक मानते हुए, वह किताबों की अलमारी की ओर दौड़ा और स्टोडार्ड व्याख्यानों का पहला खंड लेकर लौटा। “देखो!” वह विजयी भाव से चिल्लाया। “यह तो सचमुच एक असली छपा हुआ दस्तावेज़ है। इसने मुझे धोखा दे दिया। यह आदमी तो बिल्कुल बेलास्को जैसा है। कमाल है! क्या बारीकी है! क्या यथार्थवाद है! यह भी जानता था कि कब रुकना है – पन्ने काटे नहीं। लेकिन तुम क्या चाहते हो? तुम्हारी क्या उम्मीद है?”
उसने मुझसे किताब छीन ली और उसे जल्दबाजी में वापस शेल्फ पर रख दिया, बड़बड़ाते हुए कहा कि अगर एक भी ईंट हटाई गई तो पूरी लाइब्रेरी ढह जाएगी।
“तुम्हें कौन लाया?” उसने पूछा। “या तुम खुद ही आ गए?” “मुझे लाया गया था। ज्यादातर लोगों को लाया जाता है।”
जॉर्डन ने बिना कोई जवाब दिए, सतर्कता और प्रसन्नता से उसकी ओर देखा।
“मुझे रूजवेल्ट नाम की एक महिला यहाँ लेकर आई थी,” उसने आगे कहा। “श्रीमती क्लाउड रूजवेल्ट। क्या आप उन्हें जानते हैं? मैं उनसे कल रात कहीं मिला था। मैं लगभग एक हफ्ते से नशे में हूँ, और मैंने सोचा कि पुस्तकालय में बैठने से शायद मेरा नशा उतर जाए।” “क्या ऐसा है?”
“थोड़ा-बहुत, मुझे लगता है। अभी कुछ कह नहीं सकती। मुझे यहाँ आए हुए अभी एक घंटा ही हुआ है। क्या मैंने आपको किताबों के बारे में बताया था? वे असली हैं। वे...”
आपने हमें बताया था।

हमने उनसे गंभीरतापूर्वक हाथ मिलाया और वापस बाहर चले गए।
अब बगीचे में कैनवास पर नृत्य चल रहा था; बूढ़े पुरुष युवा लड़कियों को बेढंगे गोल घेरों में पीछे धकेल रहे थे, कुलीन जोड़े एक-दूसरे को अजीब तरह से, फैशनेबल ढंग से पकड़े हुए कोनों में खड़े थे – और बड़ी संख्या में अकेली लड़कियां अकेले ही नाच रही थीं या कुछ पल के लिए ऑर्केस्ट्रा को बैंजो या ड्रम के बोझ से राहत दे रही थीं। आधी रात तक उल्लास और बढ़ गया था। एक प्रसिद्ध टेनर ने इतालवी में गाया था, और एक कुख्यात कॉन्ट्राल्टो ने जैज़ में गाया था, और गानों के बीच लोग पूरे बगीचे में "स्टंट" कर रहे थे, जबकि खुश, खोखली हंसी गर्मियों के आकाश की ओर उठ रही थी। मंच पर जुड़वां बहनों की एक जोड़ी, जो पीले रंग की पोशाक वाली लड़कियां निकलीं, ने पोशाक में बच्चों जैसा अभिनय किया, और शैम्पेन उंगली के कटोरे से भी बड़े गिलासों में परोसी गई। चंद्रमा और ऊपर चढ़ गया था, और साउंड में चांदी के तराजू का एक त्रिकोण तैर रहा था, जो लॉन पर बज रहे बैंजो की कर्कश, टिन जैसी ध्वनि के साथ थोड़ा कांप रहा था।
मैं अब भी जॉर्डन बेकर के साथ थी। हम एक मेज पर बैठे थे, जहाँ मेरे लगभग बराबर उम्र का एक आदमी और एक चंचल छोटी लड़की थी, जो ज़रा सी बात पर भी बेकाबू होकर हंसने लगती थी। मुझे अब मज़ा आ रहा था। मैंने शैम्पेन के दो छोटे कटोरे पी लिए थे, और मेरी आँखों के सामने का दृश्य कुछ महत्वपूर्ण, मौलिक और गहरा रूप ले चुका था।
मनोरंजन में थोड़ी देर की शांति के दौरान उस आदमी ने मेरी तरफ देखा और मुस्कुराया।
“आपका चेहरा जाना-पहचाना लग रहा है,” उन्होंने विनम्रता से कहा।
“क्या आप युद्ध के दौरान तीसरी डिवीजन में नहीं थे?”

"जी हां, मैं अट्ठाईसवीं इन्फैंट्री में था।"
“मैं जून 1918 तक सोलहवीं बटालियन में था। मुझे पता था कि मैंने तुम्हें पहले कहीं देखा है।”
हमने कुछ देर फ्रांस के कुछ नम, धूसर छोटे गांवों के बारे में बात की। जाहिर है, वह इसी इलाके में रहता था, क्योंकि उसने मुझे बताया कि उसने अभी-अभी एक हाइड्रोप्लेन खरीदा है और वह सुबह उसे आजमाने जा रहा है।
"क्या तुम मेरे साथ चलना चाहोगे, दोस्त? बस समुद्र तट के पास ही।"
"कितने बजे?"
"जब भी आपको सबसे सुविधाजनक लगे।"
उसका नाम पूछने ही वाला था कि तभी जॉर्डन ने चारों ओर देखा और मुस्कुरा दिया।
“क्या अब आप खूब मजे कर रहे हैं?” उसने पूछा।
“बहुत बेहतर।” मैं अपने नए परिचित की ओर मुड़ा। “यह मेरे लिए एक अनोखी पार्टी है। मैंने तो मेजबान को देखा भी नहीं है। मैं वहाँ रहता हूँ—” मैंने दूर दिख रही अदृश्य झाड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा, “और गैट्सबी नाम के इस आदमी ने अपने ड्राइवर को निमंत्रण देकर भेजा है।” एक पल के लिए उसने मेरी ओर ऐसे देखा जैसे उसे कुछ समझ ही न आया हो।
“मैं गैट्सबी हूँ,” उसने अचानक कहा।
“क्या!” मैंने हैरानी से कहा। “ओह, मुझे माफ़ करना।”
"मुझे लगा कि आप जानते हैं, दोस्त। मुझे खेद है कि मैं एक अच्छा मेजबान नहीं हूँ।"
वह समझदारी से मुस्कुराया – बल्कि समझदारी से कहीं ज़्यादा। यह उन दुर्लभ मुस्कानों में से एक थी जिनमें शाश्वत आश्वासन का

भाव था, जो जीवन में शायद चार-पाँच बार ही देखने को मिलती हैं। ऐसा लगा मानो एक पल के लिए उसने पूरी दुनिया को देखा हो, और फिर आप पर एक अटूट पूर्वाग्रह के साथ केंद्रित हो गई। उसने आपको उतना ही समझा जितना आप समझना चाहते थे, आप पर उतना ही विश्वास किया जितना आप खुद पर करना चाहते थे, और आपको आश्वस्त किया कि आपके बारे में उसकी वही धारणा है जो आप अपने सबसे अच्छे रूप में व्यक्त करना चाहते हैं। ठीक उसी क्षण वह मुस्कान गायब हो गई – और मैं एक आकर्षक, थोड़े अटपटे से दिखने वाले, तीस साल से कुछ ज़्यादा उम्र के युवा को देख रहा था, जिसकी बोलने की औपचारिकता हास्यास्पद होने से बस कुछ ही पल दूर थी। अपना परिचय देने से कुछ समय पहले ही मुझे यह आभास हो गया था कि वह अपने शब्दों को बहुत सोच-समझकर चुन रहा था।
जैसे ही श्री गैट्सबी ने अपना परिचय दिया, उसी क्षण एक बटलर दौड़कर उनके पास आया और उन्हें सूचना दी कि शिकागो से उन्हें फोन आ रहा है। उन्होंने झुककर हम सभी को अभिवादन किया और क्षमा मांगी।
“अगर तुम्हें कुछ चाहिए तो बस मांग लो, दोस्त,” उसने मुझे प्रोत्साहित किया। “माफ़ कीजिए। मैं बाद में आपसे मिलूंगा।” उनके जाने के बाद मैं तुरंत जॉर्डन की ओर मुड़ी - उसे अपनी हैरानी के बारे में बताने के लिए विवश थी। मुझे उम्मीद थी कि श्री गैट्सबी अपने अधेड़ उम्र में एक मोटे और तंदुरुस्त व्यक्ति होंगे।
मैंने पूछा, “वह कौन है?”
"क्या आप जानते हैं?"
"वह तो बस गैट्सबी नाम का एक आदमी है।"
“मेरा मतलब है, वह कहाँ से है? और वह क्या काम करता है?”

“अब तो तुमने इस विषय पर बात शुरू कर दी है,” उसने फीकी मुस्कान के साथ जवाब दिया। “खैर, उसने मुझे एक बार बताया था कि वह ऑक्सफोर्ड से पढ़ा है।” उसके पीछे एक धुंधली पृष्ठभूमि बनने लगी, लेकिन उसकी अगली टिप्पणी पर वह गायब हो गई। “हालांकि, मुझे इस पर विश्वास नहीं है।”
"क्यों नहीं?"
“मुझे नहीं पता,” उसने जोर देकर कहा, “मुझे बस इतना लगता है कि वह वहां नहीं गया था।”
उसकी आवाज़ में कुछ ऐसा था जिसने मुझे दूसरी लड़की के "मुझे लगता है उसने एक आदमी को मार डाला" वाले वाक्य की याद दिला दी, और इससे मेरी जिज्ञासा और बढ़ गई। अगर गैट्सबी लुइसियाना के दलदलों या न्यूयॉर्क के लोअर ईस्ट साइड से आया होता, तो मैं बिना किसी सवाल के उसे मान लेता। यह बात समझ में आती। लेकिन युवा लड़के—कम से कम मेरे सीमित अनुभव के आधार पर तो यही मानता था—कहीं से अचानक प्रकट होकर लॉन्ग आइलैंड साउंड पर महल नहीं खरीद लेते।
“खैर, वो बड़ी-बड़ी पार्टियां देता है,” जॉर्डन ने बात बदलते हुए, बनावटीपन के प्रति अपनी अरुचि दिखाते हुए कहा। “और मुझे बड़ी पार्टियां पसंद हैं। उनमें बहुत अपनापन होता है। छोटी पार्टियों में कोई निजता नहीं होती।”
एक बेस ड्रम की गड़गड़ाहट हुई, और ऑर्केस्ट्रा लीडर की आवाज अचानक बगीचे की गूंज के बीच सुनाई दी।
“देवियों और सज्जनों,” उन्होंने पुकारा। “श्री गैट्सबी के अनुरोध पर हम आपके लिए श्री व्लादिमीर टोस्टॉफ की नवीनतम रचना प्रस्तुत करने जा रहे हैं, जिसने पिछले मई में कार्नेगी हॉल में खूब सुर्खियां बटोरीं। अगर आप अखबार पढ़ते हैं, तो आपको पता

होगा कि यह एक बड़ा सनसनीखेज आयोजन था।” उन्होंने हंसमुख अंदाज में मुस्कुराते हुए कहा, “क्या सनसनीखेज आयोजन था!” यह सुनकर सब लोग हंस पड़े।
उन्होंने जोश भरे लहजे में निष्कर्ष निकाला, "यह रचना व्लादिमीर टोस्टॉफ की 'जैज़ हिस्ट्री ऑफ़ द वर्ल्ड' के नाम से जानी जाती है।"
श्री टोस्टॉफ की रचना का स्वरूप मेरी समझ से परे था, क्योंकि जैसे ही यह शुरू हुई, मेरी नज़र गैट्सबी पर पड़ी, जो संगमरमर की सीढ़ियों पर अकेले खड़े थे और एक समूह से दूसरे समूह को प्रशंसा भरी निगाहों से देख रहे थे। उनकी सांवली त्वचा उनके चेहरे पर आकर्षक रूप से कसी हुई थी और उनके छोटे बाल ऐसे लग रहे थे मानो उन्हें हर रोज़ ट्रिम किया जाता हो। मुझे उनमें कुछ भी बुरा नहीं लगा। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या शराब न पीने से वे अपने मेहमानों से अलग दिख रहे थे, क्योंकि मुझे ऐसा लगा कि जैसे-जैसे दोस्तों के बीच हंसी-मज़ाक बढ़ता गया, वे और भी सलीके से बोलने लगे। जब जैज़ हिस्ट्री ऑफ़ द वर्ल्ड खत्म हुई, तो लड़कियाँ मासूमियत और दोस्ताना अंदाज़ में पुरुषों के कंधों पर सिर रख रही थीं, लड़कियाँ चंचल भाव से पुरुषों की बाहों में पीछे की ओर गिर रही थीं, यहाँ तक कि समूहों में भी, यह जानते हुए कि कोई न कोई उन्हें गिरने से रोक लेगा - लेकिन कोई भी गैट्सबी पर पीछे की ओर नहीं गिरा, न ही किसी फ्रेंच बॉब हेयरस्टाइल ने गैट्सबी के कंधे को छुआ, और न ही गैट्सबी के सिर को एक कड़ी बनाकर कोई गायन चौकड़ी बनी।
"मैं क्षमा चाहता हूँ।"
अचानक गैट्सबी का बटलर हमारे बगल में खड़ा था।

“मिस बेकर?” उन्होंने पूछा। “माफ़ कीजिएगा, लेकिन श्री गैट्सबी आपसे अकेले में बात करना चाहते हैं।”
“मेरे साथ?” उसने आश्चर्य से कहा।
"जी महोदया।"
वह धीरे से उठी, आश्चर्य से मेरी ओर भौंहें उठाकर देखते हुए, और बटलर के पीछे घर की ओर चल पड़ी। मैंने देखा कि उसने अपनी शाम की पोशाक, अपनी सभी पोशाकें, खेल के कपड़ों की तरह पहनी हुई थीं - उसके चलने में एक चंचलता थी, मानो उसने पहली बार साफ-सुथरी, ताजी सुबह में गोल्फ के मैदानों पर चलना सीखा हो।
मैं अकेला था और लगभग दो बज रहे थे। कुछ देर से छत के ऊपर बने एक लंबे, कई खिड़कियों वाले कमरे से अजीबोगरीब और रहस्यमयी आवाज़ें आ रही थीं। जॉर्डन के उस स्नातक छात्र से बचते हुए, जो उस समय दो गायिकाओं के साथ प्रसव संबंधी बातचीत में मशगूल था और जिसने मुझे भी अपने साथ आने का आग्रह किया, मैं अंदर चला गया। बड़ा कमरा लोगों से भरा हुआ था। पीले कपड़े पहने लड़कियों में से एक पियानो बजा रही थी, और उसके बगल में एक मशहूर गायन मंडली की लंबी, लाल बालों वाली युवती गाना गा रही थी। उसने काफी शराब पी रखी थी, और अपने गाने के दौरान उसने नासमझी से यह तय कर लिया था कि सब कुछ बहुत, बहुत दुखद है - वह न केवल गा रही थी, बल्कि रो भी रही थी। जब भी गाने में विराम आता, वह हांफती हुई, टूटी हुई सिसकियों से उसे भर देती, और फिर कांपती हुई ऊँची आवाज़ में गाना शुरू कर देती। आंसू उसके गालों पर बह रहे थे - हालांकि, आसानी से नहीं, क्योंकि जब वे उसकी घनी पलकों से टकराते, तो स्याही जैसे रंग के हो जाते, और धीरे-धीरे काली धाराओं में बहते चले जाते। एक मज़ाकिया सुझाव दिया गया कि वह अपने चेहरे पर सुर

बनाए, जिस पर उसने अपने हाथ ऊपर उठाए, एक कुर्सी पर बैठ गई, और शराब के नशे में गहरी नींद में सो गई।
मेरे बगल में खड़ी एक लड़की ने बताया, "उसका एक ऐसे आदमी से झगड़ा हुआ जो खुद को उसका पति बताता है।"
मैंने चारों ओर देखा। बची हुई अधिकांश महिलाएं अब अपने कथित पतियों से झगड़ रही थीं। यहां तक कि जॉर्डन का दल, ईस्ट एग से आए चारों लोग भी आपसी कलह से बिखर गए थे। उनमें से एक आदमी एक युवा अभिनेत्री से बड़ी उत्सुकता से बातें कर रहा था, और उसकी पत्नी, स्थिति पर गरिमापूर्ण और उदासीन तरीके से हंसने की कोशिश करने के बाद, पूरी तरह से टूट गई और उस पर तीखे हमले करने लगी - बीच-बीच में वह गुस्से में हीरे की तरह अचानक उसके बगल में प्रकट होती और उसके कान में फुसफुसाती: "तुमने वादा किया था!"
घर जाने की अनिच्छा केवल पथभ्रष्ट पुरुषों तक ही सीमित नहीं थी। हॉल में इस समय दो बेहद गंभीर पुरुष और उनकी बेहद क्रोधित पत्नियाँ मौजूद थीं। पत्नियाँ थोड़ी ऊँची आवाज़ में एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति जता रही थीं।
जब भी वह देखता है कि मैं अच्छा समय बिता रहा हूं, तो वह घर जाना चाहता है।
मैंने अपने जीवन में इससे ज्यादा स्वार्थी बात कभी नहीं सुनी। हम हमेशा सबसे पहले निकलते हैं।
"और हम इसीलिए।"
“खैर, आज रात हम लगभग आखिरी बचे हैं,” उनमें से एक आदमी ने शर्मिंदा होकर कहा। “ऑर्केस्ट्रा तो आधे घंटे पहले ही चला गया।”
पत्नियों के इस बात पर सहमत होने के बावजूद कि इस तरह की दुर्भावना अविश्वसनीय थी, विवाद एक संक्षिप्त हाथापाई में

समाप्त हुआ, और दोनों पत्नियों को लात मारते हुए रात के अंधेरे में उठा लिया गया।
जब मैं हॉल में अपनी टोपी का इंतज़ार कर रहा था, तभी पुस्तकालय का दरवाज़ा खुला और जॉर्डन बेकर और गैट्सबी एक साथ बाहर आए। वह उससे कुछ आखिरी बातें कह रहा था, लेकिन जैसे ही कई लोग उसे अलविदा कहने के लिए आगे आए, उसके हाव-भाव में अचानक औपचारिकता झलकने लगी।
जॉर्डन के साथी बरामदे से बेसब्री से उसे पुकार रहे थे, लेकिन वह कुछ देर रुककर लोगों से हाथ मिलाने लगी।
“मैंने अभी-अभी एक बेहद आश्चर्यजनक बात सुनी है,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “हम वहां कितनी देर तक थे?”
"हाँ, लगभग एक घंटा।"
“यह सचमुच अद्भुत था,” उसने खोए हुए अंदाज़ में दोहराया। “लेकिन मैंने कसम खाई थी कि मैं किसी को नहीं बताऊंगी और अब मैं तुम्हें चिढ़ा रही हूँ।” उसने मेरे सामने ही जम्हाई लेते हुए कहा: “कृपया मुझसे मिलने आइए… फ़ोन बुक में… श्रीमती सिगोरनी हॉवर्ड के नाम से… मेरी चाची…” वह बोलते-बोलते जल्दी से चली गई
– दरवाज़े पर अपने साथियों के बीच जाते हुए उसने अपने भूरे हाथ से एक चंचल अभिवादन किया।
मुझे इस बात पर थोड़ी शर्म आ रही थी कि पहली बार आने पर मैं इतनी देर तक रुका रहा। मैं गैट्सबी के उन बचे हुए मेहमानों के साथ शामिल हो गया जो उसके चारों ओर जमा थे। मैं यह समझाना चाहता था कि मैं शाम को जल्दी ही उसे ढूंढने निकल गया था और बगीचे में उसे न पहचान पाने के लिए माफी मांगना चाहता था।
“इसकी बात मत करो,” उन्होंने उत्सुकता से मुझे समझाया। “इसके बारे में दोबारा मत सोचो, मेरे दोस्त।” उनके जाने-पहचाने चेहरे

में उतनी ही सहजता थी जितनी उस हाथ में जिसने तसल्ली भरे अंदाज़ में मेरे कंधे को छुआ। “और यह मत भूलना कि हम कल सुबह नौ बजे हाइड्रोप्लेन में उड़ान भरने वाले हैं।”
फिर बटलर ने उसके कंधे के पीछे से कहा: "फिलाडेल्फिया आपसे फोन पर बात करना चाहता है, महोदय।"
ठीक है, एक मिनट में। उन्हें बता देना कि मैं अभी आता हूँ... शुभ रात्रि।
"शुभ रात्रि।"
“शुभ रात्रि।” वह मुस्कुराया – और अचानक उसे अंत में जाने में एक सुखद महत्व का एहसास हुआ, मानो वह हमेशा से यही चाहता था। “शुभ रात्रि, मेरे दोस्त… शुभ रात्रि।”
लेकिन जैसे ही मैं सीढ़ियों से नीचे उतरा, मैंने देखा कि शाम अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई थी। दरवाजे से पचास फीट की दूरी पर, एक दर्जन गाड़ियों की हेडलाइट्स एक विचित्र और उथल-पुथल भरे दृश्य को रोशन कर रही थीं। सड़क के किनारे खाई में, सीधी खड़ी, लेकिन एक पहिया बुरी तरह से उखड़ा हुआ, एक नई कूप कार पड़ी थी जो दो मिनट पहले ही गैट्सबी के ड्राइववे से निकली थी। एक नुकीली दीवार के कारण पहिया अलग हो गया था, जिस पर अब आधा दर्जन उत्सुक ड्राइवरों की नज़रें टिकी हुई थीं। हालांकि, चूंकि उन्होंने अपनी गाड़ियां सड़क पर खड़ी कर रखी थीं, इसलिए पीछे से आ रही गाड़ियों का कर्कश और बेमेल शोर कुछ देर से सुनाई दे रहा था, जिससे पहले से ही फैली अफरा-तफरी और बढ़ गई थी।
एक लंबे डस्टर पहने एक व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त वाहन से उतर गया था और अब सड़क के बीच में खड़ा था, कार से टायर की ओर और टायर से दर्शकों की ओर एक सुखद, उलझन भरे भाव से देख रहा था।
“देखो!” उसने समझाया। “यह खाई में गिर गया।”

यह तथ्य उनके लिए बेहद आश्चर्यजनक था, और मैंने सबसे पहले उनके आश्चर्य के असामान्य भाव को पहचाना, और फिर उस व्यक्ति को - वह गैट्सबी के पुस्तकालय के दिवंगत संरक्षक थे।
“यह कैसे हुआ?”
उसने अपने कंधे उचका दिए।
उन्होंने दृढ़ता से कहा, "मुझे मैकेनिक्स के बारे में बिल्कुल भी कुछ नहीं पता।"
लेकिन ये हुआ कैसे? क्या तुम दीवार से टकरा गए थे?
"मुझसे मत पूछो," आउल आइज़ ने पूरे मामले से पल्ला झाड़ते हुए कहा। "मुझे ड्राइविंग के बारे में बहुत कम जानकारी है - न के बराबर। यह घटना घटी, बस इतना ही मुझे पता है।"
"खैर, अगर आप खराब ड्राइवर हैं तो आपको रात में गाड़ी चलाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।"
“लेकिन मैं तो कोशिश भी नहीं कर रहा था,” उसने गुस्से से कहा, “मैं तो कोशिश भी नहीं कर रहा था।”
वहां मौजूद लोगों में विस्मय और सन्नाटा छा गया।
क्या तुम आत्महत्या करना चाहते हो?
“आपकी किस्मत अच्छी है कि सिर्फ पहिया ही टूटा! एक खराब ड्राइवर था और उसने कोशिश भी नहीं की!”
अपराधी ने समझाया, "आप समझ नहीं रहे हैं। मैं गाड़ी नहीं चला रहा था। गाड़ी में एक और आदमी है।"
इस घोषणा के बाद जो सदमा लगा, वह कार का दरवाज़ा धीरे-धीरे खुलते ही एक लगातार "आह-ह-ह!" की आवाज़ में बदल गया। भीड़ - अब वह एक भीड़ बन चुकी थी - अनायास ही पीछे हट गई, और जब दरवाज़ा पूरी तरह खुल गया तो सन्नाटा छा गया। फिर, बहुत धीरे-धीरे, एक-एक करके, एक

पीला-सा, लटका हुआ व्यक्ति मलबे से बाहर निकला, अपने बड़े से, अनिश्चित से नाचते हुए जूते से ज़मीन को धीरे-धीरे टटोलते हुए। गाड़ियों की तेज रोशनी से आंखें चौंधिया गईं और हॉर्न की लगातार तेज आवाज से भ्रमित होकर, वह आकृति कुछ पल के लिए लड़खड़ाती रही, इससे पहले कि उसने डस्टर पहने हुए आदमी को देखा। “क्या बात है?” उसने शांत भाव से पूछा। “क्या पेट्रोल खत्म हो गया?”
"देखना!"
आधा दर्जन उंगलियां कटे हुए पहिये की ओर इशारा कर रही थीं - उसने एक पल के लिए उसे घूरा, और फिर ऊपर की ओर देखा मानो उसे संदेह हो कि वह आकाश से गिरा हो।
“यह निकल गया,” किसी ने समझाया।
उसने सहमति में सिर हिलाया।
"शुरुआत में तो मुझे पता ही नहीं चला कि हम रुक गए हैं।"
एक पल का विराम। फिर, एक गहरी सांस लेते हुए और अपने कंधों को सीधा करते हुए, उन्होंने दृढ़ स्वर में कहा:
“क्या आप मुझे बता सकते हैं कि पेट्रोल पंप कहाँ है?”
कम से कम एक दर्जन लोगों ने, जिनमें से कुछ की आर्थिक स्थिति उससे थोड़ी बेहतर थी, उसे समझाया कि पहिए और कार के बीच अब कोई भौतिक बंधन नहीं रह गया है।
कुछ देर बाद उसने सुझाव दिया, "पीछे हटो। गाड़ी को रिवर्स गियर में डालो।"
लेकिन पहिया निकल गया है!
वह झिझका।
उन्होंने कहा, "कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है।"

हॉर्न की कर्कश आवाज़ चरम पर पहुँच चुकी थी और मैं मुड़कर लॉन पार करके घर की ओर चल पड़ा। मैंने एक बार पीछे मुड़कर देखा। गैट्सबी के घर के ऊपर चाँद की पतली सी किरण चमक रही थी, जिससे रात पहले की तरह सुहावनी लग रही थी, और हँसी और उसके अभी भी जगमगाते बगीचे की आवाज़ के बीच भी उसकी चमक बरकरार थी। खिड़कियों और बड़े दरवाजों से अचानक एक खालीपन सा छा गया, जिससे बरामदे में खड़े मेज़बान को पूर्ण एकांत का आभास हो रहा था, उसका हाथ विदाई के औपचारिक संकेत में ऊपर उठा हुआ था।

* * * * *

मैंने अब तक जो लिखा है उसे पढ़कर मुझे लगता है कि मैंने यह आभास दिया है कि कुछ हफ़्तों के अंतराल पर घटी तीन रातों की घटनाएँ ही मेरे लिए सब कुछ थीं। इसके विपरीत, वे व्यस्त गर्मियों के मौसम में महज़ कुछ आकस्मिक घटनाएँ थीं, और बहुत बाद तक मुझे यह एहसास नहीं हुआ कि उन्होंने मुझे मेरे निजी मामलों की तुलना में कहीं कम व्यस्त रखा था।
मैं ज़्यादातर समय काम करता था। सुबह-सुबह जब मैं न्यूयॉर्क के निचले इलाकों की बर्फीली घाटियों से होते हुए प्रोबिटी ट्रस्ट की ओर तेज़ी से जाता था, तो सूरज की रोशनी मेरी परछाई पश्चिम की ओर डालती थी। मैं वहाँ के अन्य क्लर्कों और युवा बॉन्ड-विक्रेताओं को उनके पहले नाम से जानता था और उनके साथ अंधेरे, भीड़-भाड़ वाले रेस्तरां में दोपहर का भोजन करता था, जहाँ छोटे- छोटे सूअर के मांस के सॉसेज, मसले हुए आलू और कॉफ़ी परोसी जाती थी। मेरा जर्सी सिटी में रहने वाली और लेखा विभाग में काम करने वाली एक लड़की से थोड़े समय के लिए प्रेम संबंध भी था, लेकिन उसका भाई मेरी ओर बुरी नज़रें डालने लगा, इसलिए जब वह जुलाई में छुट्टी पर गई, तो मैंने चुपचाप इस रिश्ते को खत्म कर दिया।

में खुद को ज़्यादा सुरक्षित महसूस करती थी जहाँ नियमों का उल्लंघन असंभव माना जाता था। वह जन्मजात बेईमान थी। वह किसी भी तरह की कमज़ोरी बर्दाश्त नहीं कर पाती थी और इसी अनिच्छा को देखते हुए, शायद उसने बहुत कम उम्र में ही छल-कपट का सहारा लेना शुरू कर दिया था ताकि दुनिया के सामने अपनी उस शांत, अभिमानी मुस्कान को बरकरार रख सके और साथ ही अपने चुस्त-दुरुस्त शरीर की ज़रूरतों को भी पूरा कर सके।
मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। किसी स्त्री की बेईमानी को कभी दिल से दोष नहीं दिया जा सकता – मैंने बस हल्के से अफसोस जताया और फिर भूल गया। उसी हाउस पार्टी में हमारी कार चलाने को लेकर एक अजीब सी बातचीत हुई। बात तब शुरू हुई जब वह कुछ कामगारों के इतने करीब से गुजरी कि हमारी गाड़ी का फेंडर एक आदमी के कोट का बटन छू गया।
मैंने विरोध करते हुए कहा, "तुम बहुत ही खराब ड्राइवर हो। या तो तुम्हें ज्यादा सावधान रहना चाहिए, या फिर तुम्हें गाड़ी चलानी ही नहीं चाहिए।"
"मैं सवाधान हूं।"
"नहीं आप नहीं हैं।"
"खैर, दूसरे लोग तो हैं," उसने हल्के अंदाज में कहा।
इसका इससे क्या लेना-देना है?
“वे मेरे रास्ते से हट जाएंगे,” उसने जोर देकर कहा। “दुर्घटना के लिए दो लोगों की जरूरत होती है।”
"मान लीजिए कि आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हुई जो आपकी ही तरह लापरवाह है।"

“मुझे उम्मीद है कि ऐसा कभी नहीं होगा,” उसने जवाब दिया। “मुझे लापरवाह लोग बिल्कुल पसंद नहीं हैं। इसीलिए मैं तुम्हें पसंद करती हूँ।”
उसकी धूप से झुलसी हुई, धूसर आँखें सीधे सामने देख रही थीं, लेकिन उसने जानबूझकर हमारे रिश्ते को बदल दिया था, और एक पल के लिए मुझे लगा कि मैं उससे प्यार करता हूँ। लेकिन मैं धीरे-धीरे सोचता हूँ और मेरे अंदर कई नियम हैं जो मेरी इच्छाओं पर लगाम लगाते हैं, और मैं जानता था कि पहले मुझे घर पर उस उलझन से पूरी तरह बाहर निकलना होगा। मैं हफ्ते में एक बार चिट्ठियाँ लिखता था और उन पर "प्यार से, निक" लिखता था, और मेरे दिमाग में बस यही चलता रहता था कि जब वह लड़की टेनिस खेलती थी, तो उसके ऊपरी होंठ पर पसीने की हल्की-सी लकीरें बन जाती थीं। फिर भी, एक अस्पष्ट समझ थी जिसे मुझे आज़ाद होने से पहले चतुराई से तोड़ना था।
हर कोई अपने आप में कम से कम एक प्रमुख सद्गुण होने का संदेह रखता है, और मेरा यह सद्गुण है: मैं उन कुछ ईमानदार लोगों में से एक हूं जिन्हें मैं जानता हूं।

अध्याय 4

रविवार की सुबह जब तटवर्ती गांवों में चर्च की घंटियाँ बज रही थीं, तब दुनिया और उसकी प्रेमिका गैट्सबी के घर लौट आई और उसके लॉन पर मज़ेदार ढंग से जगमगा उठीं।
“वो शराब का अवैध व्यापारी है,” युवतियों ने उसके कॉकटेल और फूलों के बीच घूमते हुए कहा। “एक बार उसने एक ऐसे आदमी को मार डाला था जिसे पता चल गया था कि वो वॉन हिंडेनबर्ग का भतीजा और शैतान का चचेरा भाई है। मुझे एक गुलाब दो, जान, और उस क्रिस्टल के गिलास में आखिरी बूंद तक डाल दो।”
एक बार मैंने समय सारणी के खाली खानों में उन लोगों के नाम लिखे थे जो उस गर्मी में गैट्सबी के घर आए थे। वह समय सारणी अब पुरानी हो चुकी है, तहों से फट रही है, और उस पर लिखा है, "यह अनुसूची 5 जुलाई, 1922 से प्रभावी है।" लेकिन मैं अब भी उन धुंधले नामों को पढ़ सकता हूँ, और वे आपको उन लोगों के बारे में मेरी सामान्य जानकारी से कहीं बेहतर जानकारी देंगे जिन्होंने गैट्सबी की मेहमाननवाज़ी स्वीकार की और उनके बारे में कुछ भी न जानने का सूक्ष्म संकेत दिया।
ईस्ट एग से चेस्टर बेकर और लीच परिवार आए, और बन्सन नाम का एक आदमी, जिसे मैं येल में जानता था, और डॉक्टर वेबस्टर सिवेट, जो पिछली गर्मियों में मेन में डूब गया था। और हॉर्नबीम और विली वोल्टेयर, और ब्लैकबक नाम का पूरा परिवार, जो हमेशा एक कोने में इकट्ठा होते थे और जो भी पास आता था, उसे बकरियों की तरह नाक उठाकर घूरते थे। और इस्मे और क्रिस्टी परिवार (या यूं कहें कि ह्यूबर्ट ऑरबैक और मिस्टर क्रिस्टी की पत्नी), और एडगर बीवर,

जिनके बाल, कहते हैं, एक सर्दी की दोपहर बिना किसी अच्छे कारण के रूई जैसे सफेद हो गए थे।
मुझे याद है, क्लेरेंस एंडाइव ईस्ट एग से थे। वे सिर्फ एक बार आए थे, सफेद निकर पहने हुए, और बगीचे में एटी नाम के एक आवारा से उनकी लड़ाई हो गई थी। द्वीप के दूर के हिस्से से चीडल्स, ओ.आर.पी. श्रैडर्स, जॉर्जिया के स्टोनवॉल जैक्सन अब्राम्स, फिशगार्ड्स और रिप्ले स्नेल्स आए थे। स्नेल जेल जाने से तीन दिन पहले वहाँ थे, इतनी बुरी तरह नशे में थे कि श्रीमती यूलिसिस स्वेट की कार उनके दाहिने हाथ पर चढ़ गई थी। डान्सी परिवार भी आया था, और साठ साल से अधिक उम्र के एस.बी. व्हाइटबेट, मौरिस ए. फ्लिंक, हैमरहेड्स, तंबाकू आयातक बेलुगा और बेलुगा की लड़कियाँ भी आई थीं।
वेस्ट एग से पोल्स, मुलरेडी, सेसिल रोएबक, सेसिल शोएन, राज्य सीनेटर गुलिक, फिल्म्स पार एक्सीलेंस के संचालक न्यूटन ऑर्किड, एकहॉस्ट, क्लाइड कोहेन, डॉन एस. श्वार्ट्ज (पुत्र) और आर्थर मैककार्टी आए, ये सभी किसी न किसी तरह से फिल्मों से जुड़े हुए थे। कैटलिप्स, बेम्बर्ग्स और जी. अर्ल मुल्डून भी आए, जो उस मुल्डून के भाई थे जिसने बाद में अपनी पत्नी का गला घोंट दिया था। प्रमोटर दा फोंटानो भी वहाँ आए, एड लेग्रोस, जेम्स बी. ("रॉट-गट") फेरेट, डी जोंग्स और अर्नेस्ट लिली - ये सब जुआ खेलने आए थे, और जब फेरेट बगीचे में भटकता था तो इसका मतलब होता था कि वह पूरी तरह से कंगाल हो गया है और एसोसिएटेड ट्रैक्शन को अगले दिन लाभप्रद रूप से उतार-चढ़ाव करना होगा।
क्लिप्सप्रिंगर नाम का एक आदमी वहाँ इतनी बार और इतने लंबे समय तक रहता था कि उसे "बोर्डेर" के नाम से जाना जाने लगा - मुझे संदेह है कि उसका कोई और घर भी था। थिएटर जगत से जुड़े लोगों में

गस वाइज़, होरेस ओ'डोनावन, लेस्टर मेयर, जॉर्ज डकवीड और फ्रांसिस बुल शामिल थे। न्यूयॉर्क से क्रोम्स, बैकहिसन्स, डेनिकर्स, रसेल बेट्टी, कोरिगन्स, केलेहर्स, ड्यूअर्स, स्कलीज़, एस. डब्ल्यू. बेलचर, स्माइर्क्स और युवा क्विन (अब तलाकशुदा) और हेनरी एल. पाल्मेटो भी थे, जिन्होंने टाइम्स स्क्वायर में एक सबवे ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली थी।
बेनी मैक्लेनाहन हमेशा चार लड़कियों के साथ आता था। शारीरिक रूप से वे कभी भी बिल्कुल एक जैसी नहीं होती थीं, लेकिन वे एक-दूसरे से इतनी मिलती-जुलती थीं कि ऐसा लगता था मानो वे पहले भी यहाँ आ चुकी हों। मुझे उनके नाम याद नहीं हैं - जैकलिन, शायद, या कॉन्सुएला, या ग्लोरिया या जूडी या जून, और उनके उपनाम या तो फूलों और महीनों के मधुर नाम थे या फिर उन महान अमेरिकी पूंजीपतियों के कठोर नाम थे, जिनके चचेरे भाई-बहन होने की वे, अगर ज़ोर दिया जाता, तो स्वीकार करतीं।
इन सबके अलावा मुझे याद है कि फॉस्टिना ओ'ब्रायन कम से कम एक बार वहाँ आई थीं, और बेडेकर लड़कियाँ, और युवा ब्रेवर, जिनकी नाक युद्ध में गोली लगने से उड़ गई थी, और श्री अल्ब्रुक्सबर्गर और उनकी मंगेतर मिस हाग, और अर्दिता फिट्ज़-पीटर्स और श्री पी. ज्यूएट, जो कभी अमेरिकन लीजन के प्रमुख थे, और मिस क्लाउडिया हिप, अपने कथित ड्राइवर के साथ, और एक राजकुमार, जिसे हम ड्यूक कहते थे, और जिसका नाम, अगर मुझे कभी पता भी था, तो मैं भूल गया हूँ।
ये सभी लोग गर्मियों में गैट्सबी के घर आए थे।

* * * * *

जुलाई के अंत में एक सुबह नौ बजे, गैट्सबी की शानदार कार पथरीले रास्ते से लड़खड़ाते हुए मेरे दरवाजे तक आई और उसके तीन सुरों

वाले हॉर्न से मधुर संगीत की एक लहर दौड़ गई। यह पहली बार था जब वह मुझसे मिलने आया था, हालांकि मैं उसकी दो पार्टियों में उसके हाइड्रोप्लेन में सवार होकर गया था और उसके आग्रह पर, अक्सर उसके समुद्र तट का उपयोग करता था।
"सुप्रभात, दोस्त। आज आप मेरे साथ दोपहर का भोजन कर रहे हैं और मैंने सोचा कि हम साथ-साथ ऊपर चलें।"
वह अपनी कार के डैशबोर्ड पर उस फुर्तीलेपन से संतुलन बनाए हुए था जो अमेरिकी लोगों में स्वाभाविक रूप से पाया जाता है – शायद यह फुर्ती बचपन में भारी काम या कठोर बैठने की आदत से दूर रहने और उससे भी बढ़कर हमारे चंचल, अनियमित खेलों की बेतरतीब अदा से आती है। यह गुण उसकी सलीकेदार दिनचर्या में बेचैनी के रूप में बार-बार झलक रहा था। वह कभी भी पूरी तरह स्थिर नहीं रहता था; उसका पैर कहीं न कहीं थपथपाता रहता था या हाथ बेचैनी से खुलता और बंद होता रहता था।
उसने मुझे उसकी कार को प्रशंसा भरी नजरों से देखते हुए देखा। “यह कितना सुंदर है, है ना यार?” उसने मुझे बेहतर दृश्य दिखाने के लिए नीचे छलांग लगाई। “क्या तुमने इसे पहले कभी नहीं देखा?” मैंने उसे देखा था। हर किसी ने उसे देखा था। वह गहरे क्रीम रंग का था, निकल की चमक से जगमगाता हुआ, अपनी विशाल लंबाई में जगह-जगह टोपी रखने के डिब्बों, खाने के डिब्बों और औजारों के डिब्बों से भरा हुआ था, और उस पर हवा से बचाव के लिए बने जालीदार आवरणों का जाल बिछा हुआ था, जिनमें दर्जनों सूर्य प्रतिबिंबित हो रहे थे। हरे चमड़े के बने एक तरह के कमरे में, कांच की कई परतों के पीछे बैठकर, हम शहर की ओर चल पड़े।
मैंने पिछले महीने में उनसे शायद आधा दर्जन बार बात की थी और मुझे निराशा हुई कि उनके पास कहने के लिए बहुत कम था: इसलिए मेरी

पहली धारणा, कि वह किसी अनिर्दिष्ट महत्व के व्यक्ति थे, धीरे- धीरे धूमिल हो गई और वह बस बगल में स्थित एक आलीशान भोजनालय के मालिक बनकर रह गए।
और फिर वो बेचैन कर देने वाली यात्रा शुरू हुई। वेस्ट एग गांव पहुंचने से पहले ही गैट्सबी ने अपने सुरुचिपूर्ण वाक्यों को अधूरा छोड़ना शुरू कर दिया और अपने कैरेमल रंग के सूट के घुटने पर अनिर्णय की स्थिति में खुद को थपथपाने लगा।
“देखो, दोस्त,” उसने अचानक हैरानी से कहा। “वैसे, मेरे बारे में तुम्हारी क्या राय है?”
थोड़ा अभिभूत होकर, मैंने उस प्रश्न के लिए उपयुक्त सामान्य टालमटोल वाले जवाब देने शुरू कर दिए।
“अच्छा, मैं आपको अपने जीवन के बारे में कुछ बताना चाहता हूँ,” उसने बात काटते हुए कहा। “मैं नहीं चाहता कि आप मेरे बारे में सुनी-सुनाई बातों से गलत धारणा बना लें।”
इसलिए वह अपने कार्यालय में होने वाली बातचीत में सामने आने वाले विचित्र आरोपों से अवगत था।
“मैं तुम्हें ईश्वर की कसम खाकर सच बताता हूँ।” अचानक उसके दाहिने हाथ ने ईश्वरीय दंड को तैयार रहने का आदेश दिया। “मैं मध्यपश्चिम के कुछ धनी लोगों का पुत्र हूँ – वे सब अब मर चुके हैं। मेरा पालन-पोषण अमेरिका में हुआ, लेकिन मेरी शिक्षा ऑक्सफ़ोर्ड में हुई, क्योंकि मेरे सभी पूर्वज कई वर्षों से वहीं शिक्षित होते आ रहे हैं। यह हमारे परिवार की परंपरा है।” उसने तिरछी नज़र से मेरी तरफ देखा – और मैं समझ गया कि जॉर्डन बेकर को क्यों लगा था कि वह झूठ बोल रहा है। उसने "ऑक्सफ़ोर्ड में शिक्षित" वाक्यांश को जल्दी से बोला, या जैसे उसे निगल लिया हो, या जैसे उस पर अटक गया हो, मानो यह बात उसे पहले परेशान कर

रही हो। और इस संदेह के साथ, उसका पूरा बयान बिखर गया, और मुझे आश्चर्य हुआ कि कहीं उसमें कुछ रहस्यमय तो नहीं था।
मैंने अनायास ही पूछा, "मिडिलवेस्ट का कौन सा हिस्सा?"
"सैन फ्रांसिस्को।"
"अच्छा ऐसा है।"
"मेरे परिवार के सभी सदस्य मर गए और मुझे काफी धन विरासत में मिला।"
उनकी आवाज़ गंभीर थी, मानो उस कबीले के अचानक विलुप्त होने की याद अब भी उन्हें सता रही हो। एक पल के लिए मुझे लगा कि वह मेरा मज़ाक उड़ा रहे हैं, लेकिन उन्हें देखते ही मेरा भ्रम दूर हो गया।
"उसके बाद मैं यूरोप की सभी राजधानियों - पेरिस, वेनिस, रोम - में एक युवा राजा की तरह रहा, गहने, मुख्य रूप से माणिक, इकट्ठा करता रहा, बड़े जानवरों का शिकार करता रहा, थोड़ी-बहुत पेंटिंग करता रहा, ये सब चीजें केवल अपने लिए करता रहा, और बहुत पहले मेरे साथ घटी एक बहुत ही दुखद घटना को भूलने की कोशिश करता रहा।"
बड़ी मुश्किल से मैंने अपनी अविश्वास भरी हंसी रोकी। ये वाक्य इतने घिसे-पिटे थे कि उनसे पगड़ी पहने एक ऐसे "किरदार" की छवि के अलावा और कोई छवि उभरती ही नहीं थी, जिसके शरीर के हर रोम से बुरादा टपक रहा हो और जो बोइस डी बोलोग्ने के जंगलों में एक बाघ का पीछा कर रहा हो।
“फिर युद्ध शुरू हो गया, मेरे दोस्त। यह एक बड़ी राहत थी, और मैंने मरने की बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा लगा जैसे मेरा जीवन किसी जादू से प्रेरित था। युद्ध शुरू होते ही मैंने प्रथम लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्ति स्वीकार कर ली। आर्गोन वन में मैंने मशीनगन की दो टुकड़ियों को इतनी आगे तक पहुँचाया कि

हमारे दोनों ओर आधा मील का फासला बन गया जहाँ पैदल सेना आगे नहीं बढ़ सकती थी। हम वहाँ दो दिन और दो रात रुके रहे, एक सौ तीस सैनिक सोलह लुईस तोपों के साथ, और जब अंत में पैदल सेना वहाँ पहुँची तो उन्हें लाशों के ढेर में तीन जर्मन डिवीजनों के प्रतीक चिन्ह मिले। मुझे मेजर के पद पर पदोन्नत किया गया, और हर मित्र राष्ट्र की सरकार ने मुझे पदक दिए – यहाँ तक कि मोंटेनेग्रो ने भी, एड्रियाटिक सागर के किनारे बसे छोटे से मोंटेनेग्रो ने!”
नन्हा मोंटेनेग्रो! उन्होंने शब्दों को ऊपर उठाया और मुस्कुराते हुए सिर हिलाया। उनकी मुस्कान में मोंटेनेग्रो के संघर्षपूर्ण इतिहास की समझ थी और मोंटेनेग्रो के लोगों के साहसी संघर्षों के प्रति सहानुभूति थी। यह उन राष्ट्रीय परिस्थितियों की श्रृंखला को पूरी तरह से समझती थी जिनके कारण मोंटेनेग्रो के इस नन्हे से गर्मजोशी भरे दिल से यह प्रशंसा निकली थी। मेरा अविश्वास अब आकर्षण में डूब गया था; यह एक दर्जन पत्रिकाओं को सरसरी तौर पर देखने जैसा था।
उसने अपनी जेब में हाथ डाला और एक रिबन से बंधा हुआ धातु का एक टुकड़ा मेरी हथेली में गिर गया।
"ये मोंटेनेग्रो वाला है।"
मुझे आश्चर्य हुआ कि वह चीज देखने में बिल्कुल असली लग रही थी। गोलाकार शिलालेख में लिखा था, “Orderi di Danilo, “Montenegro, Nicolas Rex.”
"इसे पलटें।"
मैंने पढ़ा, “मेजर जे गैट्सबी, असाधारण शौर्य के लिए।”
“यह एक और चीज़ है जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखता हूँ। ऑक्सफ़ोर्ड के दिनों की एक यादगार। यह तस्वीर ट्रिनिटी क्वाड

में ली गई थी – मेरे बाईं ओर जो व्यक्ति है, वह अब अर्ल ऑफ़ डोरकास्टर हैं।”
यह एक तस्वीर थी जिसमें ब्लेज़र पहने लगभग आधा दर्जन युवक एक मेहराबदार रास्ते में टहल रहे थे, जिसके पार कई मीनारें दिखाई दे रही थीं। उनमें गैट्सबी भी था, जो थोड़ा-सा जवान लग रहा था, ज़्यादा नहीं – उसके हाथ में क्रिकेट का बल्ला था।
तब सब कुछ सच साबित हुआ। मैंने ग्रैंड कैनाल पर स्थित उनके महल में बाघों की खालों को आग की लपटों में जलते देखा; मैंने उन्हें अपने टूटे हुए दिल के दर्द को कम करने के लिए माणिकों से भरा एक संदूक खोलते देखा, जिनकी लालिमा से जगमगाती गहराई उनके दिल को पीड़ा पहुंचा रही थी।
“आज मैं आपसे एक बड़ी गुजारिश करने जा रहा हूँ,” उसने संतुष्टि से अपने स्मृति चिन्ह जेब में रखते हुए कहा, “इसलिए मैंने सोचा कि आपको मेरे बारे में कुछ पता होना चाहिए। मैं नहीं चाहता था कि आप मुझे कोई मामूली इंसान समझें। दरअसल, मैं अक्सर अजनबियों के बीच ही रहता हूँ क्योंकि मैं इधर-उधर भटकता रहता हूँ, उस दुखद घटना को भुलाने की कोशिश में जो मेरे साथ घटी है।” वह थोड़ा झिझका। “आपको इसके बारे में आज दोपहर पता चल जाएगा।”
"दोपहर के भोजन पर?"
नहीं, आज दोपहर को। मुझे संयोग से पता चला कि आप मिस बेकर को चाय पर ले जा रहे हैं।
"क्या आपका मतलब है कि आप मिस बेकर से प्यार करते हैं?"
“नहीं, दोस्त, मैं नहीं हूँ। लेकिन मिस बेकर ने इस मामले पर आपसे बात करने की कृपापूर्वक सहमति दी है।”
मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि "यह मामला" क्या है, लेकिन मुझे दिलचस्पी से ज़्यादा झुंझलाहट हो रही थी। मैंने जॉर्डन को चाय

पर मिस्टर जे गैट्सबी के बारे में चर्चा करने के लिए नहीं बुलाया था। मुझे यकीन था कि उसका अनुरोध कुछ बेहद ही बेतुका होगा, और एक पल के लिए मुझे अफ़सोस हुआ कि मैंने कभी उसके भीड़- भाड़ वाले लॉन में कदम रखा था।
उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। जैसे-जैसे हम शहर के करीब पहुँचते गए, उनकी सत्यनिष्ठा और भी पुख्ता होती गई। हम पोर्ट रूजवेल्ट से गुज़रे, जहाँ लाल पट्टी वाले समुद्री जहाज़ों की एक झलक दिखाई दी, और फिर हम उन्नीसवीं सदी के फीके सुनहरे रंग वाले अंधेरे, सुनसान शराबखानों से सजी पथरीली झुग्गी बस्ती से तेज़ी से आगे बढ़े। फिर हमारे दोनों ओर राख की घाटी खुल गई, और जब हम वहाँ से गुज़रे तो मुझे श्रीमती विल्सन की एक झलक दिखाई दी जो गैरेज के पंप पर ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रही थीं।
फेंडर्स को पंखों की तरह फैलाकर हमने लॉन्ग आइलैंड सिटी के आधे हिस्से में रोशनी बिखेरी - केवल आधा हिस्सा, क्योंकि जैसे ही हम एलिवेटेड के खंभों के बीच मुड़े, मैंने एक मोटरसाइकिल की परिचित "जग - जग - स्पैट!" की आवाज सुनी, और एक घबराया हुआ पुलिसकर्मी हमारे साथ-साथ चल रहा था।
“ठीक है, दोस्त,” गैट्सबी ने पुकारा। हमने गति धीमी कर दी। अपने बटुए से एक सफेद कार्ड निकालकर उसने उस आदमी की आँखों के सामने लहराया।
“बिल्कुल सही,” पुलिसवाले ने अपनी टोपी उतारते हुए सहमति जताई। “अगली बार आपको पहचान लूंगा, मिस्टर गैट्सबी। माफ कीजिए!” मैंने पूछा, “वो क्या था?” “ऑक्सफ़ोर्ड की तस्वीर?”
"मैंने एक बार कमिश्नर की मदद की थी, और वह मुझे हर साल क्रिसमस कार्ड भेजते हैं।"

विशाल पुल के ऊपर, गर्डरों से छनकर आती सूरज की रोशनी चलती कारों पर लगातार झिलमिलाती रहती है, और नदी के उस पार शहर सफेद टीलों और चीनी के ढेलों की तरह उभरता हुआ दिखाई देता है, मानो यह सब किसी कल्पना से परे धन से निर्मित हो। क्वींसबोरो पुल से दिखाई देने वाला शहर हमेशा ऐसा लगता है मानो पहली बार देखा जा रहा हो, मानो उसमें दुनिया के सारे रहस्य और सुंदरता का पहला अनूठा वादा छिपा हो।
फूलों से लदी एक शवयात्रा गाड़ी हमारे पास से गुजरी, उसके पीछे दो परदे वाली गाड़ियाँ थीं, और दोस्तों के लिए कुछ और खुशनुमा गाड़ियाँ थीं। दोस्तों ने दक्षिण-पूर्वी यूरोप की उदास आँखों और छोटे होंठों से हमारी ओर देखा, और मुझे खुशी हुई कि गैट्सबी की शानदार गाड़ी का नजारा उनकी उदास छुट्टी में शामिल था। जब हम ब्लैकवेल द्वीप पार कर रहे थे, तभी एक लिमोसिन हमारे पास से गुजरी, जिसे एक श्वेत ड्राइवर चला रहा था, जिसमें तीन फैशनेबल नीग्रो बैठे थे, दो लड़के और एक लड़की। उनकी आँखों की पुतलियाँ घमंडी प्रतिस्पर्धा में हमारी ओर घूमीं, तो मैं जोर से हँस पड़ा।
मैंने सोचा, “अब जब हम इस पुल को पार कर चुके हैं, तो कुछ भी हो सकता है; बिल्कुल कुछ भी…।”
गैट्सबी जैसी घटना भी बिना किसी आश्चर्य के हो सकती थी।

* * * * *

दोपहर का तेज धूप का समय। फोर्टीसेकेंड स्ट्रीट के एक हवादार तहखाने में मेरी मुलाकात गैट्सबी से दोपहर के भोजन पर हुई। बाहर सड़क की तेज रोशनी से बचने के लिए मैंने पलकें झपकाईं और देखा कि वह वेटिंग रूम में किसी दूसरे आदमी से बात कर रहा था। "श्रीमान कैरवे, ये मेरे मित्र श्री वुल्फशेम हैं।"

एक छोटे कद के, चपटी नाक वाले यहूदी ने अपना बड़ा सिर उठाया और दोनों नथुनों में घने बालों की लटों से मेरी ओर देखा। कुछ क्षण बाद, मैंने मंद अंधेरे में उसकी छोटी-छोटी आँखें देखीं।
“–तो मैंने उसे एक नजर देखा,” श्री वोल्फशेम ने मेरा हाथ गंभीरता से हिलाते हुए कहा, “और आपको क्या लगता है मैंने क्या किया?”
“क्या?” मैंने विनम्रतापूर्वक पूछा।
लेकिन जाहिर तौर पर वह मुझसे बात नहीं कर रहा था, क्योंकि उसने मेरा हाथ छोड़ दिया और अपनी भावपूर्ण नाक से गैट्सबी को ढक लिया।
मैंने कैटस्पॉ को पैसे दिए और कहा: ‘ठीक है, कैटस्पॉ, जब तक वह अपना मुंह बंद नहीं कर लेता, उसे एक पैसा भी मत देना।’ उसने वहीं अपना मुंह बंद कर लिया।
गैट्सबी ने हममें से प्रत्येक का एक हाथ पकड़ा और रेस्तरां के अंदर आगे बढ़ गया, जिसके बाद श्री वोल्फशेम ने अपना शुरू किया हुआ एक नया वाक्य बीच में ही रोक दिया और एक नींद में चलने जैसी तन्मयता में खो गए।
“हाईबॉल?” मुख्य वेटर ने पूछा।
“यह रेस्टोरेंट तो अच्छा है,” श्री वुल्फशेम ने छत पर बनी प्रेस्बिटेरियन अप्सराओं की मूर्तियों को देखते हुए कहा। “लेकिन मुझे सड़क के उस पार वाला रेस्टोरेंट ज़्यादा पसंद है!” “हां, हाईबॉल्स,” गैट्सबी ने सहमति जताते हुए कहा, और फिर मिस्टर वोल्फशेम से कहा: “वहां बहुत गर्मी है।”
श्री वोल्फशेम ने कहा, "गर्म और छोटा - हाँ, लेकिन यादों से भरा हुआ।"
मैंने पूछा, "वह कौन सी जगह है?"

“पुराना मेट्रोपोल।”
“पुराना मेट्रोपोल,” श्री वुल्फशेम उदास स्वर में बोले। “मृत और बिछड़े चेहरों से भरा हुआ। हमेशा के लिए बिछड़े दोस्तों से भरा हुआ। मैं उस रात को कभी नहीं भूल सकता जब रोज़ी रोसेन्थल को वहाँ गोली मारी गई थी। हम छह लोग मेज पर बैठे थे, और रोज़ी ने पूरी शाम खूब खाया-पिया था। जब लगभग सुबह होने वाली थी, तो वेटर अजीब से चेहरे के साथ उनके पास आया और बोला कि कोई उनसे बाहर बात करना चाहता है। ‘ठीक है,’ रोज़ी ने कहा और उठने लगे, और मैंने उन्हें उनकी कुर्सी पर वापस बिठा दिया।”
“‘अगर उन कमीनों को तुम्हें चाहिए तो अंदर आने दो, रोजी, लेकिन तुम, कसम से, इस कमरे से बाहर मत जाना।’”
"तब सुबह के चार बज रहे थे, और अगर हमने पर्दे हटा दिए होते तो हमें दिन का उजाला दिखाई देता।"
मैंने मासूमियत से पूछा, "क्या वह चला गया?"
“हाँ, वो गया था।” श्री वुल्फशेम ने गुस्से से मेरी ओर नाक सिकोड़ी। “वो दरवाजे पर मुड़ा और बोला: ‘उस वेटर को मेरी कॉफ़ी मत ले जाने दो!’ फिर वो फुटपाथ पर गया, और उन्होंने उसके भरे पेट में तीन गोलियाँ मारीं और गाड़ी लेकर चले गए।”
मैंने याद करते हुए कहा, "उनमें से चार की बिजली के झटके से मौत हो गई थी।"
“फाइव, बेकर के साथ।” उनकी नाकें दिलचस्पी से मेरी ओर मुड़ गईं। “मुझे पता चला है कि आप व्यावसायिक संबंध तलाश रहे हैं।”
इन दोनों टिप्पणियों का एक साथ रखा जाना चौंकाने वाला था। गैट्सबी ने मेरी ओर से उत्तर दिया:
“अरे नहीं,” उसने हैरानी से कहा, “यह वह आदमी नहीं है।”
“नहीं?” श्री वुल्फशेम निराश प्रतीत हुए।

“ये तो बस एक दोस्त है। मैंने तुमसे कहा था कि हम इस बारे में किसी और समय बात करेंगे।”
श्री वोल्फशेम ने कहा, "मुझे क्षमा करें, मुझसे गलती से कोई गलत व्यक्ति मिल गया था।"
स्वादिष्ट हैश परोसा गया, और श्री वुल्फशेम, पुराने मेट्रोपोल के भावुक माहौल को भूलकर, बड़ी ही नज़ाकत से खाने लगे। इस बीच, उनकी नज़रें कमरे में चारों ओर धीरे-धीरे घूम रही थीं - उन्होंने पीछे बैठे लोगों को देखने के लिए मुड़कर अपना चक्कर पूरा किया। मुझे लगता है कि अगर मैं वहाँ न होता, तो वे हमारी मेज के नीचे एक नज़र ज़रूर डालते।
"देखो, दोस्त," गैट्सबी ने मेरी ओर झुकते हुए कहा, "मुझे खेद है कि मैंने आज सुबह कार में तुम्हें थोड़ा गुस्सा दिला दिया।" फिर से उसके चेहरे पर मुस्कान आई, लेकिन इस बार मैंने उसे रोकने की कोशिश की।
मैंने जवाब दिया, "मुझे रहस्य पसंद नहीं हैं। और मुझे समझ नहीं आता कि आप खुलकर मुझे अपनी इच्छा क्यों नहीं बतातीं। मिस बेकर के ज़रिए ही सब कुछ क्यों होना ज़रूरी है?"
“अरे, इसमें कुछ भी गलत नहीं है,” उन्होंने मुझे आश्वस्त किया। “मिस बेकर एक शानदार खिलाड़ी हैं, और वह कभी भी कुछ भी गलत नहीं करेंगी।”
अचानक उसने अपनी घड़ी देखी, उछलकर उठा और कमरे से जल्दी से बाहर निकल गया, मुझे मिस्टर वोल्फशेम के साथ मेज पर छोड़कर।
श्री वुल्फशेम ने अपनी निगाहें उस पर टिकाते हुए कहा, "उसे फोन करना है। बड़ा ही अच्छा आदमी है, है ना? देखने में सुंदर और एकदम सज्जन।"
"हाँ।"

वह ओग्सफोर्ड का रहने वाला है।
"ओह!"
“वह इंग्लैंड के ओग्सफोर्ड कॉलेज में पढ़े थे। आप ओग्सफोर्ड कॉलेज को जानते हैं ना?”
मैंने इसके बारे में सुना है।
"यह दुनिया के सबसे प्रसिद्ध कॉलेजों में से एक है।"
मैंने पूछा, "क्या आप गैट्सबी को लंबे समय से जानते हैं?"
“कई साल,” उन्होंने संतुष्टि भरे लहजे में जवाब दिया। “युद्ध के तुरंत बाद उनसे मिलने का सौभाग्य मिला। लेकिन उनसे एक घंटे बात करने के बाद ही मुझे पता चल गया कि मुझे एक उच्च कोटि का व्यक्ति मिला है। मैंने मन ही मन सोचा: ‘यही तो वह व्यक्ति है जिसे तुम घर ले जाकर अपनी माँ और बहन से मिलवाना चाहोगी।’” वे रुके। “मैं देख रहा हूँ कि तुम मेरी कलाई के बटनों को देख रहे हो।” मैं उन्हें नहीं देख रहा था, लेकिन अब देख रहा था।
वे हाथीदांत के कुछ विचित्र रूप से परिचित टुकड़ों से बने थे। उन्होंने मुझे बताया, "मानव दाढ़ के सबसे बेहतरीन नमूने।" “वाह!” मैंने उनका निरीक्षण किया। “यह तो बहुत ही दिलचस्प विचार है।”
“हाँ।” उसने कोट के नीचे अपनी आस्तीनें ऊपर कर लीं। “हाँ, गैट्सबी महिलाओं के मामले में बहुत सावधान रहता है। वह कभी अपने दोस्त की पत्नी की तरफ देखता तक नहीं।”
जब इस सहज विश्वास का पात्र वापस मेज पर लौटा और बैठ गया, तो श्री वोल्फशेम ने झटके से अपनी कॉफी पी और उठ खड़े हुए। उन्होंने कहा, "मैंने अपने दोपहर के भोजन का आनंद लिया है, और मैं यहाँ से भागने वाला हूँ, इससे पहले कि मैं यहाँ बहुत देर तक रुक जाऊँ।"

“जल्दी मत करो, मेयर,” गैट्सबी ने बिना उत्साह के कहा। श्री वुल्फशेम ने आशीर्वाद देते हुए अपना हाथ उठाया।
“आप बहुत विनम्र हैं, लेकिन मैं दूसरी पीढ़ी का हूं,” उन्होंने गंभीरता से कहा। “आप यहां बैठकर अपने खेल, अपनी युवतियों और अपने...” उन्होंने हाथ के इशारे से एक काल्पनिक संज्ञा जोड़ दी। “जहां तक मेरी बात है, मैं पचास साल का हूं, और मैं अब आप पर अपना दखल नहीं दूंगा।”
जब उन्होंने हाथ मिलाया और मुँह फेर लिया, तो उनकी नाक काँप रही थी। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मैंने कुछ ऐसा कह दिया था जिससे उन्हें ठेस पहुँची हो।
“वह कभी-कभी बहुत भावुक हो जाता है,” गैट्सबी ने समझाया। “आज उसका ऐसा ही एक भावुक दिन है। वह न्यूयॉर्क में एक अनोखा व्यक्तित्व है – ब्रॉडवे का एक जाना-माना चेहरा।”
“आखिर वो है कौन, अभिनेता है क्या?”
"नहीं।"
"एक दंत चिकित्सक?"
“मेयर वोल्फशेम? नहीं, वह तो जुआरी है।” गैट्सबी हिचकिचाया, फिर शांत भाव से बोला: “वही आदमी है जिसने 1919 में विश्व कप फिक्स किया था।”
“विश्व सीरीज में धांधली की?” मैंने दोहराया।
यह विचार मुझे स्तब्ध कर गया। मुझे याद तो था ही कि 1919 में वर्ल्ड सीरीज़ फिक्स हुई थी, लेकिन अगर मैंने इस बारे में सोचा भी होता तो इसे महज़ एक घटना मान लेता, किसी अपरिहार्य सिलसिले का अंत। मेरे मन में कभी यह ख्याल नहीं आया कि एक आदमी पचास मिलियन लोगों के विश्वास के साथ खिलवाड़ कर सकता है – ठीक उसी तरह जैसे कोई चोर तिजोरी तोड़ता है।

“उसने ऐसा कैसे कर दिया?” मैंने एक मिनट बाद पूछा।
"उन्होंने बस अवसर को पहचान लिया।"
वह जेल में क्यों नहीं है?
“वे उसे पकड़ नहीं सकते, दोस्त। वह एक समझदार आदमी है।”
मैंने बिल चुकाने पर जोर दिया। जब वेटर मेरा बकाया लेकर आया, तो भीड़ भरे कमरे के उस पार मेरी नज़र टॉम बुकानन पर पड़ी।
मैंने कहा, "एक मिनट के लिए मेरे साथ आइए; मुझे किसी से मिलना है।" हमें देखते ही टॉम उछल पड़ा और हमारी तरफ आधा दर्जन कदम बढ़ाए।
“तुम कहाँ थे?” उसने उत्सुकता से पूछा। “डेज़ी बहुत गुस्से में है क्योंकि तुमने फोन नहीं किया।”
“ये हैं मिस्टर गैट्सबी, मिस्टर बुकानन।”
उन्होंने संक्षिप्त रूप से हाथ मिलाया, और गैट्सबी के चेहरे पर शर्मिंदगी का एक तनावपूर्ण, अपरिचित भाव उभर आया।
“कैसे हो तुम?” टॉम ने मुझसे पूछा। “इतनी दूर खाने के लिए तुम यहाँ कैसे आ गए?”
मैं मिस्टर गैट्सबी के साथ दोपहर का भोजन कर रहा था।
मैंने मिस्टर गैट्सबी की ओर देखा, लेकिन वे वहां नहीं थे।

* * * * *

उन्नीस सौ सत्रह के अक्टूबर महीने के एक दिन – (जॉर्डन बेकर ने उस दोपहर प्लाजा होटल के चाय बागान में एक सीधी कुर्सी पर बिल्कुल सीधे बैठे हुए कहा)
मैं एक जगह से दूसरी जगह पैदल चल रही थी, आधा फुटपाथ पर और आधा लॉन पर। लॉन पर चलना मुझे ज़्यादा अच्छा लग रहा था क्योंकि मैंने इंग्लैंड से लाए हुए जूते पहने थे जिनके तलवों पर रबर के उभार थे जो नरम ज़मीन में अच्छी पकड़ बनाते थे। मैंने एक नई

चेकदार स्कर्ट भी पहनी थी जो हवा में थोड़ी लहरा रही थी, और जब भी ऐसा होता तो सभी घरों के सामने लगे लाल, सफेद और नीले बैनर कड़े होकर खड़े हो जाते और नापसंदगी भरे लहजे में कहते, "टट-टट-टट-टट"।
सबसे बड़ा बैनर और सबसे बड़ा लॉन डेज़ी फे के घर का था। वह महज अठारह साल की थी, मुझसे दो साल बड़ी, और लुइसविले की सभी युवतियों में सबसे लोकप्रिय थी। वह सफेद कपड़े पहनती थी, उसके पास एक छोटी सी सफेद कार थी, और दिन भर उसके घर में टेलीफोन की घंटी बजती रहती थी और कैंप टेलर के उत्तेजित युवा अधिकारी उस रात उसे अपने पास रखने का अधिकार मांगते रहते थे। "खैर, एक घंटे के लिए!"
उस सुबह जब मैं उसके घर के सामने से गुजरा तो उसकी सफेद रंग की कार सड़क के किनारे खड़ी थी, और वह उसमें एक ऐसे लेफ्टिनेंट के साथ बैठी थी जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था। वे दोनों एक-दूसरे में इतने मग्न थे कि जब तक मैं उनसे पाँच फीट दूर नहीं आ गया, तब तक उसने मुझे देखा ही नहीं।
“हेलो, जॉर्डन,” उसने अचानक पुकारा। “कृपया इधर आओ।”
मुझे बहुत खुशी हुई कि वह मुझसे बात करना चाहती थी, क्योंकि बड़ी लड़कियों में मैं उसे सबसे ज़्यादा पसंद करती थी। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं रेड क्रॉस जाकर पट्टियाँ बनाऊँगी। मैं बनाने जा रही थी। तो फिर, क्या मैं उन्हें बता दूँ कि वह उस दिन नहीं आ पाएगी? अधिकारी ने डेज़ी को बोलते हुए देखा, उस तरह से जैसे हर लड़की कभी न कभी देखना चाहती है, और क्योंकि यह मुझे रोमांटिक लगा, इसलिए मुझे यह घटना तब से याद है। उसका नाम जे गैट्सबी था, और मैंने उसे चार साल से ज़्यादा समय तक दोबारा

नहीं देखा - यहाँ तक कि लॉन्ग आइलैंड पर उससे मिलने के बाद भी मुझे एहसास नहीं हुआ कि वह वही आदमी था।
यह उन्नीस सौ सत्रह की बात है। अगले साल तक मेरे भी कुछ प्रेमी बन गए थे और मैंने टूर्नामेंट में खेलना शुरू कर दिया था, इसलिए मैं डेज़ी से ज़्यादा नहीं मिल पाती थी। वह थोड़ी बड़ी उम्र के लोगों के साथ ही रहती थी – अगर कभी किसी के साथ जाती भी थी तो। उसके बारे में तरह-तरह की अफवाहें फैल रही थीं – कि एक सर्दी की रात उसकी माँ ने उसे न्यूयॉर्क जाने के लिए अपना सामान पैक करते हुए पकड़ लिया था, ताकि वह विदेश जा रहे एक सैनिक को अलविदा कह सके। उसे जाने से रोक दिया गया, लेकिन कई हफ़्तों तक उसका अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं रहा। उसके बाद उसने सैनिकों के साथ समय बिताना बंद कर दिया, बल्कि शहर के कुछ कमज़ोर नज़र वाले नौजवानों के साथ ही समय बिताया, जो सेना में भर्ती ही नहीं हो सकते थे।
अगली शरद ऋतु तक वह फिर से पहले की तरह खुश हो गई थी। युद्धविराम के बाद उसका सार्वजनिक जीवन में प्रवेश हुआ और फरवरी में संभवतः उसकी सगाई न्यू ऑरलियन्स के एक व्यक्ति से हो गई। जून में उसने शिकागो के टॉम बुकानन से शादी की, जो लुइसविले में पहले कभी नहीं देखी गई धूमधाम और भव्यता से संपन्न हुई। वह चार निजी कारों में सौ लोगों के साथ आया और मुहलबैक होटल का पूरा एक तल किराए पर लिया, और शादी से एक दिन पहले उसने उसे साढ़े तीन लाख डॉलर मूल्य का मोतियों का हार उपहार में दिया।
मैं दुल्हन की सहेली थी। मैं शादी के खाने से आधा घंटा पहले उसके कमरे में गई और उसे जून की रात की तरह सुंदर, फूलों वाली पोशाक में बिस्तर पर लेटे हुए पाया - और वह नशे में चूर थी। उसके एक हाथ में सॉटरन की बोतल और दूसरे हाथ में एक पत्र था।

“मुझे बधाई दो,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “मैंने पहले कभी शराब नहीं पी, लेकिन मुझे इसका स्वाद बहुत अच्छा लग रहा है।”
“क्या बात है, डेज़ी?”
मैं डर गया था, मैं आपको बता सकता हूँ; मैंने पहले कभी ऐसी लड़की नहीं देखी थी।
“लो, प्यारे बच्चों!” उसने बिस्तर पर रखे कूड़ेदान में हाथ डालकर मोतियों की माला निकाली। “इन्हें नीचे ले जाओ और जिनके भी हैं उन्हें वापस दे दो। सबको बता देना कि डेज़ी ने इन्हें बदल दिया है। कहना: ‘डेज़ी ने इन्हें बदल दिया है!’”
वह रोने लगी – बस रोती ही रही। मैं जल्दी से बाहर भागी और उसकी माँ की नौकरानी को बुलाया, हमने दरवाजा बंद कर दिया और उसे ठंडे पानी से नहलाया। वह चिट्ठी को छोड़ने को तैयार नहीं थी। वह उसे अपने साथ टब में ले गई और उसे निचोड़कर एक गीली गेंद बना दिया, और मुझे उसे साबुनदानी में तभी रखने दिया जब उसने देखा कि वह बर्फ की तरह टुकड़े-टुकड़े हो रही है।
लेकिन उसने एक शब्द भी नहीं कहा। हमने उसे अमोनिया का तेल दिया, माथे पर बर्फ लगाई और उसके कपड़े वापस पहना दिए। आधे घंटे बाद जब हम कमरे से बाहर निकले, तो उसके गले में मोतियों की माला थी और मामला सुलझ चुका था। अगले दिन शाम पांच बजे उसने टॉम बुकानन से बिना किसी हिचकिचाहट के शादी कर ली और दक्षिण सागरों की तीन महीने की यात्रा पर निकल पड़ी।
जब वे सांता बारबरा से लौटे तो मैंने उन्हें देखा और मुझे लगा कि मैंने कभी किसी लड़की को अपने पति के लिए इतना दीवाना नहीं देखा था। अगर वह एक मिनट के लिए भी कमरे से बाहर जाता तो वह बेचैनी से इधर-उधर देखती और पूछती: "टॉम कहाँ गया?" और जब तक वह उसे दरवाजे से अंदर आते नहीं देखती, तब तक उसका चेहरा एकदम खोया-

खोया सा रहता। वह घंटों रेत पर बैठी रहती, उसका सिर अपनी गोद में रखती, उसकी आँखों पर उंगलियाँ फेरती और उसे असीम आनंद से देखती रहती। उन्हें साथ देखना बहुत भावुक कर देने वाला था – इससे मन में एक दबी हुई, मंत्रमुग्ध कर देने वाली हंसी आ जाती थी। यह अगस्त का महीना था। सांता बारबरा छोड़ने के एक हफ्ते बाद, एक रात टॉम वेंटुरा रोड पर एक गाड़ी से टकरा गया और उसकी कार का अगला पहिया उखड़ गया। उसके साथ जो लड़की थी, उसकी भी खबर अखबारों में आई, क्योंकि उसका हाथ टूट गया था – वह सांता बारबरा होटल में काम करने वाली नौकरानियों में से एक थी।
अगले अप्रैल में डेज़ी की एक बच्ची हुई और वे एक साल के लिए फ्रांस चले गए। मैंने उन्हें एक वसंत ऋतु में कान्स में देखा, और बाद में डोविल में, और फिर वे शिकागो वापस आकर बस गए। जैसा कि आप जानते हैं, डेज़ी शिकागो में बहुत लोकप्रिय थीं। वे तेज़- तर्रार लोगों के साथ उठती-बैठती थीं, सभी युवा, अमीर और बेफिक्र थे, लेकिन डेज़ी की छवि एकदम बेदाग बनी रही। शायद इसलिए कि वह शराब नहीं पीती थीं। शराब पीने वाले लोगों के बीच शराब न पीना एक बड़ा फायदा है। आप चुप रह सकते हैं, और तो और, आप अपनी किसी भी छोटी-मोटी गलती को इस तरह से अंजाम दे सकते हैं कि बाकी लोग इतने अंधे हो जाएं कि उन्हें पता ही न चले या उन्हें परवाह ही न हो। शायद डेज़ी ने कभी प्रेम में रुचि ही नहीं ली – फिर भी उनकी आवाज़ में कुछ तो खास बात है…
लगभग छह हफ्ते पहले, उसने सालों बाद पहली बार गैट्सबी का नाम सुना। यह तब हुआ जब मैंने तुमसे पूछा था – तुम्हें याद है? – कि क्या तुम वेस्ट एग में गैट्सबी को जानते थे। तुम्हारे घर जाने के बाद वह मेरे कमरे में आई और मुझे जगाकर बोली: “कौन सा गैट्सबी?” और जब मैंने उसका हुलिया बताया – मैं आधी नींद में था

– तो उसने बड़े अजीब लहजे में कहा कि यह वही आदमी होगा जिसे वह जानती थी। तब जाकर मुझे समझ आया कि यह वही गैट्सबी है जिसे उसकी सफेद कार में बैठा पुलिसवाला समझता है।

* * * * *

जब जॉर्डन बेकर ने यह सब सुनाना समाप्त किया, तब तक हम प्लाज़ा से आधे घंटे के लिए निकल चुके थे और सेंट्रल पार्क से होते हुए एक विक्टोरिया कार में जा रहे थे। सूरज वेस्ट फिफ्टीज़ में फिल्म सितारों के ऊंचे अपार्टमेंट के पीछे डूब चुका था, और घास पर झींगुरों की तरह इकट्ठी हुई लड़कियों की साफ आवाजें गर्म गोधूलि बेला में गूंज रही थीं:
मैं अरब का शेख हूँ।
तुम्हारा प्यार मेरा है।
रात में जब आप सो रहे होते हैं
मैं तुम्हारे तम्बू में चुपके से घुस आऊंगा—"
मैंने कहा, "यह एक अजीब संयोग था।"
लेकिन यह बिल्कुल भी संयोग नहीं था।
"क्यों नहीं?"
"गैट्सबी ने वह घर इसलिए खरीदा था ताकि डेज़ी खाड़ी के ठीक दूसरी ओर रह सके।"
तब उस जून की रात को उसकी आकांक्षा केवल तारों तक ही सीमित नहीं थी। वह मेरे लिए सजीव हो उठा, मानो अचानक अपने निरर्थक वैभव के गर्भ से मुक्त हो गया हो।
जॉर्डन ने आगे कहा, "वह जानना चाहता है कि क्या आप किसी दोपहर डेज़ी को अपने घर आमंत्रित करेंगी और फिर उसे भी आने देंगी।" उसकी इस मांग की सादगी ने मुझे झकझोर दिया। उसने पांच साल इंतजार किया था और एक आलीशान घर खरीदा था जहाँ वह यूं ही

तितलियों को तारों की रोशनी बिखेरता था – ताकि वह किसी दोपहर किसी अजनबी के बगीचे में "आ सके"।
"क्या मुझे यह सब जानना ज़रूरी था, इससे पहले कि वह इतनी छोटी सी बात पूछ सके?"
“वह डरा हुआ है, उसने बहुत लंबा इंतजार किया है। उसे लगा कि शायद आपको बुरा लग सकता है। देखिए, असल में वह अंदर से बहुत सख्त मिजाज का है।”
मुझे किसी बात की चिंता थी।
"उन्होंने आपसे मुलाकात का इंतजाम करने के लिए क्यों नहीं कहा?"
“वह चाहता है कि वह उसका घर देखे,” उसने समझाया। “और तुम्हारा घर तो बिल्कुल बगल में ही है।”
"ओह!"
“मुझे लगता है कि उसे आधी उम्मीद थी कि वह किसी रात उसकी किसी पार्टी में आ जाएगी,” जॉर्डन ने आगे बताया, “लेकिन वह कभी नहीं आई। फिर उसने लोगों से यूं ही पूछना शुरू कर दिया कि क्या वे उसे जानते हैं, और मैं पहली व्यक्ति थी जिसका नाम उसने लिया। उसी रात उसने मुझे अपने डांस में बुलाया, और आपको सुनना चाहिए था कि उसने इसके लिए कितनी बड़ी तैयारी की थी। बेशक, मैंने तुरंत न्यूयॉर्क में दोपहर के भोजन का सुझाव दिया – और मुझे लगा कि वह पागल हो जाएगा।”
“‘मैं कुछ भी असामान्य नहीं करना चाहता!’ वह बार-बार यही कह रहा था। ‘मैं उसे अपने ठीक बगल वाले घर में देखना चाहता हूँ।’”
"जब मैंने कहा कि आप टॉम के खास दोस्त हैं, तो उसने यह पूरा विचार ही छोड़ दिया। वह टॉम के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानता, हालांकि उसका कहना है कि वह कई सालों से शिकागो का एक अखबार

सिर्फ इस उम्मीद में पढ़ता आ रहा है कि शायद उसमें डेज़ी का नाम देखने को मिल जाए।"
अब अंधेरा हो चुका था, और जैसे ही हम एक छोटे से पुल के नीचे से गुज़रे, मैंने जॉर्डन के सुनहरे कंधे पर अपना हाथ रखा और उसे अपनी ओर खींचकर रात के खाने पर चलने के लिए कहा। अचानक मैं डेज़ी और गैट्सबी के बारे में नहीं सोच रहा था, बल्कि उस साफ़- सुथरे, सख्त, संयमित व्यक्ति के बारे में सोच रहा था, जो सार्वभौमिक संशय में विश्वास रखता था, और जो मेरे हाथ के घेरे में आराम से पीछे की ओर झुक गया था। एक वाक्य मेरे कानों में एक अजीब सी उत्तेजना के साथ गूंजने लगा: "केवल पीछा किए जाने वाले, पीछा करने वाले, व्यस्त और थके हुए ही होते हैं।"
"और डेज़ी के जीवन में कुछ तो होना चाहिए," जॉर्डन ने मुझसे धीरे से कहा।
क्या वह गैट्सबी को देखना चाहती है?
“उसे इसके बारे में पता नहीं चलना चाहिए। गैट्सबी नहीं चाहता कि उसे पता चले। आपको बस उसे चाय पर आमंत्रित करना है।”
हम घने पेड़ों की एक कतार पार कर गए, और फिर उनसठवीं गली का अग्रभाग, एक हल्की, नाजुक रोशनी से जगमगाता हुआ, पार्क में चमक रहा था। गैट्सबी और टॉम बुकानन के विपरीत, मेरे पास कोई ऐसी लड़की नहीं थी जिसका निराकार चेहरा अंधेरी छतों और चकाचौंध कर देने वाले साइनबोर्डों के बीच तैरता हुआ दिखाई दे, इसलिए मैंने अपने बगल में बैठी लड़की को अपनी बाहों में कसकर समेट लिया। उसके मुरझाए, तिरस्कारपूर्ण होंठों पर मुस्कान आई, और इसलिए मैंने उसे फिर से अपने करीब खींच लिया, इस बार अपने चेहरे के पास।

अध्याय 5

उस रात जब मैं वेस्ट एग में अपने घर लौटा तो एक पल के लिए मुझे लगा कि कहीं मेरे घर में आग तो नहीं लग गई। दोपहर के दो बज रहे थे और प्रायद्वीप का पूरा कोना रोशनी से जगमगा रहा था, जो झाड़ियों पर अवास्तविक सी लग रही थी और सड़क किनारे के तारों पर पतली, लंबी चमक बिखेर रही थी। एक मोड़ मुड़ते ही मैंने देखा कि वह गैट्सबी का घर था, जो मीनार से लेकर तहखाने तक रोशनी से जगमगा रहा था।
पहले तो मुझे लगा कि कोई और पार्टी चल रही है, कोई बेकाबू हंगामा जो "लुका-छिपी" या "बॉक्स में सार्डिन" जैसे खेल में तब्दील हो गया है, जिसमें पूरा घर खेल में शामिल हो गया है। लेकिन वहाँ कोई आवाज़ नहीं थी। केवल पेड़ों में हवा चल रही थी, जिससे तार हिल रहे थे और बत्तियाँ बार-बार जल-बुझ रही थीं, मानो घर ने अंधेरे में आँख मारी हो। जैसे ही मेरी टैक्सी धीमी आवाज़ करते हुए चली गई, मैंने गैट्सबी को अपने लॉन से मेरी ओर आते देखा।
मैंने कहा, "आपकी जगह किसी विश्व मेले जैसी दिखती है।"
“क्या सच में?” उसने अनमने ढंग से उसकी ओर देखा। “मैं कुछ कमरों में झाँक रहा था। चलो, दोस्त, कोनी आइलैंड चलते हैं। मेरी कार में।”
अब बहुत देर हो चुकी है।
अच्छा, मान लीजिए हम स्विमिंग पूल में डुबकी लगा लें? मैंने तो पूरी गर्मी इसका इस्तेमाल ही नहीं किया है।
मुझे सोने जाना है।
"ठीक है।"

वह दबी हुई उत्सुकता के साथ मेरी ओर देखते हुए इंतजार करता रहा। “मैंने मिस बेकर से बात की,” मैंने कुछ देर बाद कहा। “मैं कल डेज़ी को फोन करके उसे यहाँ चाय पर आमंत्रित करूँगा।”
“ओह, कोई बात नहीं,” उसने लापरवाही से कहा। “मैं आपको किसी भी तरह की परेशानी में नहीं डालना चाहता।”
आपको कौन सा दिन उपयुक्त लगेगा?
“आपको कौन सा दिन ठीक रहेगा?” उन्होंने तुरंत मुझे टोकते हुए कहा। “मैं आपको किसी तरह की परेशानी में नहीं डालना चाहता।” “परसों कैसा रहेगा?” उन्होंने एक पल सोचा। फिर अनिच्छा से: उन्होंने कहा, "मैं घास कटवाना चाहता हूं।"
हम दोनों ने घास की ओर देखा – एक स्पष्ट रेखा थी जहाँ मेरी उबड़- खाबड़ घास का मैदान खत्म होता था और उसके हरे-भरे, साफ-सुथरे मैदान का मैदान शुरू होता था। मुझे शक हुआ कि उसका मतलब मेरी घास से था।
“एक और छोटी सी बात है,” उसने अनिश्चितता से कहा और हिचकिचाया। मैंने पूछा, "क्या आप इसे कुछ दिनों के लिए टालना चाहेंगे?" “अरे, बात वो नहीं है। कम से कम—” उसने बात शुरू करने की कोशिश में लड़खड़ाते हुए कहा। “क्यों, मुझे लगा—क्यों, देखो, दोस्त, तुम ज़्यादा पैसे नहीं कमाते, है ना?”
"बहुत ज़्यादा नहीं।"
इससे उसे कुछ तसल्ली मिली और वह और अधिक आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा।
“मुझे लगा कि आप ऐसा नहीं करते, अगर आप मुझे माफ़ करें तो – देखिए, मैं एक छोटा-मोटा व्यवसाय करता हूँ, एक तरह का साइड बिजनेस, आप समझ रहे हैं ना। और मुझे लगा कि अगर आप बहुत ज़्यादा कमाई नहीं करते – आप बॉन्ड बेचते हैं, है ना, दोस्त?”

"की कोशिश कर रहा है।"
“अच्छा, इसमें आपकी दिलचस्पी होगी। इसमें आपका ज्यादा समय भी नहीं लगेगा और आप अच्छी खासी रकम कमा सकते हैं। यह काफी गोपनीय मामला है।”
अब मुझे एहसास होता है कि अगर परिस्थितियाँ अलग होतीं तो वह बातचीत मेरे जीवन के सबसे बड़े संकटों में से एक हो सकती थी। लेकिन, क्योंकि यह प्रस्ताव स्पष्ट रूप से और बेतुके ढंग से किसी सेवा के बदले में दिया गया था, इसलिए मेरे पास उसे वहीं रोक देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।
मैंने कहा, "मैं पहले से ही बहुत व्यस्त हूँ। मैं आपका आभारी हूँ, लेकिन मैं और काम नहीं ले सकता।"
“आपको वुल्फशेम के साथ कोई व्यापार करने की ज़रूरत नहीं होगी।” ज़ाहिर है, उन्हें लगा कि मैं दोपहर के भोजन के दौरान हुई “गोनेगशन” (व्यापार) की चर्चा से बच रहा हूँ, लेकिन मैंने उन्हें आश्वस्त किया कि वे गलत थे। उन्होंने कुछ देर और इंतज़ार किया, इस उम्मीद में कि मैं बातचीत शुरू करूँगा, लेकिन मैं इतना मग्न था कि जवाब नहीं दे सका, इसलिए वे अनिच्छा से घर चले गए।
शाम ने मुझे हल्का-हल्का और खुश कर दिया था; मुझे लगता है कि घर में घुसते ही मैं गहरी नींद में सो गया था। इसलिए मुझे नहीं पता था कि गैट्सबी कोनी आइलैंड गया था या नहीं, या अपने घर की जगमगाती रोशनी के बीच उसने कितने घंटे "कमरों में झाँका" था। अगली सुबह मैंने ऑफिस से डेज़ी को फोन किया और उसे चाय पर आने का न्योता दिया।
मैंने उसे चेतावनी देते हुए कहा, "टॉम को मत लाना।"
"क्या?"

टॉम को मत लाना।
“टॉम कौन है?” उसने मासूमियत से पूछा।
जिस दिन काम तय हुआ था, उस दिन मूसलाधार बारिश हो रही थी। ग्यारह बजे, रेनकोट पहने एक आदमी, जो लॉन-मोवर घसीट रहा था, मेरे दरवाजे पर दस्तक दी और कहा कि मिस्टर गैट्सबी ने उसे मेरी घास काटने के लिए भेजा है। इससे मुझे याद आया कि मैं अपनी फिन को वापस आने के लिए कहना भूल गया था, इसलिए मैं वेस्ट एग विलेज में गीली, सफेदी की हुई गलियों में उसे ढूंढने और कुछ कप, नींबू और फूल खरीदने के लिए चला गया।
फूलों की कोई ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि दो बजे गैट्सबी के यहाँ से एक ग्रीनहाउस आ गया, जिसमें उसे रखने के लिए अनगिनत बर्तन थे। एक घंटे बाद सामने का दरवाज़ा घबराकर खुला, और गैट्सबी, सफ़ेद फलालैन सूट, चांदी की कमीज़ और सुनहरे रंग की टाई पहने, जल्दी से अंदर आ गया। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, और उसकी आँखों के नीचे नींद की कमी के गहरे निशान थे।
“क्या सब ठीक है?” उसने तुरंत पूछा।
"अगर आपका मतलब यही है तो घास ठीक दिख रही है।"
“कौन सी घास?” उसने खालीपन से पूछा। “ओह, आंगन की घास।” उसने खिड़की से बाहर घास की ओर देखा, लेकिन उसके चेहरे के भाव से मुझे नहीं लगता कि उसे कुछ दिखाई दिया।
“बहुत अच्छा लग रहा है,” उन्होंने अस्पष्ट रूप से कहा। “एक अखबार में लिखा था कि बारिश लगभग चार बजे तक रुक जाएगी। मुझे लगता है कि वह जर्नल था। क्या आपके पास चाय के रूप में ज़रूरत की सभी चीज़ें हैं?”
मैं उसे पेंट्री में ले गया, जहाँ उसने फिनलैंड के उस व्यक्ति को थोड़ी नाराज़गी भरी नज़रों से देखा। हम दोनों ने मिलकर

डेलीकेटेसन की दुकान से लाए गए बारह लेमन केक का बारीकी से निरीक्षण किया।
“क्या वे ठीक रहेंगे?” मैंने पूछा।
“बिल्कुल, बिल्कुल! वे ठीक हैं!” और उसने खोखले स्वर में कहा, “… यार।”
लगभग साढ़े तीन बजे बारिश हल्की होकर नम धुंध में बदल गई, जिसमें कभी-कभार ओस की तरह पतली बूँदें तैर रही थीं। गैट्सबी क्ले की अर्थशास्त्र की किताब में खाली निगाहों से देख रहा था, रसोई के फर्श को हिला देने वाले फिनिश कदमों की आहट पर टकटकी लगाए बैठा था, और धुंधली खिड़कियों की ओर बार-बार देख रहा था, मानो बाहर अदृश्य लेकिन खतरनाक घटनाओं की एक श्रृंखला घट रही हो। अंत में वह उठा और अनिश्चित स्वर में मुझे बताया कि वह घर जा रहा है।
"ऐसा क्यों?"
“कोई चाय पर नहीं आ रहा है। बहुत देर हो गई है!” उसने अपनी घड़ी देखी, मानो कहीं और उसका कोई ज़रूरी काम हो। “मैं पूरे दिन इंतज़ार नहीं कर सकता।”
“मजाक मत करो; चार बजने में बस दो मिनट बाकी हैं।”
वह बुरी तरह से बैठ गया, मानो मैंने उसे धक्का दिया हो, और उसी समय मेरी गली में एक मोटरबाइक के मुड़ने की आवाज़ आई। हम दोनों उछल पड़े, और मैं थोड़ा घबराया हुआ सा आंगन में चला गया।
टपकते हुए सूखे बकाइन के पेड़ों के नीचे, एक बड़ी खुली कार ड्राइववे पर आ रही थी। वह रुक गई। तीन कोनों वाली लैवेंडर टोपी के नीचे झुके हुए डेज़ी के चेहरे ने एक उज्ज्वल, आनंदित मुस्कान के साथ मेरी ओर देखा।
"क्या तुम सचमुच यहीं रहती हो, मेरी प्यारी?"

बारिश में उसकी आवाज़ की उमंग भरी लहर किसी अमृत समान थी। कुछ शब्द सुनाई देने से पहले मुझे कुछ पल तक उसकी आवाज़ को ध्यान से सुनना पड़ा, ऊपर-नीचे हर तरफ़। उसके गाल पर बालों की एक गीली लट नीले रंग के धब्बे जैसी लग रही थी, और जब मैंने उसे कार से बाहर निकालने के लिए उसका हाथ पकड़ा तो वह चमकती बूंदों से भीगा हुआ था।
उसने मेरे कान में धीमी आवाज़ में कहा, "क्या तुम मुझसे प्यार करते हो, या मुझे अकेले क्यों आना पड़ा?"
“कैसल रैकरेंट का यही रहस्य है। अपने ड्राइवर से कहो कि वह दूर जाकर एक घंटा बिताए।”
“एक घंटे में वापस आना, फर्डी।” फिर धीमी, गंभीर आवाज़ में: “उसका नाम फर्डी है।”
क्या पेट्रोल का असर उसकी नाक पर पड़ता है?
“मुझे ऐसा नहीं लगता,” उसने मासूमियत से कहा। “क्यों?”
हम अंदर गए। मुझे बेहद आश्चर्य हुआ कि बैठक कक्ष बिल्कुल खाली था।
“वाह, ये तो मजेदार है,” मैंने कहा।
"इसमें हंसने की क्या बात है?"
सामने के दरवाजे पर हल्की और गरिमापूर्ण दस्तक सुनकर उसने अपना सिर घुमाया। मैं बाहर गया और दरवाजा खोला। गैट्सबी, मौत की तरह पीला पड़ा हुआ, अपने हाथों को कोट की जेबों में वज़न की तरह डाले, पानी के एक छोटे से गड्ढे में खड़ा था और दुख भरी निगाहों से मेरी आँखों में घूर रहा था।
अपने हाथों को कोट की जेबों में डाले हुए वह मेरे पास से होते हुए हॉल में चला गया, फिर जैसे किसी तार पर चल रहा हो, अचानक मुड़ा और लिविंग रूम में गायब हो गया। यह बिल्कुल भी मज़ेदार

नहीं था। अपने दिल की तेज़ धड़कन को महसूस करते हुए मैंने बढ़ती बारिश से बचने के लिए दरवाज़ा बंद कर लिया।
आधे मिनट तक सन्नाटा पसरा रहा। फिर बैठक से मुझे एक दबी हुई बड़बड़ाहट और हंसी की कुछ आवाज सुनाई दी, जिसके बाद डेज़ी की स्पष्ट, बनावटी आवाज आई: "तुम्हें दोबारा देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।"
एक पल का ठहराव; यह असहनीय था। हॉल में मेरे पास करने को कुछ नहीं था, इसलिए मैं कमरे में चला गया।
गैट्सबी, अपने हाथों को जेब में डाले, शेल्फ के सहारे आराम से, यहाँ तक कि ऊब का भी बनावटी दिखावा करते हुए बैठा था। उसका सिर इतना पीछे झुका हुआ था कि वह शेल्फ पर रखी एक पुरानी घड़ी के डायल पर टिका हुआ था, और इस स्थिति से उसकी व्याकुल आँखें डेज़ी को घूर रही थीं, जो एक सख्त कुर्सी के किनारे पर डरी हुई लेकिन शालीनता से बैठी थी।
“हम पहले मिल चुके हैं,” गैट्सबी ने बुदबुदाते हुए कहा। उसकी नज़रें पल भर के लिए मेरी तरफ़ गईं और उसके होंठ हँसने की नाकाम कोशिश में खुल गए। सौभाग्य से, इसी क्षण उसके सिर के दबाव से घड़ी खतरनाक तरीके से झुक गई, जिस पर उसने मुड़कर काँपती उंगलियों से उसे पकड़ा और वापस सीधा कर दिया। फिर वह सोफे के आर्मरेस्ट पर कोहनी टिकाकर और ठुड्डी हाथ में रखकर अकड़कर बैठ गया।
उन्होंने कहा, "घड़ी के लिए मुझे खेद है।"
मेरे चेहरे पर अब गहरे झुलसे हुए निशान पड़ गए थे। मेरे दिमाग में मौजूद हजारों सामान्य वाक्यों में से मैं एक भी वाक्य नहीं बोल पा रहा था।
मैंने मूर्खतापूर्ण ढंग से उनसे कहा, "यह एक पुरानी घड़ी है।"

मुझे लगता है कि हम सभी ने एक पल के लिए यह मान लिया था कि यह फर्श पर टुकड़े-टुकड़े होकर बिखर गया है।
"हम कई सालों से नहीं मिले हैं," डेज़ी ने कहा, उसकी आवाज़ जितनी हो सकती थी उतनी ही सहज थी।
"अगले नवंबर में पांच साल पूरे हो जाएंगे।"
गैट्सबी के सहज जवाब ने हम सबको कम से कम एक मिनट और चौंका दिया। मैंने उन दोनों को इस बेताब सुझाव से खड़ा कर दिया कि जब शैतानी प्रवृत्ति वाला फिन ट्रे में चाय लेकर आए तो वे रसोई में मेरी चाय बनाने में मेरी मदद करें।
कपों और केकों की सुखद अव्यवस्था के बीच एक प्रकार की शालीनता स्थापित हो गई। गैट्सबी एक छाया में छिप गया और जब मैं और डेज़ी बातें कर रहे थे, तो वह तनावग्रस्त, दुखी आँखों से हम दोनों को बारी-बारी से देखता रहा। हालाँकि, शांति अपने आप में कोई लक्ष्य नहीं थी, इसलिए मैंने पहले ही मौके का फायदा उठाकर उठ खड़ा हुआ। "तुम कहाँ जा रहे हो?" गैट्सबी ने तुरंत घबराकर पूछा।
मैं वापस आऊंगा।
"जाने से पहले मुझे आपसे किसी बात पर चर्चा करनी है।"
वह बेतहाशा मेरे पीछे रसोई में आया, दरवाजा बंद किया और फुसफुसाया:
"हे भगवान!" उसने बड़े दयनीय स्वर में कहा।
"क्या बात क्या बात?"
उन्होंने अपना सिर अगल-बगल हिलाते हुए कहा, "यह एक भयानक गलती है, एक बहुत ही भयानक गलती।"
“तुम्हें बस शर्म आ रही है, बस इतना ही,” और सौभाग्य से मैंने आगे कहा: “डेज़ी को भी शर्म आ रही है।”
“क्या वह शर्मिंदा है?” उसने अविश्वास से दोहराया।

"बिल्कुल तुम्हारी तरह।"
"इतनी जोर से बात मत करो।"
मैंने चिढ़कर कहा, “तुम छोटे बच्चे की तरह व्यवहार कर रहे हो। इतना ही नहीं, तुम बदतमीज़ भी हो। डेज़ी वहाँ बिल्कुल अकेली बैठी है।”
उसने मेरे शब्दों को रोकने के लिए अपना हाथ उठाया, मुझे अविस्मरणीय तिरस्कार भरी नजरों से देखा और सावधानीपूर्वक दरवाजा खोलकर दूसरे कमरे में वापस चला गया।
मैं पीछे के रास्ते से बाहर निकला – ठीक वैसे ही जैसे गैट्सबी आधे घंटे पहले घर का चक्कर लगाते हुए निकला था – और एक विशाल काले, गांठदार पेड़ की ओर भागा, जिसकी घनी पत्तियाँ बारिश से बचाव के लिए एक चादर की तरह थीं। एक बार फिर मूसलाधार बारिश हो रही थी, और गैट्सबी के माली द्वारा अच्छी तरह से काटी गई मेरी अनियमित घास में छोटे-छोटे कीचड़ भरे दलदल और प्राचीन कीचड़ भरे गड्ढे भरे हुए थे। पेड़ के नीचे से गैट्सबी के विशाल घर के अलावा कुछ भी देखने लायक नहीं था, इसलिए मैं आधे घंटे तक उसे ऐसे देखता रहा जैसे कांट अपने चर्च के शिखर को देखते थे। एक शराब बनाने वाले ने इसे "पीरियड" के चलन के शुरुआती दौर में, एक दशक पहले बनवाया था, और एक कहानी प्रचलित थी कि उसने आस-पास की सभी झोपड़ियों पर पाँच साल का कर चुकाने का वादा किया था, बशर्ते मालिक अपनी छतों पर पुआल की छप्पर बनवा लें। शायद उनके इनकार ने परिवार बसाने की उसकी योजना को धराशायी कर दिया – और वह तुरंत पतन की ओर चला गया। उसके बच्चों ने उसका घर बेच दिया, जबकि दरवाजे पर अभी भी काली माला लगी हुई थी। अमेरिकी, हालांकि कभी- कभी दास बनने को तैयार रहते हैं, हमेशा से किसान बने रहने के प्रति अड़ियल रहे हैं।

हैं, तो वे मौसम वैज्ञानिक की तरह मुस्कुराए, मानो बार-बार आने वाली रोशनी के दीवाने हों, और उन्होंने डेज़ी को यह खबर दोहराई। “तुम्हें कैसा लगा? बारिश रुक गई है।”
"मुझे खुशी है, जे।" उसके गले से निकली दर्द भरी, शोक से भरी खूबसूरत आवाज ने केवल उसकी अप्रत्याशित खुशी को बयां किया। उन्होंने कहा, "मैं चाहता हूं कि आप और डेज़ी मेरे घर आएं, मैं उसे घर घुमाना चाहता हूं।"
"क्या आप वाकई चाहते हैं कि मैं आऊं?"
"बिल्कुल, दोस्त।"
डेज़ी अपना चेहरा धोने के लिए ऊपर चली गई - मुझे अपने तौलिये को लेकर शर्मिंदगी महसूस हुई और लगा कि बहुत देर हो चुकी है - जबकि गैट्सबी और मैं लॉन पर इंतजार करते रहे।
“मेरा घर अच्छा दिखता है, है ना?” उसने पूछा। “देखो, इसका पूरा सामने का हिस्सा कितनी खूबसूरती से रोशनी से जगमगा रहा है।” मैं इस बात से सहमत था कि यह शानदार था।
“हाँ।” उनकी नज़रें हर मेहराबदार दरवाजे और चौकोर मीनार पर टिकी थीं। “इसे खरीदने के लिए पैसे कमाने में मुझे सिर्फ तीन साल लगे।”
मुझे लगा था कि आपको विरासत में धन मिला है।
“हाँ, दोस्त,” उसने सहज भाव से कहा, “लेकिन युद्ध की दहशत में मैंने उसका अधिकांश हिस्सा खो दिया।”
मुझे लगता है कि उसे खुद भी नहीं पता था कि वह क्या कह रहा है, क्योंकि जब मैंने उससे पूछा कि वह किस व्यवसाय में है, तो उसने जवाब दिया, "यह मेरा निजी मामला है," इससे पहले कि उसे एहसास होता कि यह उचित जवाब नहीं था।

“ओह, मैं कई कामों में शामिल रहा हूँ,” उसने अपनी बात सुधारते हुए कहा। “मैं ड्रग्स के धंधे में था और फिर तेल के धंधे में। लेकिन अब मैं इनमें से किसी में भी नहीं हूँ।” उसने मेरी ओर अधिक ध्यान से देखा। “क्या तुम्हारा मतलब है कि तुम उस बात पर सोच रहे हो जो मैंने पिछली रात कही थी?”
इससे पहले कि मैं जवाब दे पाती, डेज़ी घर से बाहर आई और उसकी पोशाक पर लगे पीतल के बटनों की दो पंक्तियाँ धूप में चमक उठीं। “वो विशाल जगह?” उसने इशारा करते हुए चिल्लाकर कहा।
"क्या आपको यह पसंद है?"
मुझे यह जगह बहुत पसंद है, लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि आप वहां अकेले कैसे रह सकते हैं।
मैं इसे हमेशा दिलचस्प लोगों से भरा रखता हूँ, दिन-रात। ऐसे लोग जो दिलचस्प काम करते हैं। मशहूर लोग।
समुद्र तट के किनारे से शॉर्टकट लेने के बजाय हम सड़क से नीचे गए और बड़े दरवाज़े से अंदर दाखिल हुए। मधुर स्वरों में डेज़ी आकाश के सामने बनी सामंती इमारत की आकृति को निहारती रही, बगीचों की सुंदरता, जॉनक्विल की मनमोहक खुशबू, हॉथोर्न और प्लम के फूलों की हल्की सुगंध और 'किस मी एट द गेट' की सुनहरी खुशबू का आनंद लेती रही। संगमरमर की सीढ़ियों पर पहुँचकर यह देखकर अजीब लगा कि दरवाज़े से अंदर-बाहर चमकीले कपड़ों की कोई हलचल नहीं थी और पेड़ों में पक्षियों की चहचहाहट के अलावा कोई आवाज़ नहीं सुनाई दे रही थी।
और अंदर, जब हम मैरी एंटोनेट के संगीत कक्षों और पुनर्स्थापना काल के सैलूनों से गुज़र रहे थे, तो मुझे ऐसा लगा कि हर सोफे और मेज के पीछे मेहमान छिपे हुए हैं, जिन्हें आदेश दिया गया है कि जब तक हम वहां से गुज़र न जाएं, तब तक वे बिल्कुल चुप रहें। जैसे

ही गैट्सबी ने "मर्टन कॉलेज लाइब्रेरी" का दरवाजा बंद किया, मुझे ऐसा लगा जैसे उल्लू जैसी आंखों वाले उस आदमी ने भूतिया हंसी हंस दी हो।
हम ऊपर गए, गुलाब और लैवेंडर रेशम से सजे और ताज़े फूलों से लदे पुराने ज़माने के शयनकक्षों से गुज़रे, ड्रेसिंग रूम, पूल रूम और बाथटब वाले बाथरूम से होते हुए एक कमरे में पहुँचे जहाँ पायजामा पहने एक अस्त-व्यस्त आदमी ज़मीन पर कसरत कर रहा था। वह मिस्टर क्लिप्सप्रिंगर थे, जो "बोर्डिंग पर रहने वाले" थे। मैंने उन्हें उस सुबह समुद्र तट पर भूख से भटकते हुए देखा था। अंत में हम गैट्सबी के अपने अपार्टमेंट में पहुँचे, जिसमें एक शयनकक्ष, एक स्नानघर और एक स्टडी रूम था, जहाँ हम बैठ गए और दीवार में बनी अलमारी से निकाली गई चार्टरेस वाइन का एक गिलास पिया।
वह एक पल के लिए भी डेज़ी को देखना बंद नहीं करता था, और मुझे लगता है कि वह अपने घर की हर चीज़ का मूल्यांकन इस आधार पर करता था कि डेज़ी की प्यारी आँखों से उसे कितनी प्रतिक्रिया मिलती थी। कभी-कभी, वह अपनी चीज़ों को भी एक स्तब्धता भरी नज़र से देखता था, मानो डेज़ी की वास्तविक और अद्भुत उपस्थिति में उनमें से कुछ भी वास्तविक न रह गया हो। एक बार तो वह सीढ़ियों से लगभग गिर ही गया था।
उसका शयनकक्ष सभी कमरों में सबसे सादा था - सिवाय उस अलमारी के जहाँ शुद्ध फीके सुनहरे रंग का एक टॉयलेट सेट रखा हुआ था। डेज़ी ने प्रसन्नता से ब्रश उठाया और अपने बालों को संवारा, जिसके बाद गैट्सबी बैठ गया और अपनी आँखों पर हाथ रखकर हंसने लगा।
“ये तो बहुत ही मजेदार बात है, यार,” उसने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा। “मैं नहीं कर सकता – जब मैं कोशिश करता हूँ तो…”

वह स्पष्ट रूप से दो अवस्थाओं से गुज़र चुका था और तीसरी अवस्था में प्रवेश कर रहा था। अपनी शर्मिंदगी और अकारण आनंद के बाद, वह उसकी उपस्थिति से विस्मित हो गया था। वह इस विचार से लंबे समय से भरा हुआ था, अंत तक इसका सपना देखता रहा था, मानो दांत भींचकर, अकल्पनीय तीव्रता से प्रतीक्षा कर रहा था। अब, प्रतिक्रिया स्वरूप, वह एक अति सक्रिय घड़ी की तरह धीमा पड़ रहा था।
एक मिनट में खुद को संभालते हुए उन्होंने हमारे लिए दो विशालकाय पेटेंट कैबिनेट खोले जिनमें उनके सूट, ड्रेसिंग गाउन, टाई और शर्ट ईंटों की तरह एक दर्जन की ऊंचाई तक ढेर में रखे हुए थे।
"इंग्लैंड में मेरा एक दोस्त है जो मेरे लिए कपड़े खरीदता है। वह हर मौसम की शुरुआत में, वसंत और पतझड़ में, चुनिंदा चीजें भेजता है।"
उसने कमीज़ों का एक ढेर निकाला और एक-एक करके हमारे सामने फेंकने लगा। पतले लिनेन, मोटे रेशम और बढ़िया फलालैन की कमीज़ें गिरते ही अपनी तहें खो बैठीं और मेज पर रंग-बिरंगी कमीज़ों का ढेर लग गया। हम उन्हें निहारते रहे, और कमीज़ों का वह ढेर बढ़ता ही गया - मूंगे, सेब जैसे हरे, लैवेंडर और हल्के नारंगी रंग की धारियों, डिज़ाइनों और चेक वाली कमीज़ें, और भारतीय नीले रंग के मोनोग्राम वाली कमीज़ें। अचानक, दर्द भरी आवाज़ में, डेज़ी ने अपना सिर कमीज़ों में झुकाया और ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी।
“ये कितनी खूबसूरत कमीजें हैं,” वह सिसकते हुए बोली, उसकी आवाज कपड़ों की मोटी सिलवटों में दब गई थी। “मुझे दुख हो रहा है क्योंकि मैंने इससे पहले कभी इतनी खूबसूरत कमीजें नहीं देखीं।”

* * * * *

घर के बाद, हमें मैदान, स्विमिंग पूल, हाइड्रोप्लेन और ग्रीष्म ऋतु के फूल देखने थे - लेकिन गैट्सबी की खिड़की के बाहर फिर से बारिश होने लगी, इसलिए हम एक कतार में खड़े होकर समुद्र की लहरदार सतह को देखने लगे।
"अगर कोहरा न होता तो हम खाड़ी के उस पार तुम्हारा घर देख पाते," गैट्सबी ने कहा। "तुम्हारे घाट के अंत में हमेशा एक हरी बत्ती जलती रहती है जो पूरी रात जलती रहती है।"
डेज़ी ने अचानक अपना हाथ उसके हाथ में डाल दिया, लेकिन वह मानो अपनी कही बातों में मग्न था। शायद उसे यह एहसास हो गया था कि उस प्रकाश का विशाल महत्व अब हमेशा के लिए लुप्त हो गया है। डेज़ी से उसकी दूरी को देखते हुए वह प्रकाश उसके बहुत करीब, मानो उसे छू रहा हो, प्रतीत हो रहा था। वह प्रकाश उसे चंद्रमा के तारे जितना करीब लग रहा था। अब वह फिर से एक घाट पर चमकती हरी रोशनी थी। जादुई वस्तुओं की उसकी गिनती एक कम हो गई थी।
मैं कमरे में इधर-उधर घूमने लगा और अर्ध-अंधेरे में कई अस्पष्ट वस्तुओं को देखने लगा। एक बुजुर्ग व्यक्ति की नौका विहार पोशाक में एक बड़ी सी तस्वीर ने मेरा ध्यान आकर्षित किया, जो उनकी मेज के ऊपर दीवार पर टंगी हुई थी।
"यह कौन है?"
“वो? वो तो मिस्टर डैन कोडी हैं, दोस्त।”
यह नाम कुछ जाना-पहचाना सा लगा।
“अब वह मर चुका है। सालों पहले वह मेरा सबसे अच्छा दोस्त हुआ करता था।”
डेस्क पर गैट्सबी की एक छोटी सी तस्वीर थी, जिसमें वह नौकायन की पोशाक में था - गैट्सबी ने अपना सिर चुनौती भरे अंदाज में पीछे

की ओर झुका रखा था - यह तस्वीर जाहिर तौर पर तब ली गई थी जब वह लगभग अठारह साल का था।
“मुझे यह बहुत पसंद आया,” डेज़ी ने उत्साह से कहा। “पोम्पाडोर हेयरस्टाइल! तुमने मुझे कभी नहीं बताया था कि तुम्हारे पास पोम्पाडोर हेयरस्टाइल है – या फिर एक नौका।”
“इसे देखो,” गैट्सबी ने झट से कहा। “ये तुम्हारे बारे में बहुत सारी अखबारों की कतरनें हैं।”
वे दोनों साथ-साथ खड़े होकर उसका निरीक्षण कर रहे थे। मैं माणिक्य देखने के लिए कहने ही वाला था कि फोन की घंटी बज उठी और गैट्सबी ने रिसीवर उठा लिया।
“हाँ… खैर, मैं अभी बात नहीं कर सकता… मैं अभी बात नहीं कर सकता, दोस्त… मैंने एक छोटे शहर की बात की थी… उसे पता होना चाहिए कि छोटा शहर क्या होता है… खैर, अगर डेट्रॉइट ही उसके लिए छोटा शहर है तो वह हमारे किसी काम का नहीं है…।”
उसने फोन काट दिया।
"जल्दी इधर आओ!" डेज़ी ने खिड़की से चिल्लाकर कहा।
बारिश अभी भी हो रही थी, लेकिन पश्चिम में अंधेरा छंट गया था, और समुद्र के ऊपर गुलाबी और सुनहरे रंग के झागदार बादलों की एक लहर सी दिखाई दे रही थी।
"उसे देखो," उसने फुसफुसाते हुए कहा, और फिर कुछ क्षण बाद बोली: "काश मैं उन गुलाबी बादलों में से एक ले आती और तुम्हें उसमें बिठाकर इधर-उधर घुमाती।"
मैंने तब जाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी; शायद मेरी उपस्थिति ने उन्हें अकेलेपन का अधिक संतोषजनक एहसास दिलाया।

गैट्सबी ने कहा, "मुझे पता है हम क्या करेंगे, हम क्लिप्सप्रिंगर से पियानो बजवाएंगे।"
वह "इविंग!" चिल्लाते हुए कमरे से बाहर निकला और कुछ ही मिनटों में एक शर्मिंदा, थोड़ा थका हुआ युवक उसके साथ लौटा, जिसके फ्रेम वाले चश्मे और कम सुनहरे बाल थे। अब वह ठीक से कपड़े पहने हुए था - गले से खुली "स्पोर्ट्स शर्ट", स्नीकर्स और अस्पष्ट रंग की डक पैंट।
"क्या हमने आपके अभ्यास में बाधा डाली?" डेज़ी ने विनम्रतापूर्वक पूछा।
“मैं सो रहा था,” श्री क्लिप्सप्रिंगर शर्मिंदगी से कांपते हुए चिल्लाए। “मतलब, मैं सो रहा था। फिर मैं उठा…” “क्लिप्सप्रिंगर पियानो बजाता है,” गैट्सबी ने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा। “है ना, इविंग, दोस्त?”
मैं अच्छा नहीं खेलता। मैं तो लगभग खेल ही नहीं पाता। मुझे बिल्कुल भी अभ्यास नहीं मिला है।
“हम नीचे चलते हैं,” गैट्सबी ने बात काटते हुए कहा। उसने एक बटन दबाया। धूसर खिड़कियाँ गायब हो गईं और घर रोशनी से जगमगा उठा। संगीत कक्ष में गैट्सबी ने पियानो के बगल में लगे एक अकेले दीपक को जलाया। उसने कांपती हुई माचिस से डेज़ी की सिगरेट जलाई और उसके साथ कमरे के दूसरी ओर रखे सोफे पर बैठ गया, जहाँ हॉल से आती हुई चमकदार फर्श की रोशनी के अलावा कोई और प्रकाश नहीं था।
जब क्लिप्सप्रिंगर ने 'द लव नेस्ट' बजाया, तो वह बेंच पर मुड़ा और उदास होकर अंधेरे में गैट्सबी को ढूंढने लगा।
“मैंने बिल्कुल भी अभ्यास नहीं किया है, आप देख रहे हैं। मैंने आपको बताया था कि मैं खेल नहीं सकता। मैंने बिल्कुल भी अभ्यास नहीं किया है।”

“□□□□ □□□□□ □□ □□□, □□□□□,” □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ “□□□□!”

□□□□ □□ □□□,

□□□ □□ □□□,

□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □ □□□ □□?

□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□; □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□, □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□, □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□, □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□

□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□

□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□

□□ □□□ □□□,

□□ □□□ □□ □□□ □□□—”

□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□, □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □ □□ □□, □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□! □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ - □□□□ □□□□ □□ □□□□, □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□, □□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□, □□ □□ □□□□□ □□□ □ □□□ □□□□□□ □□□, □□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□, □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□, □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□, □□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□, □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□

साथ उसकी ओर मुड़ गया। मुझे लगता है कि उस आवाज़ ने उसे सबसे ज़्यादा मोहित किया, अपनी उतार-चढ़ाव भरी, जोशीली गर्माहट के साथ, क्योंकि उस आवाज़ को कल्पनाओं में भी नहीं भुलाया जा सकता था – वह आवाज़ एक अमर गीत थी।
वे मुझे भूल चुके थे, लेकिन डेज़ी ने ऊपर देखा और अपना हाथ बढ़ाया; गैट्सबी अब मुझे बिल्कुल नहीं पहचानता था। मैंने एक बार फिर उनकी ओर देखा और उन्होंने भी मेरी ओर देखा, मानो किसी भाव से जीवन के गहन अनुभव में डूबे हों। फिर मैं कमरे से बाहर निकलकर संगमरमर की सीढ़ियों से नीचे बारिश में चला गया, उन्हें वहीं साथ छोड़कर।

अध्याय 6

इसी समय के आसपास न्यूयॉर्क से एक महत्वाकांक्षी युवा पत्रकार एक सुबह गैट्सबी के दरवाजे पर पहुंचा और उससे पूछा कि क्या उसे कुछ कहना है।
"किस बारे में कुछ कहना है?" गैट्सबी ने विनम्रतापूर्वक पूछा। "क्यों – कोई भी बयान जारी करने के लिए?"
लगभग पाँच मिनट की उलझन के बाद यह बात सामने आई कि उस व्यक्ति ने अपने दफ्तर में गैट्सबी का नाम सुना था, जिसका संबंध या तो वह बताना नहीं चाहता था या उसे पूरी तरह समझ नहीं आया था। आज उसकी छुट्टी थी और उसने सराहनीय सूझबूझ दिखाते हुए "देखने" के लिए जल्दी से बाहर निकल गया था।
यह एक आकस्मिक तस्वीर थी, फिर भी रिपोर्टर का अनुमान सही निकला। गैट्सबी की बदनामी, जो उसके आतिथ्य को स्वीकार करने वाले सैकड़ों लोगों के बीच फैल गई थी और इस तरह उसके अतीत के विशेषज्ञ बन गए थे, पूरी गर्मी बढ़ती रही, यहाँ तक कि वह खबर बनने से बस थोड़ा ही दूर रह गया। "कनाडा तक भूमिगत पाइपलाइन" जैसी समकालीन किंवदंतियाँ उससे जुड़ गईं, और एक प्रचलित कहानी यह थी कि वह किसी घर में नहीं रहता था, बल्कि एक नाव में रहता था जो घर जैसी दिखती थी और जिसे लॉन्ग आइलैंड के तट पर गुप्त रूप से इधर-उधर ले जाया जाता था। ये मनगढ़ंत कहानियाँ नॉर्थ डकोटा के जेम्स गैट्ज़ के लिए संतोष का स्रोत क्यों थीं, यह कहना आसान नहीं है।
जेम्स गैट्ज़ – यही उनका असली नाम था, या कम से कम कानूनी तौर पर। उन्होंने सत्रह साल की उम्र में अपना नाम बदल लिया था, ठीक

उसी क्षण जब उनके करियर की शुरुआत हुई – जब उन्होंने डैन कोडी की नौका को लेक सुपीरियर के सबसे खतरनाक समतल इलाके में लंगर डालते देखा। उस दोपहर जेम्स गैट्ज़ फटी हुई हरी जर्सी और कैनवास की पैंट पहने समुद्र तट पर टहल रहे थे, लेकिन जे गैट्सबी ने ही एक छोटी नाव उधार ली, टुआलोमी की ओर रवाना हुए और कोडी को बताया कि आधे घंटे में तेज़ हवा उन्हें पकड़ सकती है और उनकी नौका टूट सकती है।
मुझे लगता है कि उसने यह नाम काफी समय पहले ही सोच रखा था। उसके माता-पिता निकम्मे और असफल किसान थे – उसकी कल्पना ने उन्हें कभी भी अपने माता-पिता के रूप में स्वीकार नहीं किया था। सच्चाई यह थी कि लॉन्ग आइलैंड के वेस्ट एग का जे गैट्सबी, स्वयं के बारे में उसकी आदर्शवादी धारणा से उपजा था। वह ईश्वर का पुत्र था – एक ऐसा वाक्यांश जिसका अगर कोई अर्थ है, तो बस यही है – और उसे अपने पिता के कार्य में लगा रहना था, एक विशाल, अशिष्ट और दिखावटी सुंदरता की सेवा में। इसलिए उसने ठीक उसी तरह के जे गैट्सबी की कल्पना की, जैसी एक सत्रह वर्षीय लड़का कर सकता है, और वह अंत तक इसी धारणा के प्रति वफादार रहा।
एक साल से ज़्यादा समय से वह लेक सुपीरियर के दक्षिणी किनारे पर सीपियाँ और सैल्मन मछुआरे के रूप में या भोजन और बिस्तर का इंतज़ाम करने वाले किसी भी काम में गुज़ारा कर रहा था। उसका भूरा, मज़बूत होता शरीर उन उमस भरे दिनों के आधे-उग्र, आधे- आरामदायक काम में स्वाभाविक रूप से पलता-बढ़ता रहा। वह कम उम्र में ही महिलाओं से परिचित हो गया था, और क्योंकि उन्होंने उसे बिगाड़ दिया था, इसलिए वह उनसे घृणा करने लगा था, खासकर कुंवारी लड़कियों से क्योंकि वे अज्ञानी थीं, और बाकी महिलाओं से

क्योंकि वे उन चीज़ों को लेकर बहुत ज़्यादा भावुक थीं जिन्हें वह अपने अत्यधिक आत्ममुग्धता में स्वाभाविक मानता था।
लेकिन उसका दिल लगातार उथल-पुथल में डूबा रहता था। रात को बिस्तर पर सोते समय उसके मन में सबसे विचित्र और काल्पनिक कल्पनाएँ उमड़ती रहती थीं। एक अवर्णनीय रंगीन दुनिया उसके दिमाग में घूमती रहती थी, जबकि कपड़े धोने के स्टैंड पर रखी घड़ी टिक-टिक करती रहती थी और चाँद की नम रोशनी फर्श पर पड़े उसके उलझे हुए कपड़ों को भिगो देती थी। हर रात वह अपनी कल्पनाओं के ताने-बाने में कुछ न कुछ जोड़ता जाता था, जब तक कि नींद किसी जीवंत दृश्य को अपने आलिंगन में समाहित नहीं कर लेती थी। कुछ समय के लिए ये कल्पनाएँ उसकी कल्पना को एक रास्ता देती थीं; ये वास्तविकता की अवास्तविकता का एक संतोषजनक संकेत थीं, एक वादा कि दुनिया की नींव किसी परी के पंख पर मजबूती से टिकी है। भविष्य में मिलने वाली प्रसिद्धि की प्रबल इच्छा ने उन्हें कुछ महीने पहले दक्षिणी मिनेसोटा के सेंट ओलाफ नामक छोटे लूथरन कॉलेज तक पहुँचाया था। वे वहाँ दो सप्ताह रहे, अपने भाग्य की बागडोर, यहाँ तक कि नियति के प्रति कॉलेज की घोर उदासीनता से निराश थे, और उस सफाईकर्मी के काम से घृणा करते थे जिससे उन्हें अपना खर्च चलाना था। फिर वे लेक सुपीरियर लौट आए, और जिस दिन डैन कोडी की नौका ने तट के किनारे उथले पानी में लंगर डाला, उस दिन भी वे कुछ करने की तलाश में थे।
कोडी तब पचास वर्ष के थे, नेवादा के चांदी के खेतों और युकोन की उपज, और 75 के बाद से धातु की हर होड़ में उनका योगदान रहा था। मोंटाना में तांबे के कारोबार ने उन्हें कई बार करोड़पति बनाया, जिससे वे शारीरिक रूप से तो मजबूत हो गए, लेकिन धीरे-धीरे उनकी मानसिक स्थिति कमजोर होती जा रही थी। इसी बात का अंदाजा

लगाते हुए अनगिनत महिलाओं ने उनसे उनका पैसा छीनने की कोशिश की। अखबार की पत्रकार एला केय ने उनकी कमजोरी का फायदा उठाकर उन्हें एक नौका में समुद्र में भेज दिया, जिसके अप्रिय परिणाम 1902 के उबाऊ पत्रकारिता जगत में आम थे। वे पांच साल से बेहद आरामदायक तटों पर आराम कर रहे थे, जब लिटिल गर्ल्स पॉइंट पर उनकी मुलाकात जेम्स गैट्ज़ के भाग्य के रूप में हुई।
युवा गैट्ज़, जो अपनी चप्पूओं पर आराम कर रहा था और रेलिंग वाले डेक की ओर देख रहा था, के लिए नौका दुनिया की सारी सुंदरता और शान का प्रतीक थी। मुझे लगता है कि उसने कोडी को देखकर मुस्कुराया होगा - शायद उसे पता चल गया था कि जब वह मुस्कुराता है तो लोग उसे पसंद करते हैं। खैर, कोडी ने उससे कुछ सवाल पूछे (जिनमें से एक से उसका नया नाम पता चला) और पाया कि वह बहुत बुद्धिमान और बेहद महत्वाकांक्षी था। कुछ दिनों बाद वह उसे डुलुथ ले गया और उसके लिए एक नीला कोट, छह जोड़ी सफेद डक पैंट और एक नौका विहार टोपी खरीदी। और जब टुओलोमी वेस्ट इंडीज और बारबरी तट के लिए रवाना हुई, तो गैट्सबी भी उसके साथ चला गया। उन्हें एक अस्पष्ट निजी पद पर नियुक्त किया गया था – कोडी के साथ रहते हुए वे बारी-बारी से स्टीवर्ड, मेट, स्किपर, सेक्रेटरी और यहाँ तक कि जेलर भी बने रहे, क्योंकि डैन कोडी होश में रहते हुए जानते थे कि नशे में धुत होकर वे किस तरह के अय्याशी भरे काम कर सकते हैं, और उन्होंने गैट्सबी पर भरोसा बढ़ाते हुए ऐसी स्थितियों के लिए तैयारी कर रखी थी। यह व्यवस्था पाँच साल तक चली, जिसके दौरान नाव ने महाद्वीप का तीन बार चक्कर लगाया। यह अनिश्चित काल तक चल सकती थी, सिवाय इसके कि एक रात एला के बोस्टन में नाव पर सवार हुईं और एक हफ्ते बाद डैन कोडी की असमय मृत्यु हो गई।

मुझे गैट्सबी के बेडरूम में लगी उसकी तस्वीर याद है, एक धूसर, लालिमा लिए हुए आदमी जिसका चेहरा कठोर और भावहीन था – वह अय्याश, जिसने अमेरिकी जीवन के एक दौर में पूर्वी तट पर सीमावर्ती वेश्यालयों और शराबखानों की बर्बर हिंसा को वापस ला दिया था। अप्रत्यक्ष रूप से कोडी की वजह से ही गैट्सबी बहुत कम शराब पीता था। कभी-कभी मौज-मस्ती भरी पार्टियों के दौरान औरतें उसके बालों में शैंपेन मल देती थीं; उसने खुद शराब से दूर रहने की आदत बना ली थी।
और कोडी से ही उसे विरासत में धन मिला – पच्चीस हज़ार डॉलर की वसीयत। उसे यह धन नहीं मिला। उसे कभी समझ नहीं आया कि उसके खिलाफ किस कानूनी दांव-पेच का इस्तेमाल किया गया, लेकिन लाखों डॉलर में से जो कुछ बचा था, वह एला केय को मिल गया। उसे अपनी विशिष्ट शिक्षा मिल गई; जे गैट्सबी की धुंधली छवि एक ठोस इंसान के रूप में उभर कर सामने आ गई।

* * * * *

उन्होंने मुझे ये सब बहुत बाद में बताया, लेकिन मैंने इसे यहाँ इसलिए लिखा है ताकि उनके बारे में फैली उन बेबुनियाद अफवाहों को गलत साबित कर सकूँ, जो रत्ती भर भी सच नहीं थीं। इसके अलावा, उन्होंने मुझे ये सब उस समय बताया जब मैं उलझन में था, जब मैं उनके बारे में सब कुछ और कुछ भी मानने की स्थिति में पहुँच चुका था। इसलिए, गैट्सबी के इस थोड़े से ठहराव का फायदा उठाते हुए, जब उन्होंने मानो साँस ली, मैं इन गलतफहमियों को दूर करना चाहता हूँ।
इससे उनके मामलों से मेरा संपर्क भी थम गया। कई हफ्तों तक मैंने उन्हें न देखा और न ही फोन पर उनकी आवाज सुनी – ज्यादातर मैं न्यूयॉर्क में जॉर्डन के साथ घूम रही थी और उसकी बूढ़ी चाची को

खुश करने की कोशिश कर रही थी – लेकिन आखिरकार एक रविवार दोपहर मैं उनके घर गई। वहाँ पहुँचे अभी दो मिनट भी नहीं हुए थे कि कोई टॉम बुकानन को ड्रिंक के लिए ले आया। मैं स्वाभाविक रूप से चौंक गई, लेकिन सबसे आश्चर्यजनक बात यह थी कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।
वे घोड़े पर सवार तीन लोगों का एक समूह थे - टॉम, स्लोएन नाम का एक आदमी और भूरे रंग की घुड़सवारी की पोशाक पहने एक खूबसूरत महिला, जो पहले भी वहां आ चुकी थी।
“आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई,” गैट्सबी ने अपने बरामदे में खड़े होकर कहा। “मुझे खुशी है कि आप मुझसे मिलने आए।”
जैसे कि उन्हें कोई परवाह हो!
“बैठ जाइए। एक सिगरेट या सिगार पीजिए।” वह कमरे में तेजी से घूमते हुए घंटियाँ बजाने लगा। “मैं अभी एक मिनट में आपके लिए कुछ पीने का सामान लाता हूँ।”
टॉम के वहाँ होने से वह बहुत प्रभावित हुआ था। लेकिन जब तक वह उन्हें कुछ दे नहीं देता, तब तक वह बेचैन ही रहेगा, क्योंकि उसे अस्पष्ट रूप से एहसास था कि वे बस यही चाहते थे। मिस्टर स्लोएन को कुछ नहीं चाहिए था। नींबू पानी? नहीं, धन्यवाद। थोड़ी सी शैम्पेन? बिलकुल नहीं, धन्यवाद... मुझे माफ़ करना—
"क्या आपकी यात्रा सुखद रही?"
"यहाँ की सड़कें बहुत अच्छी हैं।"
मुझे लगता है कि ऑटोमोबाइल—”
"हाँ।"
एक अप्रतिरोध्य आवेग से प्रेरित होकर, गैट्सबी ने टॉम की ओर रुख किया, जिसने एक अजनबी के रूप में परिचय स्वीकार किया था।
"मुझे लगता है कि हम पहले कहीं मिल चुके हैं, मिस्टर बुकानन।"

“ओह, हाँ,” टॉम ने रूखेपन से विनम्रतापूर्वक कहा, लेकिन स्पष्ट रूप से उसे याद नहीं था। “हाँ, हमने किया था। मुझे अच्छी तरह याद है।”
"लगभग दो सप्ताह पहले।"
“हाँ, सही है। तुम यहाँ निक के साथ थे।”
"मैं तुम्हारी पत्नी को जानता हूँ," गैट्सबी ने लगभग आक्रामक लहजे में कहा।
"यह बहुत?"
टॉम मेरी ओर मुड़ा।
“निक, तुम यहीं पास में रहते हो?”
"अगला दरवाजा।"
"यह बहुत?"
मिस्टर स्लोएन बातचीत में शामिल नहीं हुए, बल्कि अपनी कुर्सी पर अकड़कर आराम से बैठ गए; महिला ने भी कुछ नहीं कहा - जब तक कि अप्रत्याशित रूप से, दो हाईबॉल पीने के बाद, वह सौहार्दपूर्ण नहीं हो गई।
“हम सब आपकी अगली पार्टी में आएंगे, मिस्टर गैट्सबी,” उसने सुझाव दिया। “आप क्या कहते हैं?”
“बिल्कुल; मुझे आपको पाकर बहुत खुशी होगी।”
श्री स्लोएन ने बिना कृतज्ञता दिखाए कहा, "बहुत अच्छा हुआ। खैर
– मुझे लगता है अब घर चलना चाहिए।"
“जल्दी मत कीजिए,” गैट्सबी ने उनसे आग्रह किया। अब वह खुद पर काबू पा चुका था और टॉम से और मिलना चाहता था। “क्यों न आप रात के खाने पर रुक जाएँ? मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर न्यूयॉर्क से कुछ और लोग भी आ जाएँ।”

“तुम दोनों मेरे साथ रात का खाना खाओ,” महिला ने उत्साह से कहा।
“तुम दोनों ही।”
इसमें मैं भी शामिल था। श्री स्लोएन उठ खड़े हुए।
“चलो मेरे साथ,” उसने कहा – लेकिन सिर्फ उसी से।
“मेरा मतलब यही है,” उसने जोर देकर कहा। “मुझे तुम्हें पाकर बहुत खुशी होगी। यहाँ बहुत जगह है।”
गैट्सबी ने सवालिया निगाहों से मेरी तरफ देखा। वह जाना चाहता था, और उसे यह बात समझ नहीं आई कि मिस्टर स्लोएन ने तय कर लिया था कि उसे नहीं जाना चाहिए।
मैंने कहा, "मुझे डर है कि मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगा।"
"ठीक है, तुम आओ," उसने गैट्सबी पर ध्यान केंद्रित करते हुए आग्रह किया।
मिस्टर स्लोएन ने उसके कान के पास कुछ फुसफुसाया।
“अगर हम अभी शुरू करेंगे तो हमें देर नहीं होगी,” उसने जोर से कहा।
“मेरे पास घोड़ा नहीं है,” गैट्सबी ने कहा। “मैं सेना में घुड़सवारी करता था, लेकिन मैंने कभी घोड़ा नहीं खरीदा। मुझे अपनी कार से आपके पीछे आना पड़ेगा। मुझे बस एक मिनट के लिए माफ़ कीजिएगा।”
हम बाकी लोग बरामदे में चले गए, जहां स्लोएन और वह महिला एक तरफ जाकर भावुक बातचीत करने लगे।
“हे भगवान! मुझे लगता है वो आदमी आ रहा है,” टॉम ने कहा। “क्या उसे पता नहीं कि वो उसे नहीं चाहती?”
वह कहती है कि वह उसे चाहती है।
“उसने एक बड़ी डिनर पार्टी रखी है और वहाँ वो किसी को भी नहीं जानता होगा।” उसने माथे पर शिकन डालते हुए कहा। “पता नहीं वो

डेज़ी से कहाँ मिला होगा। भगवान कसम, मैं अपने विचारों में भले ही पुराने ख्यालों का हूँ, लेकिन आजकल औरतें हद से ज़्यादा अय्याशी करती हैं, ये मुझे बिल्कुल पसंद नहीं। वो हर तरह के अजीबोगरीब लोगों से मिलती हैं।”
अचानक मिस्टर स्लोएन और वह महिला सीढ़ियों से नीचे उतरे और अपने घोड़ों पर सवार हो गए।
“चलो,” श्री स्लोएन ने टॉम से कहा, “हम देर हो रहे हैं। हमें जाना होगा।” और फिर मुझसे कहा: “उसे बता देना कि हम इंतज़ार नहीं कर सकते थे, ठीक है?”
टॉम और मैंने हाथ मिलाया, हम बाकी लोगों ने एक ठंडी सी सहमति में सिर हिलाया, और वे तेजी से ड्राइववे से नीचे चले गए, अगस्त की पत्तियों के नीचे गायब हो गए, ठीक उसी समय गैट्सबी, हाथ में टोपी और हल्का ओवरकोट लिए, सामने के दरवाजे से बाहर आया।
डेज़ी के अकेले इधर-उधर घूमने से टॉम स्पष्ट रूप से परेशान था, क्योंकि अगले शनिवार की रात वह उसके साथ गैट्सबी की पार्टी में गया। शायद उसकी उपस्थिति ने उस शाम को एक अजीब तरह की घुटन भरी अनुभूति दी – यह उस गर्मी में गैट्सबी की अन्य पार्टियों से मेरी याद में अलग है। वही लोग थे, या कम से कम उसी तरह के लोग, वही भरपूर शैम्पेन, वही रंग-बिरंगी, शोरगुल भरी हलचल, लेकिन मुझे हवा में एक अप्रियता महसूस हुई, एक व्याप्त कठोरता जो पहले नहीं थी। या शायद मैं बस इसकी आदी हो गई थी, वेस्ट एग को अपने आप में एक संपूर्ण दुनिया के रूप में स्वीकार कर लिया था, जिसके अपने मानदंड और अपनी महान हस्तियाँ थीं, किसी से कम नहीं क्योंकि उसे इस बात का एहसास ही नहीं था, और अब मैं इसे फिर से डेज़ी की नज़रों से देख रही थी। उन चीजों को नए नजरिए से देखना हमेशा दुखद होता है जिन पर आपने अपने समायोजन की शक्ति खर्च कर दी हो।

वे गोधूलि बेला में पहुंचे, और जैसे ही हम जगमगाते सैकड़ों पेड़ों के बीच टहलने निकले, डेज़ी की आवाज उसके गले में अस्पष्ट सी गूंज पैदा कर रही थी।
"ये चीजें मुझे बहुत उत्साहित करती हैं," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
“निक, अगर तुम आज शाम को कभी भी मुझे चूमना चाहो, तो बस मुझे बता देना, मैं तुम्हारे लिए इंतज़ाम कर दूंगी। बस मेरा नाम ले लेना। या फिर ग्रीन कार्ड दिखा देना। मैं ग्रीन कार्ड बाँट रही हूँ—” "आस-पास देखो," गैट्सबी ने सुझाव दिया।
मैं चारों ओर देख रहा हूँ। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है—”
"आपको उन बहुत से लोगों के चेहरे जरूर देखने को मिलेंगे जिनके बारे में आपने सुना होगा।"
टॉम की अभिमानी निगाहें भीड़ पर घूम रही थीं।
उन्होंने कहा, "हम ज्यादा बाहर नहीं जाते। दरअसल, मैं यही सोच रहा था कि मैं यहां किसी को भी नहीं जानता।"
“शायद आप उस महिला को जानते हों।” गैट्सबी ने एक बेहद खूबसूरत, लगभग अमानवीय सी दिखने वाली महिला की ओर इशारा किया जो एक सफेद बेर के पेड़ के नीचे शान से बैठी थी। टॉम और डेज़ी उसे घूरते रहे, उनके मन में एक अजीब सा अवास्तविक भाव था, जो किसी ऐसे मशहूर चेहरे को पहचानने पर आता है जिसे वे अब तक फिल्मों में धुंधले से देखते आ रहे थे।
“वह बहुत प्यारी है,” डेज़ी ने कहा।
"उसके ऊपर झुका हुआ आदमी उसका निर्देशक है।"
उन्होंने उन्हें विधिपूर्वक एक समूह से दूसरे समूह में ले जाया:

“श्रीमती बुकानन…और श्री बुकानन—” एक पल की झिझक के बाद उन्होंने कहा: “पोलो खिलाड़ी।”
“अरे नहीं,” टॉम ने तुरंत आपत्ति जताते हुए कहा, “मैं नहीं।” लेकिन जाहिर तौर पर यह सुनकर गैट्सबी खुश हो गया, क्योंकि टॉम बाकी शाम तक "पोलो खिलाड़ी" ही बना रहा।
“मैंने इतने सारे मशहूर हस्तियों से कभी मुलाकात नहीं की!” डेज़ी ने हैरानी से कहा। “मुझे वो आदमी बहुत पसंद आया – उसका नाम क्या था? – जिसकी नाक नीली थी।”
गैट्सबी ने उसकी पहचान की और बताया कि वह एक छोटा निर्माता था। खैर, मुझे वो फिर भी पसंद था।
टॉम ने प्रसन्नतापूर्वक कहा, "मैं पोलो खिलाड़ी बनने के बजाय, इन सभी प्रसिद्ध लोगों को गुमनामी में देखना पसंद करूंगा।" डेज़ी और गैट्सबी ने नृत्य किया। मुझे याद है कि मैं उनके सुंदर, पारंपरिक फॉक्स-ट्रॉट नृत्य को देखकर आश्चर्यचकित रह गया था - मैंने उन्हें पहले कभी नृत्य करते नहीं देखा था। फिर वे धीरे-धीरे मेरे घर आए और आधे घंटे तक सीढ़ियों पर बैठे रहे, जबकि डेज़ी के अनुरोध पर मैं बगीचे में सतर्क खड़ा रहा। उन्होंने समझाया, "कहीं आग या बाढ़ न आ जाए, या कोई प्राकृतिक आपदा न आ जाए, तो।"
जब हम सब साथ में रात का खाना खाने बैठे थे, तभी टॉम अपनी तंद्रा से जागा। उसने कहा, "अगर मैं यहाँ कुछ लोगों के साथ खाना खा लूँ तो क्या आपको कोई आपत्ति होगी? एक आदमी कुछ अजीबोगरीब नशा कर रहा है।"
“ठीक है,” डेज़ी ने सौहार्दपूर्वक उत्तर दिया, “और अगर आप कोई पता लिखना चाहें तो ये रही मेरी छोटी सोने की पेंसिल।”…कुछ देर बाद उसने चारों ओर देखा और मुझे बताया कि वह लड़की “साधारण

लेकिन सुंदर” थी, और मैं समझ गया कि गैट्सबी के साथ अकेले बिताए आधे घंटे को छोड़कर उसका समय अच्छा नहीं बीत रहा था।
हम एक खास तौर पर नशे में धुत लोगों की मेज पर बैठे थे। यह मेरी गलती थी - गैट्सबी को फोन आ गया था, और मैंने इन्हीं लोगों के साथ दो हफ्ते पहले ही अच्छा समय बिताया था। लेकिन जो बात मुझे तब मजेदार लगी थी, वही अब टीवी पर बुरी लगने लगी।
"आप कैसा महसूस कर रही हैं, मिस बेडेकर?"
जिस लड़की से मैं बात कर रही थी, वह मेरे कंधे पर सिर रखकर सोने की कोशिश कर रही थी, लेकिन नाकाम रही। मेरे सवाल पर वह उठ बैठी और उसने अपनी आँखें खोल लीं।
“क्या?”
एक विशालकाय और सुस्त महिला, जो डेज़ी को कल स्थानीय क्लब में उसके साथ गोल्फ खेलने के लिए आग्रह कर रही थी, ने मिस बेडेकर के बचाव में बात की:
“ओह, अब वो ठीक है। जब वो पाँच-छह कॉकटेल पी लेती है तो हमेशा ऐसे ही चीखने लगती है। मैं उससे कहती हूँ कि उसे इसे छोड़ देना चाहिए।”
"मैं इसे ऐसे ही छोड़ देता हूँ," आरोपी ने खोखले स्वर में कहा। “हमने आपको चिल्लाते हुए सुना, इसलिए मैंने यहां डॉ. सिवेट से कहा: ‘डॉक्टर साहब, किसी को आपकी मदद की जरूरत है।’”
“मुझे यकीन है कि वह आपकी बहुत आभारी होगी,” एक अन्य मित्र ने बिना किसी कृतज्ञता के कहा। “लेकिन जब आपने उसका सिर पूल में डाला तो उसकी ड्रेस पूरी तरह से गीली हो गई।”
"मुझे सबसे ज़्यादा नफ़रत इस बात से है कि मेरा सिर किसी पूल में फंस जाए," मिस बेडेकर ने बुदबुदाते हुए कहा। "एक बार न्यू जर्सी में तो वे मुझे लगभग डुबो ही चुके थे।"

“तो फिर आपको इसे ऐसे ही छोड़ देना चाहिए,” डॉक्टर सिवेट ने जवाब दिया।
“खुद बोलो!” मिस बेडेकर ने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा। “तुम्हारा हाथ कांप रहा है। मैं तुम्हें अपना ऑपरेशन नहीं करने दूंगी!”
ऐसा ही हुआ था। मुझे लगभग आखिरी बात जो याद है, वो ये है कि मैं डेज़ी के साथ खड़ी थी और फिल्म निर्देशक और उनकी स्टार को देख रही थी। वे अभी भी सफेद बेर के पेड़ के नीचे थे और उनके चेहरे एक-दूसरे से छू रहे थे, बस उनके बीच हल्की, पतली चांदनी की किरण थी। मुझे लगा कि वो पूरी शाम धीरे-धीरे उसकी ओर झुक रहे थे ताकि इतनी नज़दीकी पा सकें, और मेरी आँखों के सामने ही मैंने उन्हें एक आखिरी कदम झुककर उसके गाल पर चुंबन करते देखा।
“मुझे वो पसंद है,” डेज़ी ने कहा, “मुझे लगता है वो बहुत प्यारी है।”
लेकिन बाकी सब बातें उसे बुरी लगीं – और इसमें कोई शक नहीं, क्योंकि यह कोई इशारा नहीं, बल्कि एक गहरी भावना थी। वह वेस्ट एग से बहुत दुखी थी, ब्रॉडवे ने लॉन्ग आइलैंड के एक मछली पकड़ने वाले गाँव पर यह अभूतपूर्व "जगह" बना दी थी – वह इसकी उस बेबाक ऊर्जा से परेशान थी जो पुराने शब्दों के पीछे छिपी हुई थी और उस दखलंदाज़ नियति से भी जो इसके निवासियों को शून्य से शून्य की ओर धकेल रही थी। उसे उस सादगी में कुछ भयानक दिखाई दिया जिसे वह समझ नहीं पा रही थी।
जब वे अपनी कार का इंतज़ार कर रहे थे, मैं उनके साथ सामने की सीढ़ियों पर बैठ गया। सामने अंधेरा था; केवल चमकदार दरवाज़े से ही दस वर्ग फुट की रोशनी बाहर हल्की काली सुबह में फैल रही थी। कभी-कभी ऊपर ड्रेसिंग रूम के पर्दे पर एक परछाई हिलती, फिर

दूसरी परछाई दिखाई देती, परछाइयों का एक अनिश्चित सिलसिला चलता रहता, मानो वे किसी अदृश्य शीशे में मेकअप और पाउडर लगा रही हों।
"आखिर ये गैट्सबी है कौन?" टॉम ने अचानक पूछा। "कोई बड़ा शराब तस्कर तो नहीं है?"
मैंने पूछा, "यह बात तुमने कहाँ से सुनी?"
“मैंने इसे सुना नहीं। मैंने इसकी कल्पना की थी। आप जानते हैं, इनमें से बहुत से नए अमीर लोग बड़े पैमाने पर अवैध शराब के तस्कर हैं।”
मैंने संक्षिप्त रूप से कहा, "गैट्सबी नहीं।"
वह एक पल के लिए चुप रहा। उसके पैरों के नीचे सड़क के कंकड़ चरचरा रहे थे।
"खैर, इस चिड़ियाघर को इकट्ठा करने में उसने निश्चित रूप से काफी मेहनत की होगी।"
हल्की हवा के झोंके से डेज़ी के फर वाले कॉलर पर जमी धूसर धुंध हिल गई।
"कम से कम वे उन लोगों से तो ज्यादा दिलचस्प हैं जिन्हें हम जानते हैं," उसने बड़ी मुश्किल से कहा।
"तुम्हारे चेहरे पर दिलचस्पी नहीं दिख रही थी।"
"हाँ, मैं था।"
टॉम हँसा और मेरी ओर मुड़ा।
"क्या आपने डेज़ी के चेहरे के हाव-भाव देखे जब उस लड़की ने उससे कहा कि वह उसे ठंडे पानी से नहला दे?"
डेज़ी ने संगीत के साथ एक कर्कश, लयबद्ध फुसफुसाहट में गाना शुरू किया, हर शब्द में एक ऐसा अर्थ भर दिया जो पहले कभी नहीं था और न ही कभी फिर होगा। जब धुन ऊँची हुई, तो उसकी आवाज़ मधुरता से

टूट गई, ठीक उसी तरह जैसे कॉन्ट्राल्टो आवाज़ों में होता है, और हर बदलाव हवा में उसकी गर्मजोशी भरी मानवीय जादू बिखेर देता था।
“बहुत से लोग बिना बुलाए आ जाते हैं,” उसने अचानक कहा। “उस लड़की को भी नहीं बुलाया गया था। वे जबरदस्ती अंदर घुस आते हैं और वह लड़का इतना विनम्र है कि आपत्ति नहीं कर पाता।”
“मैं जानना चाहता हूँ कि वह कौन है और क्या करता है,” टॉम ने ज़ोर देकर कहा। “और मुझे लगता है कि मैं यह पता लगाने की पूरी कोशिश करूँगा।”
“मैं आपको अभी बता सकती हूँ,” उसने जवाब दिया। “उसके पास कुछ दवा की दुकानें थीं, बहुत सारी दवा की दुकानें थीं। उसने उन्हें खुद खड़ा किया था।”
वह धीमी गति से चलने वाली लिमोसिन गाड़ी धीरे-धीरे ड्राइववे पर आ गई।
“शुभ रात्रि, निक,” डेज़ी ने कहा।
उसकी नज़र मुझसे हटकर सीढ़ियों के रोशन शिखर पर टिक गई, जहाँ से उस साल का एक मधुर, उदास सा वाल्ट्ज़ गीत, 'थ्री ओ'क्लॉक इन द मॉर्निंग', खुले दरवाज़े से बाहर गूंज रहा था। आख़िरकार, गैट्सबी की पार्टी की सादगी में, उसके जीवन में रोमांस की कोई संभावना नहीं थी। उस गीत में ऐसा क्या था जो उसे वापस अंदर बुला रहा था? अब उन धुंधले, अनिश्चित घंटों में क्या होगा? शायद कोई अविश्वसनीय मेहमान आ जाए, कोई बेहद खास और विस्मयकारी व्यक्ति, कोई सच्ची चमकती हुई युवती जो गैट्सबी पर एक नज़र डालते ही, एक जादुई मुलाकात से, उसके पाँच साल के अटूट समर्पण को मिटा दे। मैं उस रात देर तक वहीं रुका रहा, गैट्सबी ने मुझसे कहा कि मैं उसके खाली होने तक इंतज़ार करूँ, और मैं बगीचे में तब तक रुका

रहा जब तक कि तैराकी करने वालों का दल ठंडे और उत्साहित होकर काली रेत से ऊपर नहीं आ गया, और जब तक कि ऊपर के अतिथि कमरों की बत्तियाँ बुझ नहीं गईं। जब वह आखिरकार सीढ़ियों से नीचे आया तो उसकी धूप में तपी त्वचा उसके चेहरे पर असामान्य रूप से खिंची हुई थी, और उसकी आँखें चमकीली और थकी हुई थीं।
“उसे यह पसंद नहीं आया,” उसने तुरंत कहा।
"बेशक उसने किया।"
“उसे यह पसंद नहीं आया,” उसने जोर देकर कहा। “उसने अच्छा समय नहीं बिताया।”
वह चुप था, और मैंने उसकी गहरी उदासी का अनुमान लगाया। उन्होंने कहा, "मैं उससे बहुत दूर महसूस करता हूं। उसे समझाना मुश्किल है।"
"तुम्हारा मतलब नृत्य से है?"
“नृत्य?” उन्होंने चुटकी बजाते ही अपने सारे नृत्य प्रदर्शन रद्द कर दिए। “दोस्त, नृत्य का कोई महत्व नहीं है।”
वह डेज़ी से बस यही चाहता था कि वह टॉम के पास जाकर कहे: “मैंने तुमसे कभी प्यार नहीं किया।” जब वह इस वाक्य से अपने चार साल मिटा लेगी, तब वे आगे उठाए जाने वाले व्यावहारिक कदमों पर विचार कर सकते थे। उनमें से एक यह था कि, उसके रिहा होने के बाद, वे लुइसविले वापस जाएँ और उसके घर पर शादी करें – ठीक वैसे ही जैसे पाँच साल पहले हुआ था।
“और उसे समझ नहीं आता,” उसने कहा। “पहले उसे समझ आता था। हम घंटों बैठे रहते थे—”
वह रुक गया और फलों के छिलकों, फेंके गए उपहारों और कुचले हुए फूलों से भरे एक सुनसान रास्ते पर इधर-उधर चलने लगा।

मैंने हिम्मत करके कहा, "मैं उससे बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं रखूंगा। अतीत को दोहराया नहीं जा सकता।"
“क्या अतीत को दोहराया नहीं जा सकता?” वह अविश्वास से चिल्लाया। “क्यों नहीं, बिल्कुल दोहराया जा सकता है!”
उसने घबराकर अपने चारों ओर देखा, मानो अतीत उसके घर की छाया में छिपा हो, बस उसकी पहुँच से थोड़ा ही दूर।
“मैं सब कुछ पहले जैसा ही ठीक कर दूंगा,” उसने दृढ़ता से सिर हिलाते हुए कहा। “वह देख लेगी।”
वह अतीत के बारे में बहुत बातें करता था, और मुझे समझ आया कि वह कुछ वापस पाना चाहता था, शायद खुद की कोई ऐसी छवि, जो डेज़ी से प्यार करने में खो गई थी। तब से उसका जीवन उलझा हुआ और अस्त-व्यस्त था, लेकिन अगर वह एक बार फिर उस शुरुआती बिंदु पर लौटकर धीरे-धीरे सब कुछ दोहरा सके, तो उसे पता चल सकता है कि वह चीज़ क्या थी...
पांच साल पहले, पतझड़ की एक रात, वे सड़क पर चल रहे थे जब पत्ते गिर रहे थे, और वे एक ऐसी जगह पर पहुँचे जहाँ कोई पेड़ नहीं थे और फुटपाथ चाँदनी से सफेद था। वे वहाँ रुक गए और एक-दूसरे की ओर मुड़ गए। अब वह एक ठंडी रात थी जिसमें साल के दो बदलावों के समय आने वाली रहस्यमयी उत्तेजना थी। घरों की शांत बत्तियाँ अँधेरे में झिलमिला रही थीं और तारों के बीच हलचल थी। गैट्सबी ने अपनी आँखों के कोने से देखा कि फुटपाथ के ब्लॉक वास्तव में एक सीढ़ी की तरह बने हुए थे और पेड़ों के ऊपर एक गुप्त स्थान तक जाते थे - वह अकेले चढ़ सकता था, और वहाँ पहुँचकर वह जीवन का रस चूस सकता था, आश्चर्य के अतुलनीय अनुभव को पी सकता था।
जैसे ही डेज़ी का गोरा चेहरा उसके सामने आया, उसका दिल तेज़ी से धड़कने लगा। वह जानता था कि जब वह इस लड़की को चूमेगा, और अपने

अध्याय 7

जब गैट्सबी के बारे में लोगों की जिज्ञासा चरम पर थी, तभी एक शनिवार रात उनके घर की बत्तियाँ नहीं जलीं – और जिस तरह रहस्यमय तरीके से यह सब शुरू हुआ था, उसी तरह ट्रिमाल्चियो के रूप में उनका करियर समाप्त हो गया। धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि जो गाड़ियाँ उम्मीद से उनके घर के सामने आती थीं, वे बस एक मिनट रुकती थीं और फिर नाराज़ होकर चली जाती थीं। मुझे लगा कि शायद वह बीमार हैं, इसलिए मैं पता लगाने के लिए उनके घर गया – दरवाजे से एक अपरिचित, खलनायक जैसे चेहरे वाला बटलर मुझे शक भरी निगाहों से घूर रहा था।
क्या मिस्टर गैट्सबी बीमार हैं?
“नहीं।” कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने बड़े ही संकोच और बेमन से “सर” कहा।
“मैंने उसे आसपास नहीं देखा था, और मैं थोड़ा चिंतित था। उसे बता देना कि मिस्टर कैरेवे आए थे।”
“कौन?” उसने अशिष्टता से पूछा।
“कैरावे।”
“कैरावे। ठीक है, मैं उसे बता देता हूँ।” अचानक उसने दरवाजा पटक दिया।
मेरे दोस्त ने मुझे बताया कि गैट्सबी ने एक हफ्ते पहले अपने घर के सभी नौकरों को निकाल दिया था और उनकी जगह आधा दर्जन नए नौकर रख लिए थे। ये नौकर कभी वेस्ट एग विलेज जाकर व्यापारियों से रिश्वत नहीं लेते थे, बल्कि फोन पर ही मामूली सामान मंगवा लेते थे। किराने वाले लड़के ने बताया कि रसोई सूअर के बाड़े जैसी

दिखती थी, और गाँव में सबकी यही राय थी कि ये नए लोग नौकर थे ही नहीं।
अगले दिन गैट्सबी ने मुझे फोन किया।
“कहीं जा रहे हो?” मैंने पूछा।
नहीं, दोस्त।
मैंने सुना है कि आपने अपने सभी नौकरों को निकाल दिया है।
“मुझे कोई ऐसा व्यक्ति चाहिए था जो गपशप न करे। डेज़ी अक्सर दोपहर में आती है।”
इसलिए उसकी आंखों में दिख रही अस्वीकृति को देखकर पूरा सराय ताश के पत्तों के घर की तरह ढह गया।
“वोल्फ्सहाइम इन लोगों के लिए कुछ करना चाहता था। ये सभी भाई-बहन हैं। ये पहले एक छोटा होटल चलाते थे।”
"अच्छा ऐसा है।"
वह डेज़ी के कहने पर फ़ोन कर रहा था – क्या मैं कल उसके घर दोपहर के खाने पर आऊँगा? मिस बेकर भी वहाँ होंगी। आधे घंटे बाद डेज़ी ने खुद फ़ोन किया और मुझे आते देखकर राहत महसूस की। कुछ तो गड़बड़ थी। फिर भी मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि वे इस दृश्य के लिए इस मौके को चुनेंगे – खासकर उस भयावह दृश्य के लिए जिसका गैट्सबी ने बगीचे में वर्णन किया था।
अगला दिन बेहद उमस भरा था, लगभग गर्मी का आखिरी दिन, और यकीनन सबसे गर्म दिन। जैसे ही मेरी ट्रेन सुरंग से निकलकर धूप में आई, दोपहर के सन्नाटे को सिर्फ नेशनल बिस्किट कंपनी की गर्म सीटियों ने ही तोड़ा। डिब्बे की भूसे की सीटें आग की लपटों में घिरी थीं; मेरे बगल में बैठी महिला कुछ देर तक अपनी सफेद कमीज में हल्के पसीने से भीगी रही, और फिर जैसे ही अखबार उसकी

उंगलियों के नीचे गीला हुआ, वह एक हताश चीख के साथ गहरी गर्मी में डूब गई। उसका पर्स ज़मीन पर गिर पड़ा।
"ओह, माय गॉड!" वह हांफते हुए बोली।
मैंने थके हुए अंदाज़ में झुककर उसे उठाया और उसे वापस उसे सौंप दिया, उसे हाथ की दूरी पर और कोनों के एकदम सिरे से पकड़कर यह जताने की कोशिश की कि मेरा उस पर कोई इरादा नहीं है - लेकिन आस-पास मौजूद हर कोई, उस महिला सहित, मुझ पर शक कर रहा था।
“गर्मी!” कंडक्टर ने परिचित चेहरों को देखकर कहा। “क्या मौसम है! गर्मी! गर्मी! गर्मी! क्या आपको इतनी गर्मी लग रही है? क्या गर्मी है? क्या…?”
मेरी टिकट उसके हाथ के गहरे दाग के साथ वापस आई। इस भीषण गर्मी में किसी को इस बात की परवाह क्यों हो कि उसने किसके लाल होंठों को चूमा, किसके सिर ने उसके दिल के ऊपर वाले पजामे की जेब को गीला कर दिया!
...बुकानन के घर के हॉल से एक हल्की हवा बह रही थी, जो टेलीफोन की घंटी की आवाज को गैट्सबी और मुझ तक ले आई, जब हम दरवाजे पर इंतजार कर रहे थे।
“मालिक का शव!” बटलर ने माइक्रोफोन में गरजते हुए कहा। “माफ़ कीजिए, महोदया, लेकिन हम इसे उपलब्ध नहीं करा सकते – आज दोपहर में इसे छूना बहुत मुश्किल है!”
असल में उन्होंने कहा था: "हां...हां...मैं देखूंगा।"
उसने रिसीवर नीचे रखा और हमारी ओर आया, उसका चेहरा थोड़ा चमक रहा था, और उसने हमारी सख्त पुआल की टोपियाँ ले लीं।
“मैडम आपका सैलून में इंतज़ार कर रही हैं!” उसने बेवजह दिशा की ओर इशारा करते हुए चिल्लाया। इस भीषण गर्मी में हर अतिरिक्त हावभाव जीवन की सामान्य व्यवस्था का अपमान था।

शामियानों से अच्छी तरह छायादार कमरा अंधेरा और ठंडा था। डेज़ी और जॉर्डन एक विशाल सोफे पर लेटे हुए थे, मानो चांदी की मूर्तियाँ हों, जो पंखों की गुनगुनाती हवा के सामने अपने सफेद वस्त्रों का भार ढो रही हों।
उन्होंने एक साथ कहा, "हम हिल नहीं सकते।"
जॉर्डन की उंगलियां, जिन पर सांवली त्वचा के ऊपर सफेद पाउडर लगा हुआ था, एक पल के लिए मेरी उंगलियों में टिक गईं।
“और एथलीट श्री थॉमस बुकानन?” मैंने पूछा।
उसी समय मैंने हॉल के टेलीफोन पर उसकी कर्कश, दबी हुई और भारी आवाज सुनी।
गैट्सबी लाल कालीन के बीचोंबीच खड़ा था और मंत्रमुग्ध निगाहों से चारों ओर देख रहा था। डेज़ी उसे देखती रही और अपनी मीठी, मनमोहक हंसी हंसती रही; उसके सीने से धूल का एक छोटा सा झोंका हवा में उड़ गया।
“अफवाह यह है,” जॉर्डन ने फुसफुसाते हुए कहा, “कि फोन पर टॉम की गर्लफ्रेंड है।”
हम चुप रहे। हॉल में मौजूद आवाज़ झुंझलाहट से ऊंची हो गई: "ठीक है, तो मैं तुम्हें कार बिल्कुल नहीं बेचूंगा... मेरा तुम पर कोई एहसान नहीं है... और दोपहर के भोजन के समय इस बारे में मुझे परेशान करने की बात तो मैं बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करूंगा!" "रिसीवर को दबाए हुए है," डेज़ी ने व्यंग्यपूर्वक कहा।
“नहीं, ऐसा नहीं है,” मैंने उसे आश्वस्त किया। “यह एक वास्तविक सौदा है। मुझे इसके बारे में पता है।”
टॉम ने दरवाजा जोर से खोला, अपने भारी-भरकम शरीर से कुछ पल के लिए उस जगह को अवरुद्ध किया और कमरे में तेजी से घुस गया।

“श्रीमान गैट्सबी!” उन्होंने अपनी चौड़ी, चपटी हथेली को बड़ी भोली नापसंदगी के साथ आगे बढ़ाया। “आपको देखकर खुशी हुई, महोदय… निक…”
“हमारे लिए एक ठंडा पेय बनाओ,” डेज़ी चिल्लाई।
जैसे ही वह कमरे से बाहर निकला, वह उठी और गैट्सबी के पास गई और उसका चेहरा नीचे खींचकर उसके होंठों पर चुंबन किया।
“तुम जानते हो कि मैं तुमसे प्यार करती हूँ,” उसने धीरे से कहा।
"तुम भूल जाते हो कि यहाँ एक महिला भी मौजूद है," जॉर्डन ने कहा।
डेज़ी ने संदेह भरी निगाहों से चारों ओर देखा।
"तुम भी निक को किस करो।"
“कितनी नीच और अश्लील लड़की है!”
“मुझे परवाह नहीं!” डेज़ी चिल्लाई और ईंटों से बनी चिमनी पर कुतरने लगी। फिर उसे गर्मी का एहसास हुआ और वह शर्मिंदगी से सोफे पर बैठ गई, तभी एक नहा-धोकर तैयार नर्स एक छोटी बच्ची को लेकर कमरे में आई।
“हे मेरे प्यारे बच्चे,” उसने गुनगुनाते हुए अपनी बाहें फैलाईं। “अपनी उस माँ के पास आओ जो तुमसे प्यार करती है।”
नर्स द्वारा सौंपे जाने पर, बच्ची दौड़कर कमरे के उस पार गई और शरमाते हुए अपनी माँ की पोशाक में हाथ डालने लगी।
“अरे प्यारे बच्चे! क्या तुम्हारी माँ ने तुम्हारे पीले बालों पर पाउडर लगा दिया है? अब खड़े हो जाओ और बोलो – कैसे हो?” गैट्सबी और मैंने बारी-बारी से झुककर उस छोटे, हिचकिचाते हुए हाथ को पकड़ा। उसके बाद वह बच्चे को हैरानी से देखता रहा। मुझे नहीं लगता कि उसने इससे पहले कभी उसके अस्तित्व पर सचमुच विश्वास किया था।

"मैंने दोपहर के भोजन से पहले कपड़े पहन लिए थे," बच्चे ने उत्सुकता से डेज़ी की ओर मुड़ते हुए कहा।
“ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम्हारी माँ तुम्हें सबको दिखाना चाहती थी।” उसका चेहरा उसकी छोटी, सफेद गर्दन की इकलौती झुर्री में सिमट गया। “तुम सपने में ही क्यों हो? बिलकुल सपने में ही क्यों हो।”
“हां,” बच्चे ने शांत भाव से स्वीकार किया। “आंटी जॉर्डन ने भी सफेद पोशाक पहनी है।”
“माँ की सहेलियाँ तुम्हें कैसी लगती हैं?” डेज़ी ने उसे घुमाकर गैट्सबी के सामने कर दिया। “क्या तुम्हें लगता है कि वे सुंदर हैं?”
पापा कहाँ हैं?
“वह अपने पिता जैसी नहीं दिखती,” डेज़ी ने समझाया। “वह बिल्कुल मेरे जैसी दिखती है। उसके बाल और चेहरे की बनावट बिल्कुल मेरे जैसी है।”
डेज़ी सोफे पर वापस बैठ गई। नर्स एक कदम आगे बढ़ी और अपना हाथ बढ़ाया।
"आओ, पैमी।"
अलविदा, प्रियतमा!
अनिच्छा से पीछे मुड़कर देखते हुए, अनुशासित बच्ची ने अपनी नर्स का हाथ थामे रखा और उसे दरवाजे से बाहर खींच लिया गया, ठीक उसी समय टॉम वापस आया, जिसके बाद बर्फ से भरे चार जिन रिकी आए। गैट्सबी ने अपना पेय उठा लिया।
"ये वाकई देखने में बहुत अच्छे लगते हैं," उन्होंने स्पष्ट तनाव के साथ कहा।
हमने बड़े-बड़े घूंटों में पानी पिया।

“मैंने कहीं पढ़ा था कि सूरज हर साल गर्म होता जा रहा है,” टॉम ने हंसमुख अंदाज़ में कहा। “ऐसा लगता है कि बहुत जल्द पृथ्वी सूरज में समा जाएगी – या फिर ज़रा रुकिए – बात बिल्कुल उलट है – सूरज हर साल ठंडा होता जा रहा है।”
“बाहर आओ,” उसने गैट्सबी से कहा, “मैं चाहता हूँ कि तुम इस जगह को देख लो।”
मैं उनके साथ बरामदे में गया। गर्मी से शांत हरे-भरे समुद्र में, एक छोटी सी नाव धीरे-धीरे ताजे पानी की ओर बढ़ रही थी। गैट्सबी की निगाहें क्षण भर के लिए उसका पीछा करती रहीं; उसने हाथ उठाकर खाड़ी के उस पार इशारा किया।
मैं आपके ठीक सामने हूँ।
"तो आप हैं।"
हमारी निगाहें गुलाब की क्यारियों, गर्म घास के मैदान और गर्मी के दिनों में किनारे पर उगी खरपतवारों पर टिक गईं। धीरे-धीरे नाव के सफेद पंख नीले, ठंडे आकाश की सीमा के सामने हिलने लगे। आगे लहरदार समुद्र और प्रचुर मात्रा में फैले सुंदर द्वीप फैले हुए थे।
“ये रहा आपके लिए खेल,” टॉम ने सिर हिलाते हुए कहा। “मैं उसके साथ लगभग एक घंटे तक मैदान में रहना चाहूंगा।”
हमने भोजन कक्ष में दोपहर का भोजन किया, जो गर्मी से बचने के लिए काफी अंधेरा था, और ठंडी बीयर के साथ घबराहट भरी खुशी का आनंद लिया।
“आज दोपहर हम क्या करेंगे?” डेज़ी चिल्लाई, “और उसके अगले दिन और उसके बाद के तीस साल हम क्या करेंगे?”
“निराश मत होइए,” जॉर्डन ने कहा। “पतझड़ में जब मौसम सुहाना हो जाता है, तो जीवन फिर से शुरू हो जाता है।”

“लेकिन यहाँ बहुत गर्मी है,” डेज़ी ने लगभग रोते हुए कहा, “और सब कुछ इतना अस्त-व्यस्त है। चलो सब शहर चलते हैं!”
उसकी आवाज भीषण गर्मी में संघर्ष करती रही, उससे लड़ती रही, उसकी निरर्थकता को आकार देती रही।
टॉम गैट्सबी से कह रहा था, "मैंने अस्तबल को गैराज में बदलने के बारे में सुना है, लेकिन मैं पहला आदमी हूं जिसने गैराज को अस्तबल में बदला है।"
“शहर कौन जाना चाहता है?” डेज़ी ने ज़िद से पूछा। गैट्सबी की निगाहें उसकी ओर गईं। “आह,” वह चिल्लाई, “आप कितने शानदार लग रहे हैं!”
उनकी नज़रें मिलीं और वे एक-दूसरे को निहारते रहे, मानो अंतरिक्ष में अकेले हों। बड़ी मुश्किल से उसने मेज की ओर देखा। “तुम हमेशा बहुत अच्छे दिखते हो,” उसने दोहराया।
उसने उससे कहा था कि वह उससे प्यार करती है, और टॉम बुकानन ने यह देख लिया। वह दंग रह गया। उसका मुंह थोड़ा खुला रह गया, और उसने गैट्सबी को देखा, और फिर डेज़ी की ओर ऐसे देखा जैसे उसने उसे बहुत पहले से परिचित किसी व्यक्ति के रूप में पहचान लिया हो। “तुम उस आदमी के विज्ञापन से मिलते-जुलते हो,” उसने मासूमियत से कहा। “तुम उस आदमी के विज्ञापन को जानते हो ना—”
“ठीक है,” टॉम ने झट से बीच में टोकते हुए कहा, “मैं शहर जाने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ। चलो – हम सब शहर चलते हैं।”
वह उठा, उसकी निगाहें अब भी गैट्सबी और उसकी पत्नी के बीच घूम रही थीं। कोई नहीं हिला।
“अरे, चलो!” उसका गुस्सा थोड़ा फूट पड़ा। “बात क्या है? अगर हमें शहर जाना ही है, तो चलो शुरू करते हैं।”

आत्मसंयम के प्रयास में कांपते हुए उसके हाथ ने बड़ी मुश्किल से अपने होठों तक बीयर का आखिरी घूंट पहुंचाया। डेज़ी की आवाज़ ने हमें उठने पर मजबूर कर दिया और हम चिलचिलाती धूप से तपती बजरी वाली सड़क पर निकल पड़े।
“क्या हम ऐसे ही चले जाएंगे?” उसने आपत्ति जताई। “क्या हम पहले किसी को सिगरेट पीने भी नहीं देंगे?”
"सब लोग दोपहर के भोजन के दौरान लगातार धूम्रपान करते रहे।" “चलो मजे करते हैं,” उसने उससे विनती की। “इतनी गर्मी है कि ज्यादा परेशान होने का मन नहीं।” उसने कोई जवाब नहीं दिया। “जैसा तुम चाहो वैसा करो,” उसने कहा। “चलो, जॉर्डन।”
वे लोग तैयार होने के लिए ऊपर चले गए, जबकि हम तीनों वहीं खड़े होकर गर्म पत्थरों को अपने पैरों से सरका रहे थे। पश्चिम के आकाश में चाँदी की एक पतली सी आकृति दिखाई दे रही थी। गैट्सबी बोलने लगा, फिर उसने अपना इरादा बदल दिया, लेकिन इससे पहले कि टॉम मुड़कर उम्मीद भरी निगाहों से उसकी ओर देखता, गैट्सबी ने बोलना शुरू किया।
"क्या आपके अस्तबल यहीं हैं?" गैट्सबी ने बड़ी मुश्किल से पूछा।
"लगभग एक चौथाई मील आगे सड़क पर।"
"ओह।"
एक विराम।
“मुझे शहर जाने का विचार समझ में नहीं आता,” टॉम भड़क उठा।
“औरतों के दिमाग में ये धारणाएँ बैठी होती हैं—”
"क्या हम कुछ पीने के लिए लें?" डेज़ी ने ऊपर की खिड़की से पुकारा।

“मैं थोड़ी व्हिस्की लाता हूँ,” टॉम ने जवाब दिया। वह अंदर चला गया।
गैट्सबी ने सख्ती से मेरी ओर देखा:
"मैं उसके घर में कुछ नहीं कह सकता, दोस्त।"
“उसकी आवाज में अविवेकीपन है,” मैंने टिप्पणी की। “यह भरी हुई है—” मैं हिचकिचाया।
"उसकी आवाज में पैसों का घिसा-पिटा भाव है," उसने अचानक कहा।
बस यही बात थी। मुझे पहले कभी समझ नहीं आया था। यह धन से भरा हुआ था – यही वह अटूट आकर्षण था जो इसमें उमड़ता-घुमड़ता था, इसकी झंकार, इसकी झांझों का गीत… एक ऊंचे सफेद महल में राजा की बेटी, सुनहरी लड़की…
टॉम एक क्वार्ट की बोतल को तौलिये में लपेटकर घर से बाहर आया, उसके पीछे डेज़ी और जॉर्डन धातु के कपड़े की छोटी, तंग टोपी पहने और अपनी बाहों पर हल्के लबादे लिए हुए थे।
“क्या हम सब मेरी कार में चलें?” गैट्सबी ने सुझाव दिया। उसने सीट के गर्म, हरे चमड़े को महसूस किया। “मुझे इसे छाया में ही छोड़ देना चाहिए था।”
“क्या यह स्टैंडर्ड शिफ्ट है?” टॉम ने पूछा।
"हाँ।"
"ठीक है, आप मेरी कूपे कार ले लीजिए और मैं आपकी कार चलाकर शहर चला जाता हूँ।"
यह सुझाव गैट्सबी को बिल्कुल पसंद नहीं आया।
उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता कि इसमें ज्यादा गैस है।"

“पर्याप्त पेट्रोल है,” टॉम ने जोश से कहा। उसने गेज पर नज़र डाली। “और अगर पेट्रोल खत्म हो जाए तो मैं दवा की दुकान पर रुक सकता हूँ। आजकल दवा की दुकान पर सब कुछ मिल जाता है।”
इस আপাত रूप से निरर्थक टिप्पणी के बाद एक सन्नाटा छा गया। डेज़ी ने टॉम को भौंहें चढ़ाकर देखा, और गैट्सबी के चेहरे पर एक अवर्णनीय भाव उभर आया, जो एक साथ बिल्कुल अपरिचित और अस्पष्ट रूप से पहचाना जा सकता था, मानो मैंने इसे केवल शब्दों में ही वर्णित सुना हो।
“चलो, डेज़ी,” टॉम ने हाथ से उसे धक्का देते हुए गैट्सबी की कार की ओर धकेलते हुए कहा। “मैं तुम्हें इस सर्कस की गाड़ी में ले चलता हूँ।”
उसने दरवाजा खोला, लेकिन वह उसकी बांह के घेरे से बाहर निकल गई। “आप निक और जॉर्डन को ले जाइए। हम कूपे में आपके पीछे आ जाएंगे।” वह गैट्सबी के करीब गई और अपने हाथ से उसके कोट को छुआ। जॉर्डन, टॉम और मैं गैट्सबी की कार की आगे वाली सीट पर बैठ गए। टॉम ने बड़ी हिचकिचाहट के साथ अपरिचित गियर बदले और हम उमस भरी गर्मी में तेज़ी से निकल पड़े, उन्हें पीछे छोड़ते हुए।
“क्या तुमने वह देखा?” टॉम ने पूछा।
"देखो क्या?"
उसने मेरी ओर उत्सुकता से देखा, यह समझते हुए कि जॉर्डन और मुझे यह बात शुरू से ही पता होगी।
“तुम्हें लगता है मैं बहुत बेवकूफ हूँ, है ना?” उसने कहा। “शायद मैं हूँ, लेकिन मेरे पास एक तरह की – लगभग दूसरी दृष्टि है, कभी- कभी, जो मुझे बताती है कि क्या करना है। शायद तुम्हें इस पर विश्वास न हो, लेकिन विज्ञान –”

वह रुक गया। तात्कालिक संकट ने उसे जकड़ लिया, और उसे सैद्धांतिक खाई के किनारे से वापस खींच लिया।
उन्होंने आगे कहा, “मैंने इस व्यक्ति की थोड़ी-बहुत जांच-पड़ताल की है। अगर मुझे पहले से पता होता तो मैं और गहराई से जांच कर सकता था।”
"क्या आपका मतलब है कि आप किसी माध्यम के पास गए हैं?" जॉर्डन ने मजाकिया लहजे में पूछा।
“क्या?” हम हंस रहे थे, और वह उलझन में हमारी तरफ घूर रहा था। “एक माध्यम?”
"गैट्सबी के बारे में।"
“गैट्सबी के बारे में! नहीं, मैंने नहीं किया है। मैंने कहा था कि मैं उसके अतीत की थोड़ी-बहुत छानबीन कर रहा था।”
"और आपको पता चला कि वह ऑक्सफोर्ड का पढ़ा हुआ व्यक्ति था," जॉर्डन ने मदद करते हुए कहा।
“ऑक्सफ़ोर्ड का आदमी!” वह अविश्वास से बोला। “बिल्कुल नहीं! वह गुलाबी सूट पहनता है।”
फिर भी, वह ऑक्सफोर्ड का छात्र है।
“ऑक्सफोर्ड, न्यू मैक्सिको,” टॉम ने तिरस्कारपूर्वक कहा, “या कुछ ऐसा ही।”
“सुनो, टॉम। अगर तुम इतने ही घमंडी हो, तो तुमने उसे दोपहर के भोजन पर क्यों बुलाया?” जॉर्डन ने गुस्से से पूछा।
“डेज़ी ने उसे आमंत्रित किया था; वह उसे हमारी शादी से पहले से जानती थी – पता नहीं कहाँ से!”
अब हम सब बीयर का नशा उतरने से चिड़चिड़े हो गए थे, और इस बात से वाकिफ होकर हम कुछ देर तक चुपचाप गाड़ी चलाते रहे। फिर जैसे ही

सड़क पर डॉक्टर टी. जे. एकलबर्ग की धुंधली आँखें नज़र आईं, मुझे पेट्रोल को लेकर गैट्सबी की चेतावनी याद आ गई।
“हमारे पास शहर तक पहुँचने के लिए पर्याप्त सामान है,” टॉम ने कहा।
“लेकिन यहाँ तो एक गैराज है,” जॉर्डन ने आपत्ति जताई। “मैं इस भीषण गर्मी में फँसना नहीं चाहता।” टॉम ने बेसब्री से दोनों ब्रेक लगा दिए, और हम विल्सन के साइनबोर्ड के नीचे धूल भरी जगह पर अचानक रुक गए। कुछ देर बाद, गैराज का मालिक अपने अंदर से बाहर आया और खाली आँखों से कार को घूरने लगा।
“चलिए थोड़ी पेट्रोल भरवाते हैं!” टॉम ने गुस्से से कहा। “आपको क्या लगता है हम यहाँ किसलिए रुके थे – नज़ारा देखने के लिए?” "मैं बीमार हूँ," विल्सन ने बिना हिले-डुले कहा। "पूरे दिन से बीमार हूँ।"
"क्या बात क्या बात?"
मैं पूरी तरह से थका हुआ हूँ।
“अच्छा, मैं खुद ही ले लूँ?” टॉम ने पूछा। “फोन पर आपकी आवाज़ ठीक-ठाक लग रही थी।”
बड़ी मुश्किल से विल्सन दरवाजे की छांव और सहारे से बाहर निकला और हांफते हुए टैंक का ढक्कन खोला। धूप में उसका चेहरा हरा पड़ गया था।
“मेरा इरादा आपके लंच में खलल डालने का नहीं था,” उसने कहा। “लेकिन मुझे पैसों की बहुत ज़रूरत है, और मैं सोच रहा था कि आप अपनी पुरानी कार का क्या करेंगे।”
“यह आपको कैसा लगा?” टॉम ने पूछा। “मैंने इसे पिछले हफ्ते खरीदा था।”

"यह एक सुंदर पीला वाला है," विल्सन ने हैंडल को जोर से पकड़ते हुए कहा।
"क्या आप इसे खरीदना चाहेंगे?"
“बहुत कम संभावना है,” विल्सन ने हल्की मुस्कान के साथ कहा। “नहीं, लेकिन मैं दूसरे से कुछ पैसे कमा सकता हूँ।”
"अचानक तुम्हें पैसों की क्या जरूरत है?"
“मैं यहां बहुत लंबे समय से हूं। मैं यहां से जाना चाहता हूं। मैं और मेरी पत्नी पश्चिम की ओर जाना चाहते हैं।”
“तुम्हारी पत्नी करती है,” टॉम ने चौंकते हुए कहा।
“वह दस साल से इसके बारे में बात कर रही है।” वह एक पल के लिए पंप के सहारे रुका और अपनी आँखों पर हाथ रखकर बोला, “और अब वह जाएगी, चाहे वह जाना चाहे या न चाहे। मैं उसे यहाँ से निकाल कर रखूँगा।”
धूल का गुबार उड़ाते हुए और हाथ हिलाते हुए एक झटके के साथ कूपे कार हमारे सामने से तेज़ी से गुज़र गई।
“मुझे तुम्हारा क्या देना है?” टॉम ने कठोर स्वर में पूछा। विल्सन ने कहा, "पिछले दो दिनों में मुझे एक मजेदार बात पता चली है। इसीलिए मैं कहीं दूर जाना चाहता हूँ। इसीलिए मैं आपसे कार के बारे में बार-बार पूछ रहा हूँ।"
मुझे आपको क्या देना है?
“एक डॉलर बीस।”
असहनीय गर्मी मुझे परेशान करने लगी थी और मुझे एक अजीब सा झटका लगा, फिर मुझे एहसास हुआ कि अब तक उसका शक टॉम पर नहीं गया था। उसे पता चल गया था कि मर्टल की उससे अलग एक दूसरी दुनिया में भी एक अलग ही जिंदगी है, और इस सदमे से वह शारीरिक रूप से बीमार पड़ गया था। मैंने उसे और फिर टॉम को देखा, जिसने एक घंटे से भी कम

समय पहले इसी तरह की खोज की थी – और मुझे यह बात समझ में आई कि बुद्धि या नस्ल के आधार पर पुरुषों में इतना गहरा अंतर नहीं होता जितना कि बीमार और स्वस्थ के बीच होता है। विल्सन इतना बीमार था कि वह दोषी लग रहा था, अक्षम्य रूप से दोषी – मानो उसने किसी बेचारी लड़की को गर्भवती कर दिया हो।
“मैं तुम्हें वह कार दे दूंगा,” टॉम ने कहा। “मैं उसे कल दोपहर भेज दूंगा।”
वह इलाका दोपहर की तेज धूप में भी हमेशा ही कुछ अजीब सी बेचैनी पैदा करता था, और अब मैंने अपना सिर ऐसे घुमाया जैसे मुझे पीछे से किसी चीज का आगाह मिला हो। राख के ढेरों के ऊपर डॉक्टर टी. जे. एकलबर्ग की विशाल आँखें चौकसी लगाए बैठी थीं, लेकिन कुछ ही पल बाद मुझे एहसास हुआ कि बीस फीट से भी कम दूरी से कुछ और आँखें हमें विशेष तीव्रता से देख रही थीं।
गैराज के ऊपर वाली एक खिड़की से पर्दे थोड़े से हटे हुए थे, और मर्टल विल्सन कार को नीचे से देख रही थी। वह इतनी मग्न थी कि उसे इस बात का जरा भी आभास नहीं था कि कोई उसे देख रहा है, और एक के बाद एक भाव उसके चेहरे पर ऐसे उभर रहे थे जैसे किसी तस्वीर में धीरे-धीरे वस्तुएँ जुड़ती जाती हैं। उसका भाव कुछ जाना-पहचाना सा लग रहा था - ऐसा भाव मैंने अक्सर महिलाओं के चेहरों पर देखा था, लेकिन मर्टल विल्सन के चेहरे पर यह भाव निरर्थक और समझ से परे लग रहा था, जब तक मुझे यह एहसास नहीं हुआ कि ईर्ष्या और भय से चौड़ी हुई उसकी आँखें टॉम पर नहीं, बल्कि जॉर्डन बेकर पर टिकी हुई थीं, जिसे वह उसकी पत्नी समझ रही थी।

* * * * *

सरल मन की उलझन जैसी कोई उलझन नहीं होती, और जैसे ही हम आगे बढ़े, टॉम घबराहट की तेज़ लहरों से जूझ रहा था। उसकी पत्नी और

प्रेमिका, जो एक घंटे पहले तक सुरक्षित और अछूती थीं, तेज़ी से उसके नियंत्रण से फिसल रही थीं। सहज प्रवृत्ति ने उसे डेज़ी को ओवरटेक करने और विल्सन को पीछे छोड़ने के दोहरे उद्देश्य से एक्सीलरेटर दबाने पर मजबूर किया, और हम पचास मील प्रति घंटे की रफ्तार से एस्टोरिया की ओर बढ़ रहे थे, जब तक कि एलिवेटेड रोड के मकड़ी जैसे गर्डर्स के बीच हमें वह सहज नीली कूपे कार दिखाई नहीं दी।
“फिफ्टीथ स्ट्रीट के आसपास की वो बड़ी-बड़ी फिल्में देखने लायक होती हैं,” जॉर्डन ने कहा। “मुझे गर्मियों की दोपहरों में न्यूयॉर्क बहुत पसंद है, जब सब लोग बाहर होते हैं। उसमें एक अलग ही तरह का मोहक आकर्षण होता है – मानो जैसे तरह-तरह के मज़ेदार फल आपके हाथों में गिरने वाले हों।”
"कामुक" शब्द ने टॉम को और भी बेचैन कर दिया, लेकिन इससे पहले कि वह विरोध करने का कोई बहाना बना पाता, कार रुक गई और डेज़ी ने हमें उसके बगल में आने का इशारा किया।
“हम कहाँ जा रहे हैं?” वह चिल्लाई।
"फिल्मों के बारे में क्या ख्याल है?"
“बहुत गर्मी है,” उसने शिकायत की। “तुम जाओ। हम थोड़ी देर घूम लेंगे और बाद में मिलेंगे।” बड़ी मुश्किल से उसकी हास्यबोध की झलक दिखी, “हम किसी कोने पर मिलेंगे। मैं दो सिगरेट पीता हुआ आदमी होऊंगा।”
"हम यहाँ इस बारे में बहस नहीं कर सकते," टॉम ने अधीरता से कहा, तभी हमारे पीछे से एक ट्रक ने सीटी बजाई। "तुम मेरे साथ सेंट्रल पार्क के दक्षिणी हिस्से में, प्लाज़ा के सामने चलो।"
कई बार उसने अपना सिर घुमाकर उनकी कार की तलाश की, और अगर यातायात के कारण उन्हें देर हो जाती तो वह तब तक गति धीमी कर

लेता जब तक वे नज़र न आ जाएं। मुझे लगता है कि उसे डर था कि वे किसी गली में भागकर हमेशा के लिए उसकी ज़िंदगी से गायब हो जाएंगे।
लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। और हम सभी ने प्लाज़ा होटल के एक सुइट के बैठक कक्ष को किराए पर लेने का कम समझ में आने वाला कदम उठाया।
वह लंबा और उग्र झगड़ा, जिसके अंत में हमें उस कमरे में धकेल दिया गया, मुझे ठीक से याद नहीं है, हालांकि मुझे यह अच्छी तरह से याद है कि उस दौरान मेरी अंडरवियर गीले सांप की तरह मेरे पैरों के चारों ओर चढ़ती जा रही थी और बीच-बीच में पसीने की बूंदें मेरी पीठ पर ठंडी होकर बह रही थीं। यह विचार डेज़ी के सुझाव से शुरू हुआ कि हम पाँच बाथरूम किराए पर लें और ठंडे पानी से नहाएँ, और फिर इसे "मिंट जूलप पीने की जगह" के रूप में एक ठोस रूप दिया गया। हममें से हर कोई बार-बार कह रहा था कि यह एक "पागलपन भरा विचार" है। - हम सभी एक साथ एक हैरान क्लर्क से बात कर रहे थे और सोच रहे थे, या सोचने का नाटक कर रहे थे, कि हम बहुत मज़ाक कर रहे हैं...
कमरा बड़ा और घुटन भरा था, और हालांकि चार बज चुके थे, खिड़कियाँ खोलने पर पार्क से गर्म झाड़ियों की हल्की हवा ही अंदर आ रही थी। डेज़ी शीशे के पास गई और हमारी तरफ पीठ करके खड़ी हो गई, अपने बाल संवारने लगी।
"यह एक शानदार सुइट है," जॉर्डन ने आदरपूर्वक फुसफुसाते हुए कहा, और सभी लोग हंस पड़े।
"एक और खिड़की खोलो," डेज़ी ने पीछे मुड़े बिना आदेश दिया।
अब और नहीं हैं।
"अच्छा, हमें कुल्हाड़ी मंगवाने के लिए फोन करना चाहिए—"

“गर्मी के बारे में सोचना ही छोड़ दो,” टॉम ने अधीरता से कहा। “इसके बारे में शिकायत करके तुम इसे दस गुना बदतर बना देते हो।” उसने तौलिये से व्हिस्की की बोतल निकाली और उसे मेज पर रख दिया। “उसे अकेला क्यों नहीं छोड़ देते, दोस्त?” गैट्सबी ने कहा। “शहर में आने की इच्छा तो तुम्हारी ही थी।”
कुछ पल सन्नाटा छा गया। टेलीफोन बुक अपनी कील से फिसलकर ज़मीन पर गिर गई, जिस पर जॉर्डन ने फुसफुसाते हुए कहा, "माफ़ कीजिए।" - लेकिन इस बार कोई नहीं हँसा।
मैंने कहा, "मैं इसे ले आऊंगा।"
“मुझे मिल गया।” गैट्सबी ने टूटे हुए तार को गौर से देखा, दिलचस्पी से “हम!” बुदबुदाया और किताब को एक कुर्सी पर फेंक दिया।
“तुम्हारी अभिव्यक्ति बहुत बढ़िया है, है ना?” टॉम ने तीखे स्वर में कहा।
"क्या है?"
“ये सब ‘पुराने खेल’ वाली बातें। तुमने ये सब कहाँ से सीखा?” “अब सुनो टॉम,” डेज़ी ने दर्पण से मुड़कर कहा, “अगर तुम निजी टिप्पणी करोगे तो मैं यहाँ एक मिनट भी नहीं रुकूँगी। फोन करके मिंट जूलप के लिए बर्फ मंगवा लो।”
जैसे ही टॉम ने रिसीवर उठाया, संपीड़ित ऊष्मा ध्वनि में विस्फोटित हो गई और हम नीचे के बॉलरूम से मेंडेलसन के वेडिंग मार्च के गंभीर सुर सुन रहे थे।
“इस गर्मी में किसी से भी शादी करने की कल्पना करो!” जॉर्डन ने निराशा से कहा।

“फिर भी – मेरी शादी जून के मध्य में हुई थी,” डेज़ी को याद आया, “जून में लुइसविले! कोई बेहोश हो गया था। कौन बेहोश हुआ था, टॉम?”
“बिलॉक्सी,” उसने संक्षिप्त उत्तर दिया।
“बिलॉक्सी नाम का एक आदमी। ‘ब्लॉक्स’ बिलॉक्सी, और वह बक्से बनाता था – यह एक तथ्य है – और वह टेनेसी के बिलॉक्सी शहर का रहने वाला था।”
“वे उसे मेरे घर ले आए,” जॉर्डन ने आगे कहा, “क्योंकि हमारा घर चर्च से बस दो दरवाजे दूर था। और वह तीन हफ्ते तक वहीं रहा, जब तक कि पिताजी ने उसे जाने के लिए नहीं कहा। उसके जाने के अगले दिन पिताजी का निधन हो गया।” कुछ देर रुककर उसने मानो अनादरपूर्ण लहजे में कहा, “कोई संबंध नहीं था।”
मैंने कहा, "मैं मेम्फिस के बिल बिलॉक्सी नाम के एक व्यक्ति को जानता था।"
“वह उसका चचेरा भाई था। उसके जाने से पहले मुझे उसके पूरे परिवार का इतिहास पता था। उसने मुझे एक एल्युमीनियम का पुटर दिया था जिसे मैं आज भी इस्तेमाल करता हूँ।”
समारोह शुरू होते ही संगीत धीमा पड़ गया था और अब खिड़की से एक लंबी जयकार सुनाई दी, जिसके बाद रुक-रुक कर "ये-ए-ए!" की आवाजें आईं और अंत में नृत्य शुरू होते ही जैज़ संगीत की धुनें गूंज उठीं।
“हम बूढ़े हो रहे हैं,” डेज़ी ने कहा। “अगर हम जवान होते तो उठकर नाचते।”
“बिलॉक्सी को याद रखना,” जॉर्डन ने उसे चेतावनी दी। “तुम उसे कहाँ से जानते हो, टॉम?”

“बिलॉक्सी?” उसने बड़ी मुश्किल से ध्यान लगाकर सुना। “मैं उसे नहीं जानता था। वह डेज़ी का दोस्त था।”
“वह नहीं था,” उसने इनकार किया। “मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा था। वह निजी कार में आया था।”
"खैर, उसने कहा कि वह आपको जानता है। उसने कहा कि उसका पालन-पोषण लुइसविले में हुआ है। आसा बर्ड उसे आखिरी समय में लेकर आया और पूछा कि क्या हमारे पास उसके लिए जगह है।"
जॉर्डन मुस्कुराया।
"शायद वो भीख मांगते हुए घर जा रहा था। उसने मुझे बताया कि वो येल में तुम्हारी क्लास का प्रेसिडेंट था।"
टॉम और मैंने एक-दूसरे को खाली निगाहों से देखा।
“बिलोक्सी?”
“पहली बात तो यह है कि हमारे पास कोई राष्ट्रपति नहीं था—” गैट्सबी का पैर बेचैनी से छोटी-छोटी थपथपाहट कर रहा था और टॉम ने अचानक उसकी ओर देखा।
"वैसे, मिस्टर गैट्सबी, मुझे पता चला है कि आप ऑक्सफोर्ड के छात्र हैं।"
"बिल्कुल नहीं।"
"ओह, जी हाँ, मुझे पता चला कि आप ऑक्सफोर्ड गए थे।"
“हां – मैं वहां गया था।”
एक पल का विराम। फिर टॉम की आवाज, अविश्वास और अपमानजनक लहजे में: "तुम वहाँ लगभग उसी समय गए होंगे जब बिलॉक्सी न्यू हेवन गया था।"
एक और सन्नाटा। एक वेटर ने दस्तक दी और पुदीने की कुटी हुई पत्तियां और बर्फ लेकर अंदर आया, लेकिन उसके "धन्यवाद" कहने और

दरवाजे के धीरे से बंद होने से भी सन्नाटा नहीं टूटा। आखिरकार इस बेहद महत्वपूर्ण बात का समाधान होने ही वाला था।
“मैंने तुमसे कहा था कि मैं वहाँ गया था,” गैट्सबी ने कहा। मैंने आपकी बात सुन ली, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूँ कि कब।
“यह उन्नीस सौ उन्नीस में हुआ था, मैं वहाँ केवल पाँच महीने ही रुका था। इसीलिए मैं खुद को ऑक्सफोर्ड का छात्र नहीं कह सकता।” टॉम ने यह देखने के लिए चारों ओर नज़र घुमाई कि क्या हम भी उसकी तरह अविश्वास कर रहे थे। लेकिन हम सब गैट्सबी को ही देख रहे थे। उन्होंने आगे कहा, “युद्धविराम के बाद उन्होंने कुछ अधिकारियों को यह अवसर दिया था। हम इंग्लैंड या फ्रांस के किसी भी विश्वविद्यालय में जा सकते थे।”
मेरा मन कर रहा था कि उठकर उसकी पीठ थपथपा दूं। मुझे उस पर फिर से वैसा ही पूर्ण विश्वास हो गया था जैसा पहले भी हो चुका था। डेज़ी हल्की सी मुस्कान के साथ उठी और मेज की ओर चली गई। “व्हिस्की खोलो, टॉम,” उसने आदेश दिया, “और मैं तुम्हारे लिए मिंट जूलप बना दूंगी। फिर तुम खुद को इतने बेवकूफ नहीं समझोगे… पुदीने को देखो!”
“एक मिनट रुकिए,” टॉम ने झल्लाकर कहा, “मैं मिस्टर गैट्सबी से एक और सवाल पूछना चाहता हूँ।”
“आगे बढ़ो,” गैट्सबी ने विनम्रता से कहा।
"आखिर तुम मेरे घर में किस तरह का झगड़ा करवाना चाहते हो?" आखिरकार वे खुले में आ गए और गैट्सबी संतुष्ट था।
“वो झगड़ा नहीं कर रहा है।” डेज़ी ने बेबसी से दोनों को देखा। “तुम झगड़ा कर रहे हो। कृपया थोड़ा संयम रखो।”
“आत्म-संयम!” टॉम ने अविश्वास से दोहराया। “मुझे लगता है कि आजकल यही चलन है कि चुपचाप बैठे रहो और किसी अनजान से आए हुए

आदमी को अपनी पत्नी के साथ संबंध बनाने दो। खैर, अगर यही सोच है तो मुझे इसमें शामिल मत करो… आजकल लोग पारिवारिक जीवन और पारिवारिक संस्थाओं का उपहास उड़ाते हैं, और फिर सब कुछ त्याग कर काले और गोरे लोगों के बीच विवाह करवा देते हैं।”
अपने भावपूर्ण उद्गार से लथपथ होकर, उसने खुद को सभ्यता की अंतिम बाधा पर अकेला खड़ा पाया।
"हम सब यहाँ गोरे हैं," जॉर्डन ने धीरे से कहा।
“मुझे पता है कि मैं बहुत लोकप्रिय नहीं हूं। मैं बड़ी पार्टियां नहीं देता। मुझे लगता है कि आधुनिक दुनिया में दोस्त बनाने के लिए आपको अपना घर सूअर के बाड़े जैसा बनाना पड़ता है।” मैं बहुत गुस्से में था, हम सब भी गुस्से में थे, लेकिन जब भी वह कुछ बोलता, मुझे हंसी आ जाती थी। स्वच्छंद व्यक्ति से रूढ़िवादी व्यक्ति में उसका परिवर्तन इतना पूर्ण था।
“मुझे तुम्हें कुछ बताना है, दोस्तो—” गैट्सबी ने कहना शुरू किया। लेकिन डेज़ी उसके इरादे को समझ गई।
“प्लीज़ ऐसा मत करो!” उसने बेबसी से बीच में ही टोकते हुए कहा। “प्लीज़, चलो हम सब घर चलते हैं। क्यों न हम सब घर चले जाएं?” “यह अच्छा विचार है।” मैं उठ खड़ा हुआ। “चलो टॉम। किसी को शराब नहीं चाहिए।”
मैं जानना चाहता हूं कि मिस्टर गैट्सबी मुझे क्या बताना चाहते हैं।
गैट्सबी ने कहा, "तुम्हारी पत्नी तुमसे प्यार नहीं करती। उसने तुम्हें कभी प्यार नहीं किया। वह मुझसे प्यार करती है।"
“तुम पागल हो गए होगे!” टॉम ने अनायास ही कहा।
गैट्सबी उत्साह से भर उठा और उछलकर खड़ा हो गया।

“उसने तुम्हें कभी प्यार नहीं किया, क्या तुम सुन रहे हो?” वह रोते हुए बोला। “उसने तुमसे सिर्फ इसलिए शादी की क्योंकि मैं गरीब था और वह मेरा इंतजार करते-करते थक गई थी। यह एक बहुत बड़ी गलती थी, लेकिन दिल से उसने मेरे सिवा किसी और से प्यार नहीं किया!”
इस बिंदु पर जॉर्डन और मैंने जाने की कोशिश की, लेकिन टॉम और गैट्सबी ने प्रतिस्पर्धी दृढ़ता के साथ जोर दिया कि हम वहीं रहें - मानो उनमें से किसी के पास छिपाने के लिए कुछ भी न हो और उनकी भावनाओं में परोक्ष रूप से भाग लेना एक सौभाग्य की बात होगी।
“बैठ जाओ, डेज़ी,” टॉम की आवाज़ में पिता जैसा स्नेह झलकने की नाकाम कोशिश थी। “क्या चल रहा है? मैं सब कुछ सुनना चाहता हूँ।” “मैंने तुम्हें बताया था कि क्या चल रहा है,” गैट्सबी ने कहा। “पांच साल से चल रहा है – और तुम्हें पता भी नहीं था।”
टॉम ने अचानक डेज़ी की ओर रुख किया।
“तुम इस आदमी से पांच साल से मिल रही हो?”
“न मिलना,” गैट्सबी ने कहा। “नहीं, हम मिल नहीं सके। लेकिन हम दोनों उस पूरे समय एक-दूसरे से प्यार करते थे, मेरे दोस्त, और तुम्हें पता भी नहीं था। मैं कभी-कभी हँसता था।” – लेकिन उसकी आँखों में कोई हँसी नहीं थी – “यह सोचकर कि तुम्हें पता ही नहीं था।”
“ओह – बस इतना ही।” टॉम ने एक पादरी की तरह अपनी मोटी उंगलियों को आपस में थपथपाया और अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया।
“तुम पागल हो!” वह भड़क उठा। “मैं पाँच साल पहले जो हुआ उसके बारे में बात नहीं कर सकता, क्योंकि तब मैं डेज़ी को जानता ही नहीं था – और मैं यह बिल्कुल नहीं समझ सकता कि तुम उसके एक मील

के दायरे में कैसे पहुँचे, जब तक कि तुमने किराने का सामान पिछले दरवाजे तक न पहुँचाया हो। लेकिन बाकी सब सरासर झूठ है। डेज़ी ने मुझसे शादी के समय भी प्यार किया था और अब भी करती है।” “नहीं,” गैट्सबी ने सिर हिलाते हुए कहा।
“हाँ, वो करती है। दिक्कत ये है कि कभी-कभी उसके दिमाग में बेवकूफी भरे ख्याल आ जाते हैं और उसे पता नहीं होता कि वो क्या कर रही है।” उसने समझदारी से सिर हिलाया। “और तो और, मैं भी डेज़ी से प्यार करता हूँ। कभी-कभी मैं भी बहकावे में आ जाता हूँ और बेवकूफी कर बैठता हूँ, लेकिन मैं हमेशा वापस आता हूँ, और दिल से मैं उससे हमेशा प्यार करता हूँ।”
“तुम घिनौने हो,” डेज़ी ने कहा। वह मेरी ओर मुड़ी और उसकी आवाज़ एक सप्तक नीचे जाकर कमरे में रोमांचकारी तिरस्कार से भर गई: “क्या तुम्हें पता है कि हमने शिकागो क्यों छोड़ा? मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने तुम्हें उस छोटी-मोटी मौज-मस्ती की कहानी नहीं सुनाई।”
गैट्सबी चलकर उसके पास आया और उसके बगल में खड़ा हो गया। “डेज़ी, अब सब कुछ खत्म हो चुका है,” उसने गंभीरता से कहा। “अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बस उसे सच बता दो – कि तुमने उससे कभी प्यार नहीं किया – और सब कुछ हमेशा के लिए मिट जाएगा।”
उसने उसे बेखबर निगाहों से देखा। "क्यों—मैं उससे प्यार कैसे कर सकती हूँ—संभवतः?"
"तुमने उससे कभी प्यार नहीं किया।"
वह झिझकी। उसकी निगाहें जॉर्डन और मुझ पर एक तरह की विनती के साथ पड़ीं, मानो उसे आखिरकार एहसास हो गया हो कि वह क्या कर रही है – और मानो उसने कभी कुछ करने का इरादा ही न किया हो। लेकिन अब जो होना था, हो चुका था। बहुत देर हो चुकी थी।

"मैंने उससे कभी प्यार नहीं किया," उसने स्पष्ट अनिच्छा के साथ कहा।
“कापिओलानी में नहीं?” टॉम ने अचानक पूछा।
"नहीं।"
नीचे स्थित बैलरूम से, दबी हुई और घुटन भरी धुनें गर्म हवा की लहरों के साथ ऊपर की ओर तैर रही थीं।
“क्या वो दिन याद है जब मैं तुम्हें पंच बाउल से नीचे ले आया था ताकि तुम्हारे जूते सूखे रहें?” उसकी आवाज़ में एक कोमल सी नरमी थी… “डेज़ी?”
“प्लीज़ ऐसा मत करो।” उसकी आवाज़ ठंडी थी, पर उसमें कोई कड़वाहट नहीं थी। उसने गैट्सबी की तरफ देखा। “लो, जे,” उसने कहा – लेकिन सिगरेट जलाने की कोशिश करते हुए उसका हाथ कांप रहा था। अचानक उसने सिगरेट और जलती हुई माचिस को कालीन पर फेंक दिया।
“ओह, तुम बहुत ज़्यादा चाहते हो!” उसने गैट्सबी से कहा। “मैं अब तुमसे प्यार करती हूँ – क्या इतना काफ़ी नहीं है? जो बीत गया सो बीत गया, मैं उसे बदल नहीं सकती।” वह बेबस होकर रोने लगी। “मैंने कभी उससे प्यार किया था – लेकिन मैंने तुमसे भी प्यार किया था।” गैट्सबी की आंखें खुलीं और बंद हुईं।
“तुम भी मुझसे प्यार करती थी?” उसने दोहराया।
“ये भी झूठ है,” टॉम ने गुस्से से कहा। “उसे पता ही नहीं था कि तुम ज़िंदा हो। क्यों – डेज़ी और मेरे बीच कुछ ऐसी बातें हैं जो तुम कभी नहीं जान पाओगे, ऐसी बातें जिन्हें हम दोनों कभी नहीं भूल सकते।”
ऐसा लगा जैसे उन शब्दों ने गैट्सबी को शारीरिक रूप से काट लिया हो।

“मैं डेज़ी से अकेले में बात करना चाहता हूँ,” उसने ज़ोर देकर कहा। “वह अभी बहुत उत्साहित है—”
“अकेले में भी मैं यह नहीं कह सकती कि मैंने टॉम से कभी प्यार नहीं किया,” उसने दयनीय स्वर में स्वीकार किया। “यह सच नहीं होगा।”
“बिल्कुल नहीं होगा,” टॉम ने सहमति जताते हुए कहा।
उसने अपने पति की ओर रुख किया।
"जैसे कि इससे तुम्हें कोई फर्क पड़ता हो," उसने कहा।
“बिल्कुल, यह मायने रखता है। अब से मैं तुम्हारा और भी बेहतर ख्याल रखूंगा।”
“तुम समझते नहीं हो,” गैट्सबी ने थोड़ी घबराहट के साथ कहा। “अब तुम उसकी देखभाल नहीं करोगे।”
“मैं नहीं हूँ?” टॉम ने आँखें चौड़ी कर लीं और हँस पड़ा। अब वह खुद पर काबू रख सकता था। “ऐसा क्यों?”
"डेज़ी तुम्हें छोड़कर जा रही है।"
"बकवास।"
“हाँ, मैं हूँ,” उसने स्पष्ट प्रयास के साथ कहा।
“वह मुझे छोड़कर नहीं जा रही!” टॉम के शब्द अचानक गैट्सबी की ओर झुक गए। “खासकर उस आम धोखेबाज के लिए तो बिल्कुल नहीं, जिसे उसकी उंगली में पहनाई गई अंगूठी चुरानी पड़ी।”
“मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकती!” डेज़ी चिल्लाई। “ओह, कृपया हमें यहाँ से निकलने दें।”
“आखिर तुम हो कौन?” टॉम अचानक बोल पड़ा। “तुम मेयर वुल्फशेम के साथ घूमने वाले उन लोगों में से एक हो – इतना तो मुझे पता है। मैंने तुम्हारे बारे में थोड़ी छानबीन की है – और कल मैं इसे और आगे बढ़ाऊंगा।”

"इस बारे में आप अपनी मर्जी कर सकते हैं, दोस्त," गैट्सबी ने शांत भाव से कहा।
“मुझे पता चल गया कि आपकी ‘दवा की दुकानें’ क्या थीं।” वह हमारी ओर मुड़ा और तेज़ी से बोला। “उसने और वोल्फशेम ने यहाँ और शिकागो में कई गलियों में स्थित दवा की दुकानें खरीद लीं और वहाँ अनाज से बनी शराब बिना पर्चे के बेची। यह उसकी छोटी-मोटी हरकतों में से एक है। पहली बार जब मैंने उसे देखा तो मुझे लगा कि वह अवैध शराब बेचने वाला है, और मैं ज़्यादा गलत नहीं था।” “इसमें क्या है?” गैट्सबी ने विनम्रता से कहा। “मुझे लगता है कि आपका दोस्त वाल्टर चेज़ इसमें शामिल होने में संकोच नहीं करेगा।”
“और तुमने उसे अधर में छोड़ दिया, है ना? तुमने उसे न्यू जर्सी में एक महीने के लिए जेल जाने दिया। हे भगवान! तुम्हें वाल्टर की बात सुननी चाहिए कि वह तुम्हारे बारे में क्या कहता है।” “वह बिल्कुल कंगाल होकर हमारे पास आया था। उसे कुछ पैसे पाकर बहुत खुशी हुई, यार।”
“मुझे ‘बूढ़ा खिलाड़ी’ मत कहो!” टॉम चिल्लाया। गैट्सबी ने कुछ नहीं कहा। “वाल्टर तुम्हें सट्टेबाजी के नियमों के बारे में भी बता सकता था, लेकिन वोल्फशेम ने उसे डराकर चुप करा दिया।” गैट्सबी के चेहरे पर वह अपरिचित लेकिन फिर भी पहचानी जाने वाली झलक एक बार फिर लौट आई थी।
"वह दवा की दुकान का धंधा तो मामूली रकम का था," टॉम ने धीरे-धीरे कहा, "लेकिन अब तुम्हारे पास कुछ ऐसा काम है जिसके बारे में वाल्टर मुझे बताने से डर रहा है।"
मैंने डेज़ी पर नज़र डाली, जो गैट्सबी और अपने पति के बीच भयभीत होकर घूर रही थी, और जॉर्डन पर भी, जिसने अपनी ठुड्डी के सिरे पर

एक अदृश्य लेकिन आकर्षक वस्तु को संतुलित करने की कोशिश शुरू कर दी थी। फिर मैं गैट्सबी की ओर मुड़ी और उसके चेहरे के भाव देखकर चौंक गई। वह ऐसा लग रहा था - और यह उसके बगीचे के बारे में फैलाई गई झूठी निंदा को पूरी तरह से नकारते हुए कहा जा रहा है - मानो उसने किसी आदमी को मार डाला हो। एक पल के लिए उसके चेहरे के भाव को ठीक इसी काल्पनिक तरीके से वर्णित किया जा सकता था।
समय बीत गया, और वह डेज़ी से उत्तेजित होकर बातें करने लगा, सब कुछ नकारते हुए, उन आरोपों के विरुद्ध अपना बचाव करते हुए जो उस पर लगे ही नहीं थे। लेकिन हर शब्द के साथ वह और भी अंतर्मुखी होती जा रही थी, इसलिए उसने बोलना छोड़ दिया, और जैसे-जैसे दोपहर ढलती गई, केवल मृत स्वप्न ही संघर्ष करता रहा, उस चीज़ को छूने की कोशिश करता रहा जो अब स्पर्शनीय नहीं थी, दुखी होकर, लेकिन निराश हुए बिना, कमरे के उस पार उस खोई हुई आवाज़ की ओर बढ़ता रहा।
आवाज ने फिर से जाने की गुहार लगाई।
“प्लीज, टॉम! मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकती।”
उसकी भयभीत आँखों ने बता दिया कि उसके इरादे, उसका साहस, जो भी था, वह निश्चित रूप से खत्म हो चुका था।
“डेज़ी, तुम दोनों घर के लिए निकल पड़ो,” टॉम ने कहा। “मिस्टर गैट्सबी की कार में।”
उसने घबराकर टॉम की ओर देखा, लेकिन उसने उदार तिरस्कार के साथ अपनी बात पर जोर दिया।
“जाओ। वह तुम्हें परेशान नहीं करेगा। मुझे लगता है कि उसे एहसास हो गया है कि उसका वह निंदनीय छोटा-मोटा इश्कबाजी का नाटक अब खत्म हो गया है।”

वे बिना कुछ कहे चले गए, अचानक गायब हो गए, आकस्मिक रूप से, अलग-थलग पड़ गए, भूतों की तरह, हमारी दया से भी परे।
कुछ देर बाद टॉम उठा और व्हिस्की की बंद बोतल को तौलिये में लपेटने लगा।
“क्या तुम्हें इनमें से कुछ चाहिए? जॉर्डन?...निक?”
मैंने जवाब नहीं दिया।
“निक?” उसने दोबारा पूछा।
"क्या?"
“कुछ चाहिए?”
“नहीं…मुझे अभी याद आया कि आज मेरा जन्मदिन है।”
मैं तीस साल का था। मेरे सामने एक नए दशक का भयावह और खतरनाक रास्ता फैला हुआ था।
सात बज रहे थे जब हम उसके साथ कूपे में बैठे और लॉन्ग आइलैंड के लिए रवाना हुए। टॉम लगातार बातें कर रहा था, उत्साह से भरा हुआ और हँसता हुआ, लेकिन उसकी आवाज़ जॉर्डन और मुझसे उतनी ही दूर थी जितनी फुटपाथ पर विदेशी शोर या ऊपर से गुज़रते एलिवेटेड ट्रेन का कोलाहल। मानवीय सहानुभूति की भी सीमा होती है, और हम उनके सभी दुख भरे तर्कों को शहर की रोशनी के साथ पीछे छूट जाने देने में संतुष्ट थे। तीस - अकेलेपन के एक दशक का वादा, जान-पहचान वाले अविवाहित पुरुषों की घटती सूची, उत्साह का घटता ब्रीफकेस, झड़ते बाल। लेकिन मेरे बगल में जॉर्डन थी, जो डेज़ी के विपरीत, इतनी समझदार थी कि कभी भी भूले-बिसरे सपनों को पीढ़ी दर पीढ़ी ढोने की हिम्मत नहीं करती थी। जैसे ही हम अंधेरे पुल से गुज़रे, उसका पीला चेहरा आलस से मेरे कोट के कंधे पर टिक गया और तीस की उम्र का भारी बोझ उसके हाथ के आश्वस्त करने वाले स्पर्श के साथ गायब हो गया।

इसलिए हम ठंडी होती शाम की रोशनी में मौत की ओर बढ़ते चले गए।

* * * * *

राख के ढेर के बगल में कॉफी की दुकान चलाने वाला युवा यूनानी माइकलिस, जांच में मुख्य गवाह था। वह गर्मी में पांच बजे के बाद तक सोता रहा, फिर जब वह गैरेज की ओर गया तो उसने जॉर्ज विल्सन को अपने कार्यालय में बीमार पाया - बहुत बीमार, अपने पीले बालों की तरह पीला पड़ा हुआ और पूरी तरह कांप रहा था। माइकलिस ने उसे बिस्तर पर जाने की सलाह दी, लेकिन विल्सन ने यह कहते हुए मना कर दिया कि अगर वह चला गया तो उसका बहुत सारा कारोबार ठप हो जाएगा। जब उसका पड़ोसी उसे समझाने की कोशिश कर रहा था, तभी ऊपर से ज़ोरदार शोर मच गया।
विल्सन ने शांत भाव से समझाया, “मैंने अपनी पत्नी को ऊपर बंद कर रखा है। वह परसों तक वहीं रहेगी, और फिर हम वहां से चले जाएंगे।” माइकलिस अचंभित रह गया; वे चार साल से पड़ोसी थे, और विल्सन ने कभी भी इस तरह का बयान देने की ज़रा भी क्षमता नहीं दिखाई थी। आम तौर पर वह उन थके-हारे आदमियों में से एक था: जब वह काम नहीं कर रहा होता था, तो वह दरवाजे पर कुर्सी पर बैठा रहता और सड़क पर आने-जाने वाले लोगों और गाड़ियों को देखता रहता। जब कोई उससे बात करता तो वह हमेशा एक सुखद, भावहीन हंसी हंसता था। वह अपनी पत्नी का आदमी था, खुद का नहीं।
तो स्वाभाविक रूप से माइकलिस ने यह जानने की कोशिश की कि क्या हुआ था, लेकिन विल्सन ने एक शब्द भी नहीं कहा - इसके बजाय वह अपने आगंतुक पर उत्सुकता भरी, संदेहास्पद निगाहें डालने लगा और उससे पूछने लगा कि वह कुछ दिनों में कुछ खास समय पर क्या कर रहा था। जैसे ही विल्सन बेचैन होने लगा, कुछ मजदूर उसके रेस्तरां की ओर जाते हुए दरवाजे के पास से गुजरे, और माइकलिस ने मौका पाकर वहां

से निकल जाने का फैसला किया, बाद में वापस आने का इरादा था। लेकिन वह नहीं लौटा। शायद वह भूल गया था, बस इतना ही। जब वह सात बजे के कुछ देर बाद फिर बाहर आया, तो उसे उस बातचीत की याद आ गई क्योंकि उसने नीचे गैरेज में श्रीमती विल्सन की तेज और डांटने वाली आवाज सुनी।
“मुझे मारो!” उसने उसे चिल्लाते हुए सुना। “मुझे नीचे गिराओ और मारो, तुम गंदे छोटे कायर!”
कुछ ही देर बाद वह शाम के धुंधलके में बाहर भागी, हाथ हिलाते हुए और चिल्लाते हुए - इससे पहले कि वह अपने दरवाजे से हिल पाता, मामला खत्म हो चुका था।
अखबारों में जिसे “मौत की गाड़ी” कहा गया था, वह रुकी नहीं; वह घने अंधेरे से निकली, एक पल के लिए दुखद रूप से डगमगाई और फिर अगले मोड़ पर गायब हो गई। माइकलिस को उसका रंग भी ठीक से याद नहीं था – उसने पहले पुलिसकर्मी को बताया कि वह हल्के हरे रंग की थी। दूसरी गाड़ी, जो न्यूयॉर्क की ओर जा रही थी, सौ गज आगे जाकर रुक गई, और उसका चालक जल्दी से उस जगह वापस भागा जहाँ मर्टल विल्सन, जिसकी बेरहमी से जान ले ली गई थी, सड़क पर घुटनों के बल बैठी थी और उसका गाढ़ा काला खून धूल में मिल रहा था।
माइकलिस और वह आदमी सबसे पहले उसके पास पहुँचे, लेकिन जब उन्होंने पसीने से भीगी हुई उसकी कमीज़ फाड़ी, तो उन्होंने देखा कि उसका बायाँ स्तन एक फ्लैप की तरह ढीला लटका हुआ था, और उसके नीचे दिल की धड़कन सुनने की कोई ज़रूरत नहीं थी। मुँह चौड़ा खुला हुआ था और किनारों से फटा हुआ था, मानो उसने इतने लंबे समय तक संजोई हुई अपार शक्ति को त्यागते हुए थोड़ा घुटन महसूस की हो।

* * * * *

जब हम अभी भी कुछ दूरी पर थे, तब हमने तीन-चार गाड़ियाँ और भीड़ देखीं।
“बर्बाद!” टॉम ने कहा। “अच्छा हुआ। विल्सन को आखिरकार थोड़ा काम मिल ही जाएगा।”
उसने अपनी गति धीमी कर दी, लेकिन रुकने का उसका कोई इरादा नहीं था, जब तक कि हम करीब नहीं आ गए, गैरेज के दरवाजे पर खड़े लोगों के शांत, गंभीर चेहरों को देखकर उसने स्वतः ही ब्रेक लगा दिए। उन्होंने संशय भरे लहजे में कहा, "हम एक नज़र डालेंगे, बस एक नज़र।"
अब मुझे गैराज से लगातार आ रही एक खोखली, कराहने जैसी आवाज सुनाई देने लगी, एक ऐसी आवाज जो जैसे ही हम कूपे से बाहर निकले और दरवाजे की ओर बढ़े, धीरे-धीरे "हे भगवान!" शब्दों में तब्दील हो गई, जो हांफते हुए बार-बार दोहराई जा रही थी।
“यहाँ कुछ बहुत बड़ी मुसीबत आने वाली है,” टॉम ने उत्साह से कहा। वह अपने पंजों पर खड़ा हुआ और लोगों के बीच से झांकते हुए गैराज में देखा, जो ऊपर लटकती तार की टोकरी में लगी पीली रोशनी से ही जगमगा रहा था। फिर उसने गले से एक कर्कश आवाज निकाली और अपनी ताकतवर बाहों को जोर से धकेलते हुए अंदर घुस गया।
विरोध की धीमी-धीमी आवाज़ों के साथ घेरा फिर से बंद हो गया; एक मिनट तक मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया। फिर नए लोगों के आने से कतार अस्त-व्यस्त हो गई, और जॉर्डन और मुझे अचानक अंदर धकेल दिया गया।
मर्टल विल्सन का शरीर, एक कंबल में लिपटा हुआ, फिर दूसरे कंबल में, मानो गर्म रात में ठंड से परेशान हो, दीवार के पास एक मेज पर पड़ा था, और टॉम, हमारी ओर पीठ करके, उस पर झुका हुआ था, बेसुध। उसके बगल में एक मोटरसाइकिल पर सवार पुलिसकर्मी खड़ा था, जो

[illegible]
"[illegible]! [illegible]! [illegible]!"
[illegible]
"[illegible]."
"[illegible],"
"[illegible]!"
"[illegible],"
"[illegible]"
"[illegible]?"
"[illegible]?"
"[illegible]"
"[illegible]"
"[illegible],"

“वह सड़क पर भाग गई। उस कमीने ने गाड़ी रोकने तक की ज़हमत नहीं उठाई।”
“वहाँ दो कारें थीं,” माइकलिस ने कहा, “एक आ रही थी, एक जा रही थी, समझे?”
“कहाँ जा रहे हो?” पुलिसकर्मी ने उत्सुकता से पूछा।
“एक-एक करके दोनों तरफ जा रही थीं। खैर, वो...” – उसका हाथ कंबल की ओर उठा लेकिन बीच में ही रुक गया और नीचे गिर गया – “वो बाहर भागी और न्यूयॉर्क से आ रही एक गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी, जो तीस या चालीस मील प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थी।”
“इस जगह का नाम क्या है?” अधिकारी ने पूछा।
उसका कोई नाम नहीं है।
एक गोरा, अच्छे कपड़े पहने हुए अश्वेत व्यक्ति पास आया। उन्होंने कहा, “वह एक पीली कार थी, बड़ी पीली कार। नई।”
“क्या आपने दुर्घटना देखी?” पुलिसकर्मी ने पूछा।
“नहीं, लेकिन कार मुझे सड़क पर पीछे छोड़ते हुए चालीस से भी तेज़ गति से जा रही थी। पचास, साठ की रफ्तार से।”
"इधर आओ और अपना नाम बताओ। अब सावधान रहो। मुझे उसका नाम जानना है।"
इस बातचीत के कुछ शब्द विल्सन तक अवश्य पहुँच गए होंगे, जो कार्यालय के दरवाजे पर लड़खड़ा रहा था, क्योंकि अचानक उसकी हांफती हुई चीखों के बीच एक नया विषय उभर कर सामने आया:
आपको मुझे यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि वह किस प्रकार की कार थी! मुझे पता है कि वह किस प्रकार की कार थी!
टॉम को देखते हुए, मैंने देखा कि उसके कंधे के पीछे की मांसपेशियाँ कोट के नीचे कस गईं। वह तेज़ी से विल्सन के पास गया और उसके सामने खड़े होकर उसकी बांहों को कसकर पकड़ लिया।

"तुम्हें खुद को संभालना होगा," उन्होंने शांत और रूखे स्वर में कहा।
विल्सन की नजर टॉम पर पड़ी; वह अपने पंजों के बल खड़ा हो गया और अगर टॉम ने उसे सहारा न दिया होता तो वह घुटनों के बल गिर पड़ता। “सुनो,” टॉम ने उसे थोड़ा हिलाते हुए कहा। “मैं अभी एक मिनट पहले न्यूयॉर्क से आया हूँ। मैं तुम्हारे लिए वही कूपे कार लाया हूँ जिसके बारे में हम बात कर रहे थे। आज दोपहर मैं जो पीली कार चला रहा था, वह मेरी नहीं थी – समझे? मैंने उसे आज दोपहर से नहीं देखा है।”
केवल मैं और वह अश्वेत व्यक्ति ही उसके पास थे और उसकी बातें सुन सकते थे, लेकिन पुलिसकर्मी ने उसकी बातों के लहजे में कुछ गड़बड़ पकड़ ली और गुस्से भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
“यह सब क्या है?” उसने पूछा।
“मैं उसका दोस्त हूँ।” टॉम ने अपना सिर घुमाया लेकिन विल्सन के शरीर पर अपने हाथ मजबूती से जमाए रखे। “वह कहता है कि वह उस कार को जानता है जिसने यह किया… वह एक पीली कार थी।”
किसी अस्पष्ट आवेग ने पुलिसकर्मी को टॉम की ओर संदेह भरी नजरों से देखने के लिए प्रेरित किया।
और आपकी कार का रंग क्या है?
“यह एक नीली कार है, एक कूपे।”
मैंने कहा, "हम सीधे न्यूयॉर्क से आए हैं।"
हमारे ठीक पीछे गाड़ी चला रहे एक व्यक्ति ने इस बात की पुष्टि की, और पुलिसकर्मी मुड़कर चला गया।
“अब, अगर आप मुझे वह नाम फिर से सही से बताने देंगे तो—” विल्सन को गुड़िया की तरह उठाते हुए, टॉम उसे दफ्तर में ले गया, एक कुर्सी पर बिठाया और वापस आ गया।

“अगर कोई यहाँ आकर उसके साथ बैठ जाए,” उसने अधिकारिक लहजे में कहा। उसने देखा कि पास खड़े दोनों आदमी एक-दूसरे की तरफ देखकर अनिच्छा से कमरे में चले गए। फिर टॉम ने दरवाज़ा बंद कर दिया और मेज़ की तरफ देखे बिना एक सीढ़ी नीचे उतर आया। मेरे पास से गुज़रते हुए उसने फुसफुसाकर कहा, “चलो बाहर चलते हैं।”
अपने आप को सचेत रखते हुए, अपने अधिकारपूर्ण हाथों से रास्ता बनाते हुए, हम अभी भी इकट्ठा हो रही भीड़ के बीच से आगे बढ़े, और एक जल्दबाजी में काम कर रहे डॉक्टर के पास से गुजरे, जिसके हाथ में एक मरीज था, जिसे आधे घंटे पहले बेतहाशा उम्मीद के साथ बुलाया गया था।
मोड़ पार करने तक टॉम धीरे-धीरे गाड़ी चलाता रहा – फिर उसने अचानक एक्सीलरेटर दबा दिया और कार रात के अंधेरे में रफ़्तार से दौड़ने लगी। थोड़ी देर में मुझे उसकी सिसकी सुनाई दी और मैंने देखा कि उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे।
“वह लानत कायर!” वह सिसकते हुए बोला। “उसने अपनी कार तक नहीं रोकी।”

* * * * *

अंधेरे में सरसराते पेड़ों के बीच से बुकानन का घर अचानक हमारी ओर प्रकट हुआ। टॉम बरामदे के पास रुक गया और दूसरी मंजिल की ओर देखने लगा, जहाँ दो खिड़कियाँ लताओं के बीच से रोशनी से जगमगा रही थीं।
“डेज़ी घर पर है,” उसने कहा। जैसे ही हम कार से उतरे, उसने मेरी तरफ देखा और थोड़ा भौंहें सिकोड़ीं।
“मुझे तुम्हें वेस्ट एग में ही छोड़ देना चाहिए था, निक। आज रात हम कुछ नहीं कर सकते।”

उनमें एक बदलाव आ गया था, और वे गंभीरता और दृढ़ता से बोलने लगे। चांदनी रात में भीगते हुए कंकड़ भरे रास्ते से बरामदे की ओर चलते हुए उन्होंने कुछ चुस्त-दुरुस्त वाक्यों में स्थिति का निपटारा कर दिया।
“मैं टैक्सी बुलाता हूँ ताकि तुम घर जा सको, और जब तक तुम इंतज़ार कर रहे हो, तुम और जॉर्डन रसोई में जाकर खाना बनवा लो – अगर तुम्हें खाना चाहिए तो।” उसने दरवाज़ा खोला। “अंदर आ जाओ।” “नहीं, धन्यवाद। लेकिन अगर आप मेरे लिए टैक्सी बुक कर दें तो मुझे खुशी होगी। मैं बाहर इंतजार करूँगा।”
जॉर्डन ने अपना हाथ मेरी बांह पर रख दिया।
"क्या तुम अंदर नहीं आओगे, निक?"
"जी नहीं, धन्यवाद।"
मुझे थोड़ी तबीयत खराब लग रही थी और मैं अकेला रहना चाहता था।
लेकिन जॉर्डन थोड़ी देर और वहीं रुका रहा।
“अभी तो सिर्फ साढ़े नौ बजे हैं,” उसने कहा।
मैं अंदर जाने की हिम्मत ही नहीं कर पा रहा था; आज के लिए उन सबसे मेरा मन भर गया था, और अचानक उसमें जॉर्डन भी शामिल हो गई थी। उसने शायद मेरे चेहरे के भावों में कुछ देख लिया था, क्योंकि वह अचानक मुड़कर पोर्च की सीढ़ियों से घर के अंदर भाग गई। मैं कुछ मिनटों तक सिर हाथों में लिए बैठा रहा, तभी मुझे अंदर फोन की आवाज सुनाई दी और बटलर टैक्सी बुला रहा था। फिर मैं धीरे-धीरे घर से दूर ड्राइववे पर चलने लगा, गेट के पास इंतजार करने के इरादे से।
मैं अभी बीस कदम भी नहीं चली थी कि मुझे अपना नाम सुनाई दिया और गैट्सबी दो झाड़ियों के बीच से निकलकर रास्ते पर आ गया। उस समय तक मैं शायद बहुत अजीब महसूस कर रही थी, क्योंकि चाँदनी में

उसके गुलाबी सूट की चमक के अलावा मेरे दिमाग में कुछ और नहीं था।
मैंने पूछा, "तुम क्या कर रहे हो?"
"बस यहीं खड़े रहो, दोस्त।"
किसी तरह, यह एक घृणित पेशा प्रतीत होता था। जहाँ तक मुझे पता था, वह पल भर में घर लूटने वाला था; अगर मुझे उसके पीछे झाड़ियों में "वुल्फ्सहाइम के लोगों" के भयावह चेहरे दिखाई देते, तो मुझे आश्चर्य नहीं होता।
एक मिनट बाद उसने पूछा, "क्या आपको सड़क पर कोई परेशानी दिखी?" "हाँ।"
वह झिझका।
क्या उसकी हत्या की गई थी?
"हाँ।"
“मुझे भी ऐसा ही लगा था; मैंने डेज़ी को भी यही बताया था। अच्छा है कि सदमा एक साथ लगे। उसने इसे काफी अच्छे से सहन कर लिया।” उसने ऐसे बात की मानो डेज़ी की प्रतिक्रिया ही उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज हो।
उन्होंने आगे बताया, “मैं एक साइड रोड से वेस्ट एग पहुंचा और कार को अपने गैरेज में छोड़ दिया। मुझे नहीं लगता कि किसी ने हमें देखा होगा, लेकिन निश्चित रूप से मैं इस बात से सहमत नहीं हो सकता।”
इस समय तक मैं उसे इतना नापसंद करने लगा था कि मुझे उसे यह बताना जरूरी नहीं लगा कि वह गलत था।
“वह महिला कौन थी?” उसने पूछा।
“उसका नाम विल्सन था। उसके पति का गैराज है। आखिर ये सब हुआ कैसे?”

“खैर, मैंने पहिया घुमाने की कोशिश की—” वह रुक गया, और अचानक मुझे सच्चाई का अंदाजा हो गया।
"क्या डेज़ी गाड़ी चला रही थी?"
“हाँ,” उसने कुछ देर बाद कहा, “लेकिन मैं ज़रूर कहूँगा कि मैं था। देखिए, जब हम न्यूयॉर्क से निकले तो वह बहुत घबराई हुई थी और उसे लगा कि गाड़ी चलाने से उसका मन शांत हो जाएगा – और तभी एक औरत अचानक हमारी तरफ़ दौड़ पड़ी, ठीक उसी समय जब हम दूसरी तरफ़ से आ रही एक कार को ओवरटेक कर रहे थे। यह सब एक मिनट में हुआ, लेकिन मुझे लगा कि वह हमसे बात करना चाहती थी, शायद हमें कोई जान-पहचान वाला समझ रही थी। पहले तो डेज़ी उस औरत से मुँह मोड़कर दूसरी कार की तरफ़ मुड़ी, फिर उसका हौसला पस्त हो गया और वह वापस मुड़ गई। जैसे ही मेरा हाथ स्टीयरिंग व्हील तक पहुँचा, मुझे ज़ोर का झटका लगा – लगता है उसी से उसकी तुरंत मौत हो गई।” “इसने उसे बुरी तरह से घायल कर दिया था।”
“मुझे मत बताओ, दोस्त।” वह थोड़ा सिकुड़ गया। “खैर – डेज़ी ने उस पर पैर रख दिया। मैंने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुकी, इसलिए मैंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। फिर वह मेरी गोद में गिर गई और मैं गाड़ी चलाता रहा।”
“कल वो ठीक हो जाएगी,” उसने थोड़ी देर बाद कहा। “मैं यहीं रुक कर देखता हूँ कि क्या वो आज दोपहर उस अप्रिय घटना को लेकर उसे परेशान करने की कोशिश करता है। उसने खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया है, और अगर वो कोई बदतमीज़ी करने की कोशिश करेगा तो वो लाइट बंद करके फिर से चालू कर देगी।”
मैंने कहा, “वह उसे हाथ भी नहीं लगाएगा। वह उसके बारे में सोच भी नहीं रहा है।”
मुझे उस पर भरोसा नहीं है, दोस्त।

आप कब तक इंतजार करेंगे?
"जरूरत पड़ने पर पूरी रात। किसी भी हालत में, जब तक वे सब सोने न चले जाएं।"
मेरे मन में एक नया दृष्टिकोण आया। मान लीजिए टॉम को पता चल जाए कि डेज़ी गाड़ी चला रही थी। हो सकता है उसे इसमें कोई संबंध नज़र आए – वह कुछ भी सोच सकता है। मैंने घर की ओर देखा; नीचे की मंज़िल पर दो-तीन चमकीली खिड़कियाँ थीं और दूसरी मंज़िल पर डेज़ी के कमरे से गुलाबी रोशनी आ रही थी।
मैंने कहा, "तुम यहीं रुको। मैं देखता हूँ कि कहीं कोई हलचल तो नहीं हो रही है।"
मैं लॉन की सीमा के किनारे-किनारे वापस चली, बजरी पर धीरे से कदम रखते हुए बरामदे की सीढ़ियों पर दबे पांव चढ़ी। ड्राइंग रूम के पर्दे खुले थे और मैंने देखा कि कमरा खाली था। उस बरामदे को पार करते हुए, जहाँ हमने तीन महीने पहले जून की उस रात खाना खाया था, मैं एक छोटे से रोशनी के आयताकार हिस्से के पास पहुँची, जो मुझे लगा कि पेंट्री की खिड़की थी। पर्दा लगा हुआ था, लेकिन मुझे चौखट पर एक दरार दिखाई दी।
डेज़ी और टॉम रसोई की मेज पर आमने-सामने बैठे थे, उनके बीच ठंडे तले हुए चिकन की एक प्लेट और बीयर की दो बोतलें रखी थीं। वह मेज के उस पार डेज़ी से ध्यानपूर्वक बातें कर रहा था, और अपनी गंभीरता में उसने अपना हाथ डेज़ी के हाथ पर रख दिया था। बीच-बीच में डेज़ी उसकी ओर देखती और सहमति में सिर हिलाती।
वे खुश नहीं थे, और न ही उनमें से किसी ने चिकन या बीयर को छुआ था
- फिर भी वे दुखी भी नहीं थे। तस्वीर में स्वाभाविक आत्मीयता का स्पष्ट आभास था, और कोई भी कह सकता था कि वे आपस में मिलकर कोई साजिश रच रहे हैं।

जैसे ही मैं बरामदे से दबे पांव निकला, मुझे अपनी टैक्सी की आवाज़ सुनाई दी जो अंधेरी सड़क पर घर की ओर धीरे-धीरे बढ़ रही थी। गैट्सबी वहीं मेरा इंतज़ार कर रहा था जहाँ मैंने उसे छोड़ा था।
“क्या ऊपर सब शांत है?” उसने चिंता से पूछा।
“हाँ, सब शांत है।” मैं थोड़ा हिचकिचाया। “तुम्हें घर जाकर थोड़ी नींद ले लेनी चाहिए।”
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
“मैं डेज़ी के सोने तक यहीं इंतजार करना चाहता हूँ। शुभ रात्रि, दोस्त।”
उसने अपने हाथ कोट की जेबों में डाले और उत्सुकता से घर का निरीक्षण करने लगा, मानो मेरी उपस्थिति से उसकी निगरानी की पवित्रता भंग हो रही हो। इसलिए मैं वहाँ से चला गया और उसे चाँदनी में वहीं खड़ा छोड़ दिया – मानो वह कुछ भी नहीं देख रहा था।

अध्याय 8

मुझे पूरी रात नींद नहीं आई; समुद्र में कोहरे का हॉर्न लगातार बज रहा था, और मैं भयानक वास्तविकता और खौफनाक सपनों के बीच आधी बीमार सी हालत में करवटें बदल रही थी। भोर होते-होते मैंने गैट्सबी के घर के सामने एक टैक्सी को जाते सुना, और मैं तुरंत बिस्तर से कूदकर कपड़े पहनने लगी – मुझे लगा कि मुझे उसे कुछ बताना है, उसे किसी बात की चेतावनी देनी है, और सुबह तक बहुत देर हो जाएगी।
उसके लॉन को पार करते हुए मैंने देखा कि उसका सामने का दरवाजा अभी भी खुला था और वह हॉल में एक मेज से टिका हुआ था, उदासी या नींद से व्याकुल लग रहा था।
“कुछ नहीं हुआ,” उसने उदास स्वर में कहा। “मैंने इंतजार किया, और लगभग चार बजे वह खिड़की पर आई और एक मिनट तक वहीं खड़ी रही और फिर उसने बत्ती बंद कर दी।”
उस रात जब हम सिगरेट की तलाश में बड़े-बड़े कमरों में भटक रहे थे, तब मुझे उनका घर इतना विशाल कभी नहीं लगा था। हमने मंडपों जैसे दिखने वाले पर्दों को हटाया और अनगिनत फीट लंबी अंधेरी दीवार पर बिजली के स्विच ढूंढे – एक बार तो मैं एक भूतिया से दिखने वाले पियानो की चाबियों पर धड़ाम से गिर पड़ा। हर जगह बेवजह धूल जमी थी और कमरे बदबूदार थे, मानो कई दिनों से उनमें हवा न लगी हो। मुझे एक अनजान मेज पर सिगरेट रखने का डिब्बा मिला, जिसमें दो बासी, सूखी सिगरेटें थीं। ड्राइंग रूम की फ्रेंच खिड़कियाँ खोलकर हम अंधेरे में बैठकर सिगरेट पीने लगे।

मैंने कहा, "तुम्हें यहाँ से चले जाना चाहिए। लगभग निश्चित है कि वे तुम्हारी कार का पता लगा लेंगे।"
“अब चले जाओ, दोस्त?”
"एक हफ्ते के लिए अटलांटिक सिटी जाओ, या मॉन्ट्रियल तक जाओ।" वह इस बारे में सोच भी नहीं सकता था। जब तक उसे यह पता नहीं चल जाता कि डेज़ी क्या करने वाली है, तब तक वह उसे छोड़ नहीं सकता था। वह किसी आखिरी उम्मीद से चिपका हुआ था और मैं उसे उससे छुड़ाने का साहस नहीं कर पा रही थी।
इसी रात उन्होंने मुझे डैन कोडी के साथ अपने बचपन की अजीब कहानी सुनाई – मुझे यह कहानी इसलिए सुनाई क्योंकि टॉम की कठोर दुर्भावना के आगे "जे गैट्सबी" कांच की तरह टूट गया था, और लंबे समय से चल रहा गुप्त तमाशा खत्म हो गया था। मुझे लगता है कि अब वह बिना किसी झिझक के सब कुछ स्वीकार कर लेते, लेकिन वह डेज़ी के बारे में बात करना चाहते थे।
वह पहली "अच्छी" लड़की थी जिसे वह जानता था। कई गुप्त तरीकों से वह ऐसे लोगों के संपर्क में आया था, लेकिन हमेशा उनके बीच एक अस्पष्ट कांटेदार तार की तरह दूरी बनी रहती थी। उसे वह बेहद आकर्षक लगी। वह उसके घर गया, पहले कैंप टेलर के अन्य अधिकारियों के साथ, फिर अकेले। वह हैरान रह गया - उसने पहले कभी इतना सुंदर घर नहीं देखा था। लेकिन उस घर में एक अलग ही रोमांच था, क्योंकि वहाँ डेज़ी रहती थी - यह उसके लिए उतना ही सामान्य था जितना उसके लिए कैंप में उसका तंबू। उस घर में एक गहरा रहस्य था, ऊपर के कमरों का संकेत जो अन्य कमरों से कहीं अधिक सुंदर और ठंडे थे, गलियारों में होने वाली जीवंत और उत्साहपूर्ण गतिविधियों का, और उन प्रेम कहानियों का जो बासी और पुरानी नहीं थीं, बल्कि ताज़ा और जीवंत थीं, जिनमें इस साल की चमकती कारों और उन

नृत्यों की महक थी जिनके फूल अभी मुरझाए नहीं थे। उसे इस बात से भी रोमांच हुआ कि कई पुरुष पहले ही डेज़ी से प्यार कर चुके थे - इससे उसकी नज़र में उसका महत्व और बढ़ गया। उन्हें पूरे घर में उनकी उपस्थिति का अहसास हुआ, हवा में अभी भी जीवंत भावनाओं की छाया और प्रतिध्वनि व्याप्त थी।
लेकिन वह जानता था कि डेज़ी के घर में आना एक बहुत बड़ा संयोग था। जे गैट्सबी के रूप में उसका भविष्य चाहे कितना भी शानदार क्यों न हो, फिलहाल वह एक निर्धन, बेजान नौजवान था, जिसका कोई अतीत नहीं था, और किसी भी क्षण उसकी वर्दी का अदृश्य आवरण उसके कंधों से उतर सकता था। इसलिए उसने अपने समय का भरपूर फायदा उठाया। उसने लालच और बेईमानी से जो कुछ भी मिल सका, ले लिया - आखिरकार उसने अक्टूबर की एक शांत रात को डेज़ी को अपने साथ ले लिया, उसे इसलिए ले लिया क्योंकि वास्तव में उसे उसका हाथ छूने का कोई अधिकार नहीं था।
वह शायद खुद से घृणा करता होगा, क्योंकि उसने उसे झूठे बहाने से अपने वश में किया था। मेरा मतलब यह नहीं है कि उसने अपने काल्पनिक करोड़ों का इस्तेमाल किया, बल्कि उसने जानबूझकर डेज़ी को सुरक्षा का एहसास दिलाया; उसने उसे यह विश्वास दिलाया कि वह उसी के समान सामाजिक स्तर का व्यक्ति है – कि वह उसकी पूरी देखभाल करने में सक्षम है। असल में, उसके पास ऐसी कोई सुविधा नहीं थी – उसके पीछे कोई सुखी परिवार का सहारा नहीं था, और वह एक निर्दयी सरकार की मनमानी के भरोसे दुनिया में कहीं भी भटक सकता था।
लेकिन उसने खुद को तुच्छ नहीं समझा और जो हुआ वो उसकी कल्पना के मुताबिक नहीं था। शायद उसका इरादा जो कुछ मिल सके उसे लेकर चले जाने का था – लेकिन अब उसे एहसास हुआ कि उसने खुद को एक अचूक

लक्ष्य की खोज में लगा दिया है। वह जानता था कि डेज़ी असाधारण थी, लेकिन उसे यह एहसास नहीं था कि एक "अच्छी" लड़की कितनी असाधारण हो सकती है। वह अपने आलीशान घर में, अपने समृद्ध, परिपूर्ण जीवन में विलीन हो गई, गैट्सबी को कुछ भी नहीं छोड़कर। उसे लगा कि वह उससे विवाहित है, बस इतना ही।
दो दिन बाद जब वे दोबारा मिले, तो गैट्सबी की सांसें थम सी गई थीं, मानो उसे किसी तरह धोखा मिला हो। उसका बरामदा तारों की जगमगाहट से चमक रहा था; सोफे की बेंत की कुर्सियाँ एक खास अंदाज में चरमरा उठीं जब वह उसकी ओर मुड़ी और उसने उसके प्यारे और मनमोहक होंठों को चूमा। उसे सर्दी लग गई थी, जिससे उसकी आवाज़ पहले से कहीं ज़्यादा भारी और आकर्षक हो गई थी, और गैट्सबी को धन द्वारा कैद और संरक्षित की गई जवानी और रहस्य का, कई कपड़ों की ताजगी का, और चांदी की तरह चमकती डेज़ी का, जो गरीबों के संघर्षों से ऊपर सुरक्षित और गौरवान्वित थी, गहरा अहसास था।

* * * * *

“मैं आपको बता नहीं सकता कि मुझे यह जानकर कितनी हैरानी हुई कि मैं उससे प्यार करता हूँ, मेरे दोस्त। मैंने तो कुछ समय के लिए यह भी उम्मीद की थी कि वह मुझे छोड़ देगी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया, क्योंकि वह भी मुझसे प्यार करती थी। उसे लगता था कि मैं बहुत कुछ जानता हूँ क्योंकि मैं उससे अलग बातें जानता था… खैर, मैं अपने सपनों से बहुत दूर, हर पल उसके प्यार में और भी डूबता जा रहा था, और अचानक मुझे किसी बात की परवाह नहीं रही। महान काम करने का क्या फायदा अगर मैं उसे अपने भविष्य के बारे में बताकर ज्यादा आनंद ले सकता हूँ?”
विदेश जाने से पहले आखिरी दोपहर, वह डेज़ी को बाहों में लिए काफी देर तक खामोशी से बैठा रहा। वह पतझड़ का ठंडा दिन था, कमरे

में आग जल रही थी और उसके गाल लाल हो रहे थे। कभी-कभी वह हिलती और वह अपनी बाहों को थोड़ा बदल लेता, और एक बार उसने उसके काले, चमकदार बालों को चूमा। उस दोपहर ने उन्हें कुछ पल के लिए शांत कर दिया था, मानो उन्हें अगले दिन होने वाले लंबे बिछड़ने की एक गहरी याद दे रही हो। अपने एक महीने के प्यार में वे कभी इतने करीब नहीं आए थे, न ही कभी एक-दूसरे से इतने गहरे भावों से बात की थी, जितना उस समय जब वह चुपचाप अपने होंठों को उसके कोट के कंधे पर फेरती थी या जब वह धीरे से उसकी उंगलियों के सिरों को छूता था, मानो वह सो रही हो।

* * * * *

युद्ध में उन्होंने असाधारण प्रदर्शन किया। मोर्चे पर जाने से पहले ही वे कप्तान थे, और आर्गोन की लड़ाइयों के बाद उन्हें वरिष्ठ अधिकारी का पद और डिवीजनल मशीनगनों की कमान सौंपी गई। युद्धविराम के बाद उन्होंने घर लौटने की पुरजोर कोशिश की, लेकिन किसी उलझन या गलतफहमी के चलते उन्हें ऑक्सफोर्ड भेज दिया गया। अब वे चिंतित थे - डेज़ी के पत्रों में एक तरह की घबराहट और निराशा झलक रही थी। डेज़ी को समझ नहीं आ रहा था कि वे क्यों नहीं आ सकते। वे बाहरी दुनिया के दबाव को महसूस कर रही थीं, और वे उन्हें देखना चाहती थीं, उनकी उपस्थिति को अपने पास महसूस करना चाहती थीं और यह तसल्ली पाना चाहती थीं कि आखिरकार वे सही काम कर रही हैं।
डेज़ी अभी जवान थी और उसकी बनावटी दुनिया ऑर्किड की खुशबू से महकती थी, साथ ही उसमें एक सुखद, हंसमुख दिखावा और ऑर्केस्ट्रा की धुनें गूंजती थीं जो साल की लय तय करती थीं, जीवन की उदासी और संकेत को नए सुरों में पिरोती थीं। पूरी रात सैक्सोफोन बील स्ट्रीट ब्लूज़ की निराशाजनक धुन बजाते रहे, जबकि सोने और

चांदी की सौ जोड़ी चप्पलें चमकती धूल पर सरकती रहीं। धुंधली चाय के समय, कमरे हमेशा इस धीमी, मीठी बेचैनी से धड़कते रहते थे, जबकि नए चेहरे इधर-उधर ऐसे तैरते रहते थे जैसे फर्श पर बजते उदास हॉर्नों से उड़ती गुलाब की पंखुड़ियां।
इस धुंधली दुनिया में डेज़ी फिर से मौसम के साथ चलने लगी; अचानक वह फिर से एक दिन में छह आदमियों के साथ छह-छह मुलाकातें करने लगी और भोर में सो जाती, शाम की पोशाक के मोती और शिफॉन उसके बिस्तर के बगल में फर्श पर मुरझाते ऑर्किड के बीच उलझे होते। और हर समय उसके भीतर कुछ निर्णय लेने के लिए तड़प रहा था। वह चाहती थी कि उसका जीवन अभी, तुरंत आकार ले ले – और यह निर्णय किसी ऐसी शक्ति द्वारा लिया जाना चाहिए – प्रेम की, धन की, या निर्विवाद व्यावहारिकता की – जो उसके बिल्कुल करीब हो।
वसंत ऋतु के मध्य में टॉम बुकानन के आगमन के साथ ही वह शक्ति आकार लेने लगी। उनके व्यक्तित्व और पद में एक स्वस्थ और मजबूत व्यक्तित्व झलक रहा था, और डेज़ी इससे प्रभावित हुई। निस्संदेह, उनके मन में एक तरह का संघर्ष और एक तरह की राहत भी थी। गैट्सबी को यह पत्र तब मिला जब वह अभी ऑक्सफोर्ड में ही थे।

* * * * *

अब लॉन्ग आइलैंड पर भोर हो चुकी थी और हम नीचे की बाकी खिड़कियाँ खोलने लगे, जिससे पूरा घर धूसर से सुनहरी होती रोशनी से भर गया। एक पेड़ की छाया अचानक ओस पर पड़ी और नीले पत्तों के बीच पक्षी चहचहाना शुरू कर दिए। हवा में एक धीमी, सुखद हलचल थी, न के बराबर हवा चल रही थी, जो एक सुहावने और शांत दिन का संकेत दे रही थी।
“मुझे नहीं लगता कि उसने कभी उससे प्यार किया था।” गैट्सबी खिड़की से मुड़ा और मुझे चुनौती भरे लहजे में देखा। “तुम्हें

याद रखना चाहिए, दोस्त, वह आज दोपहर बहुत उत्तेजित थी। उसने उससे ये बातें इस तरह कही थीं कि वह डर गई थी – जैसे कि मैं कोई घटिया ठग हूँ। और नतीजा यह हुआ कि उसे ठीक से पता ही नहीं था कि वह क्या कह रही है।”
वह उदास होकर बैठ गया।
"बेशक, शादी के शुरुआती दिनों में उसने शायद एक पल के लिए उससे प्यार किया होगा - और तब भी मुझसे ज्यादा प्यार किया होगा, समझे?"
अचानक उसने एक अजीबोगरीब टिप्पणी कर दी।
उन्होंने कहा, "खैर, यह तो बस व्यक्तिगत मामला था।"
आप इससे क्या निष्कर्ष निकाल सकते हैं, सिवाय इसके कि इस मामले के बारे में उनकी धारणा में कुछ ऐसी तीव्रता का संदेह हो जिसे मापा नहीं जा सकता?
वह फ्रांस से तब लौटा जब टॉम और डेज़ी अभी भी अपनी शादी की छुट्टी पर थे, और अपनी सेना की तनख्वाह के बचे हुए पैसों से उसने लुइसविले की एक कष्टदायक लेकिन अनचाही यात्रा की। वह वहाँ एक सप्ताह रुका, उन गलियों में घूमता रहा जहाँ नवंबर की रात में उनके कदमों की आहट गूँजती थी और उन सुनसान जगहों पर फिर से गया जहाँ वे उसकी सफेद कार में गए थे। जिस तरह डेज़ी का घर उसे हमेशा दूसरे घरों से ज़्यादा रहस्यमय और खुशनुमा लगता था, उसी तरह शहर के बारे में उसकी धारणा, भले ही वह अब वहाँ नहीं थी, एक उदास सुंदरता से भरी हुई थी।
उसे यह एहसास हो रहा था कि अगर उसने और ज़्यादा खोजबीन की होती, तो शायद वह उसे पा लेता – कि वह उसे पीछे छोड़ रहा है। दिन की बस – अब उसके पास पैसे नहीं थे – बहुत गर्म थी। वह खुले गलियारे में गया और एक तह कुर्सी पर बैठ गया, स्टेशन धीरे-धीरे पीछे छूटता

गया और अनजान इमारतों के पीछे के हिस्से गुज़रते गए। फिर वसंत के खेतों में, जहाँ एक पीली ट्रॉली एक मिनट के लिए उनके पीछे दौड़ती हुई गुज़री, जिसमें ऐसे लोग बैठे थे जिन्होंने कभी उस सड़क पर उसके चेहरे की हल्की सी चमक देखी होगी। पटरी मुड़ी और अब वह सूरज से दूर जा रही थी, जो जैसे-जैसे नीचे डूब रहा था, मानो उस लुप्त होते शहर पर आशीर्वाद बिखेर रहा हो जहाँ उसने अपनी साँसें ली थीं। उसने अपना हाथ बेताबी से बढ़ाया, मानो हवा का एक झोंका पकड़ना चाहता हो, उस जगह का एक टुकड़ा बचाना चाहता हो जिसे उसने उसके लिए सुंदर बनाया था। लेकिन अब उसकी धुंधली आँखों के लिए सब कुछ बहुत तेज़ी से गुज़र रहा था और वह जानता था कि उसने उसका वह हिस्सा, सबसे ताज़ा और सबसे अच्छा, हमेशा के लिए खो दिया है।
जब हमने नाश्ता खत्म किया तो नौ बज चुके थे और हम बरामदे में बाहर निकले। रात भर में मौसम में काफी बदलाव आ चुका था और हवा में पतझड़ की महक थी। माली, जो गैट्सबी के पूर्व नौकरों में से आखिरी था, सीढ़ियों के नीचे आकर खड़ा हो गया।
"मिस्टर गैट्सबी, मैं आज पूल का पानी निकाल दूंगा। पत्ते जल्द ही गिरने लगेंगे, और फिर पाइपों में हमेशा की तरह समस्या आ जाती है।"
“आज मत करो,” गैट्सबी ने जवाब दिया। उसने मुझसे माफी मांगते हुए कहा, “जानते हो, दोस्त, मैंने पूरी गर्मी में उस पूल का इस्तेमाल कभी नहीं किया?”
मैंने अपनी घड़ी देखी और खड़ा हो गया।
मेरी ट्रेन आने में बारह मिनट बाकी हैं।
मैं शहर नहीं जाना चाहता था। मैं एक अच्छे काम के लायक नहीं था, लेकिन बात इससे भी बढ़कर थी – मैं गैट्सबी को छोड़ना नहीं चाहता

था। मैंने वह ट्रेन मिस कर दी, और फिर दूसरी भी, इससे पहले कि मैं वहां से निकल पाता।
मैंने अंत में कहा, "मैं तुम्हें फोन करूंगा।"
"करो, दोस्त।"
मैं आपको दोपहर के करीब फोन करूंगा।
हम धीरे-धीरे सीढ़ियों से नीचे उतरे।
"मुझे लगता है डेज़ी भी फोन करेगी।" उसने मेरी तरफ चिंता से देखा, मानो उसे उम्मीद हो कि मैं इस बात की पुष्टि करूँगी। "मुझे ऐसा लगता है।"
"अच्छा नमस्ते।"
हमने हाथ मिलाया और मैं चलने लगा। झाड़ियों के पास पहुँचने से ठीक पहले मुझे कुछ याद आया और मैं पीछे मुड़ गया।
मैंने लॉन के उस पार चिल्लाकर कहा, "ये सब एकदम घटिया लोग हैं। तुम इन सब से कहीं ज़्यादा कीमती हो।"
मुझे हमेशा इस बात की खुशी रही है कि मैंने ऐसा कहा था। यह एकमात्र तारीफ़ थी जो मैंने उसे कभी दी थी, क्योंकि मैं शुरू से अंत तक उससे नफ़रत करती थी। पहले उसने विनम्रता से सिर हिलाया, और फिर उसके चेहरे पर वह चमकदार और समझदार मुस्कान खिल उठी, मानो हम इस बात पर हमेशा से एकमत रहे हों। उसका खूबसूरत गुलाबी सूट सफेद सीढ़ियों पर एक चमकीला धब्बा जैसा लग रहा था, और मुझे वह रात याद आ गई जब मैं तीन महीने पहले पहली बार उसके पैतृक घर आई थी। लॉन और रास्ते में उन लोगों की भीड़ थी जो उसके भ्रष्टाचार का अंदाज़ा लगा चुके थे - और वह उन सीढ़ियों पर खड़ा था, अपने बेदाग सपने को छुपाते हुए, उन्हें अलविदा कह रहा था। मैंने उनकी मेहमाननवाजी के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हम सब हमेशा इसके लिए उन्हें धन्यवाद देते थे - मैं और बाकी लोग।

“अलविदा,” मैंने कहा। “मुझे नाश्ता बहुत अच्छा लगा, गैट्सबी।”

* * * * *

शहर में, मैंने कुछ देर तक शेयरों की अंतहीन सूची बनाने की कोशिश की, फिर मैं अपनी घूमने वाली कुर्सी पर सो गया। दोपहर से ठीक पहले फोन की घंटी ने मुझे जगाया और मैं पसीने से तरबतर होकर उठ बैठा। यह जॉर्डन बेकर का फोन था; वह अक्सर मुझे इस समय फोन करती थी क्योंकि होटलों, क्लबों और निजी घरों के बीच उसकी आवाजाही अनिश्चित होने के कारण उसे किसी और तरीके से ढूंढना मुश्किल होता था। आमतौर पर उसकी आवाज़ फोन पर ताज़गी भरी और कोमल लगती थी, मानो किसी हरे-भरे गोल्फ कोर्स से घास का एक टुकड़ा ऑफिस की खिड़की से अंदर आ गया हो, लेकिन आज सुबह वह कर्कश और रूखी लग रही थी।
“मैं डेज़ी के घर से निकल चुकी हूँ,” उसने कहा। “मैं हेम्पस्टेड में हूँ, और आज दोपहर साउथेम्प्टन जा रही हूँ।”
शायद डेज़ी के घर से निकल जाना एक समझदारी भरा कदम था, लेकिन इस हरकत से मुझे गुस्सा आया और उसकी अगली टिप्पणी ने मुझे और भी कठोर बना दिया।
"कल रात तुम मेरे साथ इतने अच्छे से पेश नहीं आए।"
"तब इससे क्या फर्क पड़ता?"
कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया। फिर:
"लेकिन मैं तुमसे मिलना चाहता हूँ।"
"मुझे आपको भी देखने की चाह है।"
"मान लीजिए कि मैं साउथेम्प्टन नहीं जाता और आज दोपहर शहर में आ जाता हूँ?"
नहीं – मुझे नहीं लगता कि आज दोपहर ऐसा हो पाएगा।
"अचे से।"

“आज दोपहर यह असंभव है। कई कारण हैं।”
हम कुछ देर तक ऐसे ही बातें करते रहे, और फिर अचानक हमारी बातचीत बंद हो गई। मुझे नहीं पता कि किसने फोन काटा, लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं थी। अगर इस दुनिया में उससे दोबारा कभी बात न भी हो, तो भी मैं उस दिन चाय की मेज पर उससे बात नहीं कर सकती थी।
कुछ मिनट बाद मैंने गैट्सबी के घर फोन किया, लेकिन लाइन व्यस्त थी। मैंने चार बार कोशिश की; आखिरकार एक चिड़चिड़े सेंट्रल ऑपरेटर ने मुझे बताया कि डेट्रॉइट से लंबी दूरी की कॉल के लिए लाइन खुली रखी गई है। मैंने अपना टाइम टेबल निकाला और साढ़े तीन बजे वाली ट्रेन पर एक छोटा सा गोला बनाया। फिर मैं कुर्सी पर पीछे झुक गया और सोचने की कोशिश करने लगा। दोपहर के बारह बज रहे थे।

* * * * *

उस सुबह जब मैं ट्रेन से राख के ढेरों के पास से गुज़रा, तो मैंने जानबूझकर डिब्बे के दूसरी तरफ़ रुख़ कर लिया था। मुझे लगता है कि वहाँ दिन भर उत्सुक लोगों की भीड़ लगी रहती, छोटे- छोटे लड़के धूल में काले धब्बे ढूँढ़ते रहते, और कोई बड़बड़ाता हुआ आदमी बार-बार उस घटना को दोहराता रहता, जब तक कि वह घटना उसके लिए भी कम वास्तविक न हो जाती और वह उसे बता न पाता, और मर्टल विल्सन की दुखद उपलब्धि भुला दी जाती। अब मैं थोड़ा पीछे जाकर बताना चाहता हूँ कि पिछली रात वहाँ से निकलने के बाद गैराज में क्या हुआ था।
उन्हें बहन कैथरीन को ढूंढने में काफी मुश्किल हुई। ऐसा लगता है कि उस रात उसने शराब न पीने का अपना नियम तोड़ दिया था, क्योंकि जब वह पहुंची तो वह नशे में धुत थी और यह समझ नहीं पा रही थी कि एम्बुलेंस पहले ही फ्लशिंग जा चुकी है। जब उन्होंने

उसे इस बात का यकीन दिलाया, तो वह तुरंत बेहोश हो गई, मानो यही इस घटना का सबसे असहनीय हिस्सा था। किसी दयालु या जिज्ञासु व्यक्ति ने उसे अपनी कार में बिठाया और उसकी बहन के शव के पीछे- पीछे ले गया।
आधी रात के काफी देर बाद तक, गैराज के सामने लोगों की भीड़ उमड़ती रही, जबकि जॉर्ज विल्सन अंदर सोफे पर आराम से झूलते रहे। कुछ देर तक दफ्तर का दरवाजा खुला रहा, और गैराज में आने वाला हर व्यक्ति अनजाने में अंदर झांकता रहा। आखिरकार किसी ने कहा कि यह तो शर्म की बात है, और दरवाजा बंद कर दिया। माइकलिस और कई अन्य लोग उनके साथ थे; पहले चार-पांच लोग, बाद में दो-तीन लोग। कुछ देर बाद माइकलिस को आखिरी अजनबी से पंद्रह मिनट और रुकने के लिए कहना पड़ा, जबकि वह अपने कमरे में जाकर कॉफी बनाने लगे। उसके बाद, वह भोर तक विल्सन के साथ अकेले वहीं रहे।
लगभग तीन बजे विल्सन की अस्पष्ट बड़बड़ाहट का लहजा बदल गया - वह शांत हो गया और पीली कार के बारे में बात करने लगा। उसने घोषणा की कि उसके पास यह पता लगाने का एक तरीका है कि पीली कार किसकी है, और फिर उसने अचानक कहा कि कुछ महीने पहले उसकी पत्नी शहर से आई थी, जिसका चेहरा चोटिल था और नाक सूजी हुई थी।
लेकिन जब उसने खुद को यह कहते सुना, तो वह सहम गया और कराहती हुई आवाज़ में फिर से "हे भगवान!" चिल्लाने लगा। माइकलिस ने उसे विचलित करने का एक बेढंगा प्रयास किया।
“जॉर्ज, तुम्हारी शादी को कितने साल हो गए? ज़रा एक मिनट शांत बैठो और मेरे सवाल का जवाब दो। तुम्हारी शादी को कितने साल हो गए?”
“बारह साल।”

“क्या आपके कभी बच्चे हुए हैं? अरे जॉर्ज, शांत बैठो – मैंने तुमसे एक सवाल पूछा है। क्या आपके कभी बच्चे हुए हैं?”
कठोर भूरे भृंग धुंधली रोशनी में लगातार धड़धड़ा रहे थे, और जब भी माइकलिस को बाहर सड़क पर कोई कार तेज़ी से जाती सुनाई देती, तो उसे वह आवाज़ कुछ घंटे पहले बिना रुके गुज़र रही कार जैसी लगती। उसे गैराज में जाना अच्छा नहीं लगता था, क्योंकि वर्क बेंच पर शव के पड़े होने के निशान थे, इसलिए वह कार्यालय में बेचैनी से इधर-उधर घूमता रहा - वह सुबह होने से पहले ही उसमें रखी हर चीज़ को जानता था - और बीच-बीच में विल्सन के बगल में बैठ जाता ताकि उसे शांत रख सके।
“जॉर्ज, क्या आप कभी-कभार किसी चर्च में जाते हैं? भले ही आप लंबे समय से वहां नहीं गए हों? हो सकता है मैं चर्च में फोन करके किसी पादरी को बुला लूं और वह आपसे बात कर लें, ठीक है?”
मैं किसी से संबंधित नहीं हूं।
“जॉर्ज, ऐसे समय के लिए तुम्हारे पास एक चर्च होना चाहिए। तुम कभी न कभी चर्च तो गए ही होगे। क्या तुम्हारी शादी चर्च में नहीं हुई थी? सुनो, जॉर्ज, मेरी बात सुनो। क्या तुम्हारी शादी चर्च में नहीं हुई थी?”
"बहुत समय पहले की बात है।"
जवाब देने की कोशिश में उसके झूलने की लय टूट गई – एक पल के लिए वह चुप हो गया। फिर वही आधा-अधूरा ज्ञान और आधा-अधूरा आश्चर्य का भाव उसकी धुंधली आँखों में लौट आया।
“वहाँ दराज में देखो,” उसने मेज की ओर इशारा करते हुए कहा।
“कौन सा दराज?”
“वो दराज – वो वाली।”

माइकलिस ने अपने हाथ के सबसे पास वाली दराज खोली। उसमें चमड़े और चांदी की कढ़ाई से बनी एक छोटी, महंगी कुत्ते की रस्सी के अलावा कुछ नहीं था। देखने में वह बिल्कुल नई लग रही थी।
“यह?” उसने इसे ऊपर उठाते हुए पूछा।
विल्सन ने घूरकर देखा और सिर हिलाया।
“मुझे यह कल दोपहर मिला। उसने मुझे इसके बारे में बताने की कोशिश की, लेकिन मुझे पता था कि यह कुछ मजेदार बात है।”
"क्या आपका मतलब है कि इसे आपकी पत्नी ने खरीदा?"
"उसने इसे टिशू पेपर में लपेटकर अपनी अलमारी पर रखा हुआ था।" माइकलिस को इसमें कुछ भी अजीब नहीं लगा, और उसने विल्सन को एक दर्जन कारण बताए कि उसकी पत्नी ने कुत्ते का पट्टा क्यों खरीदा होगा। लेकिन संभवतः विल्सन ने इनमें से कुछ स्पष्टीकरण पहले भी मर्टल से सुने होंगे, क्योंकि वह फुसफुसाते हुए फिर से "हे भगवान!" कहने लगा - उसके दुभाषिए ने कई स्पष्टीकरण अधूरे छोड़ दिए।
“फिर उसने उसे मार डाला,” विल्सन ने कहा। उसका मुंह अचानक खुला रह गया।
“किसने किया?”
मुझे पता लगाने का एक तरीका है।
“जॉर्ज, तुम उदास हो रहे हो,” उसके दोस्त ने कहा। “इससे तुम बहुत परेशान हो गए हो और तुम्हें समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या बोल रहे हो। बेहतर होगा कि तुम सुबह तक चुपचाप बैठे रहो।”
उसने उसकी हत्या कर दी।
"यह एक दुर्घटना थी, जॉर्ज।"
विल्सन ने अपना सिर हिलाया। उसकी आँखें थोड़ी सिकुड़ गईं और उसके मुँह में थोड़ी सी "हम्म!" की झलक दिखाई दी।

“मुझे पता है,” उसने यकीन से कहा, “मैं उन भरोसेमंद लोगों में से एक हूँ और मैं किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहता, लेकिन जब मुझे किसी बात का पता चल जाता है तो मुझे पता चल जाता है। वह आदमी उस कार में था। वह उससे बात करने के लिए बाहर भागी, लेकिन वह रुका ही नहीं।”
माइकलिस ने भी यह देखा था, लेकिन उसे इसमें कोई विशेष महत्व नज़र नहीं आया था। उसका मानना था कि श्रीमती विल्सन किसी खास कार को रोकने की कोशिश करने के बजाय अपने पति से भाग रही थीं। वह ऐसी कैसे हो सकती थी?
“वह बहुत गंभीर है,” विल्सन ने कहा, मानो इससे सवाल का जवाब मिल गया हो। “आह-ह-ह ––”
वह फिर से हिलने-डुलने लगा, और माइकलिस अपने हाथ में कुत्ते की रस्सी घुमाता हुआ खड़ा रहा।
"जॉर्ज, क्या तुम्हारा कोई ऐसा दोस्त है जिसे मैं फोन कर सकूँ?" यह एक फीकी सी उम्मीद थी – उसे लगभग यकीन था कि विल्सन का कोई दोस्त नहीं था: वह उसकी पत्नी के लिए काफी नहीं था। थोड़ी देर बाद जब उसने कमरे में बदलाव देखा, खिड़की के पास नीलापन तेजी से फैलने लगा, तो उसे थोड़ी राहत मिली और उसे एहसास हुआ कि भोर होने ही वाली है। लगभग पाँच बजे बाहर इतना नीलापन छा गया कि उसने बत्ती जला दी।
विल्सन की धुंधली निगाहें राख के ढेरों की ओर मुड़ गईं, जहाँ छोटे-छोटे भूरे बादल अद्भुत आकार ले रहे थे और भोर की हल्की हवा में इधर-उधर मंडरा रहे थे।
“मैंने उससे बात की,” लंबे मौन के बाद उसने बुदबुदाते हुए कहा। “मैंने उससे कहा कि वह मुझे तो मूर्ख बना सकती है, लेकिन भगवान को नहीं। मैं उसे खिड़की के पास ले गया।” – बड़ी मुश्किल से वह

उठा और पीछे वाली खिड़की तक चलकर गया और अपना चेहरा उससे सटाकर झुक गया – “और मैंने कहा, ‘भगवान ही जानते हैं कि तुम क्या कर रही हो, सब कुछ जो तुम कर रही हो। तुम मुझे मूर्ख बना सकती हो, लेकिन भगवान को नहीं!’”
उसके पीछे खड़े माइकलिस ने हैरानी से देखा कि वह डॉक्टर टी. जे. एकलबर्ग की आंखों को देख रहा था, जो घुलती हुई रात से अभी-अभी पीली और विशाल रूप में उभरी थीं।
“भगवान सब कुछ देखता है,” विल्सन ने दोहराया।
“यह एक विज्ञापन है,” माइकलिस ने उसे आश्वस्त किया। किसी बात ने उसे खिड़की से नज़र हटाकर कमरे में वापस देखने के लिए मजबूर किया। लेकिन विल्सन काफी देर तक वहीं खड़ा रहा, उसका चेहरा खिड़की के शीशे के पास था, और वह धुंधली रोशनी में सिर हिलाता रहा।

* * * * *

शाम छह बजे तक माइकलिस थक चुका था और बाहर कार रुकने की आवाज़ सुनकर उसे राहत मिली। पिछली रात के पहरेदारों में से एक वही था जिसने वापस आने का वादा किया था, इसलिए उसने तीन लोगों के लिए नाश्ता बनाया, जिसे उसने और उस दूसरे आदमी ने साथ मिलकर खाया। विल्सन अब शांत था, और माइकलिस सोने के लिए घर चला गया; जब वह चार घंटे बाद उठा और जल्दी से गैरेज वापस आया, तो विल्सन जा चुका था। उसके आने-जाने का पता बाद में पोर्ट रूजवेल्ट और फिर गैड्स हिल तक चला, जहाँ उसने एक सैंडविच खरीदा जिसे उसने खाया नहीं, और एक कप कॉफी ली। वह थका हुआ और धीरे-धीरे चल रहा होगा, क्योंकि वह दोपहर तक गैड्स हिल नहीं पहुँचा। अब तक उसके समय का हिसाब लगाने में कोई कठिनाई नहीं थी - कुछ लड़कों ने उसे "पागलपन जैसा व्यवहार करते" देखा था, और कुछ मोटर चालकों को वह सड़क के किनारे

से अजीब तरह से घूर रहा था। फिर तीन घंटे के लिए वह नज़र से गायब हो गया। पुलिस ने माइकलिस से कही गई उसकी बात के आधार पर, कि "उसके पास पता लगाने का एक तरीका है," अनुमान लगाया कि उसने वह समय आसपास के गैरेज में घूम-घूम कर एक पीली कार के बारे में पूछताछ करने में बिताया होगा। दूसरी ओर, उसे देखने वाला कोई भी गैरेज वाला सामने नहीं आया, और शायद उसके पास वह जानने का कोई आसान और पक्का तरीका था जो वह जानना चाहता था। ढाई बजे तक वह वेस्ट एग में था, जहाँ उसने किसी से गैट्सबी के घर का रास्ता पूछा। तो उस समय तक वह गैट्सबी का नाम जान चुका था।

* * * * *

दो बजे गैट्सबी ने अपना स्विमिंग सूट पहना और बटलर को संदेश दिया कि अगर कोई फोन करे तो उसे पूल पर सूचना दे दी जाए। वह गैरेज में रुका और वहां से एक हवा भरने वाला गद्दा लाया, जिसने गर्मियों में उसके मेहमानों का मनोरंजन किया था, और ड्राइवर ने उसे फुलाने में उसकी मदद की। फिर उसने निर्देश दिया कि खुली कार को किसी भी हालत में बाहर न निकाला जाए - और यह अजीब था, क्योंकि उसके आगे के दाहिने फेंडर की मरम्मत की आवश्यकता थी।
गैट्सबी ने गद्दा कंधे पर उठाया और पूल की ओर चल पड़ा। एक बार रुककर उसने गद्दे को थोड़ा सा खिसकाया, तो ड्राइवर ने उससे पूछा कि क्या उसे मदद चाहिए, लेकिन उसने सिर हिलाया और पल भर में पीले पड़ते पेड़ों के बीच गायब हो गया।
कोई फ़ोन संदेश नहीं आया, लेकिन बटलर रात भर जागता रहा और चार बजे तक उसका इंतज़ार करता रहा – तब तक जब तक कि संदेश आने पर उसे देने वाला कोई बचा ही न हो। मुझे लगता है कि गैट्सबी को खुद भी यकीन नहीं था कि संदेश आएगा, और शायद अब उसे परवाह भी नहीं थी। अगर ऐसा था, तो उसे ज़रूर लगा होगा कि उसने अपनी पुरानी, खुशहाल

अध्याय 9

दो साल बाद भी मुझे उस दिन, उस रात और अगले दिन की सारी बातें याद हैं, बस गैट्सबी के घर के सामने पुलिस, फोटोग्राफर और अखबार वालों का लगातार आना-जाना लगा रहता था। मुख्य द्वार पर एक रस्सी बंधी थी और उसके पास एक पुलिसकर्मी खड़ा रहता था, जो उत्सुक लोगों को अंदर आने से रोकता था, लेकिन छोटे लड़कों ने जल्द ही पता लगा लिया कि वे मेरे आंगन से अंदर आ सकते हैं, और उनमें से कुछ हमेशा पूल के पास मुंह खोले खड़े रहते थे। उस दोपहर विल्सन के शव पर झुके हुए किसी ने, जिसका लहजा थोड़ा आत्मविश्वास भरा था, "पागल" कहा, और उसकी आवाज में छिपी सहजता ने अगली सुबह अखबारों में छपने वाली खबरों की नींव रख दी।
उनमें से अधिकतर रिपोर्टें किसी बुरे सपने जैसी थीं – विकृत, मनगढ़ंत, अतिरंजित और झूठी। जब माइकलिस की गवाही से विल्सन के अपनी पत्नी पर संदेह का खुलासा हुआ, तो मुझे लगा कि पूरी कहानी को जल्द ही एक सनसनीखेज व्यंग्य के रूप में पेश किया जाएगा – लेकिन कैथरीन, जो कुछ भी कह सकती थी, चुप रही। उसने इस मामले में आश्चर्यजनक रूप से धैर्य दिखाया – अपनी सुधरी हुई भौंहों के नीचे दृढ़ आँखों से कोरोनर की ओर देखा और कसम खाई कि उसकी बहन ने कभी गैट्सबी को नहीं देखा था, कि उसकी बहन अपने पति के साथ पूरी तरह खुश थी, कि उसकी बहन ने कोई शरारत नहीं की थी। उसने खुद को इस बात का यकीन दिलाया और अपने रूमाल में रोने लगी, मानो यह सुझाव ही उसके लिए असहनीय था। इस प्रकार विल्सन को "दुःख से विक्षिप्त" व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया ताकि मामला अपने सरलतम रूप में बना रहे। और बात यहीं समाप्त हो गई।

लेकिन यह सब कुछ मुझे दूरस्थ और गैर-ज़रूरी लगा। मैंने खुद को गैट्सबी के पक्ष में पाया, और अकेला। जिस क्षण मैंने वेस्ट एग गाँव में त्रासदी की खबर दी, उसके बारे में हर अटकल और हर व्यावहारिक प्रश्न मेरे पास ही भेजा गया। पहले तो मैं हैरान और भ्रमित था; फिर, जैसे-जैसे वह अपने घर में पड़ा रहा और घंटों तक न हिलता, न साँस लेता, न बोलता रहा, मुझे एहसास होने लगा कि मैं ही ज़िम्मेदार हूँ, क्योंकि किसी और को कोई दिलचस्पी नहीं थी - दिलचस्पी, मेरा मतलब है, उस गहन व्यक्तिगत दिलचस्पी से, जिस पर अंत में हर किसी का कुछ न कुछ अस्पष्ट अधिकार होता है।
उसे ढूंढने के आधे घंटे बाद मैंने डेज़ी को फोन किया, बिना किसी झिझक के सहज भाव से। लेकिन वह और टॉम उस दोपहर जल्दी ही चले गए थे और अपने साथ सामान भी ले गए थे।
"पता नहीं छोड़ा?"
"नहीं।"
"बताइए वे कब वापस आएंगे?"
"नहीं।"
“क्या आपको पता है कि वे कहाँ हैं? मैं उनसे कैसे संपर्क कर सकता हूँ?”
मुझे नहीं पता। कुछ कह नहीं सकता।
मैं उसके लिए किसी को ढूंढना चाहता था। मैं उस कमरे में जाना चाहता था जहाँ वह लेटा था और उसे दिलासा देना चाहता था: “मैं तुम्हारे लिए किसी को ढूंढ लूंगा, गैट्सबी। चिंता मत करो। बस मुझ पर भरोसा रखो और मैं तुम्हारे लिए किसी को ढूंढ लूंगा।” मेयर वुल्फशेम का नाम फोन बुक में नहीं था। बटलर ने मुझे ब्रॉडवे स्थित उनके कार्यालय का पता दिया और मैंने सूचना विभाग

को फोन किया, लेकिन जब तक मुझे नंबर मिला, तब तक पाँच बज चुके थे और किसी ने फोन नहीं उठाया।
"क्या आप दोबारा फोन करेंगे?"
मैंने उन्हें तीन बार फोन किया है।
"यह बहुत महत्वपूर्ण है।"
"माफ़ कीजिए। मुझे खेद है कि यहाँ कोई नहीं है।"
मैं ड्राइंग रूम में वापस गया और एक पल के लिए सोचा कि ये सभी आधिकारिक लोग संयोगवश आए हुए आगंतुक थे, जो अचानक से कमरे में भर गए थे। लेकिन, जैसे ही उन्होंने पर्दा हटाया और गैट्सबी को भावहीन आँखों से देखा, उसका विरोध मेरे दिमाग में गूंजता रहा: "देखो, दोस्त, तुम्हें मेरे लिए किसी को ढूंढना होगा। तुम्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। मैं यह सब अकेले नहीं झेल सकता।"
किसी ने मुझसे सवाल पूछना शुरू किया, लेकिन मैं वहां से निकलकर ऊपर चला गया और जल्दी से उसकी मेज के खुले हिस्सों को देखने लगा
– उसने मुझे कभी पक्के तौर पर नहीं बताया था कि उसके माता-पिता मर चुके हैं। लेकिन वहां कुछ नहीं मिला – बस डैन कोडी की तस्वीर, भूली हुई हिंसा की निशानी, दीवार पर टंगी हुई थी।
अगली सुबह मैंने बटलर को वोल्फशेम के नाम एक पत्र देकर न्यूयॉर्क भेजा, जिसमें जानकारी माँगी गई थी और उनसे अगली ट्रेन से आने का आग्रह किया गया था। जब मैंने यह अनुरोध लिखा था, तब यह मुझे अनावश्यक लग रहा था। मुझे पूरा यकीन था कि अखबार देखते ही वह चौंक जाएँगे, ठीक वैसे ही जैसे मुझे यकीन था कि दोपहर से पहले डेज़ी का तार आ जाएगा – लेकिन न तो तार आया और न ही मिस्टर वोल्फशेम आए; पुलिस, फोटोग्राफर और अखबार वालों के अलावा कोई नहीं आया। जब बटलर वोल्फशेम का जवाब लेकर लौटा, तो

मेरे मन में एक तरह की अवज्ञा की भावना जागृत हुई, गैट्सबी और मेरे बीच उन सबके खिलाफ तिरस्कारपूर्ण एकजुटता की भावना। प्रिय श्री कैरेवे, यह मेरे जीवन के सबसे भयानक झटकों
में से एक है। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा कि यह सच है।
उस व्यक्ति के ऐसे पागलपन भरे कृत्य को देखकर हम सबको सोचना चाहिए। मैं अभी नहीं आ सकता क्योंकि मैं कुछ बहुत ज़रूरी काम में व्यस्त हूँ और इस मामले में उलझना नहीं चाहता। अगर मैं थोड़ी देर बाद कुछ कर सकूँ तो कृपया एडगर
के ज़रिए मुझे पत्र लिखकर बता दें। ऐसी खबर सुनकर मैं
पूरी तरह से सदमे में आ जाता हूँ।
भवदीय
मेयर वोल्फशिम
और फिर उसके नीचे जल्दबाजी में जोड़े गए परिशिष्ट:
मुझे अंतिम संस्कार आदि के बारे में बता दीजिए। मैं उनके परिवार को बिल्कुल नहीं जानता।
उस दोपहर जब फोन की घंटी बजी और लॉन्ग डिस्टेंस से शिकागो से कॉल आई तो मुझे लगा कि आखिरकार डेज़ी से बात हो रही है। लेकिन कॉल एक आदमी की थी, बहुत धीमी और दूर से आती हुई आवाज़।
“यह स्लैगल बोल रहा है…”
“जी?” यह नाम अपरिचित था।
“ये तो कमाल का नोट है, है ना? मेरा तार ला दो ना?”
"वहां कोई तार नहीं थे।"
“युवा पार्के मुसीबत में है,” उसने जल्दी से कहा। “जब उसने काउंटर पर ज़मानत दी, तभी उन्होंने उसे पकड़ लिया। उन्हें न्यूयॉर्क से एक सर्कुलर मिला था जिसमें उन्हें ज़मानत की रकम

दी गई थी, बस पाँच मिनट पहले। तुम्हें इसके बारे में क्या पता, यार? इन देहाती कस्बों में कुछ भी निश्चित नहीं कहा जा सकता।” “हेलो!” मैंने हांफते हुए बीच में ही टोक दिया। “देखो यहाँ – ये मिस्टर गैट्सबी नहीं हैं। मिस्टर गैट्सबी मर चुके हैं।”
तार के दूसरे छोर पर काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर एक विस्मयबोधक आवाज आई... और उसके बाद कनेक्शन टूटते ही एक तेज चीख सुनाई दी।

* * * * *

मुझे लगता है कि तीसरे दिन मिनेसोटा के एक कस्बे से हेनरी सी. गैट्ज़ के हस्ताक्षर वाला एक टेलीग्राम आया। उसमें केवल इतना लिखा था कि भेजने वाला तुरंत रवाना हो रहा है और उसके आने तक अंतिम संस्कार स्थगित कर दिया जाए।
यह गैट्सबी के पिता थे, एक गंभीर बूढ़े व्यक्ति, बेहद असहाय और हताश, सितंबर की गर्म दोपहर से बचने के लिए उन्होंने एक लंबा, सस्ता कोट ओढ़ा हुआ था। उनकी आँखों से लगातार उत्तेजना के आँसू बह रहे थे, और जब मैंने उनके हाथों से बैग और छाता लिया, तो वे अपनी हल्की भूरी दाढ़ी को इतनी तेज़ी से खींचने लगे कि मुझे उनका कोट उतारने में मुश्किल हुई। वे लगभग गिर ही रहे थे, इसलिए मैं उन्हें संगीत कक्ष में ले गया और उन्हें बिठा दिया, जबकि मैंने कुछ खाने के लिए मंगवाया। लेकिन उन्होंने कुछ नहीं खाया, और उनके कांपते हाथों से दूध का गिलास गिर गया।
उन्होंने कहा, "मैंने इसे शिकागो के अखबार में देखा। यह सब शिकागो के अखबार में था। मैंने तुरंत काम शुरू कर दिया।"
“मुझे समझ नहीं आ रहा था कि आपसे कैसे संपर्क करूं।” कुछ भी दिखाई न देने पर उसकी आंखें कमरे में लगातार इधर-उधर घूमती रहीं।

उन्होंने कहा, "वह एक पागल आदमी था। वह जरूर पागल रहा होगा।" “क्या आप कॉफी पीना चाहेंगे?” मैंने उनसे आग्रह किया।
मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं अभी ठीक हूँ, श्रीमान––”
“कैरावे।”
“मैं अब ठीक हूँ। जिमी को उन्होंने कहाँ पकड़ा है?”
मैं उसे ड्राइंग रूम में ले गया, जहाँ उसका बेटा लेटा हुआ था, और उसे वहीं छोड़ दिया। कुछ छोटे लड़के सीढ़ियों पर आ गए थे और हॉल में झाँक रहे थे; जब मैंने उन्हें बताया कि कौन आया है, तो वे अनिच्छा से चले गए।
कुछ देर बाद श्री गैट्ज़ ने दरवाज़ा खोला और बाहर आए, उनका मुँह थोड़ा खुला हुआ था, चेहरा हल्का लाल था, और आँखों से रुक-रुक कर आँसू बह रहे थे। वे उस उम्र में पहुँच चुके थे जहाँ मृत्यु अब उनके लिए किसी भयानक आश्चर्य की तरह नहीं थी, और जब उन्होंने पहली बार अपने चारों ओर देखा और हॉल की ऊँचाई और भव्यता तथा उससे निकलते हुए अन्य कमरों को देखा, तो उनका दुःख विस्मय और गर्व के भाव से भर गया। मैंने उन्हें ऊपर के शयनकक्ष तक पहुँचाया; जब वे अपना कोट और बनियान उतार रहे थे, मैंने उनसे कहा कि उनके आने तक सभी व्यवस्थाएँ स्थगित कर दी गई थीं।
मुझे नहीं पता था कि आप क्या चाहेंगे, मिस्टर गैट्सबी ––”
मेरा नाम गैट्ज़ है।
“– श्री गैट्ज़। मुझे लगा कि आप शव को पश्चिम ले जाना चाहेंगे।” उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
“जिमी को पूर्वी इलाका हमेशा से ज्यादा पसंद था। पूर्वी इलाके में ही वह अपने पद तक पहुंचा था। क्या आप मेरे बेटे के दोस्त थे, श्रीमान?”
हम घनिष्ठ मित्र थे।

"उसका भविष्य बहुत उज्ज्वल था, आप जानते हैं। वह अभी युवा ही था, लेकिन उसमें बहुत बुद्धि थी।"
उसने प्रभावशाली ढंग से अपना सिर छुआ, और मैंने सिर हिलाकर सहमति दी।
“अगर वह जीवित होते, तो वह एक महान व्यक्ति होते। जेम्स जे. हिल जैसे व्यक्ति। उन्होंने देश के निर्माण में मदद की होती।” मैंने असहज होकर कहा, "यह सच है।"
उसने कढ़ाईदार चादर को बिस्तर से हटाने की कोशिश में हाथ-पैर मारे और अकड़कर लेट गया - तुरंत सो गया।
उस रात एक स्पष्ट रूप से डरा हुआ व्यक्ति ने फोन किया और अपना नाम बताने से पहले मुझसे पूछा कि मैं कौन हूँ।
मैंने कहा, "ये मिस्टर कैरेवे हैं।"
“ओह!” उनकी आवाज़ में राहत झलक रही थी। “यह क्लिप्सप्रिंगर है।” मुझे भी राहत मिली, क्योंकि इससे गैट्सबी की कब्र पर एक और दोस्त मिलने की उम्मीद जगी। मैं नहीं चाहता था कि यह खबर अखबारों में छपे और लोगों की भीड़ जमा हो जाए, इसलिए मैंने खुद कुछ लोगों को फोन किया था। उन्हें ढूंढना मुश्किल था।
मैंने कहा, “कल अंतिम संस्कार है। ठीक तीन बजे, यहीं घर पर। काश आप किसी ऐसे व्यक्ति को बता देते जिसे इसमें दिलचस्पी हो।” “ओह, मैं ज़रूर जाऊँगा,” वह जल्दी से बोला। “वैसे तो मुझे किसी से मिलने की संभावना नहीं है, लेकिन अगर मिल भी गया तो।”
उसकी आवाज़ से मुझे शक हुआ।
"बेशक, आप स्वयं भी वहां मौजूद होंगे।"
“ठीक है, मैं ज़रूर कोशिश करूँगा। मैंने जिस बारे में फ़ोन किया था वो ये है ––”

मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "एक मिनट रुकिए। आप आने की बात क्यों नहीं कह देते?"
दरअसल, बात ये है कि मैं ग्रीनविच में कुछ लोगों के साथ ठहरा हुआ हूँ, और उन्हें उम्मीद है कि मैं कल उनके साथ रहूँगा। असल में, वहाँ एक तरह का पिकनिक वगैरह है। बेशक, मैं वहाँ से निकलने की पूरी कोशिश करूँगा।
मैंने अनियंत्रित होकर "हूह!" कहा और उसने मुझे जरूर सुना होगा, क्योंकि वह घबराकर आगे बढ़ता रहा:
“मैंने वहाँ छूटे हुए जूतों के बारे में फोन किया था। मुझे आश्चर्य है कि क्या नौकर से उन्हें भिजवाना बहुत असुविधाजनक होगा। दरअसल, वे टेनिस के जूते हैं, और उनके बिना मैं असहाय महसूस कर रहा हूँ। मेरा पता बी. एफ. के पते पर है।”
मैंने नाम का बाकी हिस्सा नहीं सुना, क्योंकि मैंने रिसीवर रख दिया था।
उसके बाद मुझे गैट्सबी के लिए थोड़ी शर्मिंदगी महसूस हुई – एक सज्जन जिनसे मैंने फोन पर बात की, उन्होंने इशारा किया कि उसे वही मिला जिसका वह हकदार था। हालांकि, यह मेरी गलती थी, क्योंकि वह उन लोगों में से एक थे जो गैट्सबी की शराब पीने की आदत पर उसका सबसे ज्यादा मजाक उड़ाते थे, और मुझे उन्हें फोन नहीं करना चाहिए था।
अंतिम संस्कार की सुबह मैं मेयर वुल्फशेम से मिलने न्यूयॉर्क गया; उनसे संपर्क करने का कोई और तरीका समझ में नहीं आ रहा था। लिफ्ट में काम करने वाले एक लड़के की सलाह पर मैंने जो दरवाजा खोला, उस पर "द स्वास्तिका होल्डिंग कंपनी" लिखा था, और पहले तो अंदर कोई दिखाई नहीं दिया। लेकिन जब मैंने कई बार व्यर्थ में "हैलो" कहा, तो एक पर्दे के पीछे बहस छिड़ गई, और थोड़ी देर बाद

एक खूबसूरत यहूदी महिला अंदर के दरवाजे पर दिखाई दी और उसने अपनी काली, शत्रुतापूर्ण निगाहों से मुझे घूरना शुरू कर दिया। “कोई नहीं है,” उसने कहा। “श्री वुल्फशेम शिकागो गए हैं।”
इसका पहला हिस्सा स्पष्ट रूप से असत्य था, क्योंकि अंदर किसी ने बेसुरा होकर "द रोज़री" गाना शुरू कर दिया था।
"कृपया कहिए कि श्री कैरावे उनसे मिलना चाहते हैं।"
मैं उसे शिकागो से वापस नहीं ला सकता, है ना?
इसी क्षण दरवाजे के दूसरी तरफ से एक आवाज आई, जो स्पष्ट रूप से वोल्फशेम की थी, जिसने "स्टेला!" कहकर पुकारा।
“डेस्क पर अपना नाम लिख दीजिए,” उसने जल्दी से कहा। “जब वह वापस आएगा तो मैं उसे दे दूंगी।”
लेकिन मुझे पता है कि वह वहां है।
वह मेरी ओर एक कदम बढ़ी और गुस्से में अपने हाथों को अपनी कमर पर ऊपर-नीचे फेरने लगी।
“तुम नौजवानों को लगता है कि तुम जब चाहो यहाँ जबरदस्ती घुस सकते हो,” उसने डांटते हुए कहा। “हम इससे तंग आ चुके हैं। जब मैं कहती हूँ कि वह शिकागो में है, तो वह शिकागो में ही होता है।” मैंने गैट्सबी का जिक्र किया था।
“ओह – ह!” उसने मेरी तरफ फिर से देखा। “क्या तुम बस – तुम्हारा नाम क्या था?”
वह गायब हो गई। कुछ ही पल में मेयर वोल्फशेम दरवाजे पर गंभीर मुद्रा में खड़े हो गए, दोनों हाथ फैलाए हुए। उन्होंने मुझे अपने कार्यालय में बुलाया और आदरपूर्ण स्वर में कहा कि यह हम सभी के लिए दुखद समय है, और मुझे एक सिगार भेंट की।
“मुझे याद है जब मैं उनसे पहली बार मिला था,” उन्होंने कहा। “एक नौजवान मेजर, जो अभी-अभी सेना से रिटायर हुए थे और युद्ध में

मिले पदकों से लदे हुए थे। उनकी आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उन्हें वर्दी पहननी पड़ती थी क्योंकि वे सामान्य कपड़े भी नहीं खरीद सकते थे। मैंने उन्हें पहली बार तब देखा जब वे फोर्टीथर्ड स्ट्रीट स्थित वाइनब्रेनर के पूल रूम में आए और नौकरी मांगी। उन्होंने दो-तीन दिनों से कुछ नहीं खाया था। मैंने कहा, ‘चलो मेरे साथ दोपहर का खाना खा लो।’ उन्होंने आधे घंटे में चार डॉलर से ज़्यादा का खाना खा लिया।”
मैंने पूछा, "क्या आपने ही उसे कारोबार में आगे बढ़ाया?"
“उसे शुरू करवाओ! मैंने उसे बनाया है।”
"ओह।"
“मैंने उसे बिल्कुल शून्य से, गटर से उठाकर खड़ा किया। मैंने देखते ही पहचान लिया कि वह एक सुंदर, सभ्य युवक है, और जब उसने मुझे बताया कि वह ओग्सफोर्ड में है, तो मुझे पता चल गया कि मैं उसका अच्छा उपयोग कर सकता हूँ। मैंने उसे अमेरिकन लीजन में भर्ती कराया और वहाँ उसका रुतबा बहुत ऊंचा था। उसने तुरंत मेरे एक ग्राहक के लिए अल्बानी तक काम किया। हम हर बात में इतने पक्के दोस्त थे।” – उसने अपनी दो मोटी उंगलियाँ ऊपर उठाईं – “हमेशा साथ रहते थे।”
मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या इस साझेदारी में 1919 में हुए विश्व सीरीज के सौदे भी शामिल थे।
“अब वह मर चुका है,” मैंने कुछ देर बाद कहा। “तुम उसके सबसे करीबी दोस्त थे, इसलिए मुझे पता है कि तुम आज दोपहर उसके अंतिम संस्कार में आना चाहोगे।”
मैं आना चाहूंगा/चाहूंगी।
अच्छा, तो फिर आइए।

उसकी नाक के बाल हल्के से कांपे, और जैसे ही उसने अपना सिर हिलाया, उसकी आँखों में आंसू भर आए।
उन्होंने कहा, "मैं ऐसा नहीं कर सकता - मैं इसमें शामिल नहीं हो सकता।"
“इसमें उलझने जैसी कोई बात नहीं है। सब कुछ खत्म हो चुका है।” “जब किसी की मौत हो जाती है तो मैं उसमें किसी भी तरह से शामिल होना पसंद नहीं करता। मैं उससे दूर रहता हूँ। जब मैं जवान था तब बात अलग थी – अगर मेरा कोई दोस्त मर जाता, चाहे जैसे भी हो, मैं अंत तक उसके साथ रहता था। आपको शायद यह भावुकता लगे, लेकिन मेरा मतलब यही है – आखिरी दम तक।”
मैंने देखा कि वह अपने किसी निजी कारण से आने के लिए दृढ़ संकल्पित था, इसलिए मैं खड़ा हो गया।
"क्या आप कॉलेज के छात्र हैं?" उसने अचानक पूछा।
एक पल के लिए मुझे लगा कि वह "गोंनेगशन" का सुझाव देने वाले हैं, लेकिन उन्होंने केवल सिर हिलाया और मेरा हाथ मिलाया। उन्होंने सुझाव दिया, “हमें किसी व्यक्ति के प्रति मित्रता उसके जीवित रहते हुए दिखानी चाहिए, न कि उसकी मृत्यु के बाद। उसके बाद मेरा नियम यही है कि सब कुछ छोड़ दिया जाए।”
जब मैं उनके दफ्तर से निकला तो आसमान में अंधेरा छा चुका था और मैं हल्की बारिश में वेस्ट एग वापस पहुँचा। कपड़े बदलने के बाद मैं बगल वाले कमरे में गया और देखा कि श्री गैट्ज़ हॉल में उत्साह से इधर-उधर घूम रहे थे। अपने बेटे और उसकी संपत्ति पर उनका गर्व लगातार बढ़ता जा रहा था और अब उनके पास मुझे दिखाने के लिए कुछ था।
“जिमी ने मुझे ये तस्वीर भेजी है।” उसने कांपती उंगलियों से अपना बटुआ निकाला। “देखो वहाँ।”

यह घर की एक तस्वीर थी, जिसके कोने टूटे हुए थे और कई लोगों के हाथों के निशान से गंदा था। उसने उत्सुकता से मुझे हर एक चीज़ दिखाई। "वहाँ देखो!" और फिर मेरी आँखों से प्रशंसा पाने की कोशिश की। उसने इसे इतनी बार दिखाया था कि मुझे लगता है कि अब यह तस्वीर उसके लिए घर से भी ज़्यादा वास्तविक हो गई थी।
“जिमी ने इसे मुझे भेजा था। मुझे लगता है कि यह बहुत सुंदर तस्वीर है। यह अच्छी तरह से दिखाई देती है।”
“बहुत खूब। क्या आपने उसे हाल ही में देखा था?”
“वह दो साल पहले मुझसे मिलने आया था और उसने मुझे वह घर खरीदकर दिया जिसमें मैं अब रहती हूँ। बेशक, जब वह घर छोड़कर भाग गया तो हमारा रिश्ता टूट गया था, लेकिन अब मुझे समझ आता है कि इसके पीछे एक वजह थी। उसे पता था कि उसका भविष्य उज्ज्वल है। और जब से उसने तरक्की की, वह मेरे प्रति बहुत उदार रहा।” वह तस्वीर को रखने में हिचकिचा रहा था, उसने उसे एक मिनट और मेरी आँखों के सामने रखा। फिर उसने बटुआ लौटाया और अपनी जेब से होपलोंग कैसिडी नाम की एक पुरानी, फटी-पुरानी किताब निकाली।
“देखो, ये वो किताब है जो उसके पास बचपन में थी। इससे तुम्हें पता चल जाएगा।”
उन्होंने इसे पीछे के कवर से खोला और मुझे दिखाने के लिए पलट दिया। आखिरी पन्ने पर 'अनुसूची' शब्द और 12 सितंबर, 1906 की तारीख छपी थी, और उसके नीचे:
सुबह 6:00 बजे बिस्तर से उठो।
डम्बल व्यायाम और
दीवार पर चढ़ना 6.15-6.30 . .
विद्युत आदि का अध्यायन करें 7.15-8.15 . .
कार्य समय: सुबह 8:30 से शाम 4:30 बजे तक।

बेसबॉल और खेल 4.30-5.00 . .
वाक्पटुता, आत्मविश्वास और शिष्टाचार का अभ्यास करें। इसे 5.00-6.00 बजे तक प्राप्त करें...
अध्यायन के लिए आवश्यक आविष्कार 7.00-9.00 बजे तक। सामान्य संकल्प
शैफ्टर्स या [एक नाम, अस्पष्ट] पर समय बर्बाद न करें
अब धूम्रपान या तंबाकू चबाना नहीं।
हर दूसरे दिन स्नान करें
प्रति सप्ताह एक ज्ञानवर्धक पुस्तक या पत्रिका पढ़ें।
$5.00 की बचत करें {काटा हुआ} $3.00 प्रति सप्ताह
माता-पिता के प्रति बेहतर व्यवहार करें
“मुझे यह किताब संयोग से मिली,” बूढ़े आदमी ने कहा। “यह बस यही दिखाती है, है ना?”
"यह बस आपको दिखाता है।"
“जिमी का आगे बढ़ना तय था। उसके मन में हमेशा ऐसे ही कुछ संकल्प रहते थे। क्या आपने गौर किया है कि वह अपने दिमाग को तेज करने में कितना लगा रहता था? वह इसमें हमेशा से ही माहिर था। एक बार उसने मुझसे कहा था कि मैं सूअर की तरह खाता हूँ, और मैंने उसे पीट दिया था।”
वह किताब बंद करने में आनाकानी कर रहा था, हर आइटम को ज़ोर से पढ़ रहा था और फिर उत्सुकता से मेरी तरफ देख रहा था। मुझे लगता है कि वह मुझसे उम्मीद कर रहा था कि मैं सूची को अपने इस्तेमाल के लिए लिख लूँ।
तीन बजने से कुछ ही पहले फ्लशिंग से लूथरन पादरी आ गए, और मैं अनायास ही खिड़की से बाहर दूसरी कारों को देखने लगा। गैट्सबी के पिता भी ऐसा ही कर रहे थे। जैसे-जैसे समय बीतता गया और नौकर

अंदर आकर हॉल में इंतज़ार करने लगे, उनकी आँखें बेचैनी से झपकने लगीं और वे बारिश के बारे में चिंतित और अनिश्चित स्वर में बात करने लगे। पादरी ने कई बार अपनी घड़ी देखी, इसलिए मैंने उन्हें एक तरफ ले जाकर आधे घंटे इंतज़ार करने को कहा। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कोई नहीं आया।

* * * * *

लगभग पाँच बजे, तीन कारों का हमारा काफिला कब्रिस्तान पहुँचा और गेट के पास तेज़ बूंदा-बांदी में रुक गया – पहले एक शव वाहन, जो बुरी तरह से काला और भीगा हुआ था, फिर श्री गैट्ज़, पादरी और मैं लिमोसिन में, और थोड़ी देर बाद गैट्सबी की स्टेशन वैगन में वेस्ट एग से चार-पाँच नौकर और डाकिया, सभी पूरी तरह भीगे हुए। जैसे ही हम गेट से कब्रिस्तान में दाखिल होने लगे, मैंने एक कार के रुकने की आवाज़ सुनी और फिर किसी के हमारे पीछे गीली ज़मीन पर पानी उछालने की आवाज़ आई। मैंने चारों ओर देखा। वह वही आदमी था जिसने उल्लू जैसी आँखों वाला चश्मा पहना हुआ था, जिसे मैंने तीन महीने पहले एक रात पुस्तकालय में गैट्सबी की किताबों को देखकर आश्चर्यचकित होते हुए पाया था।
उसके बाद मैंने उसे कभी नहीं देखा। मुझे नहीं पता कि उसे अंतिम संस्कार के बारे में कैसे पता चला, या उसका नाम भी। बारिश की बूँदें उसके मोटे चश्मे पर पड़ रही थीं, और उसने उन्हें उतारकर पोंछा तो देखा कि गैट्सबी की कब्र से सुरक्षात्मक कैनवास खोला जा रहा था।
मैंने एक पल के लिए गैट्सबी के बारे में सोचने की कोशिश की, लेकिन वह बहुत दूर जा चुका था, और मैं बिना किसी नाराजगी के केवल इतना ही याद कर पाई कि डेज़ी ने न तो कोई संदेश भेजा था और न ही कोई फूल। धुंधली सी आवाज़ में मैंने किसी को फुसफुसाते हुए

सुना, "धन्य हैं वे मृत जिन पर वर्षा होती है," और फिर उल्लू जैसी आँखों वाले उस आदमी ने साहस भरी आवाज़ में कहा, "बिल्कुल सही।" हम बारिश में भीगते हुए जल्दी से गाड़ियों तक पहुंचे। गेट के पास उल्लू जैसी आंखों वाले व्यक्ति ने मुझसे बात की।
उन्होंने कहा, "मैं घर तक नहीं पहुंच सका।"
"और कोई भी ऐसा नहीं कर सकता था।"
“आगे बोलो!” उसने शुरू किया। “अरे बाप रे! वे तो सैकड़ों की संख्या में वहाँ जाते थे।” उसने अपना चश्मा उतारा और उसे अंदर-बाहर से फिर से पोंछा।
“बेचारा कमीना,” उसने कहा।

* * * * *

मेरी सबसे जीवंत यादों में से एक क्रिसमस के समय प्रीप स्कूल और बाद में कॉलेज से पश्चिम की ओर लौटना है। जो लोग शिकागो से दूर चले गए थे, वे दिसंबर की शाम छह बजे पुराने धुंधले यूनियन स्टेशन पर अपने कुछ शिकागो के दोस्तों के साथ इकट्ठा होते थे, जो पहले से ही अपनी छुट्टियों की खुशियों में डूबे होते थे, ताकि उन्हें जल्दी से अलविदा कह सकें। मुझे याद है मिस दिस-ऑर-दैट के यहाँ से लौट रही लड़कियों के फर कोट, ठंडी साँसों की फुसफुसाहट, पुराने परिचितों को देखते ही ऊपर उठते हाथ, और निमंत्रणों का मिलान: "क्या आप ऑर्डवेज़ के यहाँ जा रहे हैं? हर्सीज़ के यहाँ? शुल्त्ज़ के यहाँ?" और हमारे दस्तानों से ढके हाथों में कसकर पकड़े हुए लंबे हरे टिकट। और अंत में, गेट के बगल में पटरियों पर शिकागो, मिल्वौकी और सेंट पॉल रेलमार्ग की धुंधली पीली बोगियाँ क्रिसमस की तरह ही खुशमिजाज दिखती थीं। जब हम सर्द रात में निकले और असली बर्फ, हमारी अपनी बर्फ, हमारे बगल में फैलने लगी और खिड़कियों पर टिमटिमाने लगी, और

धुत महिला सफेद शाम की पोशाक पहने लेटी है। उसका हाथ, जो किनारे से लटका हुआ है, गहनों से चमक रहा है। गंभीरता से वे पुरुष एक घर में मुड़ते हैं – गलत घर में। लेकिन कोई भी उस महिला का नाम नहीं जानता, और किसी को परवाह भी नहीं है।
गैट्सबी की मृत्यु के बाद, पूर्वी क्षेत्र मेरे लिए इस तरह भयावह हो गया था, मेरी आँखों की पहुँच से परे विकृत। इसलिए जब सूखी पत्तियों का नीला धुआँ हवा में था और हवा से गीले कपड़े रस्सी पर कड़क हो रहे थे, तब मैंने घर लौटने का फैसला किया। मेरे जाने से पहले एक काम करना बाकी था, एक अजीब और अप्रिय काम जिसे शायद न करना ही बेहतर होता। लेकिन मैं सब कुछ व्यवस्थित रखना चाहता था और उस दयालु और उदासीन समुद्र पर भरोसा नहीं करना चाहता था कि वह मेरा कचरा बहा ले जाएगा। मैंने जॉर्डन बेकर को देखा और हमारे बीच जो कुछ हुआ था, और उसके बाद मेरे साथ जो हुआ, उसके बारे में बात की। वह एक बड़ी कुर्सी पर बिल्कुल शांत बैठी सुन रही थी।
वह गोल्फ़ खेलने के लिए तैयार थी, और मुझे याद है कि मैंने सोचा था कि वह एक अच्छे चित्र जैसी लग रही थी, उसकी ठुड्डी थोड़ी सी उठी हुई थी, उसके बाल पतझड़ के पत्ते जैसे रंग के थे, और उसका चेहरा उसी भूरे रंग का था जैसा उसके घुटने पर बिना उंगलियों वाला दस्ताना था। जब मेरा खेल खत्म हो गया, तो उसने बिना कुछ कहे मुझे बताया कि उसकी सगाई किसी और से हो चुकी है। मुझे इस बात पर शक था, हालाँकि कई ऐसे लोग थे जिनसे वह एक इशारे में शादी कर सकती थी, लेकिन मैंने हैरानी जताने का नाटक किया। एक पल के लिए मुझे लगा कि कहीं मैं कोई गलती तो नहीं कर रहा, फिर मैंने जल्दी से सब कुछ दोबारा सोचा और अलविदा कहने के लिए उठ गया।

"फिर भी तुमने मुझे धोखा दिया," जॉर्डन ने अचानक कहा। "तुमने मुझे फोन पर धोखा दिया। अब मुझे तुम्हारी कोई परवाह नहीं है, लेकिन यह मेरे लिए एक नया अनुभव था, और मुझे कुछ देर के लिए चक्कर सा आ गया था।"
हमने हाथ मिलाया।
“ओह, और क्या आपको याद है?” – उसने आगे कहा – “एक बार हमारी कार चलाने के बारे में हुई बातचीत?”
"क्यों नहीं - बिलकुल नहीं।"
“आपने कहा था कि एक खराब ड्राइवर तभी तक सुरक्षित होती है जब तक उसकी मुलाकात किसी दूसरे खराब ड्राइवर से न हो जाए? खैर, मेरी मुलाकात एक और खराब ड्राइवर से हो गई, है ना? मेरा मतलब है कि ऐसा गलत अनुमान लगाना मेरी लापरवाही थी। मैंने सोचा था कि आप काफी ईमानदार और सीधे-सादे इंसान हैं। मैंने सोचा था कि यह आपका छिपा हुआ स्वाभिमान है।”
मैंने कहा, "मैं तीस साल का हूँ। खुद से झूठ बोलने और उसे सम्मान कहने के लिए मैं पाँच साल बहुत बूढ़ा हो चुका हूँ।"
उसने कोई जवाब नहीं दिया। गुस्से में, उससे आधे प्यार में और बेहद अफसोस के साथ, मैं मुँह फेरकर चला गया।
अक्टूबर के अंत में एक दोपहर मैंने टॉम बुकानन को देखा। वह फिफ्थ एवेन्यू पर मुझसे आगे चल रहा था, अपने सतर्क और आक्रामक अंदाज़ में। उसके हाथ शरीर से थोड़े बाहर निकले हुए थे, मानो किसी बाधा से लड़ रहे हों। उसका सिर तेज़ी से इधर-उधर हिल रहा था, मानो उसकी बेचैन आँखों के अनुसार ढल रहा हो। जैसे ही मैंने उसे ओवरटेक करने से बचने के लिए अपनी गति धीमी की, वह रुक गया और एक आभूषण की दुकान की खिड़कियों में घूरने लगा। अचानक उसने मुझे देखा और हाथ बढ़ाते हुए वापस चलने लगा।

“क्या बात है, निक? क्या तुम्हें मुझसे हाथ मिलाने में कोई आपत्ति है?”
“हाँ। तुम जानते हो कि मैं तुम्हारे बारे में क्या सोचता हूँ।” “तुम पागल हो, निक,” उसने झट से कहा। “बिल्कुल पागल। मुझे नहीं पता कि तुम्हें क्या हो गया है।”
“टॉम,” मैंने पूछा, “उस दोपहर तुमने विल्सन से क्या कहा था?” वह बिना कुछ बोले मुझे घूरता रहा, और मैं समझ गया कि उन गुमशुदा घंटों के बारे में मेरा अंदाज़ा सही था। मैं मुड़ने लगा, लेकिन वह मेरे पीछे आया और मेरा हाथ पकड़ लिया।
“मैंने उसे सच बता दिया,” उसने कहा। “जब हम जाने की तैयारी कर रहे थे, तब वह दरवाजे पर आया, और जब मैंने नीचे संदेश भेजा कि हम घर में नहीं हैं, तो उसने जबरदस्ती ऊपर आने की कोशिश की। अगर मैंने उसे कार का मालिक नहीं बताया होता, तो वह मुझे जान से मारने की हद तक पागल था। जब तक वह घर में था, हर मिनट उसकी जेब में रिवाल्वर थी ––” वह अकड़कर रुक गया। “अगर मैंने उसे बता भी दिया होता तो क्या होता? उस आदमी को उसकी करनी का फल मिलना ही था। उसने तुम्हारी आँखों में धूल झोंकी, ठीक वैसे ही जैसे उसने डेज़ी के साथ किया था, लेकिन वह बहुत ही क्रूर था। उसने मर्टल को ऐसे कुचल दिया जैसे किसी कुत्ते को कुचलते हो और अपनी कार रोकी तक नहीं।”
मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं था, सिवाय उस एक अनकही सच्चाई के कि यह सच नहीं था।
और अगर आपको लगता है कि मैंने दुख नहीं झेला – तो यहाँ देखिए, जब मैं वह फ्लैट खाली करने गई और साइडबोर्ड पर कुत्ते के बिस्कुट का वह डिब्बा पड़ा देखा, तो मैं बैठ गई और बच्चे की तरह रोने लगी। हे भगवान, यह कितना भयानक था ––”

मैं उसे न तो माफ़ कर सका और न ही उसे पसंद कर सका, लेकिन मैंने देखा कि उसने जो किया था, वह उसके लिए पूरी तरह जायज़ था। यह सब बहुत ही लापरवाही और उलझन भरा था। टॉम और डेज़ी लापरवाह लोग थे - वे चीज़ों और जीवों को तहस-नहस कर देते थे और फिर अपने पैसे या अपनी असीम लापरवाही, या जो भी चीज़ उन्हें एक साथ जोड़े रखती थी, उसमें वापस लौट जाते थे और दूसरों को उनके द्वारा फैलाई गई गंदगी को साफ करने देते थे...
मैंने उनसे हाथ मिलाया; ऐसा न करना मूर्खता प्रतीत हुई, क्योंकि मुझे अचानक ऐसा लगा जैसे मैं किसी बच्चे से बात कर रहा हूँ। फिर वे गहनों की दुकान में मोती का हार खरीदने चले गए – या शायद केवल कफ़ बटन की एक जोड़ी – और इस तरह मेरी संकीर्ण सोच वाली झिझक हमेशा के लिए दूर हो गई।

* * * * *

जब मैं वहां से निकला तो गैट्सबी का घर अभी भी खाली था – उसके लॉन की घास मेरे लॉन की घास जितनी लंबी हो गई थी। गांव के टैक्सी ड्राइवरों में से एक ऐसा था जो प्रवेश द्वार के पार किसी भी यात्री को एक मिनट रुके बिना और अंदर की ओर इशारा किए बिना नहीं जाने देता था; शायद वही था जिसने दुर्घटना वाली रात डेज़ी और गैट्सबी को ईस्ट एग तक पहुंचाया था, और शायद उसने इस बारे में अपनी ही एक कहानी बना ली थी। मैं वह कहानी सुनना नहीं चाहता था और ट्रेन से उतरते ही मैंने उससे दूरी बनाए रखी।
मैं अपनी शनिवार की रातें न्यूयॉर्क में बिताता था क्योंकि उनकी उन शानदार, चकाचौंध भरी पार्टियों की यादें मुझे आज भी इतनी जीवंत थीं कि उनके बगीचे से आती हल्की-हल्की हंसी और संगीत की आवाज़ें, और उनकी ड्राइववे पर आती-जाती गाड़ियों की आवाज़ें मुझे आज भी सुनाई देती थीं। एक रात मैंने सचमुच वहाँ एक गाड़ी

बहुत दूर से आया था, और उसका सपना इतना करीब लग रहा होगा कि वह उसे पकड़ने से चूक ही नहीं सकता था। उसे नहीं पता था कि वह सपना पहले ही उसके पीछे छूट चुका था, शहर के उस विशाल अंधकार में कहीं, जहाँ गणतंत्र के अंधेरे खेत रात के अंधेरे में दूर-दूर तक फैले हुए थे।
गैट्सबी हरे प्रकाश में विश्वास करता था, उस आनंदमय भविष्य में जो साल दर साल हमारे सामने से दूर होता जाता है। वह तब हमसे दूर हो गया था, लेकिन कोई बात नहीं – कल हम और तेज़ दौड़ेंगे, अपनी बाहें और दूर तक फैलाएंगे… और एक खूबसूरत सुबह ––
इसलिए हम धारा के विपरीत नावों की तरह आगे बढ़ते रहे, निरंतर अतीत की ओर धकेले जाते रहे।

• सबसे अधिक बिकने वाली ई-पुस्तकें • •1984 जॉर्ज ऑरवेल द्वारा
ISBN: 9789380914947
•प्यार की तरह बहुतसुमरित शाही द्वारा
ISBN: 9789380914114
•पशु फार्मजॉर्ज ऑरवेल द्वारा
ISBN: 9789380914701
•Gitanjali रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा
ISBN: 9789380914886
•लोगों को देखते ही उनका विश्लेषण कैसे करेंएल्सी लिंकन बेनेडिक्ट और राल्फ पेन बेनेडिक्ट द्वारा ISBN:9789380914015
•प्यार सिर्फ एक बार होता हैby Rochak Bhatnagar
ISBN: 9789380914183
•मेरा संघर्ष (Mein Kampf)एडॉल्फ हिटलर द्वारा
ISBN: 9789380914855
•मुहम्मद: इस्लाम के अंतिम पैगंबरजी.एम. ड्रेकोट द्वारा ISBN: 9788190276696
•सत्य के साथ मेरे प्रयोगएम.के. गांधी द्वारा
ISBN: 9789380914619
•एक जीवन एक प्यार by Rochak Bhatnagar
ISBN: 9789380914350
•पोल्का डॉट्स, पोनीटेल और बैंगनी होंठअमृता आनंद द्वारा ISBN: 9789380914305
•सापेक्षताअल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा
ISBN: 9789380914220

•□□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□□
ISBN: 9789380914770
•□□□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□
ISBN: 9789380914145
•□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□
ISBN: 9789380914893
•□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□
ISBN: 9789380914602
•□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□
ISBN: 9789380914275
•□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□
ISBN: 9789380914312
•□□□ □□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□
ISBN: 9789380914206
•□□□□ □□ □□□□□□ 2 □□□□□ □□. □□□□ □□□□□□
ISBN: 9789380914756

sjeet